ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, उत्तराखण्ड़, पौड़ी

जनपद चम्पावत

जनपद चम्पावत के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन को कम करने लिए सिफारिशें

जून 2021

प्रस्तावना

चम्पावत उत्तराखण्ड राज्य के पूर्वी क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख जनपद है। चम्पावत जनपद का कुल क्षेत्रफल 1766 वर्ग किमी है, यह उत्तराखण्ड का सबसे छोटा जनपद है। 15 सितम्बर 1997 को पिथौरागढ़ जनपद से अलग होकर एक नया जनपद चम्पावत बनाया गया। चम्पावत अपने ऐतिहासिक महत्व के साथ–साथ अपने प्रसिद्ध स्थलों के लिए जाना जाता है, जिसमें बालेश्वर मन्दिर सबसे लोकप्रिय है। इसी के साथ–साथ पूर्णागिरी का मन्दिर, लोहाघाट, देवीधुरा और पंचेश्वर आदि हैं।

जनपद चम्पावत की जनसंख्या वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार कुल 224542 है, जो वर्ष 2011 की जनगणना में बढ़कर 259648 हुई, इनमें 131125 पुरूष तथा 128523 महिलाएं हैं। जनपद चम्पावत का जनसंख्या घनत्व 147 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो वर्ष 2001 में 127 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था, जिसमें 16% की वृद्धि हुई है।

पिछले 10 वर्षों में 304 ग्राम पंचायतों से कुल 20332 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर ग्रामों में अपने घर आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है। पिछले 10 वर्षों में 208 ग्राम पंचायतों से 7886 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिंता का विषय है। आंकड़े दर्शाते हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन की समस्या आर्थिक विषमताओं; कृषि के उत्पादन में कमी; कम ग्रामीण आय और एक तनावग्रस्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कारण अनेक समस्याऐं उत्पन्न कर रही हैं। इसी संदर्भ में आयोग ने चम्पावत जिले के प्रत्येक प्रखंड का एक विस्तृत सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण किया है। यह रिपोर्ट जिले के सामाजिक–आर्थिक मापदंडों की विस्तार से जाँच–पड़ताल करती है, विशेष रूप से उनके संदर्भ में जो पलायन पर प्रभाव डालते हैं। जिले की ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं, जो इन क्षेत्रों से लोगों के पलायन को अवरूध करेगी। सिफारिशों करने से पहले राज्य और जिला अधिकारियों और स्थानीय लोगों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श भी किया गया था।

आयोग अपने अध्यक्ष श्री तीरथ सिंह रावत, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन; श्रीमती मनीषा पवार, अपर मुख्य सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन को उनके सुझाव और समर्थन के लिए; जिलाधिकारी, चम्पावत एवं उनके अधिकारियों की टीम; विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारी और कर्मचारी; जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी; एन.जी.ओ. और ग्रामीणों, श्री रोशन लाल, सदस्य सचिव, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, श्री गजपाल चन्दानी, शोध अधिकारी, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग तथा श्री भूपाल सिंह रावत, वैयक्तिक सहायक द्वारा इस रिपोर्ट को तैयार करने के अथक प्रयासों को विनम्रता के साथ स्वीकार करता है।

जून 2021

डॉ शरद सिंह नेगी
उपाध्यक्ष

अन्तर्वस्तु

अध्याय I :	परिचय	1
अध्याय II :	सामाजिक–आर्थिक आंकड़ों का विश्लेषण	17
अध्याय III :	पलायन की स्थिति	45
अध्याय IV :	ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु जनपद चम्पावत में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण	54
अध्याय V:	विश्लेषण एवं सिफारिशें	120

अध्याय ।

परिचय

जनपद चम्पावत का पौराणिक एवं ऐतिहासिक परिदृश्य

चम्पावत उत्तराखण्ड राज्य के पूर्वी क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख जनपद है। 15 सितम्बर 1997 को पिथौरागढ़ जनपद से अलग होकर एक नया जनपद चम्पावत बनाया गया। चम्पावत अपने ऐतिहासिक महत्व के साथ–साथ अपने प्रसिद्ध स्थलों के लिए जाना जाता है, जिसमें बालेश्वर मन्दिर सबसे लोकप्रिय है। इसी के साथ–साथ पूर्णागिरी का मन्दिर, लोहाघाट, देवीधुरा और पंचेश्वर आदि हैं। चम्पावत ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं और मीलों गहरी खाइयों और नदियों के लिए भी जाना जाता है, जहाँ जनपद की प्रमुख नदियां पंचेश्वर नामक स्थान पर काली नदी में मिल जाती हैं। जनपद चम्पावत की समुद्र तल से औसत ऊँचाई 1615 मीटर है। चम्पावत जनपद का कुल क्षेत्रफल 1766 वर्ग किमी है, यह उत्तराखण्ड का सबसे छोटा जनपद है।

यदि चम्पावत के पौराणिक ऐतिहासिक शासकों की बात करें तो यहाँ सबसे पहले कुणिन्दों का शासन था, क्योंकि कुणिन्दों के यहाँ सिक्के और ताम्र पत्र मिले हैं। इसके बाद यहाँ कत्यूरी और चन्द शासकों का शासन काल रहा। चन्द वंश के शासक सोमचन्द ने यहाँ राजबुंगा किला का निर्माण करवाया और इसी स्थान का नाम चम्पावत रखा गया। चन्द शासकों ने यहाँ नेपाल से रेशम का आयात भी किया था। चन्द शासकों ने यहाँ 953 ईस्वी से 1563 ईस्वी तक शासन किया और वे फिर यहाँ से अल्मोड़ा चले गये।

चम्पावत को ब्रिटिश काल के दौरान एक तहसील का दर्जा मिल गया था उससे पहले ये अल्मोड़ा का एक हिस्सा था जो बाद में पिथौरागढ़ जिले के अन्तर्गत आया और चम्पावत की भौगोलिक परिस्थिति को समझते हुए यहाँ के विकास एवं शिक्षा की दृष्टि से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चम्पावत को एक जिले का दर्जा दे दिया गया और 14 सितम्बर 1997 को एक नया जिला बनकर सामने आया।

चम्पावत आज अपने दर्शनीय स्थलों के लिए प्रसिद्ध है जिसमें क्रान्तेश्वर मन्दिर बेहद खास है क्योंकि माना जाता है कि भगवान विष्णु ने यहीं कूर्म अर्थात कछुवे का अवतार लिया था। चम्पावत का बालेश्वर मन्दिर भी बेहद खास है जिसे कत्यूरी राजाओं ने बनाया था। यह मन्दिर भगवान शिव को समर्पित है। यह मन्दिर अपनी अनोखी वास्तुकला और शिल्पकला के लिए जाना जाता है। यहीं से 72 किमी दूर मीठा रीठा साहिब है जहाँ गुरूनानक देव आये थे। कहा जाता है कि यहाँ गुरूनानक देव के स्पर्श से रीठे के पेड़ मीठे हो गये थे जिस वजह से यहाँ का नाम मीठा रीठा साहिब रखा गया। इसके अतिरिक्त आप यहाँ लोहाघाट जा सकते हैं जो चम्पावत जिले की नगर पंचायत है। लोहाघाट घने जंगलों के लिए काफी प्रसिद्ध है और यहीं बग्वाल मेला का भी आयोजन किया जाता है जो रक्षाबन्धन के समय देवीधुरा में लगता है। नैनीताल की खोज करने वाले पी. बैरन ने लोहाघाट को प्रकृति का साक्षात स्वर्ग भी कहा था लोहाघाट का नाम लोहावती नदी के नाम पर रखा गया है। हरी भरी वादियों से भरे चम्पावत में ऐसे कई दर्शनीय स्थल हैं जिनमें से यहाँ स्थित गोलू देवता का मंदिर भी है।

भौगोलिक वर्णन

चम्पावत कुमाऊँ मण्डल के दक्षिण पूर्व में पड़ोसी देश नेपाल की सीमा से लगा हुआ जनपद है। जनपद चम्पावत की सीमा उत्तर में पिथौरागढ़, पश्चिम में अल्मोड़ा तथा नैनीताल और दक्षिण में उधमसिंहनगर जनपद की सीमाओं से मिलती हैं। जनपद का क्षेत्रफल करीब 1766 वर्ग किमी है। जिस कारण चम्पावत उत्तराखण्ड राज्य में सबसे कम क्षेत्रफल वाला जनपद के रूप में भी जाना जाता है। जनपद की न्यूनतम ऊँचाई समुद्रतल से 700 मीटर (टनकपुर) व अधिकतम ऊँचाई लगभग 2600 मीटर है।

जनपद उच्च हिमालय में निहित, हिमपात रहित घाटियों और पहाड़ियों वाला जनपद हैं। यहां चोटी और घाटियां श्रृंखला में है। अंतहीन श्रृंखलाओं वाली चोटियों में बहुत ठंडा होता है। जनपद का अधिकांश भू–भाग पहाड़ी है जिसमें ऊंचाई वाली पहाड़ी, पहाड़ी, पठार और फ्लैट के टुकड़े दुलर्भ हैं।

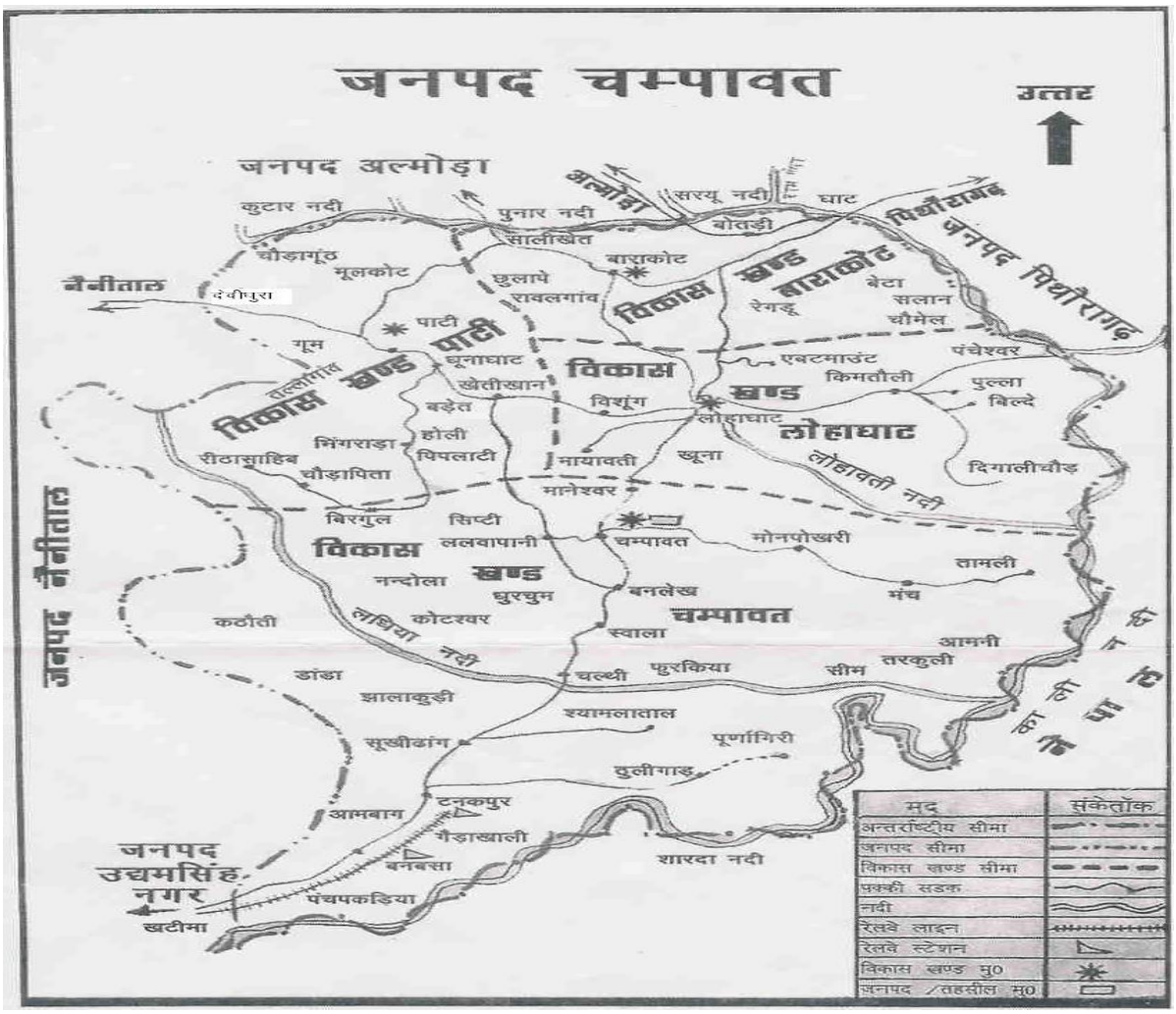

प्रशासनिक रूपरेखा

चम्पावत की प्रतिकूल भौगोलिक स्थिति, बिखरी हुई आबादी और बीहड़ स्थलाकृतिक परिस्थियों को देखते हुए इसमें जनपद पिथौरागढ़ की तहसील चम्पावत तथा जनपद ऊधम सिंह नगर के 35 राजस्व ग्राम व नगरपालिका परिषद टनकपुर के साथ–साथ नैनीताल जिले के कुछ गांवों को सम्मिलित करते हुए 15 सितम्बर 1997 को यह जिला अस्तित्व में आया। वर्ष 2001 की जनगणना तक, यहां केवल एक तहसील चम्पावत थी, हालांकि चम्पावत से तीन नई तहसीलों की स्थापना के साथ, 2011 की जनगणना में तहसीलों

की संख्या चार हो गयी है जो इस प्रकार से है – चम्पावत, पाटी, लोहाघाट और पूर्णागिरी। विकास के दृष्टिकोण से जनपद को पाटी, बाराकोट, चम्पावत और लोहाघाट जैसे चार विकास खण्डों में विभाजित किया गया है। जिले में कुल 705 गांव हैं, जिनमें से 632 आबाद, 55 निर्जन और 18 वन गांव हैं। जिले के अन्तर्गत 313 ग्राम पंचायत हैं। वर्ष 2001–2011 के दशक के दौरान, 146 गांवों के साथ नई तहसील पाटी, 187 गांवों के साथ लोहाघाट तथा तहसील चम्पावत से 81 गांवों को स्थानान्तरित करके एक और पूर्णागिरी तहसील भी बनायी गयी। चम्पावत जिले में टनकपुर, चम्पावत, लोहाघाट और वनबसा चार प्रमुख शहर हैं।

वर्तमान समय में बाराकोट तहसील के स्थापना के बाद चम्पावत जिले को कुल पांच तहसीलों तथा पुल्ला और मंच नाम से दो उप–तहसीलों और चार विकास खंडों में विभाजित किया गया है। आम जनता की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से जनपद में 19 ऐलोपैथिक अस्पताल, 25 आयुर्वेदिक अस्पताल, 5 होम्योपैथिक अस्पताल, 3 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भी स्थापित किये गये हैं। शिक्षा तक आसान और सस्ती पहुंच प्रदान करने के लिए 637 जूनियर बेसिक विद्यालय, 157 सीनियर बेसिक विद्यालय, 137 माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय, 3 कॉलेज और 3 पीजी कॉलेज हैं। चम्पावत उत्तराखण्ड राज्य में सबसे कम 313 ग्राम पंचायत वाला जनपद भी है।

जनपद	तहसील / उपतहसील	नगरपालिका	नगर पंचायत	विकासखण्ड़	न्याय पंचायत की संख्या	ग्राम पंचायत की संख्या
चम्पावत	पाटी	चम्पावत	बनबासा	चम्पावत	8	113
	श्री पूर्णागिरि			पाटी	5	85
	चम्पावत					
	लोहाघाट			लोहाघाट	7	67
	बाराकोट	टनकपुर	लोहाघाट			
	पुल्ला			बाराकोट	4	48
	मंच					
योग	**7**	**2**	**2**	**4**	**24**	**313**

जनपद के विकासखण्ड पाटी एवं लोहाघाट में आगामी समय में आबाद ग्रामों की संख्या में गिरावट तथा विकासखण्ड बाराकोट, चम्पावत तथा वन क्षेत्रों में आबाद ग्रामों की संख्या में वृद्धि होने की सम्भावना निम्नवत तालिका के आंकड़ों से स्पष्ट होता है जो कि आगामी समय में भी पलायन की ओर संकेत माना जा सकता है। आंकडें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं।

वर्ष / विकास खण्ड	पाटी में ग्रामों की संख्या			बाराकोट में ग्रामों की संख्या			लोहाघाट में ग्रामों की संख्या			चम्पावत में ग्रामों की संख्या			वन क्षेत्र में ग्रामों की संख्या		
	आबाद	गैर आबाद	योग	आबाद	गैर आबाद	योग	आबाद	गैर आबाद	योग	आबाद	गैर आबाद	योग	आबाद	गैर आबाद	योग
1991	159	10	169	98	5	103	146	8	154	240	21	261	8	1	9
2001	154	10	164	98	5	103	146	8	154	245	21	266	8	1	9
2011	156	8	164	100	3	103	144	10	154	244	22	266	18	12	30

मौसम

चम्पावत जिले के कुछ क्षेत्रों में दिसम्बर, जनवरी तथा फरवरी माह के मध्य मौसम आमतौर पर बर्फबारी का रहता है। *जनपद में वर्ष 2009 से वर्ष 2020 के मध्य वर्ष 2020 के जनवरी माह में 27.8 सेमी सबसे अधिक बर्फबारी के आंकड़े देखे जा सकते हैं।* वर्षा के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2009 से वर्ष 2020 के मध्य वर्ष 2019 के जुलाई माह में 259.28 मिमी सबसे अधिक वर्षा तथा सबसे कम वर्ष 2009 के माह जुलाई में 77.01 मिमी वर्षा जनपद के अन्तर्गत हुई है। तत्समय के अन्तर्गत तापमान की दृष्टि से देखें तो ज्ञात होता है कि सबसे अधिक ठण्ड चम्पावत में वर्ष 2013 के जनवरी माह में 0^0C तापमान न्यूनतम तथा 15^0C अधिकतम दर्ज किया गया जबकि सबसे अधिक गर्मी वर्ष 2009 के जून माह में 21^0C तापमान न्यूनतम तथा 36^0C अधिकतम रहा जो आंकड़े वर्ष 2019 के माह जून में पुनः दर्ज हुए।

जनपद में वर्षभर का मौसम एवं तापमान का अनुमानित विवरण

माह	न्यूनतम तापमान	अधिकतम तापमान
जनवरी	4^0C	10^0C
फरवरी	6^0C	15^0C
मार्च	12^0C	18^0C
अप्रैल	15^0C	22^0C
मई	15^0C	26^0C
जून	20^0C	30^0C
जुलाई	20^0C	30^0C
अगस्त	16^0C	26^0C
सितम्बर	15^0C	19^0C
अक्टूबर	10^0C	16^0C
नवम्बर	6^0C	13^0C
दिसम्बर	5^0C	11^0C

वर्ष 2019 –20 के वर्षा के माहवार आकड़ों का विवरण	
माह	वर्षा के आंकड़ें
अप्रैल	33.3 mm
मई	16.25 mm
जून	19.13 mm
जुलाई	259.28 mm
अगस्त	154.08 mm
सितम्बर	96.7 mm

अक्टूबर	13.3 mm
नवम्बर	1.73 mm
दिसम्बर	27.05 mm
जनवरी	64.48 mm
फरवरी	12.68 mm
मार्च	32.15 mm

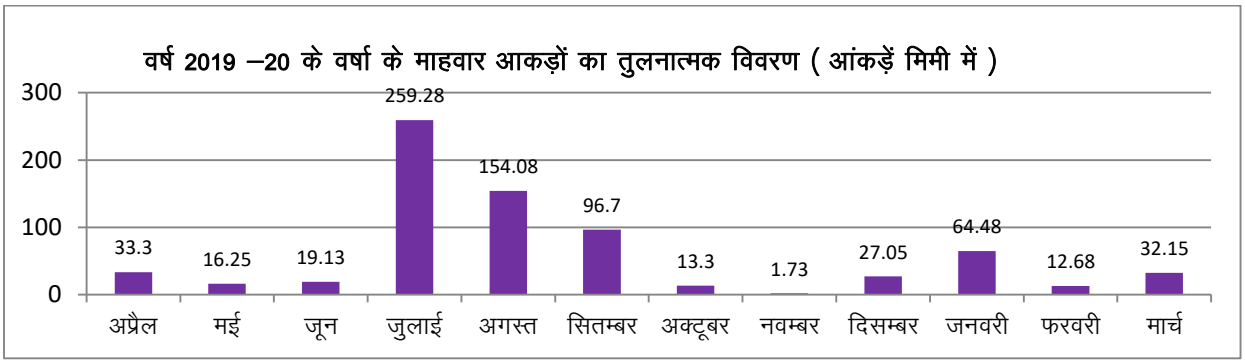

वर्ष 2009 – 2020 के मध्य बर्फबारी का वर्षवार आकड़ों का विवरण		
वर्ष	बर्फबारी के आंकड़ें	माह का नाम
2009	0	0
2010	0	0
2011	0.2 cm	जनवरी
2012	0	0
2013	0	0
2014	0	0
2015	0.3 cm	ज्नवरी
2016	0	0
2017	0.8 cm	जनवरी
2018	0	0
2019	25.5 cm	जनवरी
	22.9 cm	फरवरी
	4.3 cm	मार्च
2020	14.3 cm	दिसम्बर
	27.8 cm	जनवरी
	0.3 cm	फरवरी
	2.6 cm	मार्च

भूमि उपयोगिता एवं आच्छादन का विवरण

1766 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक क्षेत्रफल में फैला जनपद चम्पावत उत्तराखण्ड राज्य का सबसे छोटा जनपद है, जिसका भूमि का श्रेणीबद्ध विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है। जनपद का अधिकांश भाग घने जंगलो से आच्छादित है। वर्ष 1990 में घने जंगलो का क्षेत्रफल 1480.9 वर्ग किलोमीटर था, जो वर्ष 2014 तक 1385.8 वर्ग किलोमीटर रह गया। आगामी वर्षों में उक्त क्षेत्र में इसी तरह गिरावट हुई तो यह आंकड़ा वर्ष 2031 तक 1358.5 वर्ग किमी रह जायेगा, जो जनपद के भौगोलिक पर्यावरण के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

जनपद क्षेत्रफल में श्रेणीबद्ध चारागाह वाली भूमि तथा बंजर भूमि का वर्ष 1990 से वर्ष 2031 तक क्रमशः 581.3 वर्ग किलोमीटर, 16.1 वर्ग किलोमीटर की गिरावट दर्ज हुयी है। वहीं निर्माण भूमि, कृषि भूमि तथा नदी नाले वाली भूमि के क्षेत्रफल में क्रमशः 2.3 वर्ग किलोमीटर, 379.2 वर्ग किलोमीटर, 66.1 वर्ग किलोमीटर की बढोत्तरी होने के जनपद में आसार दिखाये पड़ते हैं जिसके आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

वर्ष	निर्माण युक्त भूमि	कृषि भूमि	जंगली भमि	चारागाह वाली भूमि	बंजर भूमि	नदी नाले वाली भूमि	स्थायी बर्फ वाली भूमि
1990	0.5	108.0	1480.9	751.0	30.9	62.9	0.0
1999	0.6	132.8	1484.3	41.6	35.5	63.7	0.0
2009	1.1	197.5	1463.7	26.8	5.1	64.3	0.0
2014	1.7	287.7	1385.8	11.8	7.0	64.8	0.0
2020	1.8	301.5	1395.9	-271.3	-2.1	65.2	0.0

नदी नालों की भूमि एवं निर्माण भूमि में वृद्धि होने का तात्पर्य होता है कि जनपद में आपदा होने के साथ–साथ चारागाह और बंजर भूमि में और गिरावट होने के आंकड़े प्रलक्षित होते हैं। इसे रोकने के लिए सरकार को समय रहते उचित कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

जनसांख्यिकी

जनपद में तहसीलवार वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य तहसीलों की जनसंख्या का विवरण दिया गया है जिसमें सबसे कम 6.81% जनसंख्या वृद्धि पूर्णागिरि तहसील में हुए है जबकि सबसे अधिक 41.46% चम्पावत तहसील में हुई है, अन्य तहसीलों की भी कोई अच्छी जनसंख्या वृद्धि दर प्रदर्शित नहीं होती है। उक्त आंकड़े पलायन की ओर संकेत करते हैं। क्योंकि जनपद की कुल जनसंख्या वृद्धि दर 15.63% है जो कि अन्य जनपदों के मुकाबले कम है। जनपद की कुल जनसंख्या में महिलाओं के द्वारा मात्र 13.28% के माध्यम से योगदान किया गया है जिसका विवरण निम्नवत तालिकाओं और ग्राफ में दर्शाया गया है।

जनपद चम्पावत में वर्षवार एवं तहसीलवार जनसंख्या का विवरण					
वर्ष / विकासखण्ड	चम्पावत	पूर्णागिरी	लोहाघाट	पाटी	जनपद
2001	38545	68479	77616	39902	224542
2011	54524	73143	86477	45504	259648
2021	70503	77807	95338	51106	294754
2001 से 2011 के मध्य बदलाव	15979	4664	8861	5602	35106

2001 से 2011 के मध्य बदलाव प्रतिशत	***41.46%***	***6.81%***	***11.42%***	***14.04%***	***15.63%***

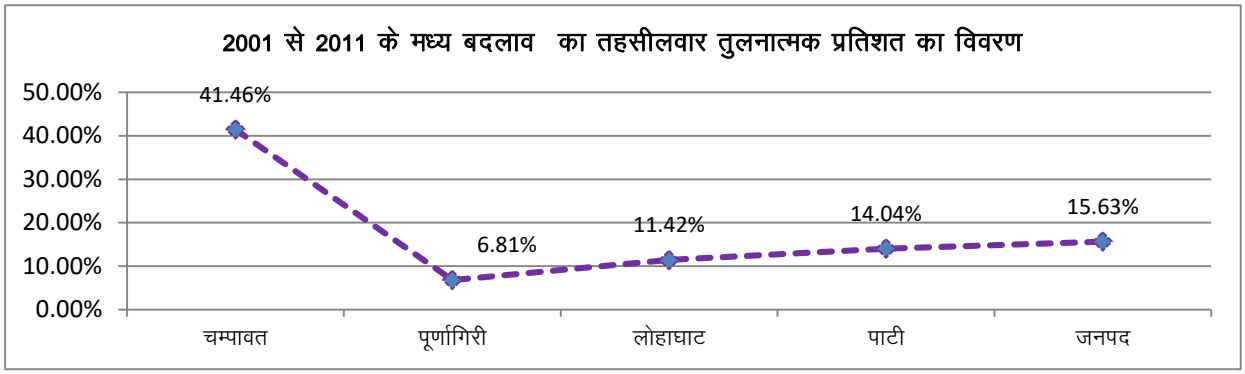

जनपद चम्पावत की जनसंख्या वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार कुल 224542 है, जो वर्ष 2011 की जनगणना में बढ़कर 259648 हुई, इनमें 131125 पुरूष तथा 128523 महिलाएं हैं। जनपद चम्पावत का जनसंख्या घनत्व 147 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो वर्ष 2001 में 127 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था, जिसमें 16% की वृद्धि हुई है। जिसके आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं।

वर्ष	कुल जनसंख्या			जनसंख्या घनत्व
	पुरूष	महिला	योग	
2001	111084	113458	224542	127
2011	131125	128523	259648	147
दशकीय परिवर्तन ±	20041	15065	35106	20
	18.04%	**13.28%**	**15.63%**	**16%**

जनपद चम्पावत में विकासखण्डवार जनसंख्या में वर्ष 2011 के लिए दशकीय परिवर्तन देखें तो आंकड़ों से ज्ञात होता है कि विकासखण्ड चम्पावत में सबसे अधिक 22.60% व विकासखण्ड बाराकोट में सबसे कम 8.78% दशकीय परिवर्तन देखा जा सकता है। जबकि इसके विपरीत वन बस्ती जनसंख्या में 133. 33% व नगरीय जनसंख्या में 13.51% दशकीय परिवर्तन दर देखी जा सकती है। जिसके आंकड़े निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाये गये हैं।

दशकीय परिवर्तन प्रतिशत का तुलनात्मक विवरण					
क्र0स0	**विकासखण्ड का नाम**	**जनसंख्या**		**दशकीय परिवर्तन**	
		2001	**2011**	**संख्या**	**प्रतिशत**
1	चम्पावत	78845	96667	17822	22.60%
2	लोहाघाट	40755	45333	4578	11.23%
3	बाराकोट	24523	26676	2153	8.78%

4	पाटी	46359	51971	5612	12.11%
विकासखण्ड योग		***190482***	***220647***	***30165***	***15.84%***
वन बस्तियों की जनसंख्या		282	658	376	133.33%
नगरीय जनसंख्या		33778	38343	4565	13.51%
महायोग		***224542***	***259648***	***35106***	***15.63%***

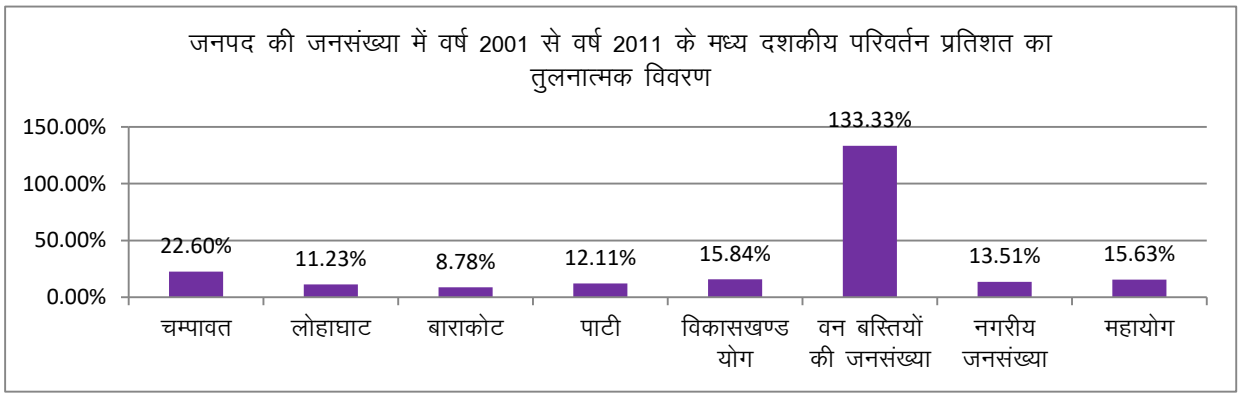

जनपद चम्पावत में वर्ष 1901 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या में हुए दशकीय बदलाव को निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है, जिसमें वर्ष 1931 से वर्ष 1971 के मध्य जनसंख्या में वृद्वि दर देखी गयी है जो वर्ष 1971 में बढ़कर 45.07% हो गयी थी परन्तु वर्ष 1981 से जनसंख्या में हर दशक में गिरावट होते हुए वर्ष 2011 तक जनसंख्या में 15.63% की वृद्धि दर रह चुकी है, जिससे जनपद से पलायन की पुष्टि होती है। जिसके आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रस्तुत किये गये हैं।

वर्ष 1901 की स्थिति से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या में दशकीय बदलाव						
जनपद	जनगणना वर्ष	जनसंख्या	पूर्ववर्ती जनगणना के बाद से बदलाव		पुरूष	महिला
			शुद्व बदलाव	प्रतिशत		
चम्पावत	1901	39,902	----	----	20,524	19,378
	1911	45,196	+5,294	+13.27	23,314	21,882
	1921	44,606	-590	-1.31	22,759	21,847
	1931	48,514	+3,908	+8.76	24,759	23,755
	1941	56,462	+7,948	+16.38	28,616	27,846
	1951	63,640	+7,178	+12.71	32,553	31,087
	1961	83,080	+19,440	+30.55	42,882	40,198
	1971	120,525	+37,445	+45.07	61,636	58,889
	1981	151,072	+30,547	+25.34	77,580	73,492
	1991	190,929	+39,857	+26.38	98,173	92,756

	2001	224,542	+33,613	+17.60	111,084	113,458
	2011	259,648	+35,106	+15.63	131,125	128,523

जनपद में आयु वर्गानुसार जनसंख्या (जनगणना वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य बदलाव)									
आयु वर्ग	कुल जनसंख्या 2001			कुल जनसंख्या 2011			वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य बदलाव		
	पुरूष	स्त्रियां	योग	पुरूष	स्त्रियां	योग	पुरूष	स्त्रियां	योग
0–09	29748	28060	57808	29113	25786	54899	-2%	-8%	-5%
10–14	15256	14630	29886	16331	15517	31848	7%	6%	7%
15–19	11374	11078	22452	14383	13220	27603	26%	19%	23%
20–24	8082	9409	17491	11235	11238	22473	39%	19%	28%
25–29	6900	8810	15710	9676	10417	20093	40%	18%	28%
30–34	6425	7588	14013	8496	8670	17166	32%	14%	23%
35–39	6512	7430	13942	7942	8725	16667	22%	17%	20%
40–44	5914	5698	11612	7240	7124	14364	22%	25%	24%
45–49	5004	4962	9966	6351	6174	12525	27%	24%	26%
50–54	4307	4076	8383	5042	5046	10088	17%	24%	20%
55–59	3210	3180	6390	3887	4474	8361	21%	41%	31%
60–64	3137	3211	6348	4597	4593	9190	47%	43%	45%
65–69	2008	2195	4203	2683	2888	5571	34%	32%	33%
70–74	1596	1560	3156	1967	2224	4191	23%	43%	33%
75–79	727	636	1363	990	1088	2078	36%	71%	52%
>=80	766	834	1600	1136	1298	2434	48%	56%	52%
आयु नहीं बताई	118	101	219	56	41	97	-53%	-59%	-56%
सभी आयु वर्ग का महायोग	111084	113458	224542	131125	128523	259648	18.04%	13.28%	15.63%

जनपद चम्पावत में वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य के आयुवार आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में आयु वर्ग 0 से 09 वर्ष वालों की संख्या में गिरावट हुई है जो सरकार की बच्चे दो ही अच्छे योजना का परिणाम है, परन्तु जनपद में 30 से 50 वर्ष आयु वर्ग में होने वाले गिरावट को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है, जिनकी संख्या में कमी होने का कारण कि वो लोग रोजगार के लिए जनगणना के समय जनपद में नहीं रहे होगें। जनपद में 0 से 39 साल की आयुवर्ग की महिलाओं की संख्या में भी खासी गिरावट देखी जा सकती है जो आने वाले समय के लिंगानुपात के लिए उचित नहीं होगा। आयुवर्ग के आंकड़ें उपरोक्त तालिका एवं निम्नवत ग्राफ में दिये गये हैं।

जनपद में वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्यावार ग्रामों की संख्या में विकासखण्डवार परिवर्तन का विवरण															
वर्ष	वर्ष 2001 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2011 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य ग्रामों की संख्या में बदलाव	वर्ष 2001 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2011 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य ग्रामों की संख्या में बदलाव	वर्ष 2001 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2011 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य ग्रामों की संख्या में बदलाव	वर्ष 2001 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2011 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य ग्रामों की संख्या में बदलाव	वर्ष 2001 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2011 के अन्तर्गत जनसंख्या के आधार पर ग्रामों की संख्या	वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य ग्रामों की संख्या में बदलाव
विकासखण्ड	पाटी			बाराकोट			लोहाघाट			चम्पावत			वन क्षेत्र		
200 से कम	74	74	0	52	56	4	84	77	-7	135	123	-12	5	17	12
200–499	57	48	-9	37	27	-10	40	40	0	72	59	-13	0	1	1
500–999	20	26	6	9	15	6	18	22	4	29	35	6	0	0	0
1000–1499	4	6	2	2	2	0	3	2	-1	5	7	2	0	0	0
1500–1999	0	2	2	0	0	0	1	2	1	3	1	-2	0	0	0
2000– 4999	0	0	0	0	0	0	1	1	0	5	7	2	0	0	0
5000 या अधिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग	155	156	1	100	100	0	147	144	-3	249	232	-17	5	18	13

जनपद के अन्तर्गत वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्यावार ग्रामों की संख्या का विकासखण्डवार आंकड़ों का अध्ययन किया जाय तो ज्ञात होता है कि जनपद के विकासखण्ड चम्पावत में 200 से कम और 200 से 499 तक की जनसंख्या वाले ग्रामों की संख्या में क्रमशः 12 व 13 ग्रामों की गिरावट हुई है, तद्क्रम में क्रमशः विकासखण्ड बाराकोट में 10 ग्राम, पाटी में 9 ग्राम तथा लोहाघाट में 7 ग्रामों के साथ गिरावट देखी जा सकती है।

जनपद में 1000 से 1999 तक की अधिक जनसंख्या वाले ग्रामों के आंकड़ों को देखे तो स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड लोहाघाट और विकासखण्ड चम्पावत में वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य क्रमशः 01 व 02 ग्रामों की कमी आई है जो कि पलायन की पुष्टि करता है।

अर्थव्यवस्था

अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय के आंकड़ों के अनुसार चम्पावत जनपद की सकल जिला घरेलू उत्पाद वर्ष 2008–09 के लिए रूपये 80100 लाख है जो राज्य की कुल GDDP में 1.99 प्रतिशत का योगदान है। वर्ष 2008–09 के लिए जिले की प्रति व्यक्ति आय रूपये 27374 है जो कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय रूपये 36520 से बहुत कम है।

जनपद के अन्तर्गत प्रमुख आर्थिक और वाणिज्यिक गतिविधियों को विकासखण्डवार विवरण निम्नवत तालिका में दिया गया है।

विकासखण्ड का नाम	**विकास गतिविधि**
चम्पावत	चावल मिल, आटा मिल, धातु और प्लास्टिक आधारित इकाईयाँ, खाद्य/कृषि प्रसंस्करण, बेकरी, कोल्ड स्टोरेज, होटल, स्टोन क्रेशर, बॉटलिंग प्लांट, इंजीनियरिंग इकाईयाँ
लोहाघाट	वन सम्बन्धी गतिविधियाँ, कोल्ड स्टोरेज, खाद्य/कृषि प्रसंस्करण, बेकरी
बाराकोट	दलहन पॉलिश, औषधीय प्रसंस्करण, होटल, स्टोन क्रेशर, बॉटलिंग प्लांट
पाटी	दलहन पॉलिश, मसाला उद्योग, बेकरी, कोल्ड स्टोरेज, इंजीनियरिंग इकाईयाँ

प्राथमिक क्षेत्र

चम्पावत की मुख्य रूप से कृषि अर्थव्यवस्था है। छोटे और सीमांत किसानों के पास लगभग 73 प्रतिशत खेत है जिन पर वो कृषि गतिविधि करते हैं। खरीफ के मौसम में चम्पावत में सबसे बडे पैमाने पर मक्का, मंडुआ और उडद, गहत, तिल और सोयाबीन आदि दालें उत्पादित होती हैं जबकि रबी के मौसम में गेहूँ, जौ, मटर और मसूर आदि फसलें उगाई जाती है।

टनकपुर और बनवसा क्षेत्रों में आम और लीची प्रमुख कृषि उत्पाद हैं यह क्षेत्र पशुओं के चारे के उत्पादन के लिए भी अधिक उपयुक्त है। चम्पावत में परती भूमि की मात्रा अधिक होने के कारण पानी की कमी, गरीबी और खेती की गैर–पारिश्रमिक प्रकृति है।

चम्पावत में प्रमुख फसल गेहूँ और धान है जिनकी उत्पादकता वर्ष 2012–13 में क्रमशः 12.61 टन/हेक्टेयर व 11.61 टन/हेक्टेयर रहा है। चम्पावत की स्थलाकृति मौसमी फलों, सब्जियों और मसालों को उगाने के लिए उपयुक्त है। अदरक और आलू की उत्पादकता जनपद में सबसे अधिक है। टमाटर जैसी ऑफ–सीजन सब्जियां किसानों को बेहतर पारिश्रमिक मूल्य प्रदान करते हैं।

द्वितीयक क्षेत्र

जनपद की भौगोलिक परिस्थिति के अनुसार चम्पावत में मध्यम और बडे उद्यम मौजूद नहीं हैं। जिससे यहाँ मध्यम या बडे उद्यम स्थापित करना मुश्किल हो जाता है, का पर्याप्त अनुपात खाद्य प्रसंस्करण, फोटोग्राफी और सम्बन्धित व्यावसायिक गतिविधियों में ही शामिल हो जाता है। गैर–कृषि क्षेत्र में कुटीर उद्योग और अन्य सूक्ष्म इकाइयों जैसे वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत और चमड़ा आदि व्यवसाय ही मौजूद हैं।

तृतीयक क्षेत्र

चम्पावत अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और ऐतिहासिक मन्दिरों के लिए प्रसिद्ध हैं इसमें उच्च कलात्मक मूल्य के कई प्रसिद्ध मन्दिर हैं जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता के साथ–साथ हजारों देशी और विदेशी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते है। *चम्पावत में धार्मिक महत्व के स्थान में मीठा रीठा साहिब, देवीधुरा, पूर्णागिरि मन्दिर, मायावती आश्रम, पंचेश्वर और लोहावती नदी के तट पर स्थित स्वामी विवेकानन्द आश्रम के साथ–साथ हिमालय की मनमोहक सुन्दर चोटियों के दृश्य बहुत प्रसिद्ध हैं।* अनुमानित ग्राफ को नीचे होने से रोकने के लिए चम्पावत में पर्यटक स्थलों के साथ प्राकृतिक पर्यटक स्थलों को पुनर्निर्माण/पुनर्जीवित करना अनिवार्य होगा। वर्ष 2006 से वर्ष 2021 तक आने वाले पर्यटकों का विवरण निम्नवत तालिका में दिया गया है।

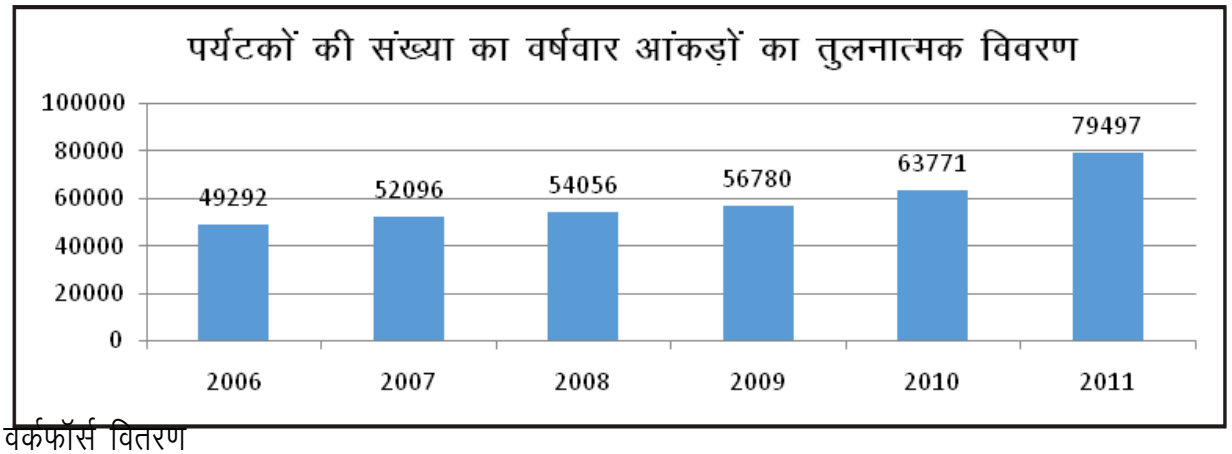

वर्कफॉर्स वितरण

जनपद चम्पावत में वर्ष 2022 तक जनसंख्या का 303816 तक पहुँचनें का अनुमान है जो वर्ष 2012 के लिए 263076 और वर्ष 2017 के लिए 282713 अनुमानित था। उत्तराखण्ड राज्य के लिए जनपदवार कुशल गेप अध्ययन के आंकड़ों के अनुसार वृद्धिशील जनशक्ति वर्ष 2022 तक 47931 तक बढ़ेगी। जबकि काम करने वाली जनसंख्या वर्ष 2022 तक 215914, लेवर फॉर्स 146186 तथा वर्कफॉर्स 142991 पहुँचने का अनुमान है, जिनके अनुमानित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

वर्कफॉर्स का वर्षवार अनुमानित विवरण					
वर्ष	कुल जनसंख्या	काम करने वाली जनसंख्या	लेवर फॉर्स	वर्क फॉर्स	वृद्धिशील जनशक्ति
2012	263076	163205	98254	96108	0
2017	282713	187718	119833	117229	21578
2022	303816	215914	146186	142991	47931

जनपद में जनसंख्या के आर्थिक वर्गीकरण के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि गैर श्रमिकों के आंकड़ो में प्रति वर्ष वृद्धि देखी जा सकती है जिसका आशय है कि जनपद में क्रमशः श्रमिकों की संख्या, मुख्य कर्मकरों की संख्या और सीमान्त कर्मकरों की संख्या में गिरावट होना रोजगार उपलब्धता की कमी को दर्शाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण वर्ष 2001 से वर्ष 2021 तक का विवरण		
	वर्ष	श्रमिक और गैर श्रमिक

कुल जनसंख्या/अनुमानित		कुल श्रमिक	मुख्य कर्मकरों की जनसंख्या	सीमान्त कर्मकरों की जनसंख्या	गैर श्रमिक की जनसंख्या	कुल श्रमिकों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	सीमान्त कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	गैर श्रमिक का कुल जनसंख्या से प्रतिशत
224542	2001	90208	56165	34043	134334	40%	25%	15%	60%
259648	2011	99566	62698	36868	160082	38%	24%	14%	62%
294754	2021	108924	69231	39693	185830	37%	23%	13%	63%

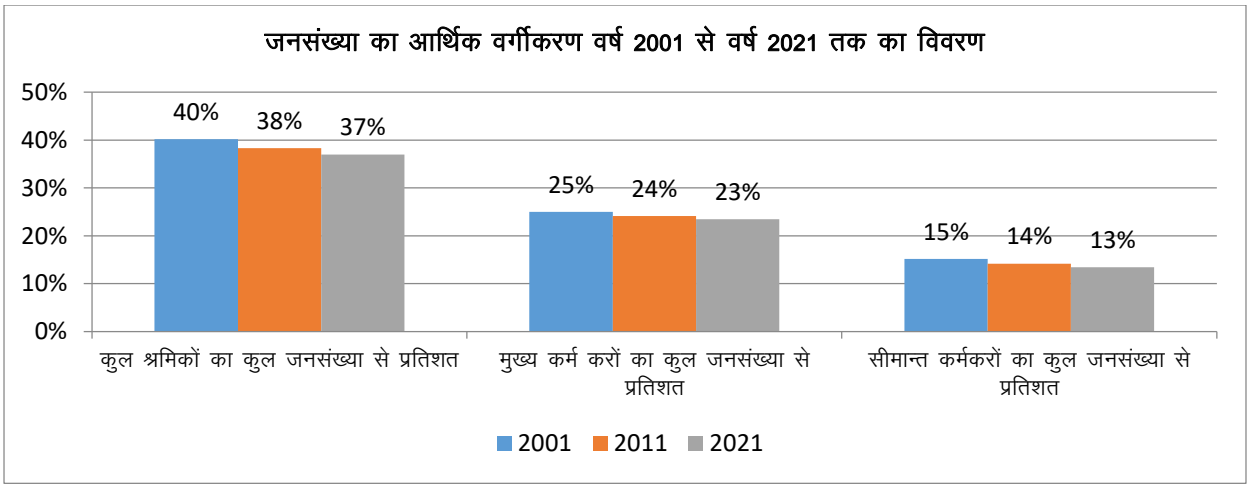

जनपद में जनसंख्या के आर्थिक वर्गीकरण के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में कृषकों और पारिवारिक उद्योग में निरन्तर कमी हो रही है जो पहाड़ों में आय के प्रमुख स्रोत के रूप में माने जाते हैं। आंकड़े वर्षवार एवं विकासखण्डवार निम्नवत तालिकाओं में दर्शाये गये हैं जिसके लिए पारिवारिक उद्योगों को बढ़ावा दिये जाने के साथ–साथ कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण किया जाना उचित होगा।

जनपद में वर्षवार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण

वर्ष	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1991	47128	355	383	17049	64915	16387	81302
2001	34378	520	1084	20183	56165	34043	90208
2011	31971	1980	911	27836	62698	36868	99566
2021 के लिए अनुमानित	22669	2577	1321	32476	59042	49580	108623
वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य बदलाव	-2407	1460	-173	7653	6533	2825	9358

वर्ष 2001 का विकास खण्डवार कर्मकरों का विवरण							
विकासखण्ड	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
पाटी	8362	36	124	2117	10639	9873	20512
बाराकोट	5708	7	136	1257	7108	4475	11583
लोहाघाट	7842	40	150	2452	10484	6380	16864
चम्पावत	12006	378	517	6209	19110	12039	31149
समस्त विकास खण्ड	33918	461	927	12035	47341	32767	80108
वन	0	0	0	93	93	53	146
ग्रामीण क्षेत्र	33918	461	927	12128	47434	32820	80254
नगरीय	460	59	157	8055	8731	1223	9954
योग जनपद	**34378**	**520**	**1084**	**20183**	**56165**	**34043**	**90208**
वर्ष 2011 का विकास खण्डवार कर्मकरों का विवरण							
पाटी	8835	241	138	3163	12377	8196	20573
बाराकोट	3334	74	42	1379	4829	6346	11175
लोहाघाट	6549	204	157	2571	9481	9900	19381
चम्पावत	12029	1208	349	9428	23014	10589	33603
समस्त विकास खण्ड	30747	1727	686	16541	49701	35031	84732
वन	2	0	7	119	128	178	306
ग्रामीण क्षेत्र	30749	1727	693	16660	49829	35209	85038
नगरीय	1222	253	218	11176	12869	1659	14528
योग जनपद	**31971**	**1980**	**911**	**27836**	**62698**	**36868**	**99566**
वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य कर्मकरों की संख्या में तुलनात्मक विकास खण्डवार विवरण							
पाटी	473	205	14	1046	1738	-1677	61
बाराकोट	-2374	67	-94	122	-2279	1871	-408
लोहाघाट	-1293	164	7	119	-1003	3520	2517
चम्पावत	23	830	-168	3219	3904	-1450	2454
समस्त विकास खण्ड	-3171	1266	-241	4506	2360	2264	4624
वन	2	0	7	26	35	125	160
ग्रामीण क्षेत्र	-3169	1266	-234	4532	2395	2389	4784
नगरीय	762	194	61	3121	4138	436	4574
येाग जनपद	**-2407**	**1460**	**-173**	**7653**	**6533**	**2825**	**9358**

जनपद के विकासखण्ड बाराकोट और लोहाघाट में क्रमशः 2374 एवं 1293 कृषकों की संख्या में, विकासखण्ड बाराकोट और चम्पावत में क्रमशः 94 एवं 168 पारिवारिक उद्यमों की संख्या में, विकासखण्ड पाटी और चम्पावत में क्रमशः 1677 एवं 1450 सीमान्त कर्मकरों की संख्या में गिरावट का ग्राफ देखा जा सकता है जिसमें जनपद स्तर पर सुधार किये जाने की ओर जोर दिया जाना चाहिए।

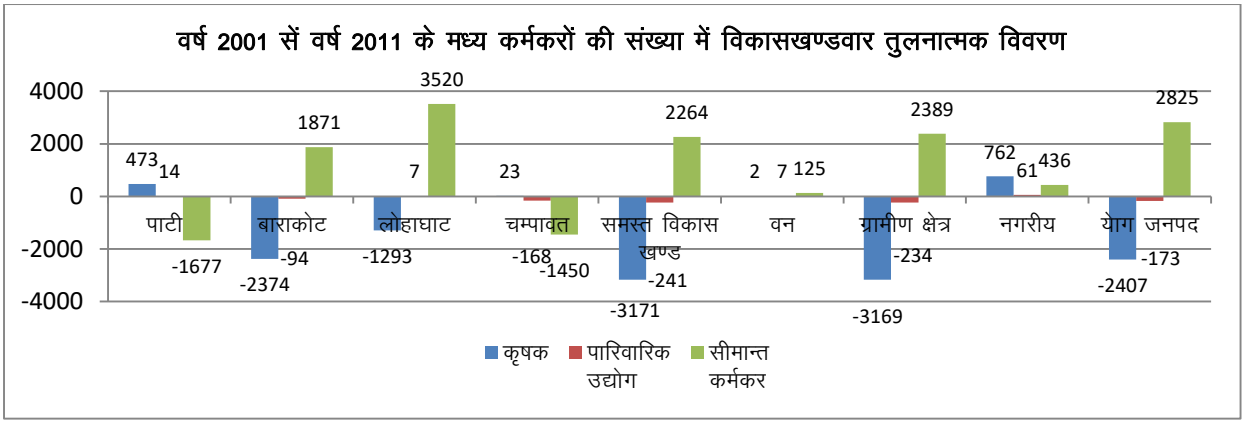

साक्षरता

जनपद की औसत साक्षरता वर्ष 2011 के लिए 79.83 प्रतिशत है जिसमें पुरूषों द्वारा 91.61 प्रतिशत और महिलाओं की 68.05 प्रतिशत की भागीदारी है। साक्षरता में जनपद द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में नौवां स्थान प्राप्त किया गया है। वर्ष 2021 तक जनपद की औसत साक्षरता 92.90 प्रतिशत होने का अनुमान है जिसमें पुरूषों के माध्यम से 99.74 प्रतिशत और महिलाओं द्वारा 87.18 प्रतिशत साक्षरता के साथ जनपद में योगदान दिये जाने का अनुमान लगाया जा सकता है, जिससे जनपद के विकास को सुदृढ़ करने में सहयोग मिलेगा। साक्षरता के वर्षवार एवं विकासखण्डवार आंकड़ें निम्नवत तालिकाओं में प्रदर्शित किये गये हैं।

जनपद में वर्षवार साक्षर व्यक्ति तथा साक्षरता का प्रतिशत

वर्ष	साक्षर व्यक्ति			साक्षरता का प्रतिशत		
	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल
1991	62006	24496	86502	77.25	32.42	55.51
2001	78925	51022	129947	87.27	54.18	70.39
2011	102015	75711	177726	91.61	68.05	79.83

जनपद में वर्ष 2001 के अन्तर्गत विकासखण्डवार साक्षर व्यक्ति तथा साक्षरता का प्रतिशत विवरण

पाटी	15773	9689	25462	88.34	49.37	67.93
बाराकोट	8121	5127	13248	87.28	47.41	65.85
लोहाघाट	13549	8863	22412	86.66	49.59	66.89
चम्पावत	27966	17783	45749	87.49	54.5	70.83
योग ग्रामीण	65409	41462	106871	87.49	51.22	68.64
वन	104	27	131	63.8	34.62	54.36
नगरीय	13412	9533	22945	86.46	72.5	80.05
योग जनपद	**78925**	**51022**	**129947**	**87.27**	**54.18**	**70.39**

जनपद में वर्ष 2011 के अन्तर्गत विकासखण्डवार साक्षर व्यक्ति तथा साक्षरता का प्रतिशत विवरण						
पाटी	20693	14897	35590	93.88	67.57	80.72
बाराकोट	10173	7204	17377	91.67	61.34	76.07
लोहाघाट	17032	13262	30294	92.63	65.65	78.51
चम्पावत	34297	25410	59707	91.04	67.02	78.99
योग ग्रामीण	82195	60773	142968	92.15	66.13	78.94
वन	304	137	441	72.55	70.62	71.94
नगरीय	19516	14801	34317	89.77	77.25	83.9
योग जनपद	**102015**	**75711**	**177726**	**91.61**	**68.05**	**79.83**

जनपद में वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य तुलनात्मक विकासखण्डवार साक्षर व्यक्ति तथा साक्षरता का प्रतिशत विवरण						
पाटी	4920	5208	10128	5.54	18.2	12.79
बाराकोट	2052	2077	4129	4.39	13.93	10.22
लोहाघाट	3483	4399	7882	5.97	16.06	11.62
चम्पावत	6331	7627	13958	3.55	12.52	8.16
योग ग्रामीण	16786	19311	36097	4.66	14.91	10.3
वन	200	110	310	8.75	36	17.58
नगरीय	6104	5268	11372	3.31	4.75	3.85
योग जनपद	**23090**	**24689**	**47779**	**4.34**	**13.87**	**9.44**

प्रक्रिया और पद्धति

यह रिपोर्ट जनपद की सामाजिक–आर्थिक मानकों का, विशेषतः उन कारणों के संदर्भ में जो पलायन पर असर डालती है का विस्तार से जांच करती है। माध्यमिक जानकारी का आधार जनपद के रेखीय विभागों के जनपदस्तरीय अधिकारियों की प्रकाशित और अप्रकाशित सूचनाएं हैं। प्राथमिक जानकारी, आयोग की टीम, खण्ड विकास अधिकारियों और ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र भ्रमण से संकलित की गई सूचनाओं पर आधारित है। विकास खण्डवार आंकडे एकत्रित कर विश्लेषण किया गया है।

इस रिपोर्ट में जनपद की ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की लिये सिफारिशें प्रस्तुत की गयी हैं जिससे पलायन को कम किया जा सके। इससे ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिल सकता है एवं पलायन पर अंकुश भी लगेगा।

अध्याय ॥

सामाजिक–आर्थिक आंकड़ों का विश्लेषण

जनपद एक नजर में				
मद	**इकाई**	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**
भौगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग कि0मी0	1766	1766	0
जनसंख्या				
पुरूष	संख्या में	111.08	131.13	20.05
स्त्री	संख्या में	113.46	128.52	15.06
योग	संख्या में	224.54	259.65	35.11
ग्रामीण	संख्या में	190.76	213.12	22.36
नगरीय	संख्या में	33.78	46.52	12.74
अनुसूचित जाति	संख्या में	38.1	47.38	9.28
अनुसूचित जनजाति	संख्या में	0.78	1.34	0.56
साक्षर व्यक्तियों की संख्या				
कुल	संख्या में	129.95	177.73	47.78
पुरूष	संख्या में	78.92	102.02	23.1
स्त्री	संख्या में	51.02	75.71	24.69
ग्रामों की संख्या		**2011–12**	**2018–19**	**बदलाव**
आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	651	632	**-19**
गैर आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	61	55	-6
वन ग्राम	संख्या	5	18	13
कुल ग्राम	संख्या	717	705	**-12**
नगर एवं नगर समूह	संख्या	4	4	0
नगर निगम	संख्या	0	0	0
नगर पालिका परिषद	संख्या	1	2	1
छावनी क्षेत्र	संख्या	0	0	0
नगर पंचायत	संख्या	2	2	0
सेन्सस टाउन	संख्या	1	0	**-1**
पुलिस स्टेशन		**2011–12**	**2018–19**	**बदलाव**
ग्रामीण	संख्या	3	4	1
नगरीय	संख्या	4	4	0
बस स्टेशन/बस स्टॉप	संख्या	124	124	0
रेलवे स्टेशन(हाल्ट सहित)	संख्या	2	2	0

सस्ते गल्ले की दुकान		2011	2018–19	बदलाव
ग्रामीण	संख्या	320	321	1
नगरीय	संख्या	11	20	9
बायोगैस संयत्र	संख्या	215	268	53
शीत भण्डार	संख्या	0	0	0
कृषि		**2010**	**2017–18**	**बदलाव**
शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	हैक्टेयर	19.2	16.89	**-2.31**
एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	हैक्टेयर	11.97	8.90	**-3.07**
शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	1.78	1.62	**-0.16**
सकल सिंचित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	3.02	2.90	**-0.12**
कृषि उत्पादन		**2010**	**2018–19**	**बदलाव**
खाद्यान्न	है0मी0टन	31.09	38.24	7.15
गन्ना	है0मी0टन	0.12	0.34	0.22
तिलहन	है0मी0टन	0.44	1.68	1.24
आलू	है0मी0टन	3	4.23	1.23
जलवायु				
वर्षा		**2011**	**2018**	**बदलाव**
सामान्य	मि0मि0	1283.6	1283.6	0
वास्तविक	मि0मि0	1487	1136.5	**-350.5**
सिंचाई		**2011**	**2018–19**	**बदलाव**
नहरों की लम्बाई	कि0मी0	242	257.55	15.55
राजकीय नलकूप	संख्या	28	33	5
व्यक्तिगत नलकूप तथा पम्पसेट	संख्या	0	22	22
पशुपालन		**2007**	**2012**	**बदलाव**
कुल पशुधन	संख्या	224755	178068	**-46687**
पशु सेवा सुविधा		**2011**	**2018–19**	**बदलाव**
पशु चिकित्सालय	संख्या	13	15	2
पशुधन सेवा केन्द्र	संख्या	23	23	0
कृत्रिम गर्भाधान	संख्या	8	13	5
कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	संख्या	14	15	1

जनस्वास्थ्य				
चिकित्सालय एवं औषधालय		2011–12	2018–19	बदलाव
ऐलोपैथिक	संख्या	18	19	1
आयुर्वेदिक	संख्या	23	25	2
होम्योपैथिक	संख्या	5	5	0
यूनानी	संख्या	0	0	0
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	संख्या	2	3	1
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	संख्या	2	2	0
परिवार एवं मातृ शिशु कल्याण केन्द्र	संख्या	5	5	0
परिवार एवं मातृ शिशु कल्याण उपकेन्द्र	संख्या	68	68	0

जनपद चम्पावत में वर्ष 2010–11 से वर्ष 2018–19 के मध्य आबाद ग्रामों में 19 ग्राम से गिरावट देखी जा सकती है, जबकि गैर आबाद ग्रामों की कुल संख्या में से 6 ग्राम तथा वन ग्रामों में 13 ग्राम और आबाद हुए हैं जो जनपद में पलायन हुआ है, को दर्शाता है।

जनपद में वर्ष 2010 से वर्ष 2017–18 के मध्य कृषि के अन्तर्गत शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल में 2.31 हे0, एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल में 3.07 हे0, शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल में 0.16 हे0 तथा सकल सिंचित क्षेत्रफल में 0.12 हे0 की गिरावट का होना सिंचाई के संसाधनों का अभाव एवं पहाड़ी क्षेत्रों में कृषि का वर्षा पर आधारित होना है। जिसके लिए सिंचाई के संसाधनों के साथ उन उन्नत फसलों एवं तकनीकी को बढ़ावा दिये जाने की जरूरत है जिनके लिए सिंचाई की कम आवश्यकता हो।

जनपद में पशुधन के आंकड़ों को देखें तो वर्ष 2007 से वर्ष 2012 के मध्य पशुधन की संख्या में 46687 के आंकड़ों से गिरावट का होना पशुपालन के प्रति लोगों में रूचि की कमी प्रतीत होती है। इसको व्यवसायिक रूप में बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है।

महत्वपूर्ण मदों के जिला विकास संकेतक			
मद	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
कुल जनंसख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	15.04	17.92	2.88
जनसंख्या का घनत्व (प्रति वर्ग कि0मी0)	127	147	20
जनसंख्या	**1991–01**	**2001–11**	**बदलाव**
दशक में जनसंख्या वृद्धि प्रतिशत	16.56	15.63	**-0.93**
कुल जनसंख्या में अनु0जाति/जनजाति का प्रतिशत	17.3	18.76	1.46
राज्य की कुल अनु0जाति की जनसंख्या में जनपद में अनु0जा0 के व्यक्तियों का प्रतिशत	2.51	2.50	**-0.01**
लिंगानुपात (प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या)	1021	980	**-41**
साक्षरता प्रतिशत	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**
कुल	70.39	79.83	9.44
पुरूष	87.27	91.61	4.34

स्त्री	54.18	68.05	13.87
परिवार का औसत आकार	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**
ग्रामीण	5	5	0
नगरीय	5	4	**-1**
योग	5	5	0
कुल जनसंख्या में विकलांग व्यक्तियों का प्रतिशत	2.54	1.36	**-1.18**
कुल मुख्य कर्मकरों का जनसंख्या से प्रतिशत	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**
ग्रामीण	24.87	23.38	**-1.49**
नगरीय	25.85	27.66	1.81
योग	25.01	24.15	**-0.86**
कृषि कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत (कृषक तथा कृषि श्रमिक)	15.54	13.08	**-2.46**
कृषि श्रमिक करों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	0.23	0.76	0.53
कुल मुख्य कर्मकरों का प्रतिशत	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**
कृषक	61.21	50.99	**-10.22**
कृषि श्रमिक	0.93	3.16	2.23
पारिवारिक उद्योग	1.93	1.45	**-0.48**
अन्य	35.94	44.4	8.46
जोत	**2005–06**	**2015–16**	**बदलाव**
समस्त जोतों में लघु एवं सीमान्त जोतों का प्रतिशत	92.12	94.77	2.65
समस्त जोतों के अन्तर्गत क्षेत्रफल में लघु एवं सीमांत जोतों के अन्तर्गत क्षेत्रफल का प्रतिशत	70.99	80.41	9.42
सीमान्त जोतों का औसत आकार (हैक्टेयर)	0.45	0.5	0.05
समस्त जोतों का औसत आकार (हैक्टेयर)	0.85	0.77	**-0.08**

कृषि कर्मकरों की संख्या में लगभग 2.46 प्रतिशत, कृषकों की संख्या में 10.22 प्रतिशत तथा पारिवारिक उद्योगों में 0.48 प्रतिशत की कमी से ग्राफ का गिरना युवा वर्ग का इन क्षेत्रों से दूर होना है। युवाओं को उल्लेखित क्षेत्रों में रोजगार के साथ–साथ आय उत्पन्न होने का विश्वास दिलवाना होगा, के लिए विभागीय कार्ययोजना तैयार किये जाने की आवश्यकता है।

क्र0सं0	मद	2010–11	2015–16	बदलाव
1	कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल में वनों के अन्तर्गत क्षेत्रफल का प्रतिशत	56.74	56.74	0
2	कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल में शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल का प्रतिशत	8.23	7.26	**-0.97**
3	फसल सघनता	162.33	154.73	**-7.6**

4	सकल बोये गये क्षेत्रफल मे वाणिज्यक फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल का प्रतिशत	2.46	5.83	3.37
5	खाद्यान्न फसलों की औसत उपज (कुन्तल)	11.89	13.12	1.23
6	प्र0है0 उर्वरक उपभोग (कि0ग्रा0)	12.38	16.95	4.57
7	**प्रति व्यक्ति उत्पादन (कि0ग्रा0)**			
8	अनाज	116.38	95.08	**-21.3**
9	दाले	2.83	2.96	0.13
10	**कृषि उपज का सकल मूल्य (रूपये में)**			
11	प्रति है0 शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल पर (प्रचलित भावों पर)	19884.47	38104.73	18220.3
12	प्रति व्यक्ति ग्रामीण (प्रचलित भावों पर)	1472.5	2309.29	836.79
13	शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल में शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का प्रतिशत	9.26	9.78	0.52
14	सकल बोये गये क्षेत्रुफल में सकल सिंचित क्षेत्रफल का प्रतिशत	9.70	12.02	2.32
15	प्रति लाख शुद्ध बोये गये क्षेत्र पर कृषि उत्पादन मण्डियों की संख्या	0	5.91	5.91
16	प्रति हजार वर्ग किमी0 पर शीतगृहों की संख्या	0	0	0

जनपद के प्रतिवेदित क्षेत्रफल में शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल एवं फसल सघनता में वर्ष 2010–11 से वर्ष 2015–16 के मध्य गिरावट होने से प्रतिव्यक्ति उत्पादन में भी 21.3 किग्रा की कमी आई है। विभाग को इस ओर ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत है।

कुछ प्रमुख मदों के विकास खण्डवार संकेतक							
क्र0स0	**विकासखण्ड**	**जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी0 2001**	**अनु0जाति/ जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2001**	**कुल मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2001**	**कृषि मे लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2001**	**पारिवारिक उद्योग में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2001**	**साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2001**
1	पाटी	190	15.35	22.95	78.94	1.17	67.93
2	बाराकोट	135	21.3	28.99	80.4	1.91	65.85
3	लोहाघाट	188	19.58	25.72	75.18	1.43	66.89
4	चम्पावत	167	17.45	24.24	64.8	2.71	70.83
समस्त विकासखण्ड		**171**	**17.89**	**24.85**	**72.62**	**1.96**	**68.64**
क्र0स0	विकासखण्ड	वर्ष 2011	वर्ष 2011	वर्ष 2011	वर्ष 2011	वर्ष 2011	वर्ष 2011
1	पाटी	213	16.75	23.82	73.33	1.11	80.72
2	बाराकोट	147	23.85	18.10	70.57	0.87	76.07
3	लोहाघाट	210	21.44	20.91	71.23	1.66	78.51

4	चम्पावत	190	18.7	26.01	57.52	1.52	78.99
समस्त विकासखण्ड		**192**	**19.46**	**23.39**	**65.34**	**1.38**	**78.94**
वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य बदलाव							
1	पाटी	23	1.4	0.87	-5.61	**-0.06**	12.79
2	बाराकोट	12	2.55	**-10.89**	-9.83	**-1.04**	10.22
3	लोहाघाट	22	1.86	**-4.81**	-3.95	0.23	11.62
4	चम्पावत	23	1.25	1.77	**-7.28**	**-1.19**	8.16
समस्त विकासखण्ड		**21**	**1.57**	**-1.46**	**-7.28**	**-0.58**	**10.3**

वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य मुख्य कर्मकरों की संख्या के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड बाराकोट के अन्तर्गत मुख्य कर्मकरों की संख्या में 10.89 प्रतिशत की सबसे अधिक गिरावट देखी जा सकती है, साथ ही पारिवारिक उद्योग में लगे कर्मकरों की संख्या में 1.19 प्रतिशत एवं कृषि कर्मकरों की संख्या में 7.28 प्रतिशत से सबसे अधिक कमी विकासखण्ड चम्पावत में जनपद के ग्रामीण विकास हेतु सार्थक नहीं है। सभी विभागों को इस और अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

विकासखण्ड का नाम	**सकल बोये गये क्षेत्रफल का शुद्ध बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत**			**खाद्यान्न फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल का सकल बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत**		
	वर्ष 2000-01	वर्ष 2017-18	बदलाव	वर्ष 2001-01	वर्ष 2017-18	बदलाव
पाटी	179.65	194.27	14.62	77.93	74.34	**-3.59**
बाराकोट	207.33	191.08	**-16.25**	88.76	63.73	**-25.03**
लोहाघाट	133.37	147.32	13.95	82.94	77.69	**-5.25**
चम्पावत	162.91	138.44	**-24.47**	84.3	95.5	11.2
जनपद	**162.88**	**152.71**	**-10.17**	**83.51**	**83.92**	**0.41**

विकासखण्ड का नाम	**प्रति हे0 सकल बोये गये क्षेत्रफल पर उर्वरक का उपभोग(किग्रा0)**			**सकल सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत**		
	वर्ष 2000-01	वर्ष 2017-18	बदलाव	वर्ष 2001-01	वर्ष 2017-18	बदलाव
पाटी	5.13	2.07	**-3.06**	210	448.33	238.33
बाराकोट	0.35	0.32	**-0.03**	192.96	271.13	78.17
लोहाघाट	1.07	1.37	0.3	411.11	370.37	**-40.74**
चम्पावत	2.8	33.5	30.7	128.04	131.48	3.44
जनपद	**2.47**	**16.9**	**14.43**	**163.1**	**179.29**	**16.19**

विकासखण्ड का नाम	**शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से प्रतिशत**			**राजकीय नहरों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत**		
	वर्ष 2000–01	वर्ष 2017–18	बदलाव	वर्ष 2001–01	वर्ष 2017–18	बदलाव

पाटी	7.28	6.25	**-1.03**	32.57	40.83	8.26
बाराकोट	4.41	5.24	0.83	33.8	27.83	**-5.97**
लोहाघाट	1.76	2.64	0.88	5.93	37.04	31.11
चम्पावत	12.85	14.32	1.47	38.15	4.56	**-33.59**
जनपद	**7.93**	**9.58**	**1.65**	**34.96**	**10.81**	**-24.15**

बोये गये क्षेत्रफल का विवरण				
वर्ष	शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल का कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल से प्रतिशत	शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल का कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल में गिरावट का प्रतिशत	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से प्रतिशत	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल में गिरावट का प्रतिशत
2007	9.95	NA	9.62	NA
2008	9.96	0.01	8.66	**-0.96**
2009	9.68	**-0.28**	9.19	0.53
2010	8.23	**-1.45**	9.26	0.07
2011	9.51	1.28	7.32	**-1.94**
2012	7.67	**-1.84**	9.64	2.32
2013	7.5	**-0.17**	9.74	0.1
2014	0	**-7.5**	0	**-9.74**
2015	8.19	8.19	8.64	8.64
2016	7.26	**-0.93**	9.78	1.14
2017	7.35	0.09	9.34	**-0.44**
2018	7.15	**-0.2**	9.6	0.26
2019	5.43	**-1.72**	7.12	**-2.48**

जनपद में विकासखण्डवार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण							
वर्ष / विकासखण्ड	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1991	47128	355	383	17049	64915	16387	81302
2001	34378	520	1084	20183	56165	34043	90208
2011	31971	1980	911	27836	62698	36868	99566

विकास खण्डवार वर्ष 2011 में जनसंख्या का विवरण							
पाटी	8835	241	138	3163	12377	8196	20573
बाराकोट	3334	74	42	1379	4829	6346	11175
लोहाघाट	6549	204	157	2571	9481	9900	19381
चम्पावत	12029	1208	349	9428	23014	10589	33603
समस्त विकास खण्ड	30747	1727	686	16541	49701	35031	84732
वन	2	0	7	119	128	178	306
ग्रामीण क्षेत्र	30749	1727	693	16660	49829	35209	85038
नगरीय	1222	253	218	11176	12869	1659	14528
योग जनपद	**31971**	**1980**	**911**	**27836**	**62698**	**36868**	**99566**
विकास खण्डवार वर्ष 2001 में जनसंख्या का विवरण							
पाटी	8362	36	124	2117	10639	9873	20512
बाराकोट	5708	7	136	1257	7108	4475	11583
लोहाघाट	7842	40	150	2452	10484	6380	16864
चम्पावत	12006	378	517	6209	19110	12039	31149
समस्त विकास खण्ड	33918	461	927	12035	47341	32767	80108
वन	0	0	0	93	93	53	146
ग्रामीण क्षेत्र	33918	461	927	12128	47434	32820	80254
नगरीय	460	59	157	8055	8731	1223	9954
योग जनपद	**34378**	**520**	**1084**	**20183**	**56165**	**34043**	**90208**
विकास खण्डवार वर्ष 2001 से वर्ष 2011 में जनसंख्या में बदलाव का विवरण							
पाटी	473	205	14	1046	1738	**-1677**	61
बाराकोट	**-2374**	67	**-94**	122	**-2279**	1871	**-408**
लोहाघाट	**-1293**	164	7	119	**-1003**	3520	2517
चम्पावत	23	830	**-168**	3219	3904	**-1450**	2454
समस्त विकास खण्ड	**-3171**	1266	**-241**	4506	2360	2264	4624
वन	2	0	7	26	35	125	160
ग्रामीण क्षेत्र	**-3169**	1266	**-234**	4532	2395	2389	4784
नगरीय	762	194	61	3121	4138	436	4574
योग जनपद	**-2407**	1460	**-173**	7653	6533	2825	9358

जनपद में जनगणना के अनुसार प्रतिदशक आबाद ग्रामों की संख्या, जनसंख्या तथा प्रतिदशक प्रतिशत अन्तर

जनगगणना वर्ष	आबाद ग्रामों की संख्या	जनसंख्या			प्रति दशक प्रतिशत अन्तर		
		कुल	ग्रामीण	नगरीय	कुल	ग्रामीण	नगरीय
1981	647	151647	134520	17127	NA	NA	NA
1991	651	192637	166539	26098	27.03	23.8	52.38
2001	656	224542	190764	33778	16.56	14.55	29.43
2011	**662**	**259648**	**213124**	**46524**	**15.63**	**11.72**	**37.73**

जनपद मे विकास खण्डवार साक्षर व्यक्ति तथा साक्षरता का प्रतिशत						
वर्ष / विकासखण्ड	साक्षर व्यक्ति			साक्षरता का प्रतिशत		
	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल
1991	62006	24496	86502	77.25	32.42	55.51
2001	78925	51022	129947	87.27	54.18	70.39
2011	102015	75711	177726	91.61	68.05	79.83
विकास खण्डवार 2011 में साक्षरता का विवरण						
पाटी	20693	14897	35590	93.88	67.57	80.72
बाराकोट	10173	7204	17377	91.67	61.34	76.07
लोहाघाट	17032	13262	30294	92.63	65.65	78.51
चम्पावत	34297	25410	59707	91.04	67.02	78.99
योग ग्रामीण	82195	60773	142968	92.15	66.13	78.94
वन	304	137	441	72.55	70.62	71.94
नगरीय	19516	14801	34317	89.77	77.25	83.9
योग जनपद	**102015**	**75711**	**177726**	**91.61**	**68.05**	**79.83**
विकास खण्डवार 2001 में साक्षरता का विवरण						
पाटी	15773	9689	25462	88.34	49.37	67.93
बाराकोट	8121	5127	13248	87.28	47.41	65.85
लोहाघाट	13549	8863	22412	86.66	49.59	66.89
चम्पावत	27966	17783	45749	87.49	54.5	70.83
योग ग्रामीण	65409	41462	106871	87.49	51.22	68.64
वन	104	27	131	63.8	34.62	54.36
नगरीय	13412	9533	22945	86.46	72.5	80.05
योग जनपद	**78925**	**51022**	**129947**	**87.27**	**54.18**	**70.39**

विकास खण्डवार वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य साक्षरता में बदलाव का विवरण						
पाटी	4920	5208	10128	5.54	18.2	12.79
बाराकोट	2052	2077	4129	4.39	13.93	10.22
लोहाघाट	3483	4399	7882	5.97	16.06	11.62
चम्पावत	6331	7627	13958	3.55	12.52	8.16
योग ग्रामीण	16786	19311	36097	4.66	14.91	10.3
वन	200	110	310	8.75	36	17.58
नगरीय	6104	5268	11372	3.31	4.75	3.85
योग जनपद	**23090**	**24689**	**47779**	**4.34**	**13.87**	**9.44**

जनपद में कुल जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम								
वर्ष/ विकासखण्ड	**200 से कम**	**200-499**	**500-999**	**1000 -1499**	**1500-1999**	**2000-4999**	**5000 या अधिक**	**योग**
1991	376	202	57	10	4	2	0	651
2001	350	206	76	14	4	6	0	656
2011	347	175	98	17	5	8	0	650
विकास खण्डवार वर्ष 2011 के लिए जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम								
पाटी	74	48	26	6	2	0	0	156
बाराकोट	56	27	15	2	0	0	0	100
लोहाघाट	77	40	22	2	2	1	0	144
चम्पावत	123	59	35	7	1	7	0	232
योग विकास खण्ड	330	174	98	17	5	8	0	632
वन	17	1	0	0	0	0	0	18
योग जनपद	**347**	**175**	**98**	**17**	**5**	**8**	**0**	**650**
विकास खण्डवार वर्ष 2001 के लिए जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम								
पाटी	74	57	20	4	0	0	0	155
बाराकोट	52	37	9	2	0	0	0	100
लोहाघाट	84	40	18	3	1	1	0	147
चम्पावत	135	72	29	5	3	5	0	249
योग विकास खण्ड	345	206	76	14	4	6	0	651
वन	5	0	0	0	0	0	0	5
योग जनपद	**350**	**206**	**76**	**14**	**4**	**6**	**0**	**656**

वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम की संख्या में बदलाव								
पाटी	0	**-9**	6	2	2	0	0	1
बाराकोट	4	**-10**	6	0	0	0	0	0
लोहाघाट	**-7**	0	4	**-1**	1	0	0	**-3**
चम्पावत	**-12**	**-13**	6	2	**-2**	2	0	**-17**
योग विकास खण्ड	**-15**	**-32**	22	3	1	2	0	**-19**
वन	12	1	0	0	0	0	0	13
योग जनपद	**-3**	**-31**	22	3	1	2	0	**-6**

जनपद के विकासखण्ड चम्पावत में 200 से कम जनसंख्या वाले ग्रामों में 12, 200 से 499 तक की जनसंख्या वाले ग्रामों में 13 तथा 1500 से 1999 तक जनसंख्या वाले ग्रामों में 02 की संख्या से सबसे अधिक गिरावट का होना पलायन की पुष्टि करता है।

जनपद में विकास खण्डवार भूमि उपयोग (हेक्टेयर में)							
वर्ष / विकासखण्ड	**कुल प्रतिवेदित क्षेत्र**	**वन**	**कृषि योग्य बंजर भूमि**	**वर्तमान परती**	**अन्य परती**	**उसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि**	**कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि**
2015-16	233225	132338	16022	5794	10057	7487	4554
2016-17	233225	132338	15973	5644	10027	7486	4561
2017-18	233225	132338	15720	5755	10218	7375	4609
विकास खण्डवार वर्ष 2017.18 में भूमि उपयोग का विवरण							
पाटी	23642	925	3500	1080	2162	2036	1559
बाराकोट	13588	2253	2075	945	940	1249	562
लोहाघाट	20729	2586	2860	1665	3115	1314	768
चम्पावत	51866	4374	7285	2065	4001	2776	520
योग ग्रामीण	109825	10138	15720	5755	10218	7375	3409
वन	122200	122200	0	0	0	0	0
नगरीय	1200	0	0	0	0	0	1200
योग जनपद	**233225**	**132338**	**15720**	**5755**	**10218**	**7375**	**4609**
विकास खण्डवार वर्ष 2010.11 में भूमि उपयोग का विवरण							
पाटी	23641.00	925.00	3410.00	654.00	1642.00	1888.00	2162.00
बाराकोट	13589.00	2252.00	1986.00	1038.00	1596.00	1094.00	569.00
लोहाघाट	20729.00	2586.00	2703.00	684.00	3130.00	1165.00	173.00
चम्पावत	51866.00	4374.00	6984.00	1072.00	4000.00	2635.00	510.00
योग ग्रामीण	109825.00	10137.00	15083.00	3448.00	10368.00	6782.00	3414.00
वन	122200.00	122200.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

नगरीय	1200.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1200.00
योग जनपद	**233225.00**	**132337.00**	**15083.00**	**3448.00**	**10368.00**	**6782.00**	**4614.00**
विकास खण्डवार वर्ष 2010.11 से वर्ष 2017.18 के मध्य भूमि उपयोग में बदलाव का विवरण							
पाटी	1.00	0.00	90.00	426.00	520.00	148.00	**-603.00**
बाराकोट	**-1.00**	1.00	89.00	**-93.00**	**-656.00**	155.00	**-7.00**
लोहाघाट	0.00	0.00	157.00	981.00	**-15.00**	149.00	595.00
चम्पावत	0.00	0.00	301.00	993.00	1.00	141.00	10.00
योग ग्रामीण	0.00	1.00	637.00	2307.00	**-150.00**	593.00	**-5.00**
वन	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नगरीय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
योग जनपद	0.00	1.00	637.00	2307.00	**-150.00**	593.00	**-5.00**

वर्ष / विकासखण्ड	**चारागाह**	**उद्यानों, बागो, वृक्षों एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल**	**शुद्ध बोया गया क्षेत्र**	**एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र**	**सकल बोया गया क्षेत्रफल (हे0)**			
					कुल	**रबी**	**खरीफ**	**जायद**
2015-16	16652.00	23400.00	16921.00	9261.00	26182.00	9926.00	16193.00	38
2016-17	16652.00	23394.00	17150.00	9704.00	26854.00	9967.00	16825.00	63
2017-18	17733.00	22589.00	16888.00	8901.00	25789.00	9394.00	16341.00	54
विकास खण्डवार वर्ष 2017.18 में भूमि उपयोगिता का विवरण								
पाटी	8220.00	2240.00	1920.00	1810.00	3730.00	2349.00	1381.00	0
बाराकोट	1914.00	1800.00	1850.00	1685.00	3535.00	2150.00	1385.00	0
लोहाघाट	2106.00	2226.00	4089.00	1935.00	6024.00	1734.00	4290.00	0
चम्पावत	5493.00	16323.00	9029.00	3471.00	12500.00	3161.00	9285.00	54
योग ग्रामीण	17733.00	22589.00	16888.00	8901.00	25789.00	9394.00	16341.00	54
वन	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0
नगरीय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0
योग जनपद	**17733.00**	**22589.00**	**16888.00**	**8901.00**	**25789.00**	**9394.00**	**16341.00**	**54**
विकास खण्डवार वर्ष 2007.11 में भूमि उपयोगिता का विवरण								
पाटी	8185.00	2421.00	2354.00	2454.00	4808.00	2858.00	1950.00	0
बाराकोट	1926.00	1992.00	1136.00	2287.00	3423.00	1699.00	1724.00	0
लोहाघाट	2092.00	2576.00	5620.00	2728.00	8348.00	2593.00	5755.00	0
चम्पावत	5192.00	17006.00	10093.00	4501.00	14594.00	5264.00	9256.00	74.00
योग ग्रामीण	17395.00	23995.00	19203.00	11970.00	31173.00	12414.00	18685.00	74.00
वन	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

नगरीय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
योग जनपद	**17395.00**	**23995.00**	**19203.00**	**11970.00**	**31173.00**	**12414.00**	**18685.00**	74.00
विकास खण्डवार वर्ष 2007.11 से वर्ष 2017.18 के मध्य भूमि उपयोगिता में बदलाव विवरण								
पाटी	35.00	**-181.00**	**-434.00**	**-644.00**	**-1078.00**	**-509.00**	**-569.00**	0.00
बाराकोट	**-12.00**	**-192.00**	714.00	**-602.00**	112.00	**451.00**	**-339.00**	0.00
लोहाघाट	14.00	**-350.00**	**-1531.00**	**-793.00**	**-2324.00**	**-859.00**	**-1465.00**	0.00
चम्पावत	301.00	**-683.00**	**-1064.00**	**-1030.00**	**-2094.00**	**-2103.00**	29.00	**-20.00**
योग ग्रामीण	338.00	**-1406.00**	**-2315.00**	**-3069.00**	**-5384.00**	**-3020.00**	**-2344.00**	**-20.00**
वन	0.00	0.00	**0.00**	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नगरीय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
योग जनपद	338.00	**-1406.00**	**-2315.00**	**-3069.00**	**-5384.00**	**-3020.00**	**-2344.00**	**-20.00**

जनपद चम्पावत में जहाँ एक ओर सभी विकासखण्ड़ों में वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य उद्यानीकरण एवं एकबार से अधिक बोये गये क्षेत्र में गिरावट के आंकड़े प्रदर्शित होते हैं वहीं दूसरी ओर रबी, खरीफ तथा जायद की फसलों के सकल बोये गये क्षेत्रफल में भी कमी देखी जा सकती है।

जनपद में विकास खण्डवार मुख्य फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	चावल		चावल जायद		कुल चावल	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015-16	5947	1503	0	0	5947	1503
2016-17	6206	1336	0	0	6206	1336
2017-18	5192	1517	0	0	5192	1517
विकास खण्डवार वर्ष 2017–18 में चावल उत्पादन का विवरण						
पाटी	791	185	0	0	791	185
बाराकोट	568	141	0	0	568	141
लोहाघाट	1651	348	0	0	1651	348
चम्पावत	2182	843	0	0	2182	843
योग ग्रामीण	5192	1517	0	0	5192	1517
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**5192**	**1517**	**0**	**0**	**5192**	**1517**

विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 में चावल उत्पादन का विवरण						
पाटी	877	154	0	0	877	154
बाराकोट	690	102	0	0	690	102
लोहाघाट	1623	345	0	0	1623	345
चम्पावत	4026	876	10	10	4036	886
योग ग्रामीण	7216	1477	10	10	7226	1487
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**7216**	**1477**	**10**	**10**	**7226**	**1487**
वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य चावल उत्पादन में बदलाव						
पाटी	**-86**	31	0	0	**-86**	31
बाराकोट	**-122**	39	0	0	**-122**	39
लोहाघाट	28	3	0	0	28	3
चम्पावत	**-1844**	**-33**	**-10**	**-10**	**-1854**	**-43**
योग ग्रामीण	**-2024**	40	**-10**	**-10**	**-2034**	30
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**-2024**	40	**-10**	**-10**	**-2034**	30

वर्ष/ विकासखण्ड	गेहूँ		जौ		सावा खरीफ		रामदाना	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015-16	7134	1447	697	8	693	0	0	0
2016-17	6781	1227	798	1	940	0	10	0
2017-18	6239	1216	788	1	810	0	5	0
विकास खण्डवार वर्ष 2017–18 में उत्पादन								
पाटी	627	271	106	0	162	0	0	0
बाराकोट	484	162	97	0	157	0	0	0
लोहाघाट	1151	281	132	0	281	0	0	0
चम्पावत	3977	502	453	1	210	0	5	0
योग ग्रामीण	6239	1216	788	1	810	0	5	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**6239**	**1216**	**788**	**1**	**810**	**0**	**5**	**0**
2010-11	9435	1334	929	2	881	**0**	0	0

विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 में उत्पादन								
पाटी	1226	215	105	0	86	0	0	0
बाराकोट	1115	141	73	0	82	0	0	0
लोहाघाट	1984	324	213	0	247	0	0	0
चम्पावत	5110	654	538	2	466	0	0	0
योग ग्रामीण	9435	1334	929	2	881	0	0	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**9435**	**1334**	**929**	**2**	**881**	**0**	**0**	**0**
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य उत्पादन में बदलाव								
पाटी	**-599**	56	1	0	76	0	0	0
बाराकोट	**-631**	21	24	0	75	0	0	0
लोहाघाट	**-833**	**-43**	**-81**	0	34	0	0	0
चम्पावत	**-1133**	**-152**	**-85**	**-1**	**-256**	0	5	0
योग ग्रामीण	**-3196**	**-118**	**-141**	**-1**	**-71**	0	5	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**-3196**	**-118**	**-141**	**-1**	**-71**	0	5	0

वर्ष/ विकासखण्ड	मक्का खरीफ		मक्का जायद		कुल मक्का		मडुंवा	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015-16	524	20	6	6	530	26	4786	0
2016-17	592	20	7	7	599	26	4863	0
2017-18	481	21	7	7	488	28	5224	0
विकास खण्डवार वर्ष 2017–18 में उत्पादन								
पाटी	62	3	0	0	62	3	582	0
बाराकोट	47	3	0	0	47	3	494	0
लोहाघाट	110	5	0	0	110	5	722	0
चम्पावत	262	10	7	7	269	17	3426	0
योग ग्रामीण	481	21	7	7	488	28	5224	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**481**	**21**	**7**	**7**	**488**	**28**	**5224**	0
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 में उत्पादन								
पाटी	62	1	2	2	64	3	879	0
बाराकोट	49	0	1	1	50	1	832	0
लोहाघाट	107	1	2	2	109	3	1099	0

चम्पावत	374	15	5	5	379	20	3048	0
योग ग्रामीण	592	17	10	10	602	27	5858	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**592**	**17**	**10**	**10**	**602**	**27**	**5858**	0
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य उत्पादन में बदलाव								
पाटी	0	2	**-2**	**-2**	**-2**	0	**-297**	0
बाराकोट	**-2**	3	**-1**	**-1**	**-3**	2	**-338**	0
लोहाघाट	3	4	**-2**	**-2**	1	2	**-377**	0
चम्पावत	**-112**	**-5**	2	2	**-110**	**-3**	378	0
योग ग्रामीण	**-111**	4	**-3**	**-3**	**-114**	1	**-634**	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**-111**	4	**-3**	**-3**	**-114**	1	**-634**	0

वर्ष/ विकासखण्ड	कुल धान्य		उर्द खरीफ		कुल उर्द	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015-16	19789	2984	321	0	321	0
2016-17	20197	2591	331	0	331	0
2017-18	18746	2762	385	0	385	0
विकास खण्डवार वर्ष 2017–18 में उत्पादन						
पाटी	2330	459	78	0	78	0
बाराकोट	1847	306	61	0	61	0
लोहाघाट	4047	634	87	0	87	0
चम्पावत	10522	1363	159	0	159	0
योग ग्रामीण	18746	2762	385	0	385	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**18746**	**2762**	**385**	**0**	**385**	**0**
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 में उत्पादन						
पाटी	3237	372	29	0	29	0
बाराकोट	2842	244	23	0	23	0
लोहाघाट	5275	672	40	0	40	0
चम्पावत	13577	1562	218	0	220	2
योग ग्रामीण	24931	2850	310	0	312	2
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**24931**	**2850**	**310**	**0**	**312**	**2**

विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य उत्पादन में बदलाव						
पाटी	**-907**	87	49	0	49	0
बाराकोट	**-995**	62	38	0	38	0
लोहाघाट	**-1228**	**-38**	47	0	47	0
चम्पावत	**-3055**	**-199**	**-59**	0	**-61**	**-2**
योग ग्रामीण	**-6185**	**-88**	75	0	73	**-2**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**-6185**	**-88**	75	0	73	**-2**

वर्ष / विकासखण्ड	मसूर		चना		मटर		अरहर	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015-16	652	2	17	2	62	0	17	2
2016-17	689	1	11	3	44	0	17	0
2017-18	560	1	12	1	39	0	28	0
विकास खण्डवार वर्ष 2017–18 में उत्पादन								
पाटी	85	0	3	0	7	0	5	0
बाराकोट	72	0	1	0	4	0	4	0
लोहाघाट	110	0	2	0	8	0	5	0
चम्पावत	293	1	6	1	20	0	14	0
योग ग्रामीण	560	1	12	1	39	0	28	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**560**	**1**	**12**	**1**	**39**	**0**	**28**	0
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 में उत्पादन								
पाटी	67	0	1	0	2	0	1	0
बाराकोट	62	0	0	0	1	0	0	0
लोहाघाट	114	0	2	0	6	0	1	0
चम्पावत	476	2	3	2	12	1	3	1
योग ग्रामीण	719	2	6	2	21	1	5	1
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**719**	**2**	**6**	2	**21**	**1**	**5**	1

विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य उत्पादन में बदलाव								
पाटी	18	0	2	0	5	0	4	0
बाराकोट	10	0	1	0	3	0	4	0
लोहाघाट	**-4**	0	0	0	2	0	4	0
चम्पावत	**-183**	**-1**	3	**-1**	8	**-1**	11	**-1**
योग ग्रामीण	**-159**	**-1**	6	**-1**	18	**-1**	23	**-1**
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**-159**	**-1**	6	**-1**	18	**-1**	23	**-1**

वर्ष/ विकासखण्ड	राजमा		गहत		भट्ट	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015-16	63	0	1090	0	552	0
2016-17	166	0	639	0	360	0
2017-18	17	0	1194	0	662	0
विकास खण्डवार वर्ष 2017–18 में उत्पादन						
पाटी	2	0	185	0	78	0
बाराकोट	2	0	170	0	92	0
लोहाघाट	3	0	260	0	158	0
चम्पावत	10	0	579	0	334	0
योग ग्रामीण	17	0	1194	0	662	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**17**	**0**	**1194**	**0**	**662**	**0**

वर्ष/ विकासखण्ड	कुल दालें		कुल खाद्यान्न		लाही सरसों	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015-16	2815	7	22604	2991	554	3
2016-17	2259	6	22456	2597	638	2
2017-18	2897	2	21643	2764	623	1
विकास खण्डवार वर्ष 2017–18 में उत्पादन						
पाटी	443	0	2773	459	78	0
बाराकोट	406	0	2253	306	62	0
लोहाघाट	633	0	4680	634	81	0
चम्पावत	1415	2	11937	1365	402	1
योग ग्रामीण	2897	2	21643	2764	623	1
नगरीय	0	0	0	0	0	0

योग जनपद	**2897**	**2**	**21643**	**2764**	**623**	**1**
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 में उत्पादन						
पाटी	100	0	3337	372	56	1
बाराकोट	86	0	2928	244	42	1
लोहाघाट	163	0	5438	672	67	1
चम्पावत	714	8	14291	1570	319	2
योग ग्रामीण	1063	8	25994	2858	484	5
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**1063**	**8**	**25994**	**2858**	**484**	**5**
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य उत्पादन में बदलाव						
पाटी	343	0	**-564**	87	22	**-1**
बाराकोट	320	0	**-675**	62	20	**-1**
लोहाघाट	470	0	**-758**	**-38**	14	**-1**
चम्पावत	701	**-6**	**-2354**	**-205**	83	**-1**
योग ग्रामीण	1834	**-6**	**-4351**	**-94**	139	**-4**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	1834	**-6**	**-4351**	**-94**	139	**-4**

वर्ष / विकासखण्ड	तिल		मूंगफली		सोयाबीन	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015-16	5	1	5	0	595	0
2016-17	38	0	11	0	923	0
2017-18	14	0	23	0	1003	0
विकास खण्डवार वर्ष 2017–18 में उत्पादन						
पाटी	2	0	4	0	146	0
बाराकोट	2	0	4	0	165	0
लोहाघाट	3	0	5	0	231	0
चम्पावत	7	0	10	0	461	0
योग ग्रामीण	14	0	23	0	1003	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**14**	0	**23**	0	**1003**	0

विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 में उत्पादन						
पाटी	6	0	3	0	0	0
बाराकोट	3	0	1	0	0	0
लोहाघाट	8	0	4	0	0	0
चम्पावत	26	0	13	0	0	0
योग ग्रामीण	43	0	21	0	0	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**43**	0	**21**	0	0	0
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य उत्पादन में बदलाव						
पाटी	**-4**	0	1	0	146	0
बाराकोट	**-1**	0	3	0	165	0
लोहाघाट	**-5**	0	1	0	231	0
चम्पावत	**-19**	0	**-3**	0	461	0
योग ग्रामीण	**-29**	0	2	0	1003	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**-29**	0	2	0	1003	0

वर्ष/ विकासखण्ड	कुल तिलहन		आलू	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015-16	1159	4	188	0
2016-17	1610	2	100	0
2017-18	1663	1	253	1
विकास खण्डवार वर्ष 2017–18 में उत्पादन				
पाटी	230	0	46	0
बाराकोट	233	0	38	0
लोहाघाट	320	0	52	0
चम्पावत	880	1	117	1
योग ग्रामीण	1663	1	253	1
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	**1663**	**1**	**253**	**1**
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 में उत्पादन				
पाटी	65	1	14	0
बाराकोट	46	1	29	0
लोहाघाट	79	1	24	0

चम्पावत	358	4	97	0
योग ग्रामीण	548	7	164	0
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	**548**	**7**	**164**	0
विकास खण्डवार वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य उत्पादन में बदलाव				
पाटी	165	**-1**	32	0
बाराकोट	187	**-1**	9	0
लोहाघाट	241	**-1**	28	0
चम्पावत	522	**-3**	20	1
योग ग्रामीण	1115	**-6**	89	1
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	1115	**-6**	89	1

जनपद के अन्तर्गत पैदा होने वाली तिलहन सिंचित, खाद्यान्न, सरसों सिंचित, धान, मक्का, जौ, झंगोरा, गेहूँ तथा चावल आदि फसलों के उत्पादन क्षेत्रफल में वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य गिरावट के आंकड़े सभी विकासखण्ड़ों में प्रदर्शित हुए हैं।

मत्स्य पालन							
वर्ष/ विकासखण्ड	**विभागीय जलाशय**			**व्यक्तिगत जलाशय**			**विभाग द्वारा अंगुलिकाओं का वितरण (हजार संख्या)**
	संख्या	**क्षेत्रफल (हेक्टेयर)**	**उत्पादन (कुन्तल)**	**संख्या**	**क्षेत्रफल (हेक्टेयर)**	**उत्पादन (कुन्तल)**	
2016-17	0	0	0	29	0.29	0.58	193
2017-18	0	0	0	29	0.215	0.306	259
2018-19	0	0	0	19	0.17	0.42	11
विकास खण्डवार वर्ष 2018–19 में जलाशय							
पाटी	0	0	0	12	0.09	0.03	6
बाराकोट	0	0	0	0	0	0	3
लोहाघाट	0	0	0	0	0	0	1
चम्पावत	0	0	0	7	0.08	0.12	1
योग ग्रामीण	0	0	0	19	0.17	0.42	11
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**0**	**0**	**0**	**19**	**0.17**	**0.42**	**11**

विकास खण्डवार वर्ष 2011–12 में जलाशय							
पाटी	0	0	0	0	0	0	69
बाराकोट	0	0	0	0	0	0	6
लोहाघाट	0	0	0	0	0	0	13
चम्पावत	0	0	0	0	0	0	68
योग ग्रामीण	0	0	0	0	0	0	156
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	0	0	0	0	0	0	**156**
विकास खण्डवार वर्ष 2011–12 से वर्ष 2018–19 के मध्य जलाशय निर्माण में बदलाव							
पाटी	0	0	0	12	0.09	0.03	**-63**
बाराकोट	0	0	0	0	0	0	**-3**
लोहाघाट	0	0	0	0	0	0	**-12**
चम्पावत	0	0	0	7	0.08	0.12	**-67**
योग ग्रामीण	0	0	0	19	0.17	0.42	**-145**
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	0	0	0	19	0.17	0.42	**-145**

जनपद में वर्ष 2018–19 के लिए मत्स्य पालन हेतु मात्र 19 व्यक्तिगत तालाब विकासखण्ड चम्पावत और पाटी के अन्तर्गत ही निर्मित किये गये जबकि किसी भी विकासखण्ड में विभागीय जलाशय का निर्माण नहीं करवाया गया है। विभाग जनपद के अन्तर्गत विभागीय जलाशय का निर्माण कर ग्रामीणों के मध्य मॉडल रूप प्रस्तुत कर मत्स्य पालन का प्रशिक्षण एवं प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। मत्स्य पालन के व्यवसाय को सभी विकासखण्ड़ों में विकसित करने की कार्ययोजना विभाग को सर्वेक्षण कर तैयार करने की आवश्यकता है।

जनपद में पंजीकृत कारखाने लघु औद्योगिक इकाईयां, खादी ग्रामोद्योग इकाईयां एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति						
वर्ष / विकासखण्ड	**पंजीकृत कारखानें**		**लघु औद्योगिक इकाईयां**		**खादी ग्रामोद्योग इकाईयां**	
	कारखानों की संख्या	कार्यरत व्यक्ति	इकाईयों की संख्या	कार्यरत व्यक्ति	इकाईयों की संख्या	कार्यरत व्यक्ति
2016-17	10	84	1060	2898	1016	2701
2017-18	10	84	1185	3290	1121	3020
2018-19	10	84	1325	3841	1173	3299

विकास खण्डवार वर्ष 2018–19 का विवरण						
पाटी	0	0	190	559	221	573
बाराकोट	0	0	101	186	125	300
लोहाघाट	1	9	110	250	363	921
चम्पावत	3	21	229	662	295	1065
योग ग्रामीण	4	30	630	1657	1004	2859
नगरीय	6	54	695	2184	169	440
योग जनपद	**10**	**84**	**1325**	**3841**	**1173**	**3299**
विकास खण्डवार वर्ष 2011–12 का विवरण						
पाटी	0	0	87	262	115	254
बाराकोट	0	0	51	85	91	184
लोहाघाट	1	38	50	93	211	435
चम्पावत	3	43	93	189	138	362
योग ग्रामीण	4	81	281	629	555	1235
नगरीय	7	301	304	819	100	240
योग जनपद	**11**	**382**	**585**	**1448**	**655**	**1475**
विकास खण्डवार वर्ष 2011–12 से वर्ष 2018–19 के मध्य का बदलाव						
पाटी	0	0	103	297	106	319
बाराकोट	0	0	50	101	34	116
लोहाघाट	0	-29	60	157	152	486
चम्पावत	0	-22	136	473	157	703
योग ग्रामीण	0	-51	349	1028	449	1624
नगरीय	-1	-247	391	1365	69	200
योग जनपद	-1	-298	740	2393	518	1824

पर्यटन

विगत पाँच वर्षों में 684731 पर्यटक जनपद में पर्यटन हेतु पहुँचे, जिसमें 683848 देशी पर्यटक एवं 883 विदेशी पर्यटक सहित कुल 684731 पर्यटकों द्वारा जनपद का भ्रमण किया गया। विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हेतु जनपद स्तरीय पर्यटन नीति विकसित करने हेतु विभाग को योजना बनाने की आवश्यकता है जिससे की अधिक से अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। आंकड़े निम्नवत तालिका में दर्शाये गये हैं।

वर्षवार पर्यटक सांख्यिकी माह जनवरी से माह दिसम्बर तक

क्र0 सं0	वर्ष	देषी	विदेषी	कुल
1.	2016	88,552	169	88,721
2.	2017	1,48,812	259	1,49,071
3.	2018	1,88,703	213	1,88,916
4.	2019	2,10,522	191	2,10,713
5.	2020	47,259	51	47,310
	योग	**683848**	**883**	**684731**

जनपद में कई धार्मिक, ऐतिहासिक, पौराणिक पर्यटन स्थल मौजूद हैं जैसे एक हथिया नौला, मीठा रीठा साहिब, देवीधुरा, नागनाथ मंदिर, बालेश्वर मंदिर, क्रान्तेश्वर महादेव मंदिर, लोहाघाट, पूर्णागिरी मंदिर, अद्वैत आश्रम (मायावती आश्रम), एबट माउन्ट, बाणासुर का किला, पंचेश्वर महादेव तथा श्यामलाताल आदि जिनका उल्लेख निम्नवत किया गया हैः–

एक हथिया नौला

चम्पावत शहर से पांच किमी की दूरी पर स्थित एक हथिया नौला उत्तराखण्ड के ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल है। यदि हमें कोई भी नौला/मन्दिर/गुफा/किला दिखता है तो मन में बहुत से सवाल आने वाजिब हैं जैसे ये क्यों बनाया गया, किसके कार्यकाल में बनाया गया होगा, किसने बनाया होगा, कैसे बनाया होगा और इसका नाम ऐसा क्यों रखा गया होगा।

जगन्नाथ मिस्त्री चम्पावत जनपद में बहुत उत्कृष्ट हस्थशिल्पी/कलाकारी के लिए तत्कालीन समय में जाने जाते थे इनके द्वारा चम्पावत के बालेश्वर मन्दिर में भी नक्कासी का कार्य किया गया है। माना जाता है कि चन्द राजाओं ने उनका एक हाथ काट दिया था ताकि वह पुनः ऐसी कलाकृतियों का निर्माण न कर सके। परन्तु कलाकार के हुनर को कुचला व दबाया नहीं जा सकता। उल्लेखित नौले के अन्दर–बाहर भारतीय संस्कृति और सभ्यता की झलक देखने को मिलती है, जिन पर नजरें ठहर सी जाती हैं। नौले के अन्दर गर्मियों के दिनों में भी ठण्डा रहता है, जहाँ पर संरक्षित पानी का स्वाद ही अलग है, जो मुसाफिरों और आस–पास के ग्रामीणों की प्यास बुझाते आ रहा है। वर्तमान में पुरात्व विभाग को एक हथिया नौला का संरक्षण का दायित्व दिया हुआ है।

यह ऐतिहासिक नौला गवाह के रूप में आज भी हमें जल संरक्षण एवं संर्बद्धन के लिए सोच उत्पन्न करने की ओर इशारा कर रहा है जो 17वीं शताब्दी से आज तक अपने स्वरूप को खोया नहीं है।

मीठा रीठा साहिब

उत्तराखण्ड राज्य में सिक्ख धर्म के कई प्रसिद्ध और पवित्र स्थल मौजूद है जिनमें नानकमत्ता (उद्यम सिंह नगर), पीपल साहिब (बागेश्वर), हेमकुण्ड साहिब (चमोली), झण्डा साहिब (देहरादून), मीठा रीठा साहिब (चम्पावत) हैं। मान्यता है कि गुरूनानक देव 1501 ईस्वी में मानसरोवर यात्रा से अपने शिष्य बाला और मरदाना के साथ वापस लौट रहे थे। विश्राम के लिए उनके द्वारा इस स्थान को चुना गया जहाँ उनके शिष्य मर्दाना ने उनसे भूख लगने के बारे में बताया तो आस–पास कोई भी खाने की चीज उपलब्ध नहीं थी तो गुरूनानक देव ने रीठा के पेड़ से रीठा तोडके खाने के लिए कहा जो खाने में कसीला होता है पर गुरूनानक देव के चमत्कार से रीठे के फल मीठे हो गये जिस कारण यहाँ का नाम मीठा रीठा साहिब हो गया।

मीठा रीठा साहिब चम्पावत से लगभग 72 किमी और लोहाघाट से लगभग 64 किमी की दूरी पर स्थित है। लाखों पर्यटक/श्रद्धालु हर वर्ष बस और टैक्सी सेवा से यहाँ पहुँचते हैं, जहाँ रहने और ठहरने की उचित व्यवस्था के साथ–साथ प्रकृति की मनमोहक खूबसूरती चारों तरफ फैली हुई दिखायी देती है। सन 1960 में यहाँ मीठा रीठा साहिब नाम के गुरूद्वारे का निर्माण किया गया है जो लोदिया और रजिया नदियों के संगम के पास 6837 फिट पर द्यूरी नामक गांव के पास बसा है। बाबा गुरूनानक देव व गोरख पंथी जोगियों के साथ इसी स्थान पर ही अनेक आध्यात्मिक चर्चाऐं हुई थी। आज भी यहाँ श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में रीठा ही वितरित किया जाता है।

यह ऐतिहासिक स्थान यह सीख देता है कि समय कोई भी हो अगर मन सच्चा हो तो खट्ठा फल भी मीठा हो सकता है अर्थात सदभाव के साथ मेहनत का फल मीठा ही होता है।

देवीधुरा

उत्तराखण्ड राज्य में रक्षाबन्धन पर लगने वाले बग्वाल मेले के लिए देवीधुरा प्रसिद्ध है। यह स्थान चम्पावत से 55 किमी तथा देहरादून से 382 किमी की दूरी पर स्थित है। देवीधुरा को मां बाराही के शक्तिपीठ मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, जो समुद्र तल से लगभग 1850 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। देवीधुरा में बसने वाली मां बाराही का मंदिर 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, यहाँ का मौसम अन्य पहाड़ी इलाकों के तरह मिला जुला ही रहता है। सर्दियों के मौसम में यहाँ बर्फ भी पड़ती है, जबकि गर्मियाँ गुनगुनी रहती हैं।

श्रावण मास के पूर्णिमा के दिन जहाँ समस्त भारत वर्ष रक्षाबन्धन को हर्षोउल्लास के साथ, बहिनों का अपने भाइयों के प्रति स्नेह एवं विश्वास के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है वहीं उत्तराखण्ड के इस स्थान पर गढ़वाल, चम्याल, वालिक और लमगड़िया खामों के बीच बग्वाल यानी पत्थरमार युद्ध मनाया जाता है। यह मंदिर यहां प्रतिवर्ष रक्षाबंधन में होने वाले पत्थर युद्ध के लिए प्रसिद्ध है। यहां प्रतिवर्ष बहने अपने भाईयों को पत्थरों से सुसज्जित कर युद्ध में भाग लेने के लिए भेजती है। प्रतिवर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर देवीधुरा मां बाराही देवी मंदिर में फल–फूलों और पत्थर द्वारा होली खेली जाती है जिसे बग्वाल मेला के नाम से जाना जाता है। देश भर से श्रद्धालु रक्षाबंधन के दिन इस विशिष्ट आयोजन को देखने यहां आते हैं। देवीधुरा में मां बाराही देवी मंदिर शक्ति के उपासकों और श्रद्धालुओं के लिए यह पावन और पवित्र स्थान है। यहां पहुंचते ही अलौकिक आनन्द की अनुभूति होती है। यह क्षेत्र देवी का उग्र पीठ के रूप में माना जाता है।

बताया जाता है कि रूहेलों के आक्रमण के समय कत्यूरी राजाओं द्वारा वाराही की मूर्ति को घने जंगल के मध्य एक भवन में स्थापित कर दिया गया था। धीरे–धीरे इसके चारों ओर गांव स्थापित हो गये और यह मंदिर लोगों की आस्था का केन्द्र बन गया। यह भी बताया जाता है कि पहाड़ी के छोर पर खेल–खेल में भीम ने शिलायें फेंकी थी। ग्रेनाइट की इन विशाल शिलाओं में से दो शिलायें आज भी मंदिर के निकट मौजूद है। जिनमें से एक को राम शिला कहा जाता है। जनश्रुति के अनुसार यहां पर पाण्डुवों ने जुआ खेला था। उसी के समीप दूसरी शिला पर हाथों के भी निशान हैं।

नागनाथ मंदिर

उत्तराखण्ड़ का महत्वपूर्ण सांस्कृतिक ऐतिहासिक नागनाथ मंदिर चम्पावत के बीचोबीच स्थित जिले के सबसे पुराने मंदिरो में से एक है जो कि भगवान शिव को समर्पित है, जहाँ पास में ही राजबूंगा का किला भी है, जिसका निर्माण चन्द शासक सोमचन्द ने करवाया था। सत्यनाथ के शिष्य बाबा नागनाथ के मन्दिर का निर्माण गुरू गोरखनाथ ने किया था, जो पहाड़ियों के प्रसिद्ध ऋषि थे। यह भी मान्यता है कि राजा कीर्तिचन्द ने इस पवित्र मन्दिर का निर्माण करवाया था।

18 वीं सदी में गोरखा और रोहिला आक्रमणकारियों ने इस मंदिर को तोड़ दिया था, लेकिन मंदिर का निर्माण फिर दोबारा से करवाया गया। मंदिर में एक निकासी द्वार बनाया गया है, साथ ही दो मंजिला लकड़ी की संरचना की गई, जो कि कुमाऊँनी वास्तुकला का एक नमूना है। यहां मंदिर में नागनाथ की धुनि के साथ ही काल भैरव का भी मंदिर है, जिनकी पूजा करने के लिए भी लोग यहां पर आते हैं। कहा जाता है कि यहां पूजा अर्चना करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है और शत्रुओं का भी नाश होता है।

बालेष्वर मंदिर

बालेश्वर मंदिर समूह चम्पावत बस स्टेशन से लगभग 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण चन्द शासकों ने 10वीं से 12वीं शताब्दी में किया था। ताम्रपत्रों के अनुसार इसका निर्माण 1272 ईसवी के लगभग हुआ माना जाता है। मन्दिर की नक्कासी में तत्कालीन जगन्नाथ मिस्त्री की कुशल कारीगिरी देखी जा सकती है। यह बालेश्वर मंदिर समूह शिवजी को समर्पित है। हस्तशिल्प वास्तुकला के नायाब नमूने देखने को मिलते हैं। कहा जाता है कि महाभारत काल में बालि द्वारा असुरों से शिवजी की पूजा करवाई गई, जिस कारण इस मंदिर का नाम बालेश्वर पड़ गया। इस मंदिर के पास में ही रत्नावती देवी तथा चम्पावती देवी के मंदिर भी स्थित हैं। यहाँ शिवरात्रि पर हर वर्ष मेले का आयोजन किया जाता है। देश भर से श्रद्धालु शिवरात्रि के दिन इस विशिष्ट मेले को देखने यहाँ पर आते हैं।

क्रान्तेष्वर महादेव मंदिर

क्रान्तेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव का पवित्र मंदिर है जो कि चम्पावत शहर के पूर्व में एक ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। क्रान्तेश्वर महादेव मंदिर मुख्य चम्पावत शहर से 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और समुद्रतल से लगभग 6000 मीटर की ऊंचाई पर बना है। क्रान्तेश्वर महादेव मंदिर को स्थानीय लोग कणदेव एवं कूर्मापक नाम से भी संबोधित करते हैं। यह मदिर अनोखी वास्तुशिल्प कला से निर्मित अद्भुत मंदिर है। पर्यटन के लिए यह मंदिर एक महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल है। धार्मिक मान्यता के अनुसार क्रान्तेश्वर महादेव की पहाड़ी में भगवान विष्णु ने कूर्मा अवतार लिया था। इतिहासकार देवेन्द्र ओली के अनुसार कूर्म पर्वत से ही कुमाऊँ शब्द बना है। यह माना जाता है कि भगवान विष्णु के पद चिन्ह् आज भी इस स्थल में विराजित हैं। स्कन्दपुराण के मानस खण्ड में कूर्म नामक पर्वत का वर्णन है। क्रान्तेश्वर महादेव

मंदिर की उल्लेखनीय ऊंचाई से हिमपातित हिमालय के सुन्दर दृश्य का अनुभव प्रदान होता है। यह एक खूबसूरत मंदिर है जिसकी वास्तुकला प्राचीन कालीन तकनीकी और हुनर की याद दिलाती है।

लोहाघाट

उत्तराखण्ड के चम्पावत जनपद में स्थित लोहाघाट शहर एक नगर पंचायत है, प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण यह शहर समुद्रतल से 5500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। प्राचीन शहर लोहाघाट का एक विशाल ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व है, इसके आस–पास के स्थान पौराणिक इतिहास का उल्लेख करते हैं, जो कि कई पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। होली और जन्माष्टमी के दिन यहां भारी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। लोहाघाट क्षेत्र की सुन्दरता से मंत्रमुग्ध होकर सी0 बैरन ने इसे कश्मीर के बाद धरती के दूसरे स्वर्ग का खिताब दे दिया। यह नगर चारों तरफ से विशाल देवदार के वनों से घिरा हुआ है, जो कि अलौकिक सुन्दरता को दर्शाता है। यहां के मीना बाजार, खड़ीबाजार और स्टेशन मार्केट मुख्य बाजारों में एक हैं। यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में एवट माउंट, वाणासुर किला, अद्वैत आश्रम (मायावती आश्रम), मानेश्वर मंदिर, पंचेश्वर, रीठा साहिब आदि हैं।

पूर्णागिरी मंदिर

उत्तराखण्ड के चम्पावत जनपद में टनकपुर के निकट नेपाल की सीमा से लगा सुप्रसिद्ध पूर्णागिरी देवी का मंदिर शारदा नदी के निकट अन्नपूर्णा पर्वत के शिखर पर समुद्रतल से लगभग 3000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। मां पूर्णागिरी देवी को पूण्यगिरी देवी के नाम से भी जाना जाता है। पूर्णागिरी मंदिर चम्पावत जनपद में शारदा नदी के निकट स्थित है। यह स्थान देवी शक्ति के 51 शक्तिपीठों में से एक है कहा जाता है कि राजा दक्ष प्रजापति की कन्या और भगवान शिव की अर्द्धांगिनी सती की नाभि का भाग भगवान विष्णु के सुदर्शन चक्र से कटकर इस स्थान में गिरा था। टनकपुर रेलवे स्टेशन से इस मंदिर की दूरी करीब 24 किलोमीटर है तथा जिला मुख्यालय चम्पावत से 95 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मंदिर में वर्षभर श्रद्धालु आते रहते हैं। पूर्णागिरी देवी मंदिर में होली के बाद 3 महीने तक मेले का आयोजन होता है, इस समय सभी प्रान्तों के साथ नेपाल से भी श्रद्धालुओं का यहां बड़ी संख्या में आगमन होता है तथा नवरात्रि के समय भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में यहां आते हैं। ऐसा माना जाता है कि मां सबकी मनोकामनाओं को पूर्ण करती है।

अद्वैत आश्रम (मायावती आश्रम)

अद्वैत आश्रम मायावती आश्रम उत्तराखण्ड राज्य के चम्पावत जनपद में मायावती नामक स्थान पर हिमालय की श्रृखंला की गोद में बसा समुद्रतल से 1940 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। मायावती नामक स्थान में स्थित होने के कारण इसे मायावती आश्रम के नाम से भी जाना जाता है। चम्पावत जनपद से 22 किलोमीटर दूर तथा लोहाघाट से 09 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। देवदार, चीड़, बांज व बुरांश के सघन वनों के बीच अद्भुत नैसर्गिक सौन्दर्य के मध्य मणि के समान यह आश्रम आगंतुकों को निर्मल शान्ति प्रदान करता है। इस आश्रम का निर्माण स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा से उनके सन्यासी शिष्य स्वामी स्वरूपानन्द और अंग्रेजी शिष्य कैप्टन जे0एच0 सेवियर और उनकी पत्नी श्रीमती सी0ई0 सेवियर ने मिलकर 11 मार्च 1899 में किया था। सन् 1909 में कैप्टन जे0एच0 सेवियर के देहांत का समाचार जानकर स्वामी विवेकानन्द जी श्रीमती सेवियर को सांत्वना देने के निमित्त मायावती आये थे। तब वे इस आश्रम में 3 से 18 जनवरी तक रूके थे, तब से यह जगह रामकृष्ण मिशन के बैतूर मठ के सबसे महत्वपूर्ण केन्द्र में से एक बन

गयी। कैप्टन सेवियर की मृत्यु के 15 वर्ष बाद तक श्रीमती सेवियर आश्रम में सेवा कार्य करती रहीं। स्वामी विवेकानन्द की इच्छानुसार मायावती आश्रम में कोई मंदिर या मूर्ति नहीं है क्योंकि यहां सनातनी परम्परानुरूप किसी प्रतीक की पूजा नहीं होती है। सायं काल मधुर वाणी में सामुहिक रूप से संगती वाद्यों के साथ राम नाम संकीर्तन होता है। 1903 में यहां एक धर्मार्थ रूग्णालय की स्थापना की गई, जिसमें गरीबों की निशुल्क चिकित्सा की जाती है। यहां की गौशाला में अच्छी नस्ल की स्वस्थ्य गायें हैं। आश्रम से लगभग 200 मीटर दूर तक छोटी अतिथि शालायें भी हैं, जहां बाहर से आने वाले साधकों के ठहरने की व्यवस्था है।

एबट माउन्ट

एबट माउन्ट दुनिया की सबसे लम्बी, ऊंची और सबसे चौड़ी हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में बसा हुआ है। यह स्थान चम्पावत से 22 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है तथा लोहाघाट से 7 किलोमीटर दूर मरोड़ाखान नामक स्थान पर है और मरोड़ाखान से 3 किलोमीटर की दूरी पर एबट माउन्ट स्थित है। पश्चिम से पूर्व की ओर लगभग सभी हिमालयी चोटियां यहां से देखने को मिलती हैं। जिनमें से नंदा देवी, नंदा कोटी, त्रिशूल, चौखम्बा, पंचाचूली, पीरपंजाल, सभी आर्कषक चोटियों के दृश्य दिखायी देते हैं। एबट माउन्ट भारत की 10 भूतिया जगहों में भी शामिल है। एबट माउन्ट के शीर्ष पर एक खुला मैदान है और इसकी ढलान पर यूरोपीय बंगला उद्यान एवं बगीचों के साथ है जिनमें से एबट माउन्ट कॉटेज अत्यधिक उल्लेखनीय है। एबट माउन्ट जॉन हैराल्ड द्वारा स्थापित किया गया है। इस समय इस स्थान पर 16 पुरानी हवेलियां है, जिनमें से एक चर्च, अस्पताल और उसके निचले हिस्से में एक कब्र स्थान है जिसमें 12 से 13 कब्र हैं। इसके अलावा एक मुक्तिघर भी है जो पहले एबी नामक बंगला था। कहा जाता है कि इस अस्पताल में मॉरिस नाम का डॉक्टर मरीजों को उनकी मृत्यु कब होगी की जानकारी देता था और मरीज डॉक्टर के बताये समय पर मर जाता था। डॉक्टर मॉरिस खुद मरीजों को मारता था या मरीज प्राकृतिक रूप से मरते थे यह अभी भी एक भ्रम है। यहां आस–पास के लोंगो का मानना है कि यह पूरा क्षेत्र भूत–प्रेत और मृत आत्माओं का गढ़ है। एबट माउन्ट में बहुत सुन्दर कॉटेज भी बने हुये हैं। जिनमें ठहरने की भी पूर्ण व्यवस्था है। जो मात्र 3500 रू0 से शुरू हैं जिनमें 03 लोग रह सकते हैं।

बाणासुर का किला

बाणासुर का किला उत्तराखण्ड के चम्पावत जनपद में स्थित एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। यह किला लोहाघाट से लगभग 7 किलोमीटर की दूरी पर कर्णरायत नामक स्थान के पास स्थित है। कर्णरायत से बाणासुर किले तक लगभग 1.5 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करने के बाद पहुंचा जा सकता है एवं यह किला समुद्रतल से 1859 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि इसका निर्माण मध्यकाल में किया गया था। इसी स्थान पर भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा बाणासुर का वध किया गया था, किवदंतियों के अनुसार दैत्यराज बलि के प्रतापी पुत्र बाणासुर ने श्रीकृष्ण के पौत्र का अपहरण कर लिया था इसलिए उन्होंने बाणासुर का संहार किया। इस स्थल से एक ओर हिमालय की भव्य पर्वत श्रृखंलाओं का दृश्य देखा जा सकता है खासकर पंचाचूली चोटी का सुन्दर नजारा बहुत ही स्पष्ट दिखता है, तो दूसरी ओर लोहाघाट सहित मायावती अद्वैत आश्रम एवं अन्य नैसर्गिक छटाओं का भी आनन्द लिया जा सकता है। हिमालय पर्वत श्रृंखला का नैनाभिराम दृश्य देखने के बाद लोग इस स्थल के मुरीद हो जाते हैं। पहाड़ी शैली में निर्मित इस किले में पत्थरों का उपयोग किया गया है और इसकी बनावट प्राकृतिक मीनार की भांति है।

पंचेष्वर महादेव

पंचेश्वर महादेव मंदिर उत्तराखण्ड के चम्पावत जनपद में लोहाघाट से लगभग 38 किमी की दूरी पर काली एवं सरयू नदी के संगम पर स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव का एक पवित्र मंदिर है। इस मंदिर को स्थानीय लोगों द्वारा चौमु (ईष्ट देवता) के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय लोग चौमु की पूजा करते हैं। चौमु देवता को पशुओं की रक्षा के लिए पूजा जाता है, एवं प्रत्येक वर्ष चौमु जाट की शोभायात्रा का आयोजन आर्कषण का केन्द्र होता है। मंदिर में भक्त ज्यादातर चैत्र महीने में नवरात्रि के दौरान आते हैं, और इस स्थल पर मकर संक्रांति के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन भी किया जाता है। पंचेश्वर महादेव मंदिर में शिव की सुंदर मूर्ति और शिवलिंग, नाग देवता के साथ स्थापित है। पंचेश्वर मंदिर सुंदर जंगल के बीचों बीच और आसपास के जंगलों, धाराओं और उच्च प्राकृतिक फूलों से घिरा हुआ है। नदी के संगम पर डुबकी लगाना बड़ा ही पवित्र माना जाता है। भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर में भेंट स्वरूप घंटिया और दूध भोग के रूप में चढ़ाया जाता है। यह स्थल मत्स्य आखेट एवं रिवर राफ्टिंग के लिए भी विख्यात है। मंदिर के आस–पास कुछ आकर्षक पर्यटक स्थल हैं जैसे चामदेवल, रौसाल और पुल्ला जो अपनी सुन्दरता के लिए पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां मार्च से अक्टूबर के महीनों के दौरान किसी भी समय यात्रा कर सकते हैं क्योकि दर्शन के लिए यह सबसे अच्छा महीना माना जाता है।

श्यामलाताल

टनकपुर से चम्पावत की ओर लगभग 22 किलोमीटर की दूरी पर स्थित श्यामलाताल एक प्राकृतिक झील है। टनकपुर–पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सूखीढांग से पहले एक मार्ग श्यामलाताल की ओर जाता है। श्यामलाताल कुमाऊं क्षेत्र में सबसे सूखी और आकर्षक झीलों में से एक है, जो समुद्र तल से लगभग 1500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह जगह सभी आध्यात्मिक साधकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक शानदार स्थान है। यह झील चारों ओर से बांझ, चीड़, देवदार, बुरांश सहित कई प्रकार की वन संपदा से आच्छादित ऊंचे पहाड़ों से घिरी हुई है। इस स्थान पर स्वामी विवेकानन्द जी की ध्यानस्थली के रूप में विवेकानन्द आश्रम भी स्थापित है। यहां पूर्व में पर्यटन विभाग ने आवासों का निर्माण कराया था लेकिन देखरेख के अभाव में यह खराब हो चुके हैं। यहां स्थित विवेकानन्द आश्रम में रूका जा सकता है। श्यामलाताल पहुंचने के लिए जनपद के मैदानी क्षेत्र टनकपुर से निजी वाहन या टैक्सी से पहुंचा जा सकता है।

अध्याय III

पलायन की स्थिति

इस अध्याय में जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायतों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर एकत्र किये गये आंकड़ों का विश्लेषण कर जनपद में पलायन के कई पहलुओं को सामने लाया गया है।

मुख्य व्यवसाय

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जनपद के ग्रामों में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, तत्पश्चात् मजदूरी और सरकारी सेवा है। जनपद तथा राज्य में ग्राम पंचायत स्तर से प्राप्त आंकड़ों को नीचे दी गयी तालिकाएं स्पष्ट करती हैं।

ग्राम पंचायत स्तर का मुख्य व्यवसाय (जनपद औसत)							
ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)							
जनपद का नाम	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	योग
चम्पावत	34.23	42.41	2.29	7.22	6.48	7.37	100.00

ग्राम पंचायत स्तर का मुख्य व्यवसाय (राज्य औसत)							
ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)							
राज्य का नाम	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	योग
उत्तराखण्ड़	32.22	43.59	2.11	2.64	10.82	8.63	100

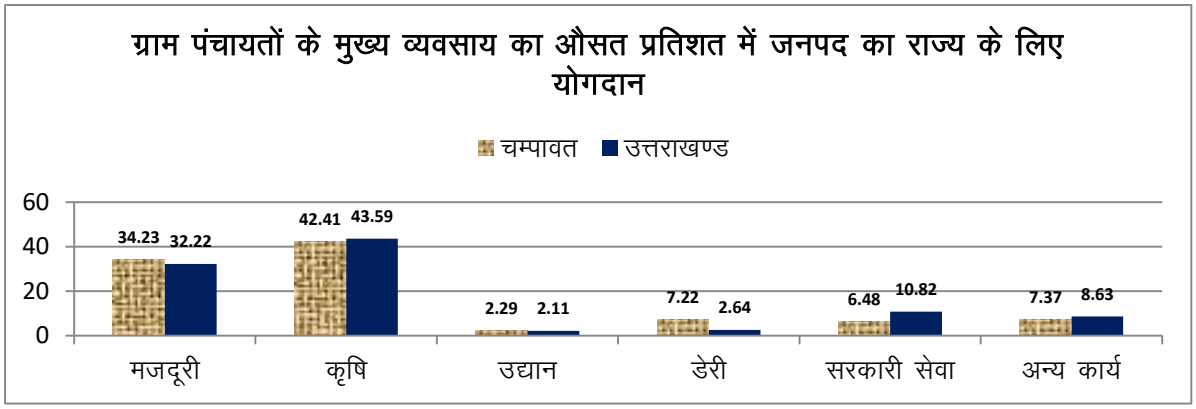

स्थायी और अस्थायी पलायन

इस खंड के अन्तर्गत स्थायी और अस्थायी पलायन की जानकारी का मूलरूप से विश्लेषण किया गया है। पिछले 10 वर्षों में 304 ग्राम पंचायतों से कुल 20332 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर ग्रामों में अपने घर आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है। पिछले 10 वर्षों में 208 ग्राम पंचायतों से 7886 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिंता का विषय है। आंकड़े दर्शाते हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

पिछले 10 वर्षों में ग्राम पंचायतों से हुए पलायन का विकासखण्ड़वार विवरण				
विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
बाराकोट	48	2,605	40	1,479
चम्पावत	107	8,014	52	2,508
लोहाघाट	65	3,636	51	1,383
पाटी	84	6,077	65	2,516

पिछले 10 वर्षों में ग्राम पंचायतों से हुए पलायन का जनपद विवरण				
जनपद का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
चम्पावत	304	20,332	208	7,886

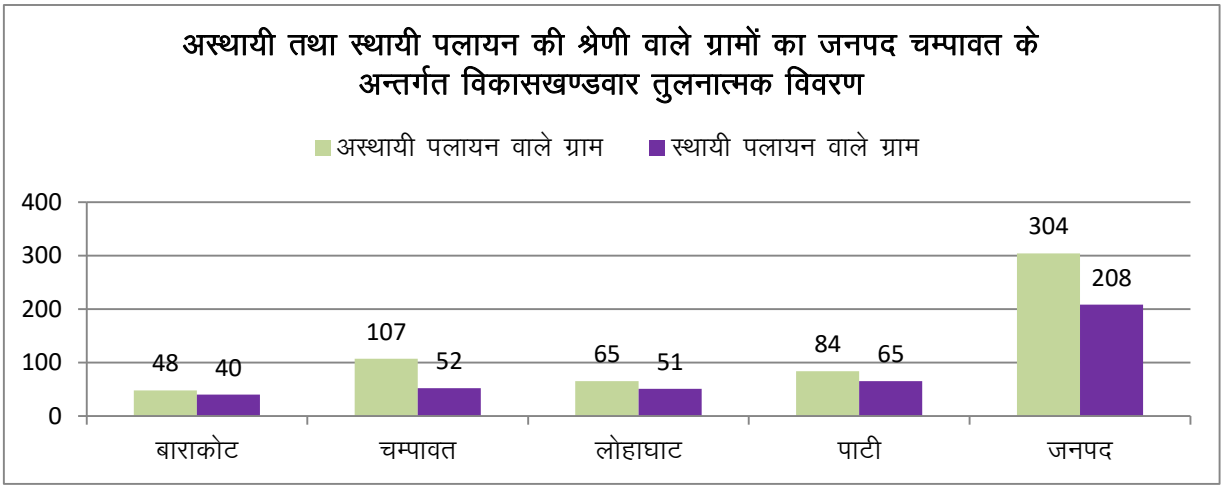

पिछले 10 वर्षों में ग्राम पंचायतों से हुए पलायन का राज्य विवरण

राज्य का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
उत्तराखण्ड़	6338	3,83,726	3946	1,18,981

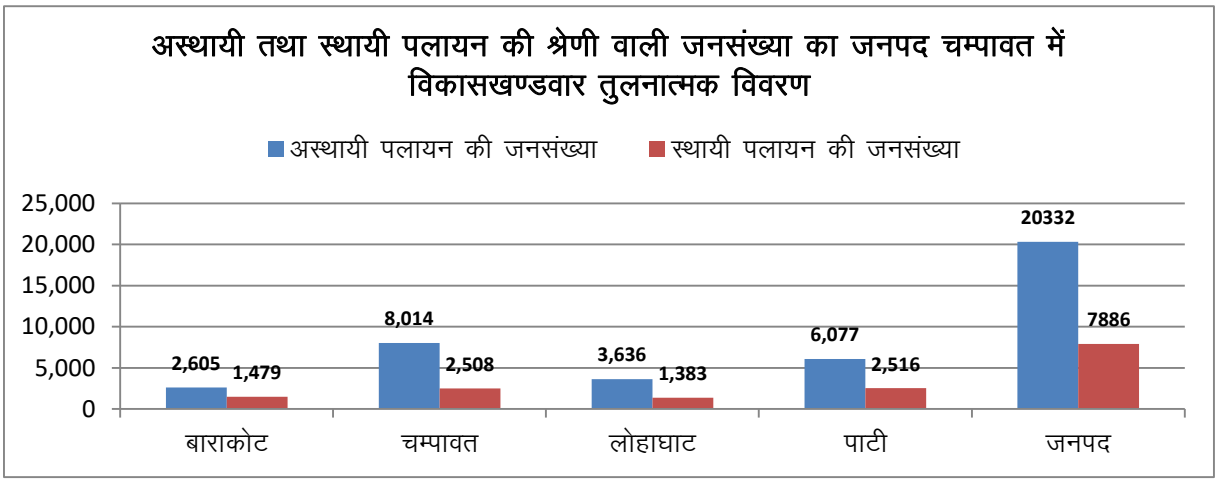

पलायन के मुख्य कारण

पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार, की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओ में कमी है। विस्तृत आंकड़े नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत हैं।

ग्राम पंचायतों से पलायन के मुख्य कारण का जनपद और विकासखण्ड में विवरण										
ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)										
जनपद	विकासखण्ड का नाम	आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता/पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संबन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	योग
चम्पावत	बाराकोट	33.04	12.19	14.60	6.35	10.10	11.69	6.60	5.42	100.00
चम्पावत	चम्पावत	54.12	5.33	10.29	6.29	4.19	2.59	8.80	8.39	100.00
चम्पावत	लोहाघाट	66.56	4.73	8.30	3.14	6.84	1.98	4.39	4.05	100.00
चम्पावत	पाटी	59.46	6.40	9.16	5.85	6.00	3.67	6.07	3.38	100.00

ग्राम पंचायतों से पलायन के मुख्य कारण का जनपदविवरण
ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)

जनपद	विकासखण्ड का नाम	आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता / पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार / सगे संबन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	योग
जनपद योग		54.90	6.67	10.24	5.46	6.31	4.30	6.65	5.46	100.00

तालिका 3.7

ग्राम पंचायतों से पलायन के मुख्य कारण का राज्य विवरण										
ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)										
राज्य	विकासखण्ड का नाम	आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता / पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार / सगे संबन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	योग
राज्य योग		50.16	8.83	15.21	3.74	5.44	2.52	5.61	8.48	100

आयु वर्गवार पलायन

इस खण्ड में ग्राम पंचायतों से पलायन करने वालों की आयु का विश्लेषण किया गया है। आंकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि लगभग 40 प्रतिशत पलायन 26 से 35 आयु वर्ग द्वारा किया गया है। विभिन्न विकासखण्ड़ों और जनपद की विस्तृत जानकारी निम्न तालिका में दी गई है।

ग्राम पंचायतों से आयु वर्गवार पलायन का जनपद और विकासखण्ड़वार विवरण					
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	योग
चम्पावत	बाराकोट	22.17	42.34	35.49	100.00
चम्पावत	चम्पावत	22.82	45.27	31.91	100.00
चम्पावत	लोहाघाट	27.79	44.78	27.43	100.00
चम्पावत	पाटी	27.43	48.11	24.46	100.00

ग्राम पंचायतों से आयु वर्गवार पलायन का जनपद विवरण				
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
	25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	योग

चम्पावत	25.23	45.49	29.29	100.00

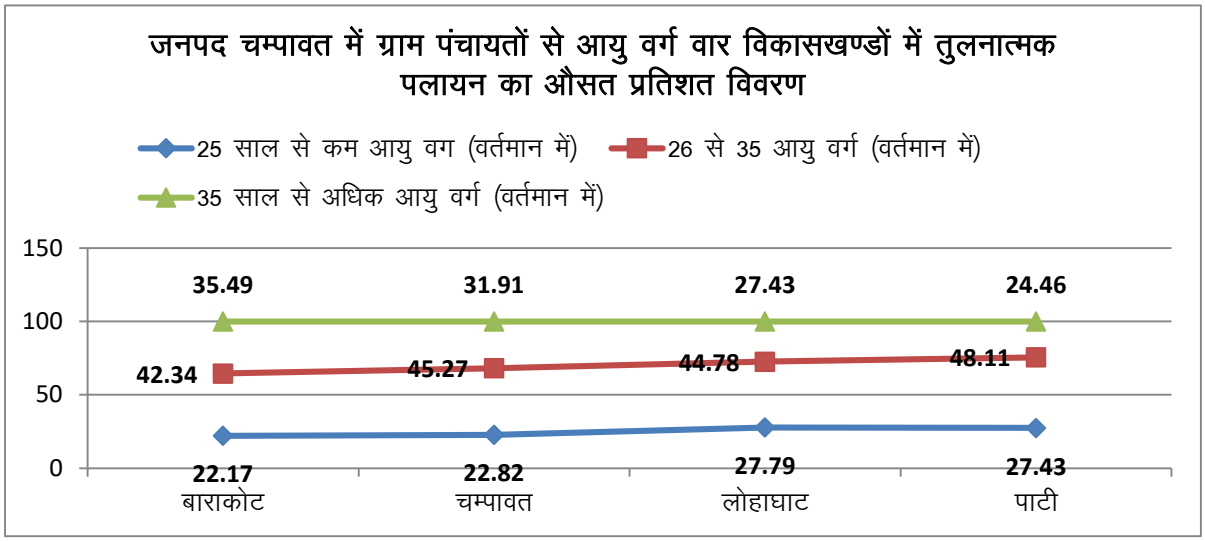

ग्राम पंचायतों से आयु वर्गवार पलायन का राज्य विवरण				
राज्य का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
	25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	योग
उत्तराखण्ड़	28.66	42.25	29.09	100

पलायन के गंतव्य

ग्राम पंचायतों से हो रहे पलायन के गंतव्य के विश्लेषण कर सामने आये आंकड़ों को इस खण्ड़ में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से लगभग 40 प्रतिशत पलायन राज्य के अन्य जनपदों में है जबकि 28 प्रतिशत पलायन राज्य के बाहर हुआ है।

ग्राम पंचायत से हुए पलायन के गन्तव्यों का जनपद और विकासखण्ड़वार विवरण							
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
		नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	योग
चम्पावत	बाराकोट	27.59	12.41	33.52	26.48	0.00	100.00
चम्पावत	चम्पावत	10.83	19.87	34.52	34.01	0.77	100.00
चम्पावत	लोहाघाट	15.76	16.90	25.98	41.23	0.13	100.00
चम्पावत	पाटी	7.30	16.33	48.46	27.77	0.13	100.00

ग्राम पंचायत से हुए पलायन के गन्तव्यों का जनपद में विवरण						
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	योग

चम्पावत	14.00	16.86	36.24	32.59	0.30	100.00

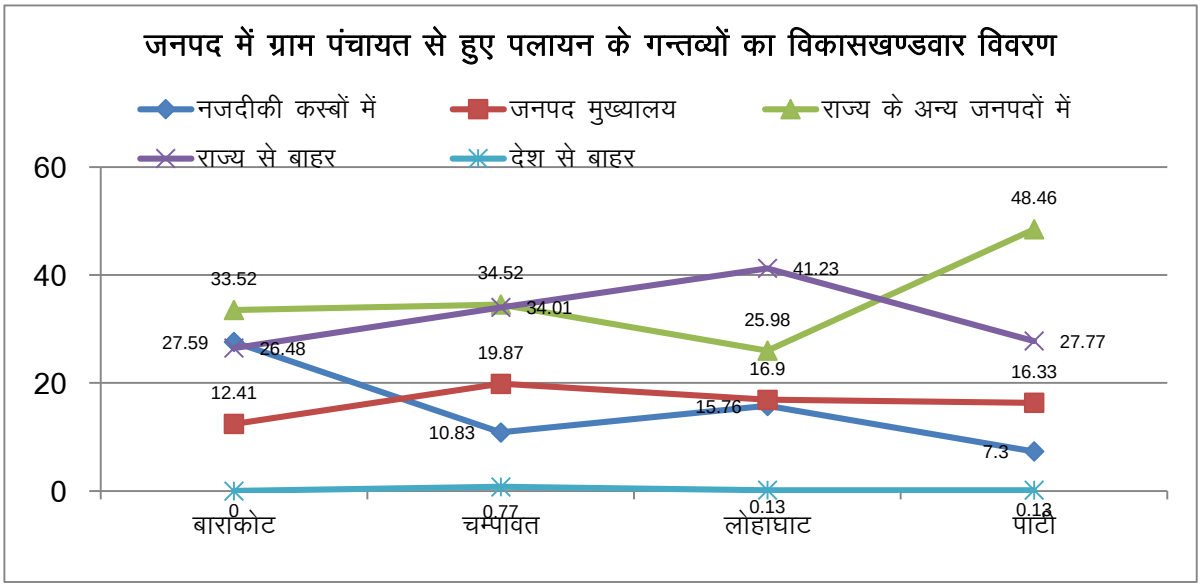

ग्राम पंचायत से हुए पलायन के गन्तव्यों का राज्य में विवरण						
राज्य का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहाँ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	योग
उत्तराखण्ड़	19.46	15.18	35.69	28.72	0.96	100

2011 के बाद निर्जन ग्रामों की संख्या

इस खण्ड में 2011 के बाद निर्जन हुए राजस्व ग्रामों/तोकों/मजरों का विकासखण्डवार एवं जनपदीय सारांश प्रस्तुत किया गया है तथा जिनमें सड़क सुविधा का अभाव, बिजली का अभाव, पेयजल का अभाव, सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) उपलब्धता 1 किमी के अन्दर नहीं है, वाले ग्रामों का विवरण निम्न तालिकाओं के माध्यम से स्पष्ट किया गया है।

ग्राम पंचायत पर 2011 के बाद राज्य, जनपद व विकासखण्ड वार निर्जन हुए ग्रामों/तोकों की संख्या		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	3
चम्पावत	चम्पावत	35
चम्पावत	लोहाघाट	15
चम्पावत	पाटी	11
जनपद योग		64
राज्य योग		**734**

ग्राम पंचायत पर 2011 के बाद राज्य, जनपद और विकासखण्ड़ वार सड़क अभाव वाले ग्रामों/तोकों की संख्या		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	2
चम्पावत	चम्पावत	34
चम्पावत	लोहाघाट	12

चम्पावत	पाटी	8
जनपद योग		56
राज्य योग		**482**

ग्राम पंचायत पर 2011 के बाद राज्य, जनपद और विकासखण्ड़ वार पेयजल का अभाव वाले ग्रामों/तोकों की संख्या		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	0
चम्पावत	चम्पावत	16
चम्पावत	लोहाघाट	7
चम्पावत	पाटी	9
जनपद योग		32
राज्य योग		**399**

ग्राम पंचायत पर 2011 के बाद राज्य, जनपद और विकासखण्ड़ वार सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र का अभाव वाले ग्रामों/तोकों की संख्या		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	3
चम्पावत	चम्पावत	35
चम्पावत	लोहाघाट	12
चम्पावत	पाटी	11
जनपद योग		61
राज्य योग		**660**

ऐसे ग्राम जहाँ अन्य दूसरे ग्रामों/कस्बों/तोकों से पिछले 10 वर्षों में लोग पलायन कर निवास कर रहें हैं :–

यह भाग उन ग्रामों का जनपद एवं विकासखण्डवार संख्या का विवरण प्रस्तुत करता है, जहाँ अन्य ग्रामों/शहर/कस्बों/तोकों के लोग पलायन कर बस गये हैं।

ग्रामों की संख्या जिन ग्रामों में पिछलें 10 वर्षों में दूसरे ग्रामों/तोकों के लोग पलायन कर बसे हैं का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल ऐसे गॉव जहॉ पिछले 10 वर्षो में अन्य गॉव/शहर/कस्बों से पलायन कर उस गॉव में आकर बसे हों
चम्पावत	बाराकोट	1
चम्पावत	चम्पावत	33
चम्पावत	लोहाघाट	16
चम्पावत	पाटी	10
जनपद योग		60
राज्य योग		**850**

ऐसे गांव जहाँ 2011 की जनगणना के बाद के बाद 50 प्रतिशत तक पलायन हुआ है :–

यह खण्ड उन राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या को जनपद और विकासखण्डवार सारांश का विवरण प्रस्तुत करता है जिनमें मोटर मार्ग का अभाव, विद्युत का अभाव, एक कि0मी0 तक पानी का अभाव, पी.एच.सी. की अनुपलब्धता, वाले ग्राम शामिल है, जिनकी जनसंख्या 2011 के बाद 50 प्रतिशत कम हुई है।

2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई वाले राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	0
चम्पावत	चम्पावत	16
चम्पावत	लोहाघाट	4
चम्पावत	पाटी	24
जनपद योग		44
राज्य योग		**565**

2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई वाले राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या जहाँ सड़क का अभाव है का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	0
चम्पावत	चम्पावत	14
चम्पावत	लोहाघाट	4
चम्पावत	पाटी	20
जनपद योग		38
राज्य योग		**367**

2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई वाले राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या जहाँ पेयजल का अभाव है का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	0
चम्पावत	चम्पावत	4
चम्पावत	लोहाघाट	1
चम्पावत	पाटी	6
जनपद योग		**11**
राज्य योग		**203**

2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई वाले राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या जहाँ सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र का अभाव है का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	0
चम्पावत	चम्पावत	16
चम्पावत	लोहाघाट	4
चम्पावत	पाटी	17
जनपद योग		**37**
राज्य योग		**510**

अध्याय IV

ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु जनपद चम्पावत में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण

ग्राम्य विकास

➢ ग्राम्य विकास विभाग द्वारा वर्तमान में निष्पादित की जाने वाली योजनाओं और कार्यक्रमों की नामावली :–

1. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना,
2. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन,
3. स्टार्ट–अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम,
4. महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना,
5. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना,
6. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रर्बन मिशन,
7. प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण),
8. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,
9. सीमान्त क्षेत्र विकास योजना,
10. सांसद निधि,
11. मेरा गांव मेरी सड़क योजना,
12. सामुदायिक विकास योजना,
13. उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज संस्थान,
14. मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना,
15. मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना,
16. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क सोजना के अन्तर्गत आपातकालीन निधि,
17. एकीकृत आजीविका सहयोग परियोजना,

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना :–जनपद चम्पावत के 4 विकासखण्डों एवं 313 ग्राम पंचायतों में विभाग द्वारा कुल वितरित किये 40068 जॉबकार्ड वितरित किये गये हैं, जिनमें से अभी भी लगभग 22% जॉबकार्ड निष्क्रीय हैं, जबकि पंजीकृत कुल 62759 श्रमिकों में से वर्ष 2019–20 तक लगभग 28% श्रमिकों ने रोजगार नहीं लिया। इसके लिए विभाग को ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाते हुए सभी जॉबकार्ड धारकों एवं श्रमिकों को आच्छादित करने की सभी विकासखण्डों में कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। जिसके आंकड़ें निम्नवत तालिका प्रदर्शित किये गये हैं।

ग्राम्य विकास विभाग				
राज्य : उत्तराखण्ड	जनपद : चम्पावत			
विकासखण्ड़ों की कुल संख्या	4			
ग्राम पंचायत की कुल संख्या	313			
जॉब कार्ड				
जारी की गई जॉबकार्ड की कुल संख्या (लाख में)	0.4			
श्रमिकों की कुल संख्या (लाख में)	0.63			
सक्रिय जॉबकार्ड की कुल संख्या (लाख में)	0.31			
सक्रिय श्रमिकों की कुल संख्या (लाख में)	0.45			
(i) सक्रिय श्रमिकों की तुलना में अनुसूचित जाति के श्रमिक (%)	15.31			
(ii) सक्रिय श्रमिकों की तुलना में अनुसूचित जनजाति के श्रमिक (%)	0.22			
II प्रगति	वित्तीय वर्ष 2019–2020	वित्तीय वर्ष 2018–2019	वित्तीय वर्ष 2017–2018	वित्तीय वर्ष 2016–2017
स्वीकृत लेवर बजट (लाख में)	8.71	6.08	6.26	8.18
अब तक सृजित कार्य–दिवस (लाख में)	6.85	9.16	9.10	9.33
कुल एल.बी. का %	78.61	150.74	145.46	114.08
आनुपातिक एल.बी. के अनुसार%				
कुल कार्य दिवस में अनुसूचित जाति के लोगों का कुल कार्य दिवस का %	15.75	16.28	15.62	16.14
कुल कार्य दिवस में अनुसूचित जनजाति लोगों का कुल कार्य दिवस का %	0.18	0.18	0.23	0.14
कुल (%) में से महिला कार्य दिवस	47.26	45.64	43.54	42.71
प्रति घर प्रदान किये गये रोजगार के औसत दिन	44.27	50.53	46.74	45.99
प्रतिदिन प्रतिव्यक्तियों औसत मजदूरी दर (रू.)	182	174.99	175	173.99
मजदूरी के 100 दिन पूरे किए हाउस होल्ड की कुल संख्या	1056	2148	1666	1666
कुल परिवारों ने काम किया (लाख में)	0.15	0.18	0.19	0.2
काम करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (लाख में)	0.2	0.23	0.25	0.25
काम करने वाले विकलांग व्यक्तियों की संख्या	62	29	31	34
III कार्य				
शून्य अनुभव के साथ ग्राम पंचायत की संख्या	4	0	0	1
शुरू किए गए कार्यों की कुल संख्या (नया+पिछला रूका हुआ)(लाख में)	0.06	0.05	0.08	0.06
चालू कार्यों की संख्या (लाख में)	0.03	0.02	0.03	0.04
पूरा किए गए कार्यो की संख्या	2537	3576	4329	1895
एन.आर.एम. व्यय का %सार्वजनिक + व्यक्तिगत)	73.64	71.02	59.67	56.8
श्रेणी बी के कार्य का %	22.57	35.9	36.68	28.41
कृषि और कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय का %	79.91	79.71	72.39	65.27
III वित्तीय प्रगति				
कुल व्यय (लाख में)	1686.8	2188.54	2542.62	2438.67

श्रमांश (लाख में)	1254.61	1599.56	1737.69	1960.63

सृजित कार्य–दिवस :–जनपद के विकासखण्डों के आंकड़ों को देखे तो ज्ञात होता है जनपद के हर विकासखण्ड में मानव दिवस में गिरावट होने की वजह से जनपद के सृजित कार्य–दिवस के आंकड़ों में भी वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य 02.48 लाख मानव दिवस की कमी हुई है। जबकि वर्ष 2019–20 में लेबर बजट अन्य वर्षों के अपेक्षा रूपये 8.17 लाख था। जिसका वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों में प्रदर्शित किया गया है।

सृजित कार्य–दिवस (लाख में)				
विकासखण्ड	वर्ष 2019–2020	वर्ष 2018–2019	वर्ष 2017–2018	वर्ष 2016–2017
चम्पावत	2.2	3.1	3.6	3.6
बाराकोट	1.5	2.1	1.7	2.1
लोहाघाट	1.4	2.1	1.6	1.5
पाटी	1.7	1.9	2.2	2.2
जनपद	**6.85**	**9.16**	**9.10**	**9.33**

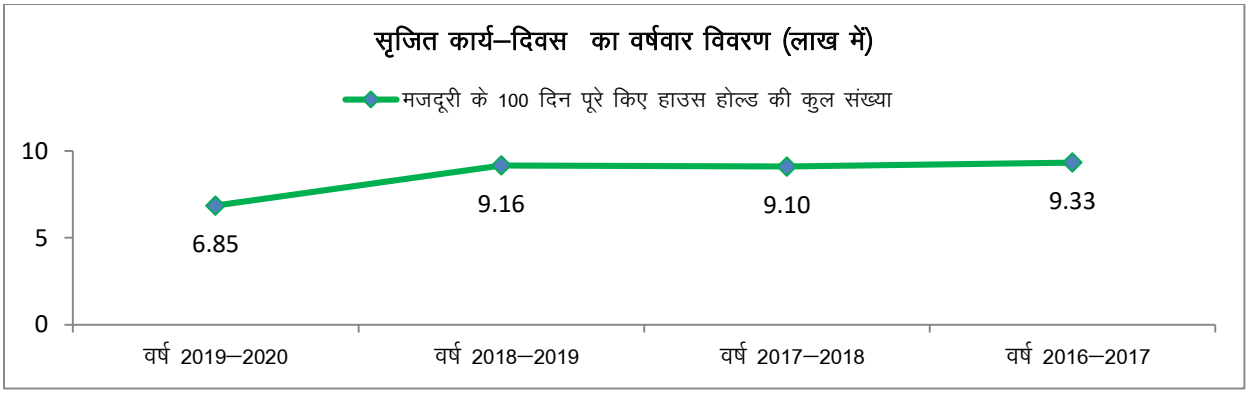

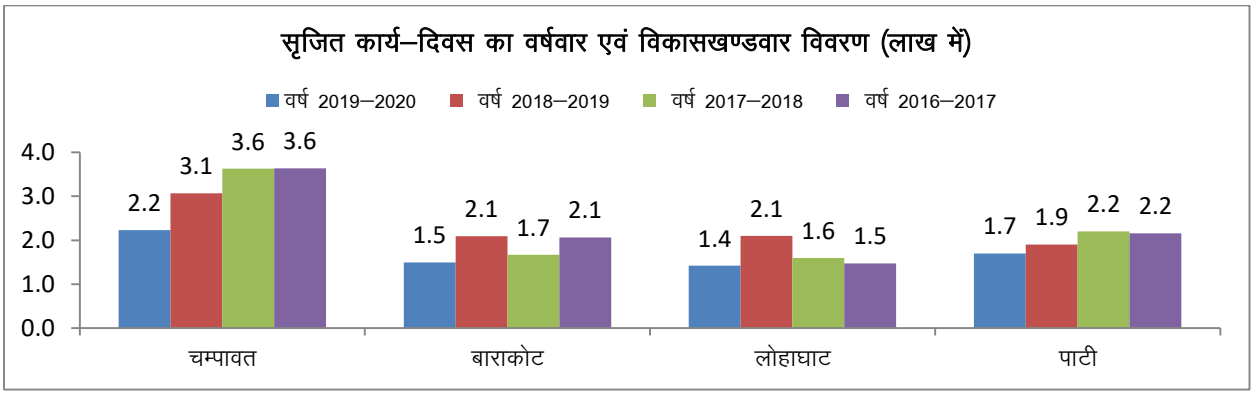

100 मानव दिवस पूर्ण करने वाले परिवार :–वर्ष 2019–20 हेतु मनरेगा में मजदूरी के 100 दिन पूरे करने वाले परिवारों की संख्या के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में अभी तक पंजीकृत कुल

40068 परिवारों में से मात्र लगभग 3% परिवारों को ही 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया गया है, जिसमें सबसे कम विकासखण्ड बाराकोट द्वारा 152 मानव दिवस के माध्यम से योगदान किया गया है जिसको बढ़ाने के लिए विभाग को ठोस रणनीति तैयार करनी की आवश्यकता है। ताकि ज्यादा से ज्यादा परिवारों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया जा सके। आंकड़ों का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों में दिया गया है।

मजदूरी के 100 दिन पूरे करने वाले परिवारों का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण				
विकासखण्ड	वर्ष 2019–2020	वर्ष 2018–2019	वर्ष 2017–2018	वर्ष 2016–2017
चम्पावत	445	849	851	924
बाराकोट	152	532	222	356
लोहाघाट	203	406	276	160
पाटी	256	361	317	226
जनपद	**1056**	**2148**	**1666**	**1666**

जनपद में विगत चार वर्षों के दौरान मजदूरी के 100 मानव दिवस पूरे करने वाले परिवारों के आंकड़ों में सबसे अधिक विकासखण्ड चम्पावत तथा सबसे कम विकासखण्ड लोहाघाट का योगदान रहा।

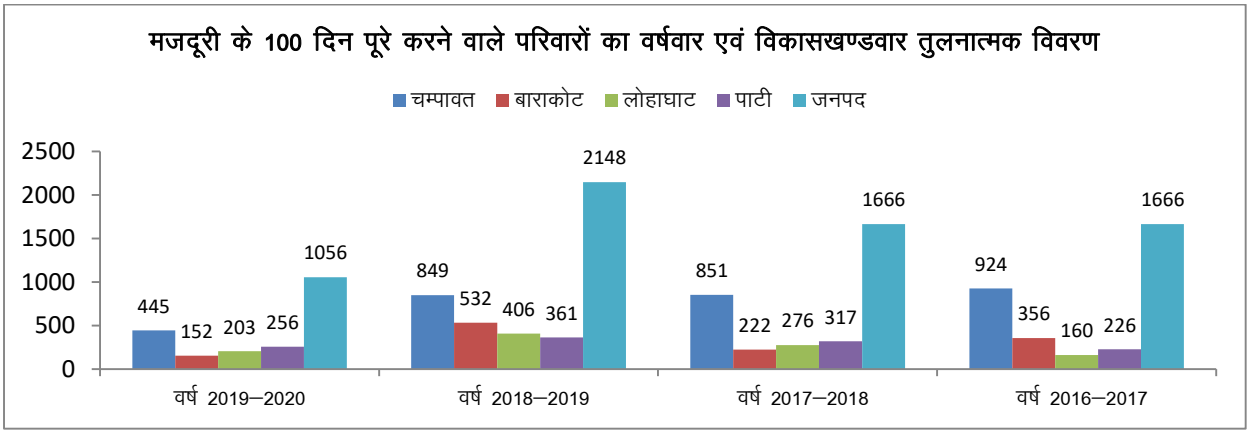

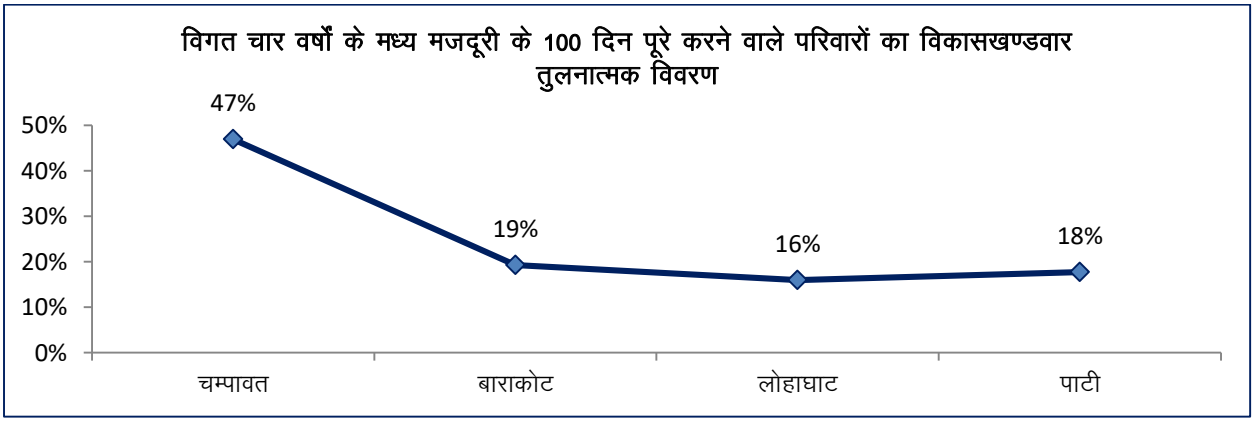

कुल (%) में से महिला कार्य दिवस :–जनपद में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान कुल (%) में से महिला कार्य दिवस की संख्या में 4.55% की वृद्धि होती है। जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बाराकोट द्वारा 45.9% व सबसे कम विकासखण्ड लोहाघाट द्वारा 43.8% के माध्यम से किया गया है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

कुल (%) में से महिला कार्य दिवस का वर्षवार विवरण				
विकासखण्ड	वर्ष 2019–2020	वर्ष 2018–2019	वर्ष 2017–2018	वर्ष 2016–2017
चम्पावत	47.62	46.04	41.96	41.68
बाराकोट	45.91	46.43	46.55	44.52
लोहाघाट	46.10	43.96	41.90	43.04
पाटी	48.93	45.95	45.08	42.48
जनपद	**47.26**	**45.64**	**43.54**	**42.71**

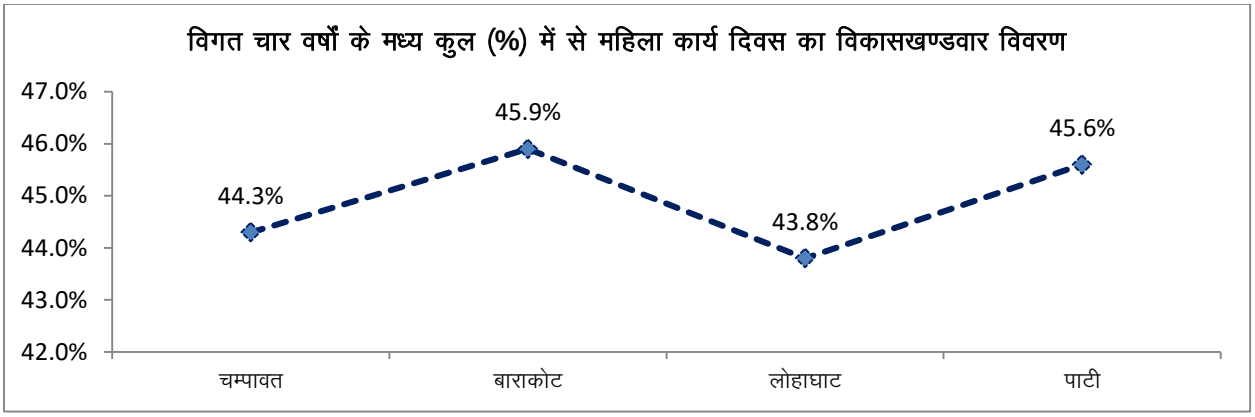

प्रति घर प्रदान किये गये रोजगार के औसत दिन :– जनपद में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2018–19 के दौरान प्रति घर प्रदान किये गये रोजगार के औसत दिनमें 4.54 की वृद्धि एवं वर्ष 2019–20 आते–आते 6.26 की कमी होती है। जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बाराकोट द्वारा 50.8% व सबसे कम विकासखण्ड लोहाघाट द्वारा 44.5% के माध्यम से किया गया है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

प्रति घर प्रदान किये गये रोजगार के औसत दिन का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण				
विकासखण्ड	वर्ष 2019–2020	वर्ष 2018–2019	वर्ष 2017–2018	वर्ष 2016–2017
चम्पावत	47.19	50.66	51.52	49.82
बाराकोट	46.29	57.96	46.1	52.67
लोहाघाट	42.54	52.51	42.48	40.54
पाटी	40.78	42.58	43.72	39.68
जनपद	**44.27**	**50.53**	**46.74**	**45.99**

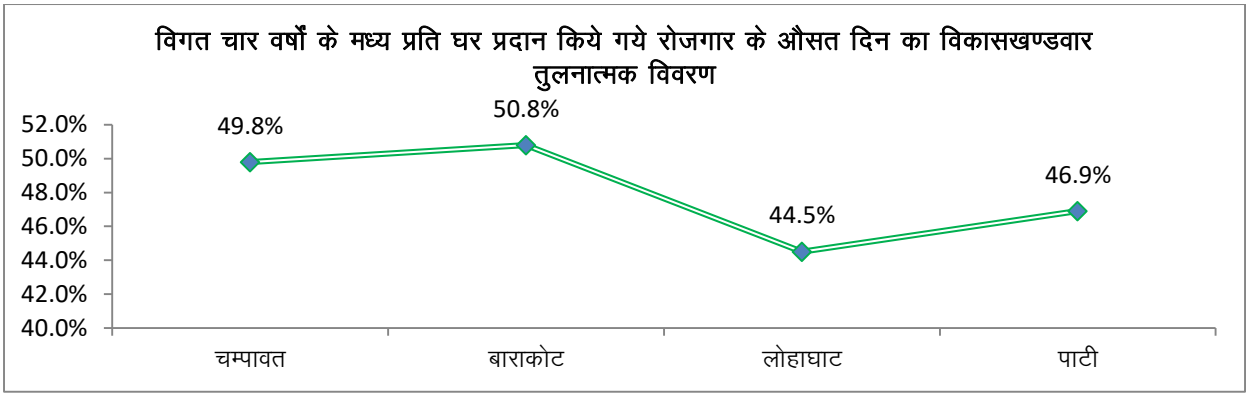

कुल परिवारों ने काम किया :– जनपद में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान कुल परिवारों ने काम करने में 4824(12%) परिवारों की दर से गिरावट हुई है। जिसमें सबसे अधिक योगदान औसतन विकासखण्ड चम्पावत द्वारा 34% व सबसे कम विकासखण्ड लोहाघाट और बाराकोट द्वारा 20:20% के माध्यम से किया गया है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

कुल परिवारों ने काम किया (लाख में)				
विकासखण्ड	वर्ष 2019–2020	वर्ष 2018–2019	वर्ष 2017–2018	वर्ष 2016–2017
चम्पावत	4719	6058	7048	7305
बाराकोट	3229	3612	3623	3916
लोहाघाट	3347	3995	3762	3625
पाटी	4170	4472	5040	5443
जनपद	15465	18137	19473	20289
कुल पंजीकृत परिवारों से जनपद प्रतिशत	**39%**	**45%**	**49%**	**51%**

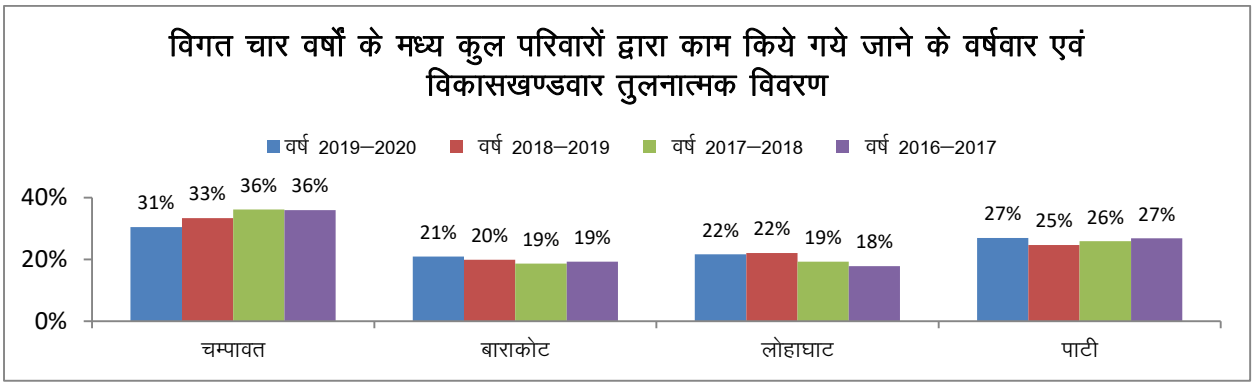

काम करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या :– जनपद में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान कुल श्रमिकों में से काम करने में 5099 (08%) श्रमिकों की दर से गिरावट हुई है। जिसमें सबसे अधिक योगदान औसतन विकासखण्ड चम्पावत द्वारा 14% व सबसे कम विकासखण्ड लोहाघाट और बाराकोट द्वारा 07%–07% के माध्यम से किया गया है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

काम करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण

विकासखण्ड	वर्ष 2019–2020	वर्ष 2018–2019	वर्ष 2017–2018	वर्ष 2016–2017
चम्पावत	6458	8349	9531	9768
बाराकोट	3830	4241	4207	4464
लोहाघाट	4069	4812	4359	4086
पाटी	5544	5830	6554	6682
जनपद	19901	23232	24651	25000
कुल पंजीकृत श्रमिकों से जनपद प्रतिशत	**32%**	**37%**	**39%**	**40%**

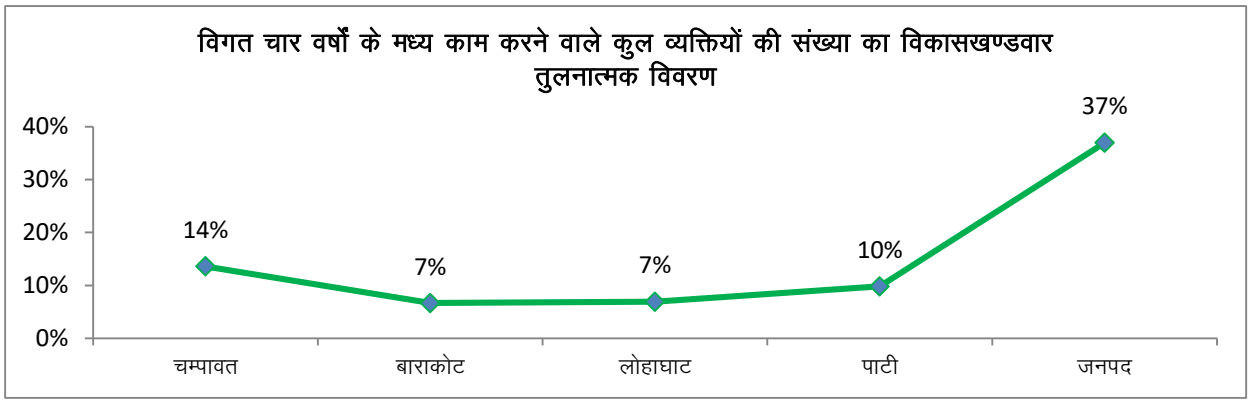

पूरा किए गए कार्यो की संख्या :– जनपद में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के दौरान चालू कार्यों की संख्या में 1888 (23%) कामों की गिरावट हुई है। पूरा किये गये कार्यों की संख्या हेतु विकासखण्ड चम्पावत एवं पाटी में क्रमशः 08% व 09% की दर कमी आती है जबकि विकासखण्ड लोहाघाट और बाराकोट में क्रमशः 06% व 010% की दर से वृद्धि के आंकड़े देखे जा सकते हैं, किन्तु विगत चार वर्षों में चालू कार्यों की संख्या में सबसे अधिक 33% चम्पावत विकासखण्ड में तथा सबसे कम 21% विकासखण्ड बाराकोट में चालू स्थिति में रहने के आंकड़े प्राप्त होते हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

पूरा किए गए कार्यो की संख्या का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण				
विकासखण्ड	वर्ष 2019–2020	वर्ष 2018–2019	वर्ष 2017–2018	वर्ष 2016–2017
चम्पावत	470	1229	1540	504
बाराकोट	424	649	658	627
लोहाघाट	453	814	894	349
पाटी	341	884	1237	415
जनपद	1688	3576	4329	1895
पिछले वर्षों के मध्य पूरा किए गए कार्यो का जनपद प्रतिशत	**15%**	**31%**	**38%**	**16%**

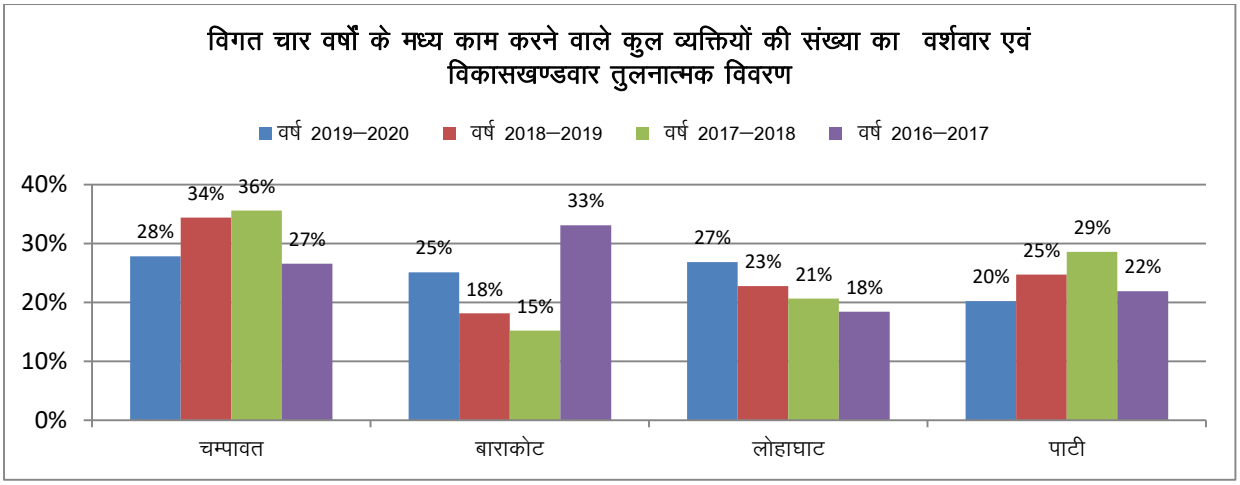

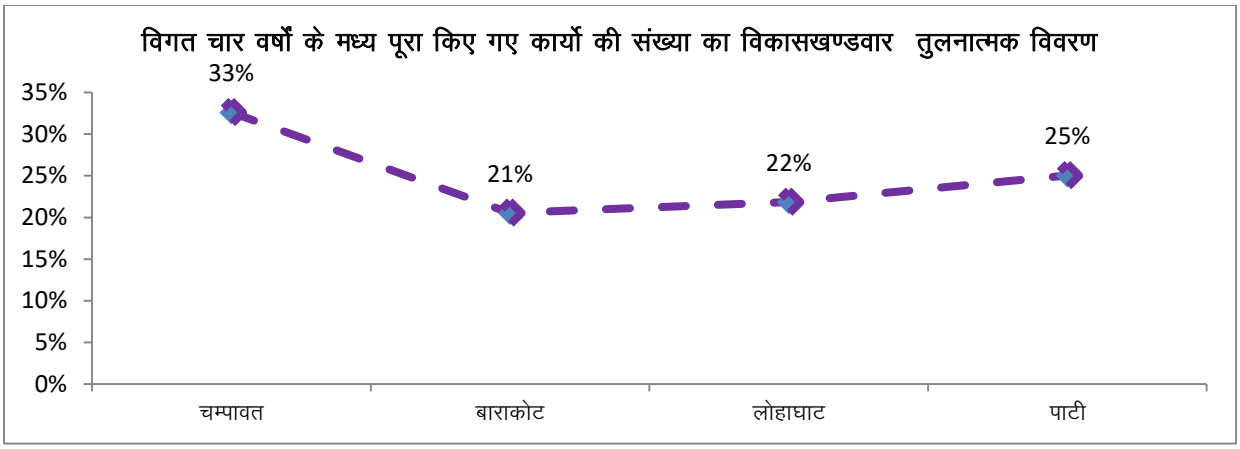

श्रमांश में व्यय :– जनपद में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान श्रमांश हेतु व्यय में 706.02 (11%) लाख रूपये की गिरावट आई। विगत चारों वर्षों में सबसे अधिक 37% चम्पावत विकासखण्ड में तथा सबसे कम 21% विकासखण्ड बाराकोट में श्रमांश मद में व्यय किया जाना पंजीकृत श्रमिकों की अपेक्षा रोजगार उपलब्ध न कराना हैं।

आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

श्रमांश में व्यय (लाख में) का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण				
विकासखण्ड	वर्ष 2019–2020	वर्ष 2018–2019	वर्ष 2017–2018	वर्ष 2016–2017
चम्पावत	408.49	537.22	698.11	766.43
बाराकोट	280.63	361.76	307.71	440.99
लोहाघाट	260.28	368.71	302.17	291.33
पाटी	305.21	331.88	429.7	461.88
जनपद	1254.61	1599.57	1737.69	1960.63
पिछले वर्षों के मध्य श्रमांश (लाख में) का जनपद प्रतिशत	**19%**	**24%**	**27%**	**30%**

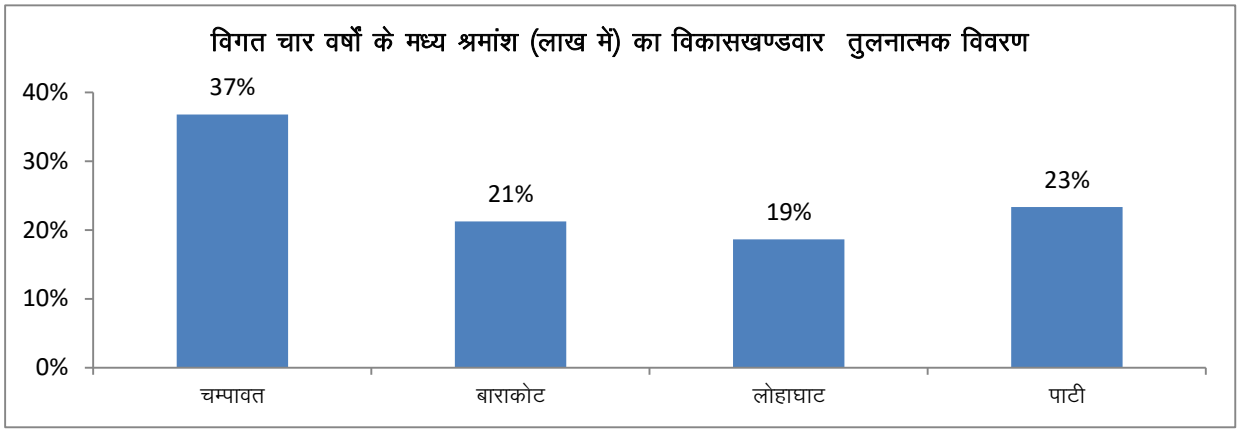

प्रधानमंत्री आवास योजना

ग्राम्य विकास विभाग द्वारा वर्ष 2016–17 से वर्ष 2017–18 के दौरान कुल 926 कच्चे आवास वाले गरीब परिवारों को आवास आंवटन किया गया जिनमें शौचालय, पानी, विद्युत एवं पक्की छत के साथ–साथ गैस सुविधा भी उपलब्ध करावाया गया। विकासखण्ड चम्पावत द्वारा सबसे अधिक जबकि सबसे कम विकासखण्ड बाराकोट द्वारा योगदान किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

2016–17 से 2017–18 तक प्रधानमंत्री आवास योजना का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण												
वर्ष	विकासखण्ड का नाम	कुल आवंटित आवास	आवास निर्माण में दी गयी आधारभूत सुविधाएं									
			शौचालय		पानी		विद्युत		छत का प्रकार (पक्की/ कचची)		गैस/ बायोगैस की उपलब्धता	
			हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
2016–17	चम्पावत	201	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
	बाराकोट	8	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
	पाटी	47	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
	लोहाघाट	48	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
योग		**304**	**हाँ**	–	**हाँ**	–	**हाँ**	–	**हाँ**	–	**हाँ**	–
2017–18	चम्पावत	371	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
	बाराकोट	23	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
	पाटी	140	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
	लोहाघाट	88	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
योग		**622**	**हाँ**	–	**हाँ**	–	**हाँ**	–	**हाँ**	–	**हाँ**	–
विगत दो वर्षों के मध्य आवास आंवटन का विवरण	चम्पावत	572	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
	बाराकोट	31	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
	पाटी	187	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
	लोहाघाट	136	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–	हाँ	–
महायोग		**926**	**हाँ**	–	**हाँ**	–	**हाँ**	–	**हाँ**	–	**हाँ**	–

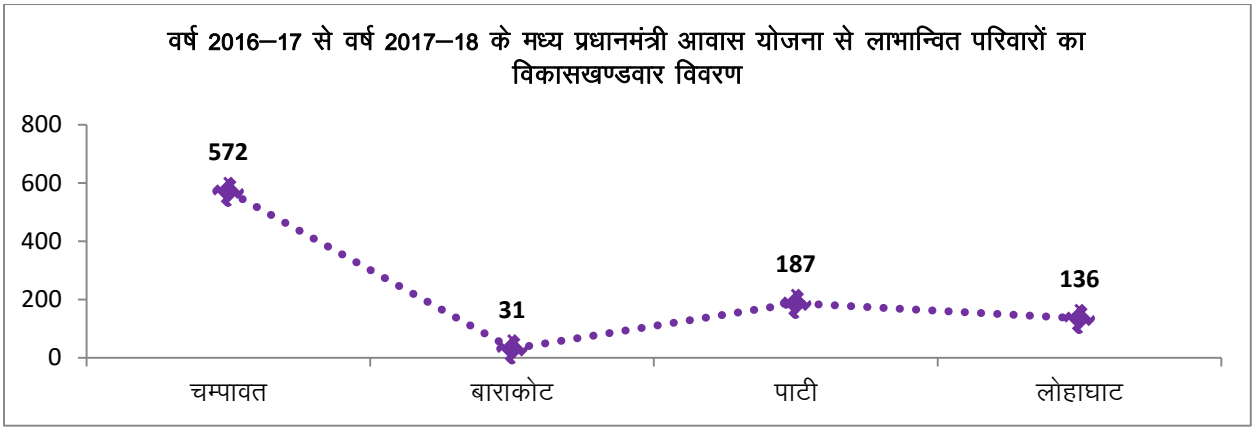

योजना के तहत विगत दो वर्षों में ही प्रधानमंत्री आवास का आवंटन किया गया किन्तु वर्ष 2018–19 एवं वर्ष 2019–20 के मध्य कोई भी आवास आवंटन नहीं किया गया। जबकि आवास हेतु अभी भी 4352 ओर लाभार्थियों के प्रतीक्षा सूची जनपद में उपलब्ध है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफ में दिया गया है। जिनके लिए अभी तक बजट आवंटन नहीं हो पाया है।

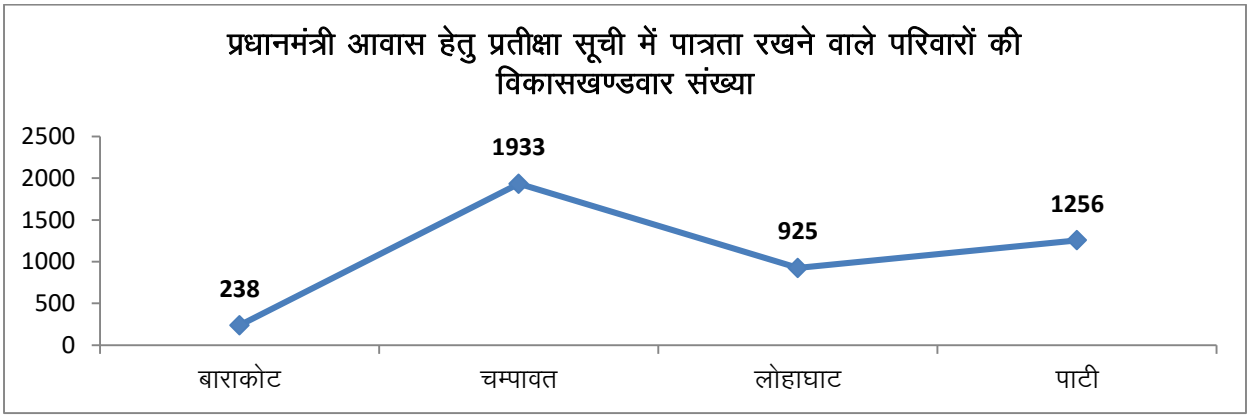

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन

गरीबी रेखा के नीचे परिवारों (स्व–रोजगारियों) को बैंक ऋण तथा सरकारी अनुदान के माध्यम से आय सृजक परिसम्पतियाँ उपलब्ध कराकर प्रत्येक बी0पी0एल0 परिवार के सदस्य को स्वयं सहायता समूह का सदस्य बनाकर गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है। योजनान्तर्गत केन्द्रांश व राज्यांश का अनुपात 90:10 है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत संचालित उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को सामुदायिक संगठनों में संगठित कर सक्षम एवं संस्थागत मंच प्रदान करना है, उनकी आजीविका में निरन्तर वृद्धि करना, वित्तीय सेवाओं तक उनकी बेहतर एवं सरल तरीके से पहुंच बनाना और उनकी पारिवारिक आय को बढ़ाना है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन भारत सरकार की एक महत्वकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य सभी ग्रामीण निर्धन परिवारों तक पहुंच बनाना और उन्हें आजीविका के स्थाई अवसर उपलब्ध करवाना है। इस समय तक उनका पोषण और संरक्षण किया जायेगा जब तक वे गरीबी से उपर उठकर एक सम्मानजनक जीवन न जीने लगें।

जनपदान्तर्गत वर्ष 2019–20 तक आजीविका मिशन के तहत कुल 1150 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड चम्पावत द्वारा 529 SHG's तथा सबसे कम 141 SHG's विकासखण्ड पाटी के माध्यम से किया जाता है। आजीविका मिशन के माध्यम से जनपद में कुल 8044 सदस्यों/परिवारों की आय में बढ़ोत्तरी का कार्य करवाया जा रहा है। विकासखण्ड बाराकोट एवं पाटी में विभाग को अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं एवं ग्राफ में दिया गया है।

एन.आर.एल.एम. के अंतर्गत गठित निष्क्रिय स्वयं सहायता समूहों (SHG's) की वर्ष 2019–20 की सूचना

क्र.सं.	विकास खण्डकानाम	जनपदान्तर्गत विकास खण्डवार कुल स्थापित स्वयं सहायता समूहों की संख्या	जनपदान्तर्गत विकास खण्डवार नये स्थापित किये गये स्वयं सहायता समूहों की संख्या	जनपदान्तर्गत विकास खण्डवार पुनर्स्थापित /पुनर्जीवित किये गये स्वयं सहायता समूहों की संख्या
1	बाराकोट	155	144	11
2	चम्पावत	529	515	14
3	लोहाघाट	325	277	48
4	पाटी	141	126	15
योग		**1150**	**1062**	**88**

आजीविका मिशन के तहत आच्छादित किये गये सदस्यों का विवरण

विकासखण्ड	वर्ष 2019–20	वर्ष 2020–21	**योग**
बाराकोट	938	152	**1090**
चम्पावत	3730	156	**3886**
लोहाघाट	1830	209	**2039**
पाटी	711	318	**1029**
योग	**7209**	**835**	**8044**

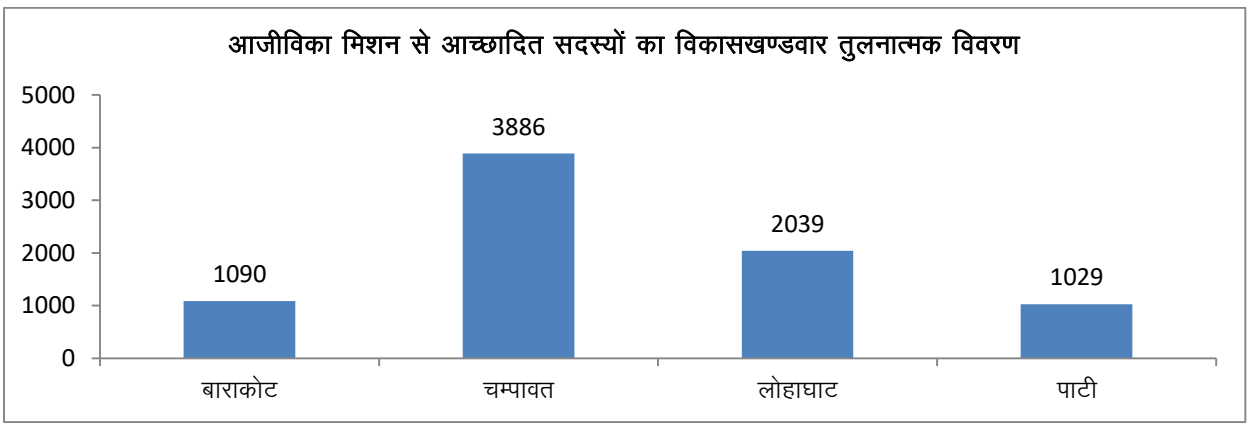

वर्ष 2020–21 के मध्य विभाग द्वारा आजीविका मिशन के तहत कलु 120 स्वयं सहायता समूह गठित करवाये गये जिसमें विकासखण्ड पाटी द्वारा सबसे अधिक 45 SHG एवं सबसे कम विकासखण्ड चम्पावत द्वारा 17 SHG गठित कर जनपद के आंकड़ों में योगदान किया गया जबकि विकासखण्ड चम्पावत जनपद का सबसे बड़ा विकासखण्ड है। आजीविका हेतु प्राप्त इस तरह के आंकड़ें, जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु उचित नहीं है। विवरण न्मिनवत तालिका में दिया गया है।

स्वयं सहायता समूहों की संख्या का विकासखण्डवार विवरण (वर्ष 2020–21)				
क्रं0 स0	विकासखण्ड का नाम	नये स्वयं सहायता समूहों की संख्या	रिवाइव किये गये स्वयं सहायता समूहों की संख्या	एन.आर.एल.एम से पूर्व
1	बाराकोट	22	3	0
2	चम्पावत	17	0	0
3	लोहाघाट	12	21	0
4	पाटी	44	1	0
योग		**95**	**25**	**0**

आजीविका मिशन के अन्तर्गत जनपद के अन्य विकासखण्ड़ों का वंचित रखते हुए मात्र विकासखण्ड चम्पावत में ही दो PIA'S के द्वारा सिर्फ वर्ष 2020–21 में ही 175 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया, जो कि बहुत न्यून आंकड़ा है। विभाग को उक्त आंकड़ें को बढ़ाने एवं सभी विकासखण्ड़ों को लाभान्वित करने हेतु कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

आजीविका मिशन योजनान्तर्गत प्रशिक्षण का विकासखण्ड़वार एवं वर्षवार विवरण					
क्रं0स0	विकासखण्ड कानाम	PIA'S की संख्या	प्रशिक्षितों की संख्या		
			वर्ष 2018–19	वर्ष 2019–20	वर्ष 2020–21
1	बाराकोट	0	0	0	0
2	चम्पावत	2	0	0	175
3	लोहाघाट	0	0	0	0
4	पाटी	0	0	0	0
योग		**2**	**0**	**0**	**175**

आरसेटी के द्वारा विगत तीन वर्षों के मध्य विभिन्न प्रकार के ट्रेड़ों में 1607 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें विकासखण्ड चम्पावत के अलावा अन्य सभी विकासखण्ड का योगदान न्यूनतम रहता है अर्थात अन्य विकासखण्ड़ों में आरसेटी को अधिक काम करने की आवश्यकता है, तभी जनपद का समानान्तर सामाजिक–आर्थिक विकास हो पायेगा। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

RSETI,s से सम्बन्धित सूचना

क्रं0स0	विकासखण्ड का नाम	प्रशिक्षितों की संख्या			
		वर्ष 2018–19	वर्ष 2019–20	वर्ष 2020–21	कुल
1	बाराकोट	57	31	210	298
2	चम्पावत	340	279	152	771
3	लोहाघाट	69	153	163	385
4	पाटी	63	57	33	153
योग		**529**	**520**	**558**	**1607**

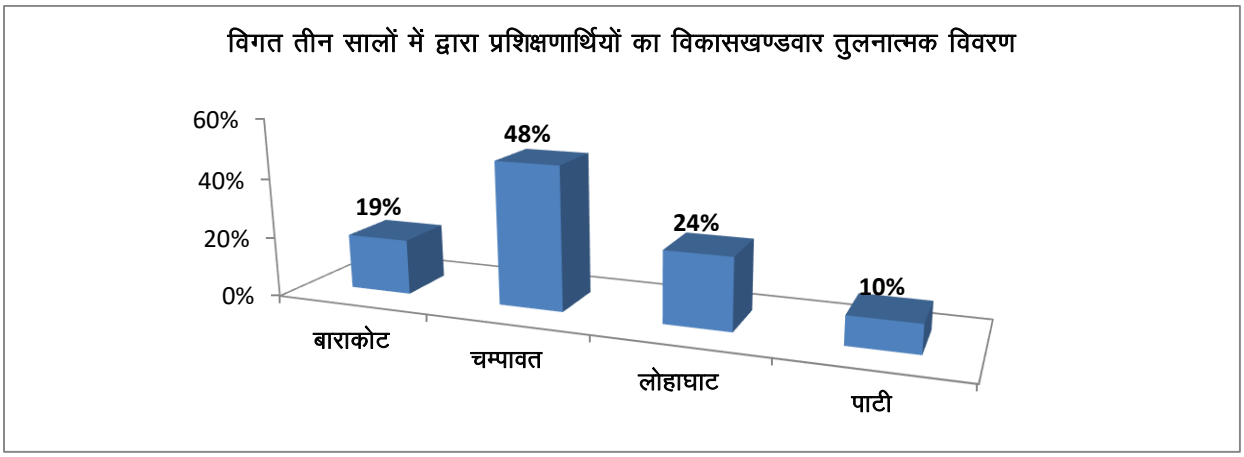

दुग्ध विकास

दुग्ध विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत जनपद चम्पावत में जहाँ एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादकों की दुग्ध सहकारी समितियॉ गठित करते हुए, उन्हें उनके द्वारा उत्पादित दूध की वर्षपर्यन्त उचित दर पर विपणन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर नगरीय उपभोक्ताओं, पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों तथा विभिन्न संस्थाओं को उचित दर पर शुद्ध एवं उत्तम गुणवत्ता का दूध व दुग्ध पदार्थों ''ऑचल ब्राण्ड'' की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। डेरी विकास विभाग, चम्पावत द्वारा दुग्ध उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में स्थापित करने, ग्रामीण स्तर पर मानव शक्ति का पलायन रोकने, उत्तराखण्ड के आर्थिक विकास में महिलाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने एवं विशेषकर भूमिहीन खेतीहर मजदूर, लघु एवं सीमान्त कृषकों व दुग्ध उत्पादकों को बिचौलियों के शोषण से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त दुग्ध उत्पादन में सतत वृद्धि करने हेतु तकनीकी निवेश कार्यक्रम अन्तर्गत दुग्ध उत्पादकों को नवीनतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने हेतु जिला सेक्टर योजनान्तर्गत ''ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण योजना'' संचालित किया जा रहा है।

जिला सेक्टर योजना

❖ ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढ़ीकरण योजना

इसके अतिरिक्त समिति स्तर पर अवस्थापना सुविधाओं के अन्तर्गत मिल्को–टेस्टर, चैफकटर, डी0पी0एम0सी0यू0 (डाटा प्रोसेसिंग एण्ड मिल्क कलेक्शन यूनिट), दुग्ध कक्ष व भूसा गोदाम निर्माण, पशुशाला निर्माण आदि हेतु धनराशि उपलब्ध कराया जाता है। तकनीकी निवेश के अन्तर्गत दुधारू पशुओं की चिकित्सा सुविधायें, यथा–पशु औषधि, डिवर्मिंग, टीकाकरण, पशु आहार, मिनरल मिक्सचर, फीड सप्लीमेंट आदि हेतु अनुदान दुग्ध समितियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को मुहैया करायी जाती है।

क्र0सं0	वर्ष	वित्तीय (धनराशि लाख में)		भौतिक	
		स्वीकृति	उपयोग	लक्ष्य	उपलब्धि
01	2016-17	79.00	79.00	4361	4361
02	2017-18	69.28	69.28	3407	3407
03	2018-19	73.80	73.80	4096	4096
04	2019-20	81.20	81.20	4210	4210
योग		303.28	303.28	16074	16074

राज्य योजना

❖ डेरी विकास योजना :–

क. **यातायात अनुदान :–**इसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध समितियों द्वारा उत्पादित दूध संग्रह कर दुग्धशाला में लाने हेतु दुग्ध परिवहन में होने वाले वास्तविक व्यय के सापेक्ष, योजनान्तर्गत बजट की उपलब्धता के आधार पर राजकीय अंश के रूप अनुदान की राशि दुग्ध संघों को यातायात अनुदान के रूप में उपलब्ध कराया जाता है।

ख. **सचिव मानदेय :–**इसके अन्तर्गत पर्वतीय क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर कार्यरत प्राथमिक दुग्ध समितियों के सचिवों को रू0 0.50 प्रति लीटर की दर से मानदेय के रूप में आर्थिक सहायता प्रोत्साहन स्वरूप उपलब्ध कराया जाता है। इसके अन्तर्गत प्राथमिक दुग्ध समिति से दुग्ध संघ को ''कि0ग्रा0'' में प्राप्त हो रहे दुग्ध मात्रा को ''लीटर'' में गणना कर सचिव मानदेय की राशि का भुगतान किया जाता है।

ग. **प्रबन्धकीय अनुदान :–**इसके अन्तर्गत दुग्ध संघ स्तर पर मानव संसाधन की कमी को दूर करने के दृष्टिकोण से संघ स्तर पर नियुक्त किये गये प्रबन्धकीय स्टाफ/ग्रुप सचिवों को नियत मासिक मानदेय भुगतान करने हेतु आर्थिक सहायता दुग्ध संघ के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

घ. **प्लान्ट मषीनरीज़ एवं सिविल कार्य :–**इसके अन्तर्गत दुग्ध संघ को आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, सिविल कार्य एवं प्लान्ट मशीनरीज़ स्थापना मद में दुग्ध संघ के सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से अवस्थापना विकास के अन्तर्गत संघ स्तर पर विभिन्न निर्माण कार्यों तथा मशीनरीज़ क्रय करने हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराया जाता है।

	वर्ष	वित्तीय (धनराशि लाख में)	भौतिक

क्र0सं0		स्वीकृति	उपयोग	लक्ष्य	उपलब्धि
01	2016-17	18.07	18.07	176	176
02	2017-18	29.51	29.51	178	178
03	2018-19	48.56	48.39	180	180
04	2019-20	40.50	39.30	180	180
योग		136.64	135.27	714	714

❖ **महिला डेरी विकास परियोजनाः—**प्रदेश में महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने हेतु महिला डेरी विकास परियोजना के माध्यम से महिला दुग्ध समितियों का गठन कर ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार के साधन उपलब्ध कराने, ग्रामीण महिलाओं को जीवकोपार्जन हेतु आय—व्यय, जागरूकता, सामाजिक उत्थान, स्वावलम्बी बनाने हेतु तथा आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाता है, जिसके अन्तर्गत मानदेय, प्रोपल्शन आदि के अतिरिक्त महिला दुग्ध समितियों के गठन हेतु धनराशि उपलब्ध कराया जाता है। योजनान्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजन/सेमिनार तथा महिला दुग्ध उत्पादकों को विभिन्न प्रकार के ट्रेनिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत सचिव प्रशिक्षण, प्रबन्ध कमेटी सदस्य प्रशिक्षण, स्टाफ प्रशिक्षण तथा स्वच्छ दुग्ध उत्पादन गोष्ठी हेतु अनुदान उपलब्ध कराया जाता है।

क्र0सं0	वर्ष	वित्तीय (धनराशि लाख में)		भौतिक	
		स्वीकृति	उपयोग	लक्ष्य	उपलब्धि
01	2016-17	16.14	14.104	06	06
02	2017-18	13.625	13.625	06	06
03	2018-19	17.45	16.63	06	06
04	2019-20	19.88	19.88	05	05
योग		67.095	64.239	23	23

❖ **दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजनाः—**योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2014—15 से दुग्ध सहकारी समिति के सदस्यों को उनके द्वारा दुग्ध समिति में उपलब्ध कराये गये दूध की मात्रा व इस हेतु निर्धारित गुणवत्ता के मानकों के आधार पर प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराया जाता है।

इस योजना के अन्तर्गत 8.00% एस.एन.एफ. अथवा इससे अधिक की दुग्ध गुणवत्ता का दूध देने वाले समिति सदस्यों को रू0 4.00 प्रतिलीटर तथा 7.50 से 7.99% एस.एन.एफ. की गुणवत्ता का दूध देने वाले समिति सदस्यों को रू0 3.00 प्रतिलीटर की दर से प्रोत्साहन राशि के स्पा में राजअनुदान उपलब्ध कराया जाता है।

क्र0सं0	वर्ष	वित्तीय (धनराशि लाख में)		भौतिक	
		स्वीकृति	उपयोग	लक्ष्य	उपलब्धि
01	2016-17	56.20811	56.20811	3200	3240
02	2017-18	83.49498	83.49498	3500	3244
03	2018-19	134.199	126.84213	4000	4293
04	2019-20	106.81	106.81	4210	4210

योग	380.71209	373.35522	14910	14987

❖ **गंगा गाय महिला डेरी योजनाः–**गंगा गाय महिला डेरी योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2014–15 से निरन्तर महिला दुग्ध उत्पादक सदस्यों को स्वावलम्बी बनाने तथा उनके आर्थिक उन्नयन हेतु उन्नत नस्ल का एक–एक क्रास ब्रीड दुधारू गाय उपलब्ध कराया जाता है। योजनान्तर्गत महिला सदस्यों को एक उन्नत संकर नस्ल की दुधारू गाय क्रय करने हेतु बैंक ऋण व अनुदान उपलब्ध कराया जाता है तथा स्वच्छ दुग्ध उत्पादन सुनिश्चित करने हेतु लाभार्थी को पशुनांद के लिए वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही, योजनान्तर्गत क्रय की गयी दुधारू गाय का तीन वर्ष का पशुबीमा करवाने हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाया जाता है।

योजनान्तर्गत दुग्ध सहकारी समितियों की महिला सदस्यों को क्रयार्थ बैंक ऋण व अनुदान उपलब्ध कराया जाता हैं। उक्त योजना की इकाई लागत रू0 52,000 हैं, जिसमें रू0 27,000 राजसहायता, रू0 20,000 बैंक ऋण तथा रू0 5,000 लाभार्थी अंशदान सम्मिलित हैं।

क्र0सं0	वर्ष	वित्तीय (धनराशि लाख में)		भौतिक	
		स्वीकृति	उपयोग	लक्ष्य	उपलब्धि
01	2016-17	26.925	26.925	95	95
02	2017-18	29.685	29.685	105	105
03	2018-19	17.90	17.90	65	65
04	2019-20	11.00	11.00	40	40
योग		85.51	85.51	305	305

❖ **राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एन0सी0डी0सी0):–**राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा वित्तपोषित ''केन्द्रीय क्षेत्रक एकीकृत कृषि सहकारिता परियोजना (CSISAC)में डेरी विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत 03, 05 एवं 50 दुधारू पशुओं की ईकाई स्थापित किये जाने हेतु लाभार्थी चयन दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, चम्पावत के माध्यम से किया जा रहा है।

- उक्त योजनान्तर्गत महिलाओं को भी प्राथमिकता प्रदान किये जाने पर जोर दिया जायेगा, जिससे कि महिलाओं को स्वरोजगार/आजीविका सृजन/आत्म निर्भर बनाये जाने में सहयोग मिलेगा।
- 03 दुधारू पशुओं की यूनिट हेतु 200 यूनिट एवं 05 दुधारू पशुओं की यूनिट हेतु 75 यूनिट का लक्ष्य निर्धारित है, जिस पर कार्यवाही गतिमान है। इस हेतु कुल ईकाई लागत पर 25 प्रतिशत अनुदान पर पशुऋण उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जा रही है।
- जनपद चम्पावत में 20 मिल्क बूथ का भी निर्माण कराया जाना है, जो इच्छुक लाभार्थी होंगे उनके पास भूमि की उपलब्धता आवश्यक होगी, जिस पर दुग्ध संघ द्वारा निर्माण करवाया जायेगा, जिसका लागत 2.00 लाख होगा, जिसमें से 20 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।

	वर्ष	वित्तीय	भौतिक

क्र0सं0		स्वीकृति	उपयोग	लक्ष्य	उपलब्धि
01	2016-17	-	-	-	-
02	2017-18	-	-	-	-
03	2018-19	-	-	-	-
04	2019-20	43.03	43.03	83	83
योग		43.03	43.03	83	83

❖ **साईलेज एवं दुधारू पशुपोषण योजना :–** उक्त योजना वित्तीय वर्ष 2019–20 से प्रारम्भ हुई है, जिसके अन्तर्गत दुग्ध उत्पादकों के दुधारू पशुओं के उत्तम स्वास्थ्य हेतु साईलेज़ एवं मिनरल मिक्सचर दुग्ध उत्पादकों को 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जाता है।

क्र0सं0	वर्ष	वित्तीय		भौतिक	
		स्वीकृति	उपयोग	लक्ष्य	उपलब्धि
01	2016-17	-	-	-	-
02	2017-18	-	-	-	-
03	2018-19	-	-	-	-
04	2019-20	2.60590	0.500	6.5 M. T.	1.25 M.T.
योग		2.60590	0.500	6.5 M. T.	1.25 M.T.

डेयरी विकास विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं के अन्तर्गत शासन से प्राप्त लक्ष्यों की प्रतिपूर्ति प्रत्येक वर्ष की जा रही है। विभाग की ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढ़ीकरण योजना, डेरी विकास योजना, महिला डेरी विकास परियोजना, दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना के लक्ष्यों में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है मात्र गंगा गाय महिला डेरी योजना के लक्ष्यों में ही कमी के आंकड़ें प्रदर्शित होते हैं।

विभाग द्वारा उपलब्ध होने वाले दूध और दूध के अन्य उत्पाद, जनपद की मांग को भी पूरा नहीं कर पा रहा है जिस कारण जनपद के अन्तर्गत बाहरी प्रदेशों एवं जनपदों से दूध की पूर्ति हो रही है, जो जनपद की सामाजिक–आर्थिक विकास को शेंध लगाना है, जबकि उक्त दुग्ध व्यवसाय में रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं।

विभाग को डेयरी विकास में महिलाओं के साथ–साथ युवाओं की भागीदारी को भी प्राथमिकता देते हुए कार्ययोजना तैयार करना, गाय भैंस के दूध के साथ–साथ बकरी के दूध को बढ़ावा देना तथा दूध एवं दूध से सम्बन्धित उत्पादों को मानवी बीमारी में उपयोगिता पर परीक्षण किया जाना चाहिए। इससे लोगों में दुग्ध व्यवसाय करने में रूचि बढ़ेगी, जिससे जनपद की सामाजिक–आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

पशुपालन

❖ जनपद चम्पावत में पशुपालन विभाग द्वारा वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य संचालित कार्यक्रमों के आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं।

वर्ष 2016–17, 2017–18, 2018–19 एवं वर्ष 2019–20 की विभागीय कार्यक्रमों की भौतिक प्रगति विवरण

क्र0 स0	मद का नाम	2016–17		2017–18		2018–19		2019–20	
		लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
1	पशु चिकित्सा	182000	192294	182000	192941	194000	205336	188000	197138
2	बधियाकरण	9400	8964	9400	9254	9400	9736	9400	9416
3	टीकाकरण	200000	155144	200000	227979	258000	282431	270000	228862
4	कृत्रिम गर्भाधान गाय	9500	9409	15251	10190	15251	10460	9610	10787
	कृत्रिम गर्भाधान भैस	4500	2351	4551	1684	4551	1749	6890	2021
कुल योग		**14000**	**11760**	**19800**	**11874**	**19802**	**12219**	**16500**	**12808**
5	कृ0ग0से उ0स0 गाय	5400	4872	4719	4075	4719	5885	4285	5459
	कृ0ग0से0 उ0स0 भैस	1100	1253	1870	741	1870	1327	1654	959
कुल योग		**6500**	**6125**	**6589**	**4816**	**6589**	**7212**	**5939**	**6417**
6	प्राकृतिक गर्भाधान गाय	300	46	300	25	300	0	300	504
	प्राकृतिक गर्भाधान भैस	1400	931	1400	825	1400	741	1400	15
कुल योग		**1700**	**977**	**1700**	**850**	**1700**	**741**	**1700**	**519**
7	प्रा0ग0से उ0स0 गाय	175	31	175	6	175	21	0	88
	प्रा0ग0से उ0स0 भैस	736	601	736	482	736	303	0	0
कुल योग		**911**	**632**	**911**	**488**	**911**	**324**	**0**	**88**
8	दवापान भेड़/बकरी	11200	11990	15300	16631	18300	19761	16800	17646
9	दवास्नान भेड़/बकरी	11200	11372	15300	15551	18300	19401	16800	17105
10	बड़े पशुओं में दवापान	9000	11103	9251	11531	10751	13331	10751	14052
11	कुक्कुट वितरण	144000	144036	191000	180751	207000	218551	207000	218787
12	आयोजित बॉझपन शिविर	51	64	51	69	51	72	51	60
13	बॉझपन चिकित्सा	4000	2485	4500	3736	4500	4313	4500	3705
14	चारा बीज कुन्तल	0	139.7	0	146.67	0	425.61	0	151.21
15	चारा मिनीकिट्स	0	0	0	295	0	136	0	851
16	कुक्कुट इकाईयों	1485	1500	900	900	1000	1000	900	900
18	बकरी पालन	6	6	11	11	34	34	44	44
19	बकरा सांड	24	24	20	20	20	20	20	20
20	अहिल्या बाई बकरी	8	8	11	11	0	0	0	0
21	गौ पालन	45	45	61	61	90	90	65	65
22	पशु प्रर्दशनी	4	4	4	4	4	3	4	4
23	महिला बकरी पालन	0	0	12	12	0	0	0	0

कृत्रिम गर्भाधान के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद चम्पावत में वर्ष 2017–18 में आंकड़ें 84% से 14% गिर कर 60% पर पहुँच जाता है, जिसमें धीरे–धीरे बढ़ोत्तरी होते हुए वर्ष 2019–20 तक 78% तक की प्रगति देखी जा सकती है जो वर्ष 2016–17 के आंकड़ों से भी 6% कम है। कृत्रिम गर्भाधान भैंस की अपेक्षा गाय में अधिक करवाया गया है एवं कृ0ग0से उ0स0 मद के अन्तर्गत जनपद में 96% का आंकड़ा देखने को मिलता है। जिसमें सभी विकासखण्ड़ों का समानान्तर योगदान रहता है। विभाग को कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। जिससे पहाड़ी जानवरों की नस्ल में सुधार लाया जा सके।

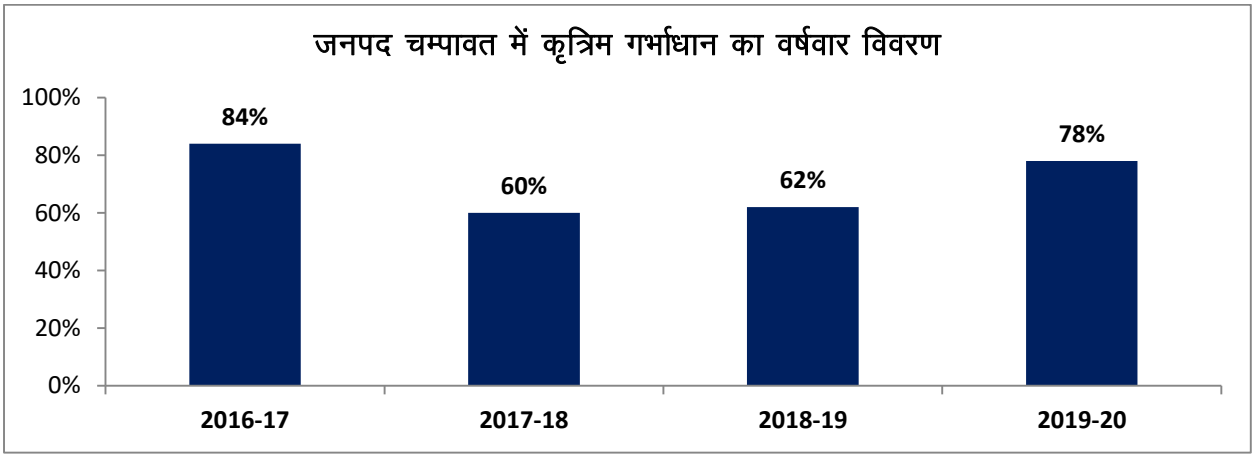

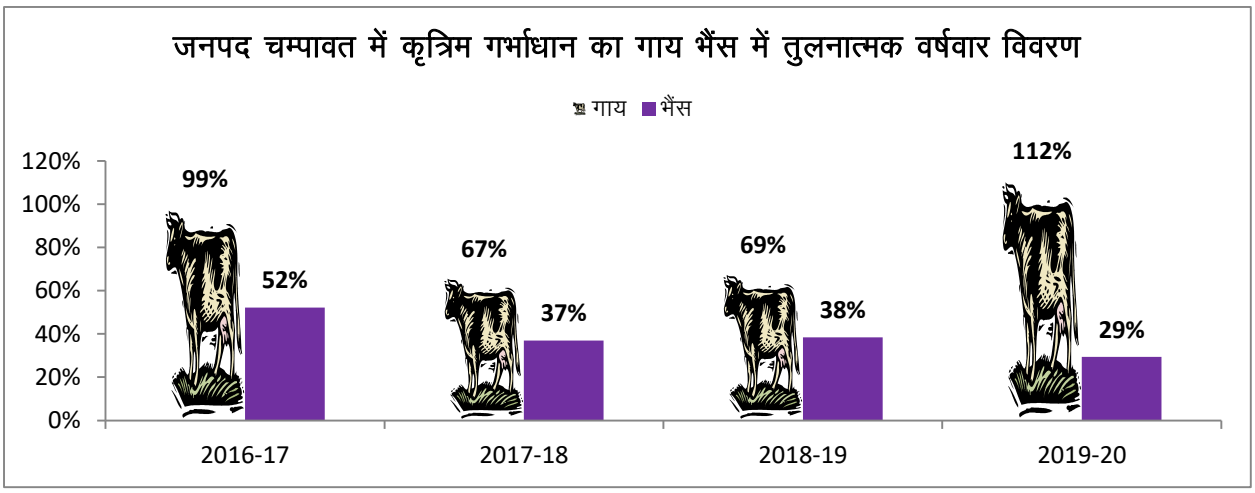

जनपद चम्पावत में प्राकृतिक गर्भाधान के आंकड़ों का वर्ष 2016–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि आंकड़ा 57% से 26% की गिरावट के साथ वर्ष 2019–20 को 31% पर पहुँच जाता है। अर्थात जनपद में पशुपालको का प्राकृतिक गर्भाधान की अपेक्षा कृत्रिम गर्भाधान के प्रति रूचि में वृद्धि हुई है एवं प्रा0ग0से उ0स0 मद के अन्तर्गत जनपद द्वारा 56% का आंकड़ा प्राप्त किया गया है, जिसमें सभी विकासखण्ड़ों का समान योगदान रहा है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफ में दर्शाया गया है।

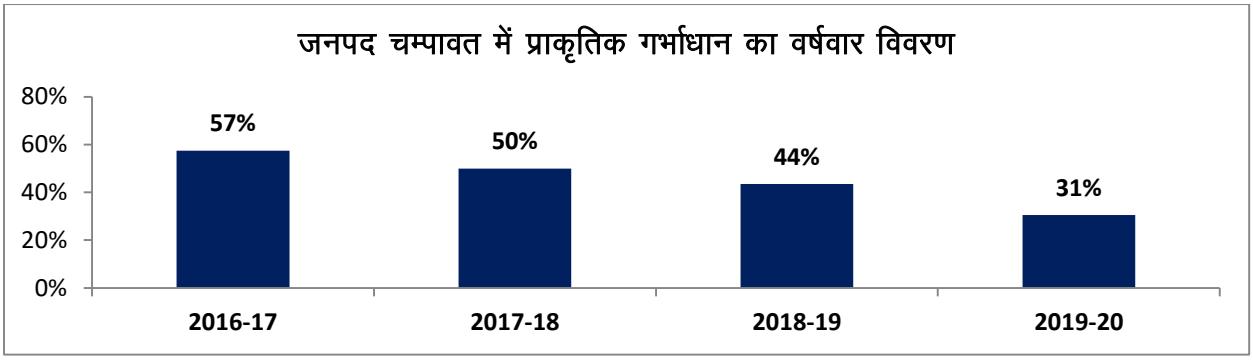

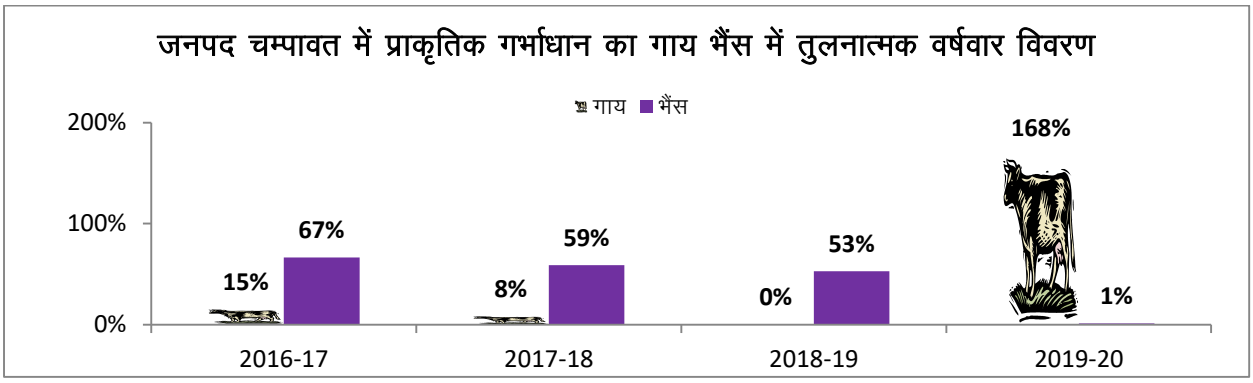

जनपद चम्पावत में पशुपालन विभाग द्वारा विगत चार वर्षों में कुल 4300 कुक्कुट पालन की इकाईयाँ के सापेक्ष सबसे अधिक वर्ष 2016–17 में 1500 इकाईयाँ स्थापित करवायी गयी। कुक्कुट पालन इकाईयों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सबसे अधिक विकासखण्ड चम्पावत में 48% तथा सबसे कम विकासखण्ड पाटी में 13% स्थापित होने की पुष्ठि होती है। विकासखण्ड पाटी, बाराकोट एवं लोहाघाट में विभाग को और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। आंकड़ें निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

कुक्कुट इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
पाटी	195	117	130	117	559
बाराकोट	300	180	200	180	860
लोहाघाट	285	171	190	171	817
चम्पावत	720	432	480	432	2064
योग जनपद	1500	900	1000	900	4300

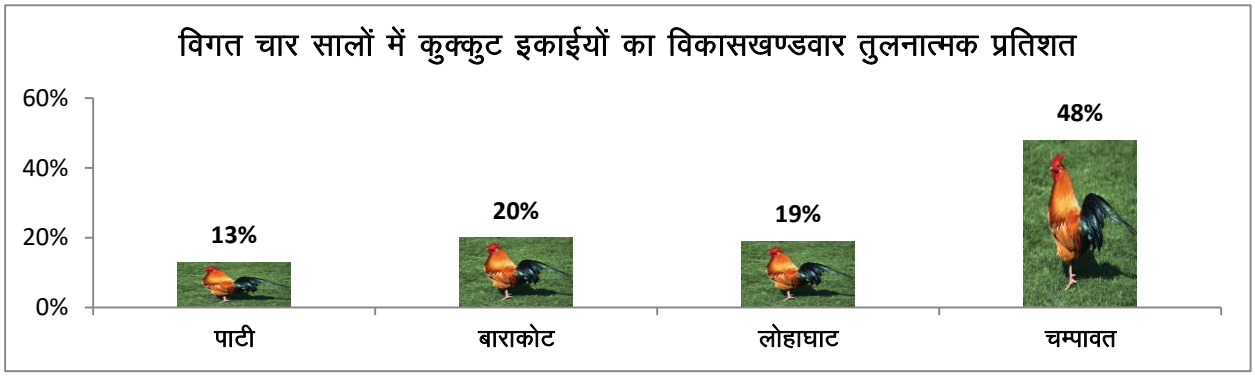

पशुपालन विभाग द्वारा विगत चार सालों में कुल 7,62,125 कुक्कुट वितरण किये गये जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड चम्पावत में 3,65,819 तथा सबसे कम विकासखण्ड पाटी में 99077 कुक्कुट वितरण किये गये। विकासखण्ड पाटी, बाराकोट एवं लोहाघाट में विभाग को ओर अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। आंकड़ें निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

कुक्कुट वितरण	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
पाटी	18725	23498	28412	28442	99077
बाराकोट	28807	36150	43710	43757	152424
लोहाघाट	27367	34343	41525	41570	144805
चम्पावत	69137	86760	104904	105018	365819
योग जनपद	144036	180751	218551	218787	762125

जनपद के अर्न्तगत विभाग द्वारा विगत चार वर्षों में चारा बीज वितरण का कार्यक्रम संचालित किया गया जिसके आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2018–19 में ही विभाग द्वारा 49% बीज वितरण किया गया जबकि अन्य वर्षों में बीज वितरण कार्यक्रम की प्रगति न्यूनतम रही है। जनपद के सभी विकासखण्ड़ों द्वारा समान योगदान इस कार्यक्रम में प्रलक्षित हुआ है। अर्थात ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी पशुपालक स्थानीय चारे पर निर्भर हैं। विभाग को इस कार्यक्रम को ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ावा दिये जाने पर कार्ययोजना तैयार करने की अति आवश्यकता है। चारा बीज वितरण के आंकड़ें निम्नवत ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

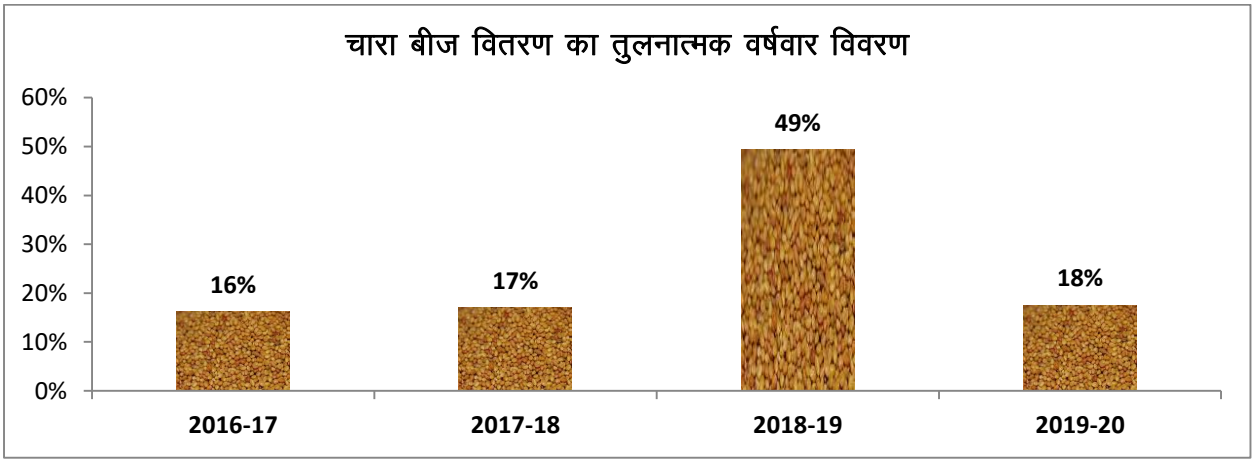

पशुपालन विभाग द्वारा जनपद के अन्तर्गत विगत चार वर्षों में मात्र 261 गायों को गौपालकों को उपलब्ध करवाया गया है आंकड़ा बहुत न्यूनतम है जिससे हमारे ग्रामीणों की आर्थिक में ज्यादा परिवर्तन की आशा करना पर्वतीय क्षेत्र के साथ न्याय न करना होगा। विकासखण्ड़ों में देखें तो विकासखण्ड बाराकोट तथा पाटी में बहुत न्यूनतम 13% व 11% के आंकड़ें स्पष्ट हुए हैं। योजनान्तर्गत सभी गरीब परिवारों को लाभान्वित किये जाने का प्राविधान किया जाना ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिकी को मजबूत करने में सहभागिता करना होगा। सम्बन्धित आंकड़ें निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाये गये हैं।

गौ–पालन	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	16	25	34	24	99
लोहाघाट	16	25	34	24	99
बाराकोट	6	5	12	10	33
पाटी	7	6	10	7	30
योग जनपद	**45**	**61**	**90**	**65**	**261**

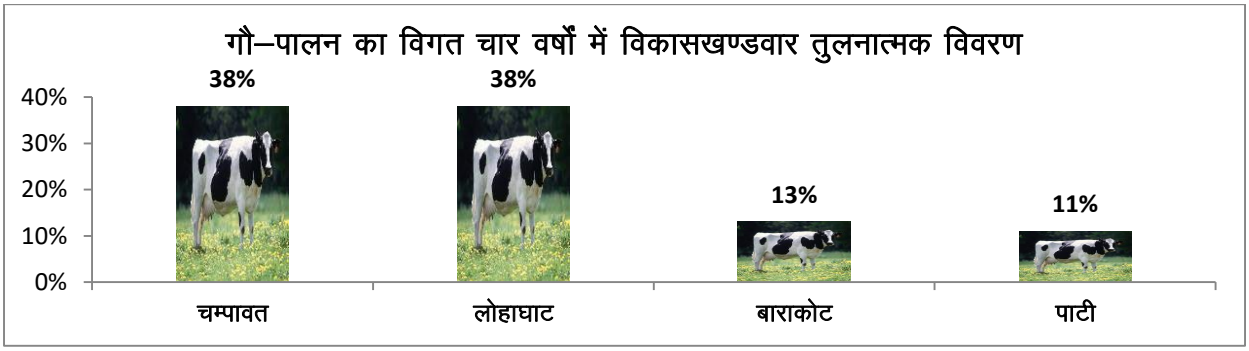

बकरीपालन के आंकड़ों के अध्ययन से भी यही स्पष्ट होता है कि जनपद में कुल 95 गरीब परिवारों को ही लाभान्वित किया जबकि बकरीपालन में रोजगार की पर्वतीय क्षेत्रों में अपार सम्भावनायें हैं। जो प्राप्त आंकड़ों से भी ज्ञात होता है क्योंकि विगत चार वर्षों के आंकड़ों में निरन्तर वृद्धि देखी जा सकती है, जिसमें विकासखण्ड चम्पावत का अन्य विकासखण्ड़ों की अपेक्षा अधिक योगदान रहा है।

बकरी पालन	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	4	4	14	22	44
लोहाघाट	0	3	6	8	17
बाराकोट	0	2	8	8	18
पाटी	2	2	6	6	16
योग जनपद	**6**	**11**	**34**	**44**	**95**

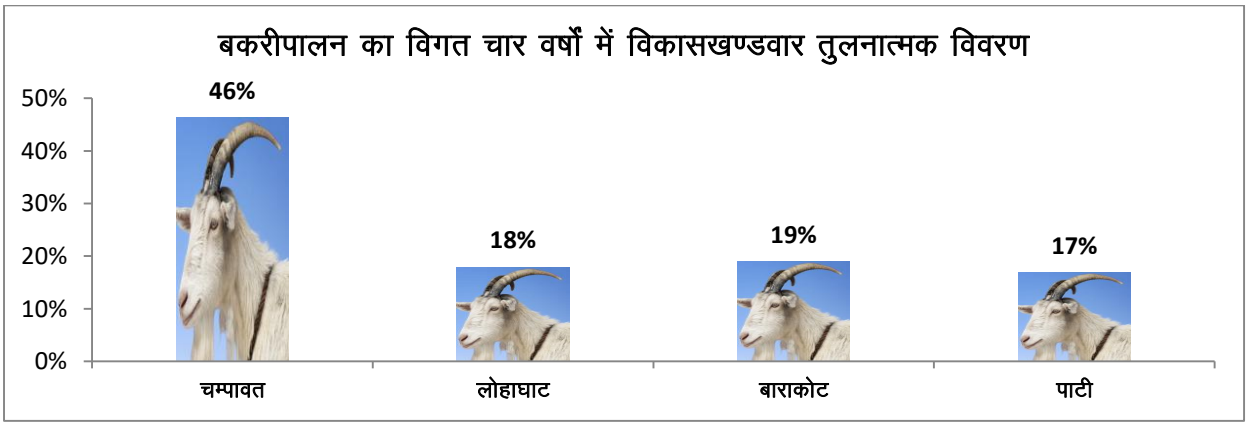

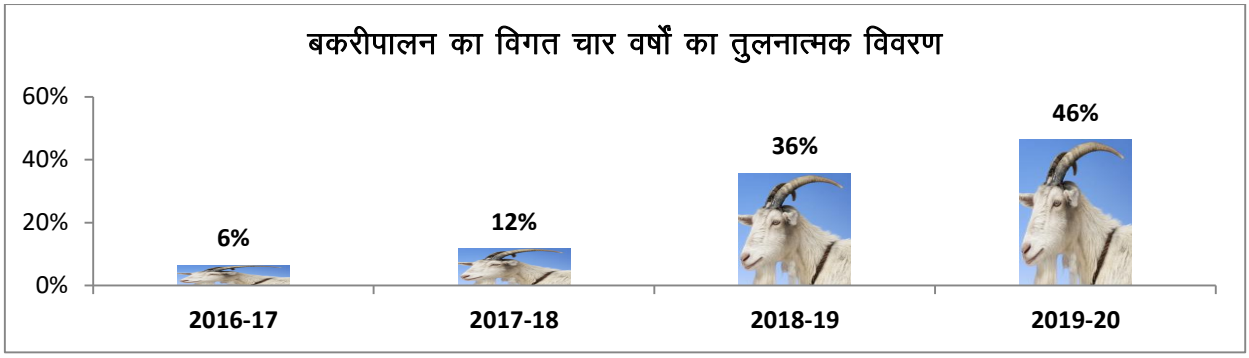

बकरीपालन योजना के तहत सभी गरीब परिवारों को चयनित करने का प्राविधान किया जाना ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिकी को सुदृढ़ करने के हित में होगा। विगत चार वर्षों के आंकड़ें उपरोक्त तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

पर्वतीय क्षेत्रों में पशुपालन बहुत कम मात्रा में व्यवसायिक रूप में किया जाता है। ग्रामीणों द्वारा ज्यादातर अपने स्वयं के उपयोग के लिए पशुपालन किया जा रहा है। जबकि जनपद के हर इलाके में दूध एवं दूध के उत्पादों तथा पर्वतीय क्षेत्रों के मांस की बहुत अधिक मात्रा में मांग हेतु बाजार उपलब्ध है।

विभाग पशुपालकों को व्यवसायिक एवं सामुहिक रूप में पशुपालन करवाने के लिए ग्रामीणों हेतु मेलों का आयोजित करने की कार्ययोजना तैयार करे, साथ ही पशुपालन से उत्पादित सामाग्री का न्यूनतम सर्मथन मूल्य निर्धारित करने की योजना तैयार करे। ताकि पशुपालकों में एक अतिरिक्त न्यूनतम आय प्राप्ति का विष्वास जागृति हो सके।

उद्यान विकास

❖ **जिला योजना :–** उद्यान विभाग द्वारा जिला योजना के तहत पॉलीहाउस, सिंचाई टैंक, प्लास्टिक क्रेट्स तथा आलू बीज का वितरण का कार्यक्रम संचालित किया जाता है। जिनके आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत किया गया है :–

❖ **पॉलीहाउस :–** उद्यान विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के मध्य कुल 424 पॉलीहाउस स्थापित करवाये गये जिनमें विकासखण्ड चम्पावत द्वारा सबसे अधिक 44% पॉलीहाउस तथा विकासखण्ड बाराकोट के माध्यम से सबसे कम 12% पॉलीहाउस स्थापित करने में योगदान देने की पुष्ठि आंकड़ों से होती है। विगत वर्षों के अनुसार पॉलीहाउस लगाने के आंकड़ें लगभग प्रत्येक वर्ष समानान्तर ही रहता है। आंकड़ों को निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किया गया है।

पॉलीहाउस	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	55	37	42	53	187
लोहाघाट	24	37	29	29	119
पाटी	16	19	17	17	69
बाराकोट	12	15	11	11	49
योग जनपद	**107**	**108**	**99**	**110**	**424**

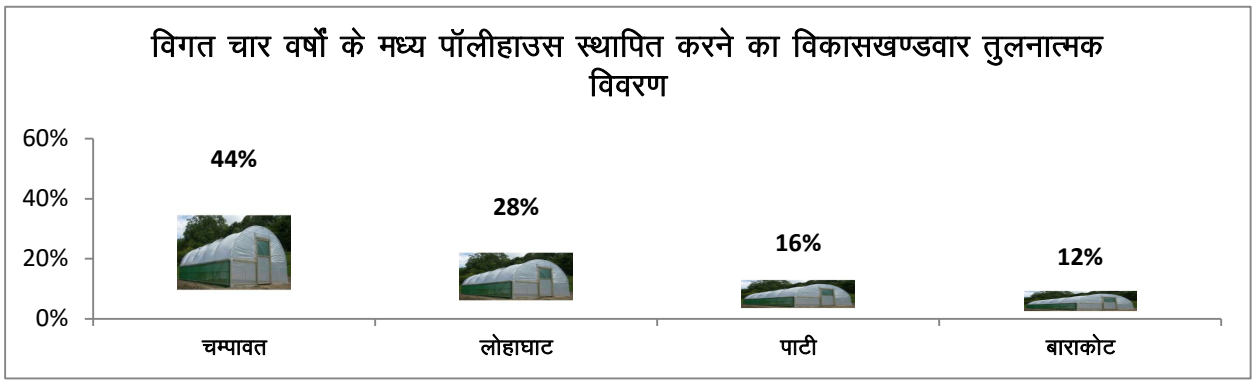

जाति	चम्पावत	लोहाघाट	पाटी	बाराकोट	योग जनपद
सा0	147	102	54	40	343
अनु0जा0	32	17	15	9	73
अनु0ज0जा0	8	0	0	0	8
योग जनपद	187	119	69	49	424

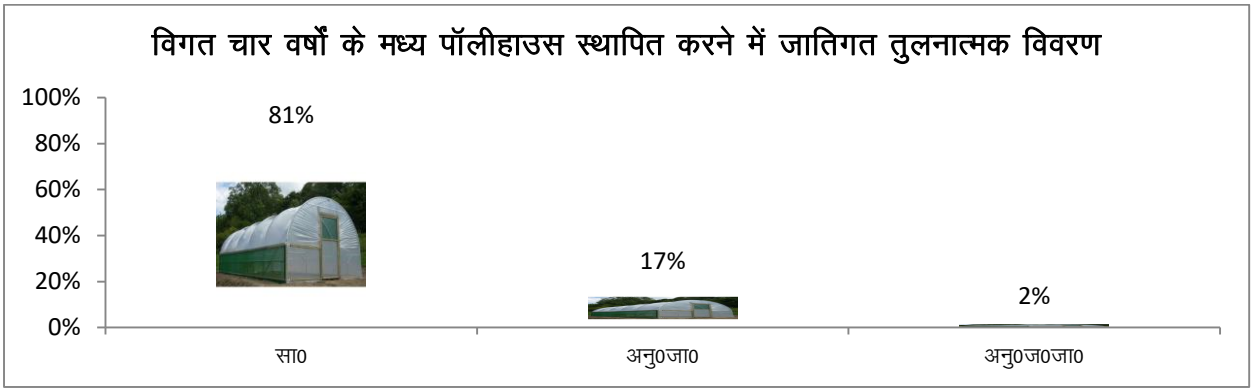

पॉलीहाउस	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	23.31	15.69	17.96	22.71	79.67
लोहाघाट	10.20	15.81	12.33	12.29	50.63
पाटी	06.88	08.14	07.25	07.30	29.57
बाराकोट	05.11	06.42	04.69	04.70	20.91
योग जनपद	**45.50**	**46.05**	**42.24**	**47.00**	**180.78**

(व्यय धनराषि लाख रूपये में)

वर्तमान समय में बेमौसमी सब्जियों, फूलों और फलों का प्रचलन अधिक हो चुका है, जिसमें रोजगार के अधिक ज्यादा पायदान मौजूद हैं। विभाग को इस मद में सर्वेक्षण कर ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण उद्यमियों को लाभान्वित कर रोजगार उपलब्ध करवाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

आलू बीज वितरण :– उद्यान विभाग द्वारा आलू बीज वितरण कार्यक्रम के तहत जनपद के बाराकोट विकासखण्ड में विगत वर्षों के अन्तर्गत किसी भी ग्रामीण को लाभान्वित न किया जाना विभाग की अनदेखी को दर्शाता है। जनपद के विकासखण्ड़ लोहाघाट में विगत चार वर्षों के मध्य सबसे अधिक कुल धनराशि का 42% परिव्यय करते हुए कुल वितरित बीज का 37% ही वितरण किया गया, जबकि विकासखण्ड चम्पावत में विगत चार वर्षों के अन्तर्गत व्यय के सापेक्ष अधिक बीज तथा विकासखण्ड पाटी में विपरित व्यय की अपेक्षा कम बीज वितरण किया गया जो विभाग की अनुश्रवण प्रणाली सही न होने की पुष्ठि करता हैं। आंकड़ें निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये है।

आलू बीज वितरण	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	48.0	60.5	70.0	70.0	248.5
लोहाघाट	25.0	75.0	130.0	23.0	253.0
पाटी	25.0	55.0	70.0	30.0	180.0
बाराकोट	0	0	0	0	0
योग जनपद	**98.0**	**190.5**	**270.0**	**123.0**	**681.5**

(भौतिक प्रगति कुन्तल में)

आलू बीज वितरण	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	1.50	0.98	1.15	1.10	4.74
लोहाघाट	10.20	15.81	12.33	12.29	50.63
पाटी	0.76	0.89	2.20	0.42	4.27
बाराकोट	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
योग जनपद	**12.46**	**17.68**	**15.68**	**13.81**	**59.63**

(वित्तीय प्रगति लाख रूपये में)

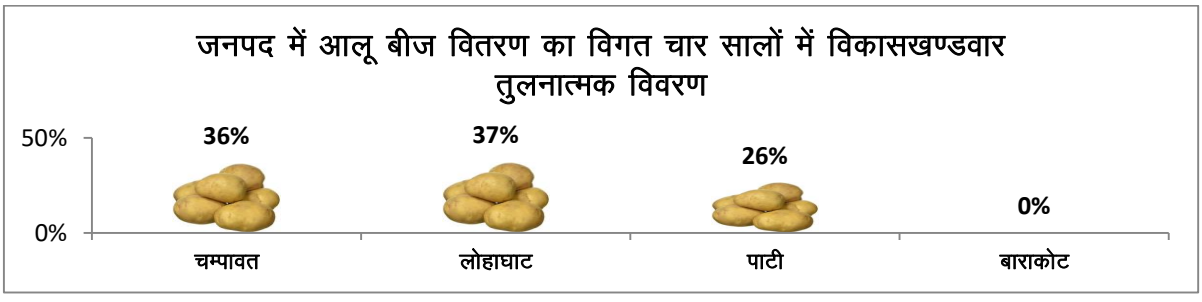

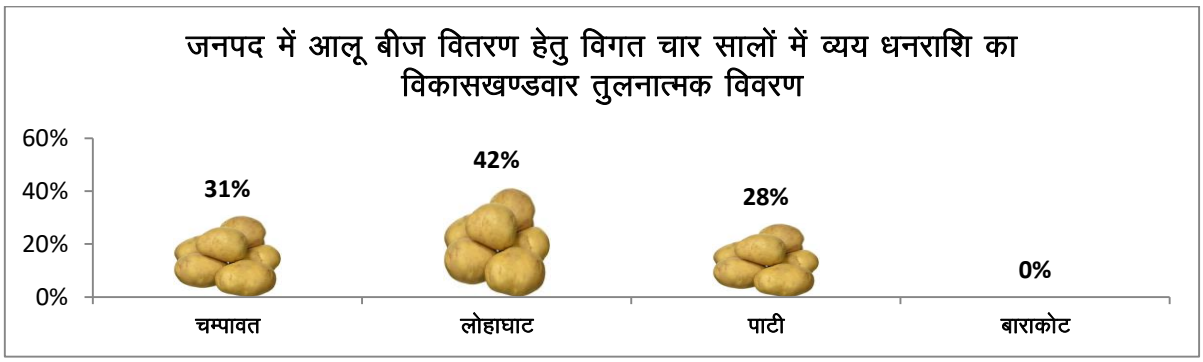

जनपद में आलू बीज वितरण के वर्षवार आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2018–19 में कुल परिव्यय में से 48% व्यय करते हुए कुल बीज वितरित में 40% बीज वितरण किया गया इसी तरह वर्ष 2016–17 में भी बीज वितरण की अपेक्षा परिव्यय कम मात्रा में किया गया है, जबकि वर्ष 2017–18 एवं वर्ष 2019–20 के अन्तर्गत कम प्रतिशत में परिव्यय करते हुए अधिक मात्रा में आलू बीज वितरण किया गया। विभाग को इस तरह के बदलाव का अनुश्रवण करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार कर ग्रामीण उद्यमियों का चयन करते हुए आलू उत्पादन के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता को बढ़ाना चाहिए। आंकड़ें उपरोक्त तालिका एवं निम्नवत ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

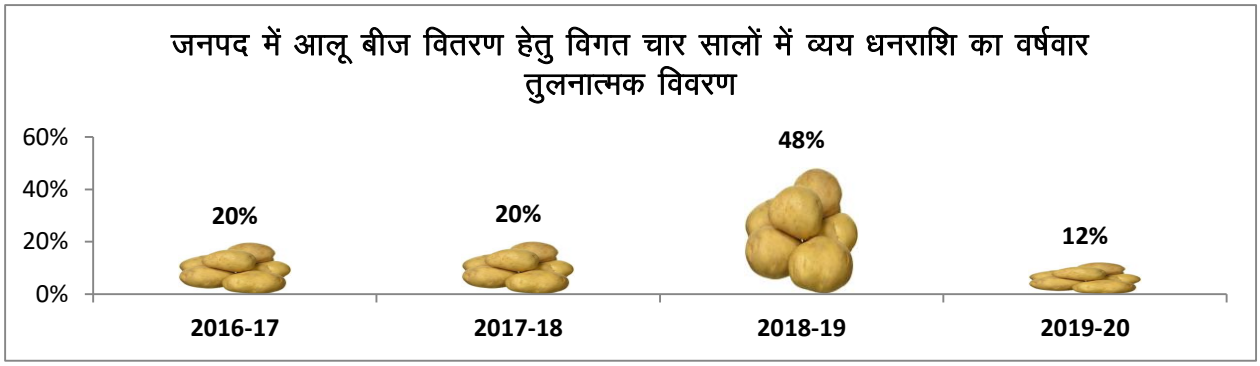

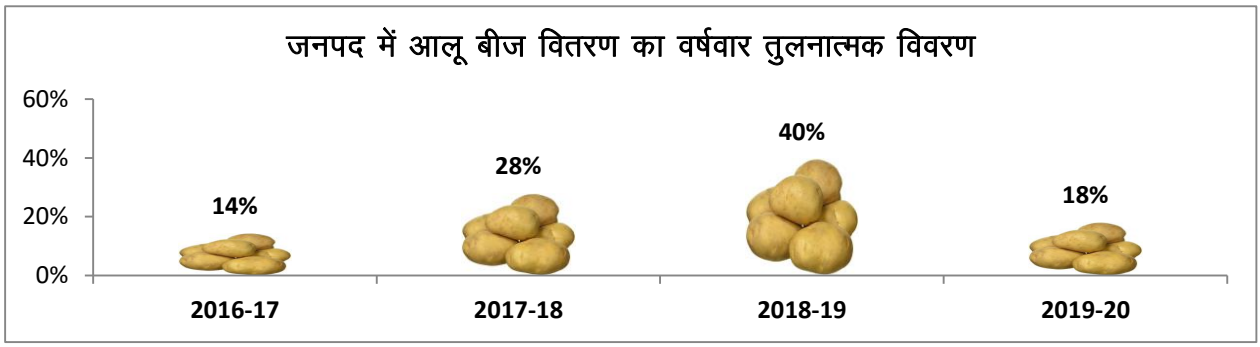

राज्य योजना :– विभाग द्वारा इस योजना के तहत वर्मीकम्पोस्ट पिट, उद्यानों की घेरबाड तथा नई पौधशाला स्थापित करने के कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। जिनके विगत चार वर्षों के आंकड़ों का विवरण निम्नवत है :–

वर्मीकम्पोस्ट मद :– विभाग की वर्मीकम्पोस्ट मद के अन्तर्गत विगत चार वर्षों के दौरान कुल 244 वर्मीकम्पोस्ट निर्मित किये गये जिन पर कुल रूपये 55.96 लाख का परिव्यय किया गया। जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड चम्पावत द्वारा 110 वर्मीकम्पोस्ट बनाकर रूपये 27.46 लाख रूपये का परिव्यय करवाया किया गया, जिसमें लोहाघाट एवं बाराकोट विकासखण्ड पीछे रहे।

जनपद में वर्मी कम्पोस्ट का वर्षवार आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016–17 में ही विभाग द्वारा कुछेक प्रतिशत अच्छा कार्य किया गया परन्तु समय के साथ–साथ कार्य की प्रगति में निरन्तर विचलन देखने को मिला है, जो संतोषजनक नहीं माना जा सकता, क्योंकि समय के अनुरूप कार्य की मांग बढ़ती है अथवा घटती है, यह सम्भावनायें तभी सम्भव हो सकती हैं, जब विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को पूर्ण रूप से आच्छादित किया गया हो या वंचित रखा गया हो। अर्थात विभाग को अपने कार्यक्षेत्र को पुनः सर्वेक्षण कर कार्ययोजना सम्बन्धित क्षेत्र की तैयार करने का प्राविधान करने की आवश्यकता है।

वर्मीकम्पोस्ट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	82	13	5	10	110
लोहाघाट	12	0	0	5	17
पाटी	43	17	7	10	77
बाराकोट	13	0	2	5	20
योग जनपद	**150**	**30**	**14**	**30**	**224**

(भौतिक प्रगतिसंख्या में)

वर्मीकम्पोस्ट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	20.46	3.25	1.25	2.50	27.46
लोहाघाट	3.00	0.00	0.00	1.25	4.25
पाटी	10.75	4.25	1.75	2.50	19.25
बाराकोट	3.25	0.00	0.50	1.25	5.00
योग जनपद	**37.46**	**7.50**	**3.50**	**7.50**	**55.96**

(वित्तीय प्रगति लाख रूपये में)

वर्मीकम्पोस्ट निर्माण के लिए जनपद से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर यह पुष्ठि होती है कि विकाखण्ड पाटी द्वारा विगत चार वर्षों के मध्य कुल परिव्यय का मात्र 6% खर्च करते हुए कुल निर्मित वर्मीकम्पोस्ट में से 34% वर्मीकम्पोस्ट का निर्माण करवाया गया जबकि अन्य विकासखण्ड़ों में व्यय के सापेक्ष कम प्रतिशत मात्रा में वर्मीकम्पोस्ट बनाये गये। इस कार्यक्रम के लिए विकासखण्ड चम्पावत के अतिरिक्त अन्य विकासखण्डों की प्रगति न्यूनतम रहती है। आंकड़ें निम्नवत ग्राफ में दर्शाये गये हैं।

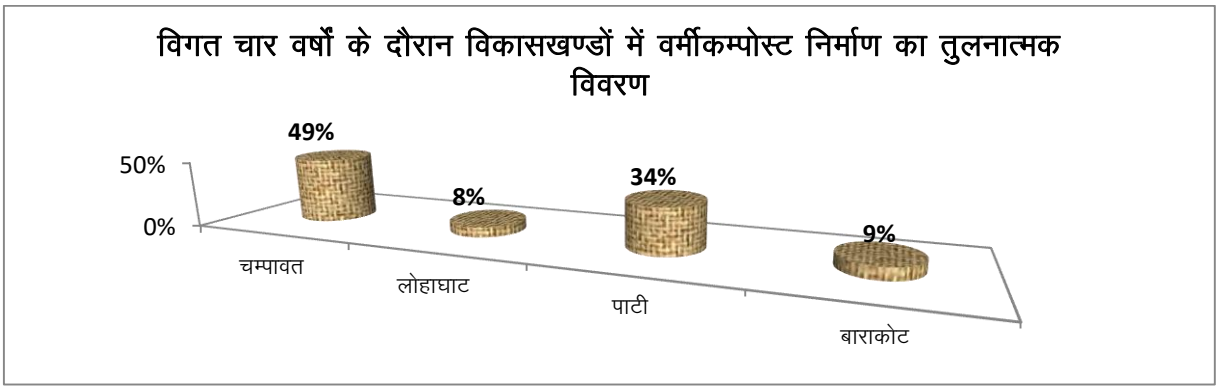

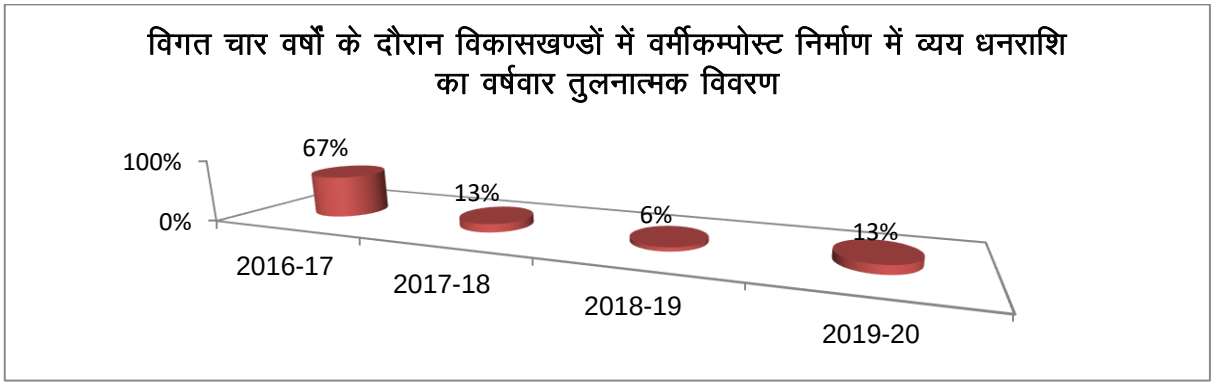

घेरबाड़ योजना :– घेरबाड योजना के तहत विगत चार वर्षों के मध्य कुल 24.10 हेक्टेयर भूमि पर घेरबाड निर्माण का कार्य करवाने लिए विभाग द्वारा कुल रूपये 24.10 लाख धनराशि का परिव्यय करवाया गया। जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड चम्पावत द्वारा 12.40 हेक्टेयर भूमि पर घेरबाड का निर्माण कर किया गया। विकासखण्ड लोहाघाट एवं बाराकोट का न्यूनतम योगदान रहा, जबकि वर्ष 2017–18 एवं वर्ष 2018–19 में घेरबाड निर्माण तथा परिव्यय के आंकड़ें न्यूनतम रहे। वर्तमान समय में जंगली जानवरों के आंतक से पर्वतीय क्षेत्र बहुत प्रभावित हैं, जिसके लिए उद्यमियों के द्वारा लगातार मांग बढ़ती जा रही है। कार्ययोजना उद्यमी की रूचि एवं क्षेत्र विशेष को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। वर्षवार एवं विकासखण्डवार आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किया गया है।

घेरबाड़ योजना	भौतिक प्रगति हेक्टेयर एवं वित्तीय प्रगति लाख रूपये में				
	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	3.50	1.70	1.20	6.00	12.40
लोहाघाट	1.00	0.00	0.00	0.00	1.00
पाटी	3.00	1.00	2.35	2.00	8.35
बाराकोट	1.00	0.30	0.50	0.55	2.35
योग जनपद	8.50	3.00	4.05	8.55	24.10

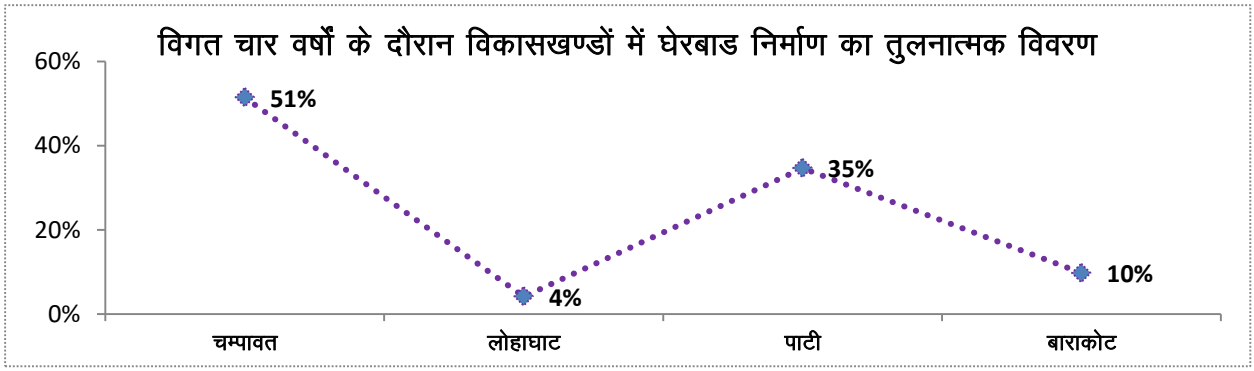

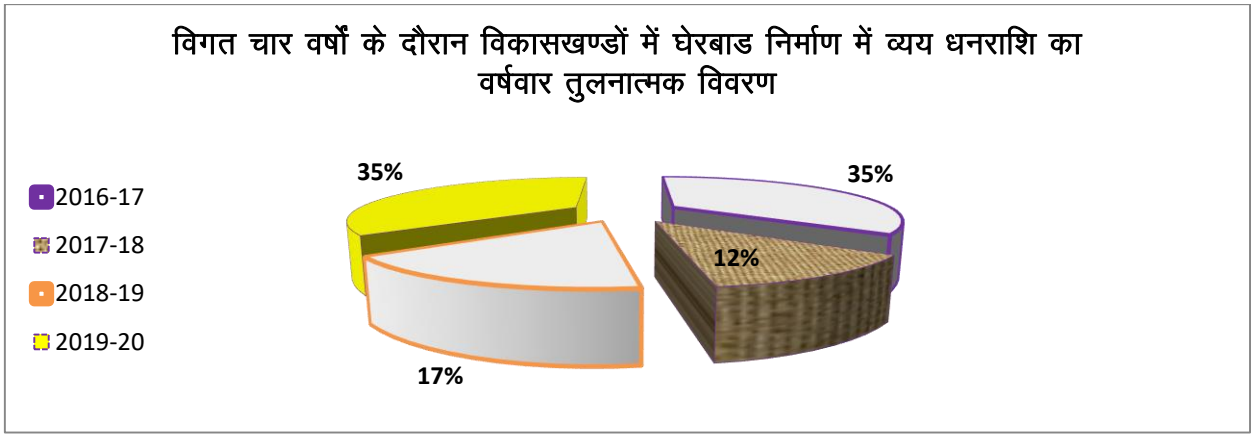

पौधशाला/नर्सरी स्थापना :– जनपद में वर्तमान समय में कुल 17 पौधशाला स्थापित करने में विभाग द्वारा कुल रूपये 25.25 लाख का परिव्यय किया गया है। विकासखण्ड चम्पावत में 10, पाटी विकासखण्ड में 06 तथा लोहाघाट में 01 को स्थापित करने में विभाग द्वारा क्रमशः 58%, 36% तथा 06% धनराशि का कुल

परिव्यय पिछले चार सालों में किया गया। जिसमें वर्ष 2016–17 में ही विभाग की प्रगति संतोषजनक रही है जबकि अन्य वर्षों में आंकड़ें निराशाजनक देखे जा सकते हैं।

पौधषाला स्थापना	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	8	1	1	0	10
लोहाघाट	1	0	0	0	1
पाटी	5	0	0	1	6
बाराकोट	0	0	0	0	0
योग जनपद	**14**	**1**	**1**	**1**	**17**

(भौतिक प्रगति संख्या में)

पौधशाला स्थापना	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	योग
चम्पावत	11.75	1.50	1.50	0.00	14.75
लोहाघाट	1.50	0.00	0.00	0.00	1.50
पाटी	7.50	0.00	0.00	1.50	9.00
बाराकोट	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
योग जनपद	**20.75**	**1.50**	**1.50**	**1.50**	**25.25**

(वित्तीय प्रगति लाख रूपये में)

नर्सरी/पौधशाला के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को उत्पन्न किये जाने की अधिक सम्भावनायें हैं। विभाग को चाहिए कि रूचिकर उद्यमियों को चिहिन्त कर प्रशिक्षित किया जाय तत्पश्चात उन्नत किस्म के बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध करवा कर नर्सरियों का विभागीय अधिकारी / कर्मचारी के माध्यम से अनुश्रवण किये जाने का प्राविधान होना उचित होगा। आंकड़ों को उपरोक्त तालिकाओं में एक नजर में देखा जा सकता है।

मिशन योजना :– इस मद के अन्तर्गत विभाग द्वारा पॉलीहाउस निर्माण, मैकेनाईजेशन ट्रिलर वितरण, पुराने उद्यानो का जीर्णोद्धार, हल्दी बीज वितरण, अदरक बीज वितरण, प्लास्टिक मल्चिंग वितरण, सब्जी क्षेत्रफल विस्तार, फल क्षेत्रफल विस्तार, पुष्प क्षेत्र विस्तार, वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, आदि कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं, जिनका विश्लेषण निम्नवत दिया जा रहा है।

पॉलीहाउस निर्माण :–

मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य की कुल प्रगति विवरण				
पॉलीहाउस निर्माण	व्यय धनराशि (लाख में)	भौतिक पूर्ति (संख्या में)	व्यय धनराशि (प्रतिशत में)	भौतिक पूर्ति (प्रतिशत में)
चम्पावत	21.54	18	36%	36%
लोहाघाट	9.14	6	15%	12%

पाटी	28.65	26	48%	52%
बाराकोट	0	0	0%	0%
योग जनपद	**59.33**	**50**	**100%**	**100%**

- **मैकेनाईजेशन ट्रिलर :–**

मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य की कुल प्रगति विवरण				
मैकेनाईजेशन ट्रिलर वितरण	व्यय धनराशि (लाख में)	भौतिक पूर्ति (संख्या में)	व्यय धनराशि (प्रतिशत में)	भौतिक पूर्ति (प्रतिशत में)
चम्पावत	3.26	6.00	89%	86%
लोहाघाट	0	0	0%	0%
पाटी	0.40	1.00	11%	14%
बाराकोट	0	0	0%	0%
योग जनपद	**3.66**	**7**	**100%**	**100%**

- **पुराने उद्यानो का जीर्णोद्धार :–**

मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य की कुल प्रगति विवरण				
पुराने उद्यानो का जीर्णोद्धार	व्यय धनराशि (लाख में)	भौतिक पूर्ति (हेक्टेयर में)	व्यय धनराशि (प्रतिशत में)	भौतिक पूर्ति (प्रतिशत में)
चम्पावत	7.50	37.50	60%	60%
लोहाघाट	0.7	3.5	6%	6%
पाटी	2.80	14.00	22%	22%
बाराकोट	1.5	7.5	12%	12%
योग जनपद	**12.5**	**62.5**	**100%**	**100%**

- **प्लास्टिक मल्चिंग वितरण :–**

मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य की कुल प्रगति विवरण				
प्लास्टिक मल्चिंग वितरण	व्यय धनराशि (लाख में)	भौतिक पूर्ति (हेक्टेयर में)	व्यय धनराशि (प्रतिशत में)	भौतिक पूर्ति (प्रतिशत में)
चम्पावत	9.03	52.00	55%	57%
लोहाघाट	3.24	18.00	20%	20%
पाटी	2.31	12.50	14%	14%
बाराकोट	1.72	9.50	11%	10%
योग जनपद	**16.30**	**92.00**	**100%**	**100%**

सब्जी क्षेत्रफल विस्तार :–

मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य की कुल प्रगति विवरण				
सब्जी क्षेत्रफल विस्तार	व्यय धनराशि (लाख में)	भौतिक पूर्ति (हेक्टेयर में)	व्यय धनराशि (प्रतिशत में)	भौतिक पूर्ति (प्रतिशत में)
चम्पावत	8.50	34.00	45%	45%
लोहाघाट	4.50	18.00	24%	24%
पाटी	3.50	14.00	19%	19%
बाराकोट	2.25	9.00	12%	12%
योग जनपद	**18.75**	**75.00**	**100%**	**100%**

फल क्षेत्रफल विस्तार :–

मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य की कुल प्रगति विवरण				
फल क्षेत्रफल विस्तार	व्यय धनराशि (लाख में)	भौतिक पूर्ति (हेक्टेयर में)	व्यय धनराशि (प्रतिशत में)	भौतिक पूर्ति (प्रतिशत में)
चम्पावत	8.70	35.00	58%	50%
लोहाघाट	1.08	6.00	7%	9%
पाटी	2.88	16.00	19%	23%
बाराकोट	2.34	13.00	16%	19%
योग जनपद	**15.00**	**70.00**	**100%**	**100%**

पुष्प क्षेत्रफल विस्तार :–

मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य की कुल प्रगति विवरण				
पुष्प क्षेत्रफल विस्तार	व्यय धनराशि (लाख में)	भौतिक पूर्ति (वर्ग मी0 में)	व्यय धनराशि (प्रतिशत में)	भौतिक पूर्ति (प्रतिशत में)
चम्पावत	1.07	1500.00	100%	100%
लोहाघाट	0.00	0.00	0%	0%
पाटी	0.00	0.00	0%	0%
बाराकोट	0.00	0.00	0%	0%
योग जनपद	**1.07**	**1500.00**	**100%**	**100%**

मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य संचालित कार्यक्रमों की प्रगति विवरण							
मद / विकासखण्ड	पुष्प क्षेत्रफल विस्तार	फल क्षेत्रफल विस्तार	सब्जी क्षेत्रफल विस्तार	प्लास्टिक मल्चिंग वितरण	पुराने उद्यानो का जीर्णोद्धार	मैकेनाईजेशन ट्रिलर वितरण	पॉलीहाउस निर्माण
चम्पावत	1 00%	50%	45%	57%	60%	86%	36%
लोहाघाट	0%	9%	24%	20%	6%	0%	12%

पाटी	0%	23%	19%	14%	22%	14%	52%
बाराकोट	0%	19%	12%	10%	12%	0%	0%

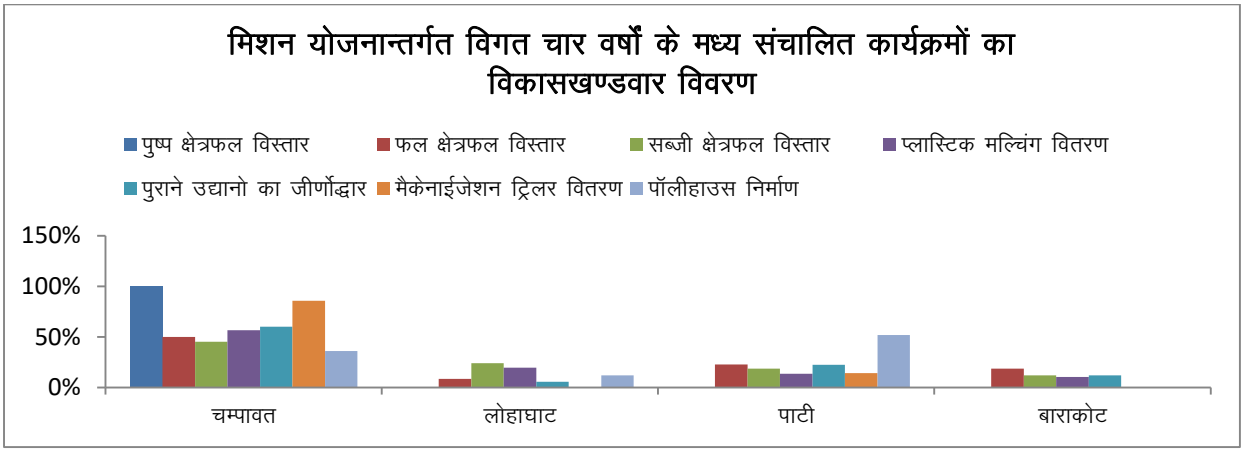

उपरोक्त सभी आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड चम्पावत के अलावा मिशन योजना, जिला योजना तथा राज्य योजना का परिणाम संतोषजनक नहीं दिखाई देता है जो कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य हेतु उचित नहीं है। विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों का सघन सर्वेक्षण कर शिक्षित, आयु वर्गवार, रूचिकर उद्यमियों को चिहिन्त कर एवं प्रशिक्षित करते हुए उद्यानीकरण को आय के मुख्य स्रोत के रूप में ग्रामीणों के समुख उदाहरण प्रस्तुत करने हेतु कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

पर्यटन विकास

पर्यटन विभाग द्वारा विगत चार वर्षों में पर्यटन को बढावा दिये जाने के लिए जिला सेक्टर मद में कुल 111 संरचनाओं पर रूपये 439.84 लाख का परिव्यय करवाकर कार्य करवाये गये। जिला योजना के तहत सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड चम्पावत एवं लोहाघाट का रहता है जबकि विकासखण्ड पाटी एवं बाराकोट का योगदान बहुत न्यूनतम रहता है।

जनपद के विकासखण्डों में पर्यटन का बढ़ावा दिये जाने के विभाग को सघन सर्वेक्षण कर नये पर्यटक स्थलों को चिहिन्त करते हुए कार्ययोजना तैयार करने की अधिक आवश्यकता है, क्योंकि पर्यटन और इको पर्यटन में रोजगार के कई आयाम मौजूद हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

जिला सेक्टर मद में पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने के लिए निर्मित संरचनाओं का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण

वर्ष / विकास खण्ड	2016-17		2017-18		2018-19		2019-20	
	व्यय धनराशि (लाख रू में)	निर्मित संरचनाओंकी संख्या	व्यय धनराशि (लाख रू में)	निर्मित संरचनाओं की संख्या	व्यय धनराशि (लाख रू में)	निर्मित संरचनाओं की संख्या	व्यय धनराशि (लाख रू में)	निर्मित संरचनाओं की संख्या
चम्पावत	80.00	26	38.45	8	34.14	5	45.50	9
लोहाधाट	51.00	18	38.55	9	65.00	3	0.00	0

पाटी	26.70	11	15.00	5	2.50	1	0.00	0
बाराकोट	22.00	8	21.00	8	0.00	0	0.00	0
योग	**179.70**	**63**	**113.00**	**30**	**101.64**	**9**	**45.50**	**9**

जिला सेक्टर के अन्तर्गत विगत चार वर्षों के मध्य निर्मित संरचनाओं का वित्तीय एवं भौतिक विवरण				
वर्ष / विकासखण्ड	व्यय धनराशि (लाख रू में)	निर्मित संरचना (संख्या में)	व्यय धनराशि (प्रतिशत में)	निर्मित संरचना (प्रतिशत में)
चम्पावत	198.09	48	45%	43%
लोहाघाट	154.55	30	35%	27%
पाटी	44.20	17	10%	15%
बाराकोट	43.00	16	10%	14%
योग	**439.84**	**111**	**100%**	**100%**

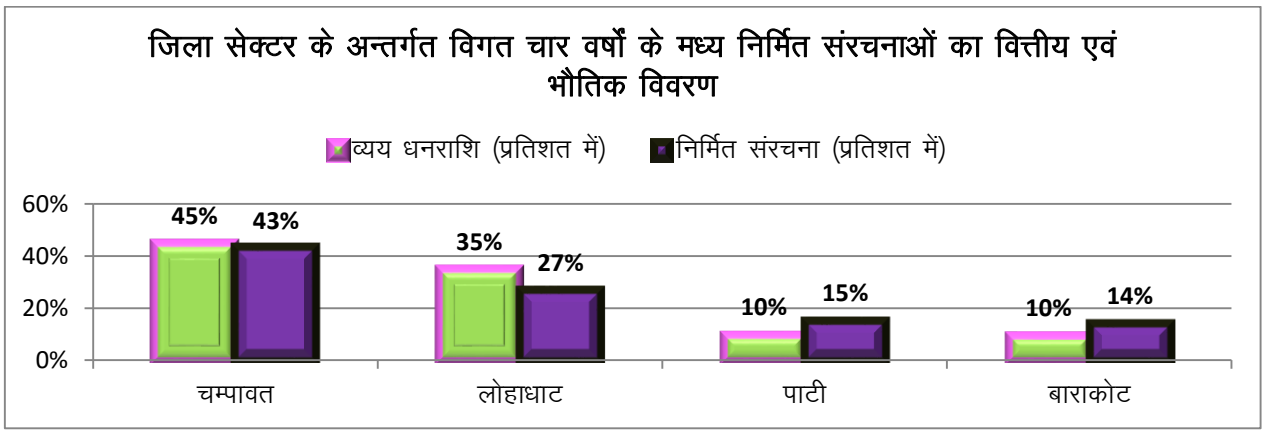

जनपद में विभाग द्वारा जिला सेक्टर मद के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड चम्पावत एवं लोहाघाट में व्यय के सापेक्ष संरचनाओं का निर्माण कम हुआ है जबकि विकासखण्ड पाटी और बाराकोट में परिव्यय के अपेक्षा संरचनाओं का निर्माण अधिक हुआ है। अर्थात विकासखण्ड चम्पावत एवं लोहाघाट के सापेक्ष विकासखण्ड पाटी एवं बाराकोट में कम लागत की संरचनाओं / योजनाओं को निर्मित किया गया है।

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना :– ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने एवं पर्यटन के माध्यम से कई व्यवसायों के अन्तर्गत रोजगार को भी उपलब्ध कराने की दृष्टिकोण से सरकार द्वारा वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत 25% अनुदान पर पर्यटन वाहन तथा 33% अनुदान पर गैर वाहन व्यवसायों के लिए ऋण सुविधा दी जाती है। वर्तमान में सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के कारण इलेक्ट्रॉनिक बस को 50% अनुदान की दर पर उपलब्ध कराने का प्राविधान कर लिया गया है।

जनपद चम्पावत में इस योजना के तहत मात्र चार व्यवसाय में रूपये 577.77 लाख का परिव्यय करते हुए 45 इकाईयों को स्थापित कर स्वरोजगार प्रदान किया गया है, जिसमें सबसे अधिक योगदान वाहन मद का रहा। फूड कॉर्नर, होटल, वर्कशॉप आदि व्यवसाय तथा वाहन व्यवसाय में आय प्राप्त होने के समय में

काफी अन्तर है। जबकि वाहन व्यवसाय की उम्र अन्य व्यवसाय से बहुत कम है। विभाग द्वारा युवाओं हेतु चर्चा–विमर्श गोष्ठी का आयोजन कर हुनर को पहचाते हुए योजना से लाभार्थियों का चयन करना चाहिए। आंकड़ों को निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना का वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य स्थापित किये गये स्वरोजगार का व्यवसायवार विवरण

व्यवसाय	इकाई	पूँजी निवेश	अनुदान	पूँजी निवेश के सापेक्ष अनुदान का प्रतिशत
फूड कॉर्नर	8	64.84	20.46	32%
पर्यटन वाहन	30	344.07	60.28	18%
होटल	5	111.86	36.89	33%
वर्कशाप	2	57.00	18.81	33%
योग जनपद	**45**	**577.77**	**136.44**	**24%**

पर्वतीय क्षेत्रों में बस के बजाय इलेक्ट्रॉनिक कैब का प्राविधान किया जाना उचित होगा क्योंकि पर्वतीय क्षेत्रों में लोगों की रूचि बस के अतिरिक्त टैक्सी मैक्सी में ज्यादा है क्योंकि इससे सवारी का प्राइवेसी के साथ–साथ समय की बचत भी प्राप्त हो जाती है।

- **दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास (होम–स्टे) विकास योजना :–** हिमालय के "हि" और सिन्धु (समुद्र) के "न्धु"को मिलाकर हिन्धु बना जिसका अपभ्रंश रूप है हिन्दू, जहाँ हिन्दू रहते हैं उसे हिन्दुस्तान कहते हैं। हिन्दुस्तान का हिमालय क्षेत्र नैसर्गिक छटा और ऐतिहासिक–पौराणिक संस्कृति को अपने में समेटे हुए कई रमणीक, धार्मिक तथा पर्यटक स्थलों के रूप में जाना जाता है। जिन तक पहुँचने को कई पर्यटक आते रहते हैं जिन्हें यहाँ की परम्पराओं, रहन–सहन, वेश–भूषा, बोली–भाषा, व्यवहार, खान–पान, आचार–विचार, खेती–बाडी, क्रिया–कलाप, आदि का अनुभव दिलाने एवं पर्यटकों से उनकी परम्पराओं का बोध कराने के उद्देश्य से होम–स्टे योजना का शुभारम्भ वर्ष 2015 किया गया।

- जनपद में इस योजना के तहत अभी तक कुल 101 होम–स्टे संचालित हो रहे हैं। लोहाघाट विकासखण्ड में 02 एवं विकासखण्ड चम्पावत में 04 होम–स्टे, दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास (होम–स्टे) विकास योजना के अर्न्तगत वर्ष 2018–19 से वर्ष 2019–20 के मध्य निर्मित हुए हैं। योजना के अन्तर्गत रूपये 134.24 लाख की धनराशि से लार्थियों को वित्तपोषित करवाया गया जिसमें अनुदान के रूप में लााभार्थियों को अधिकतम रूपये 10 लाख या न्यूनतम 33% के साथ–साथ देय ब्याज में न्यूनतम 50% या अधिकतम रूपये 1.50 लाख आगामी पांच सालों तक विभाग द्वारा वहन किये जाने का प्राविधान है। जिससे होम–स्टे योजना को भविष्य में बढ़ावा मिलेगा। आंकड़ों को निम्नवत ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

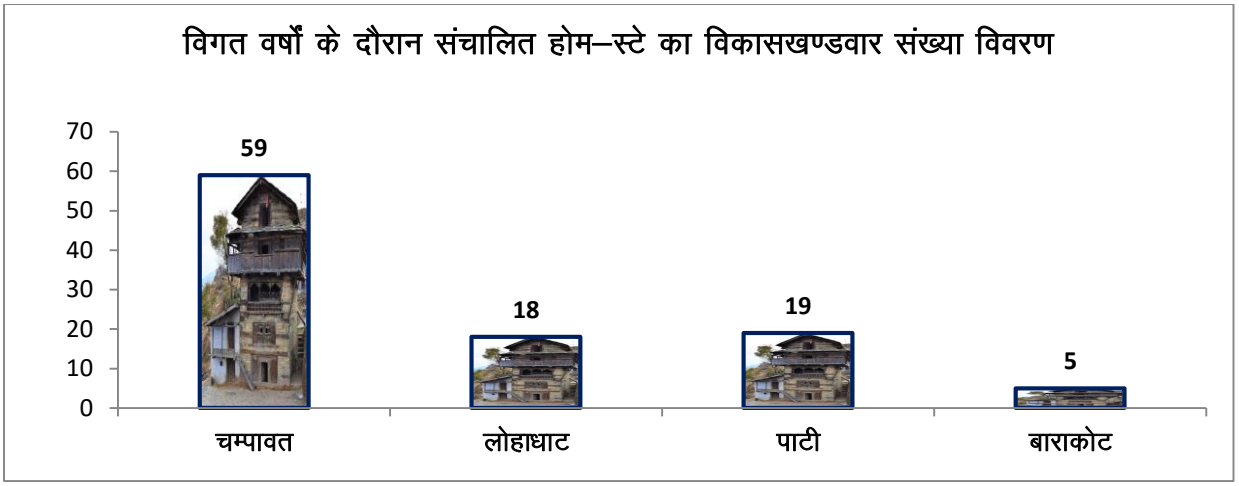

कृषि

जनपद चम्पावत में खरीफ, रबी तथा जायद तीनों प्रकार की फसलों का उत्पादन किया जाता है, जिनकें आंकड़ों का विवरण निम्नवत है :–

खरीफ की फसल :– जनपद के अन्तर्गत चावल, मक्का, मण्डुवा, सांवा, रामदाना, उर्द, गहत, तोर, राजमा, भट्ट, तिल, सोयाबीन तथा मूँगफली आदि फसलें उत्पादित की जाती है। जिनके आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत किया गया है।

खरीफ फसल

मुख्य फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता के आंकड़े

क्षेत्रफल– हेक्टेयर में, उत्पादन–मीट्रिक टन में, उत्पादकता– कुन्तल प्रति हेक्टेयर में

जनपद	वर्ष	चावल (खरीफ)			मक्का (खरीफ)			मण्डुवा (खरीफ)			सांवा (खरीफ)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
चम्पावत	2019–20	4446.00	6613.00	14.87	409.00	938.00	22.93	3541.00	5658.00	15.98	531.00	797.00	15.01
	2018–19	5297.00	8154.00	15.39	597.00	1457.00	24.41	4703.00	7426.00	15.79	819.00	1243.00	15.18
	2017–18	5192.00	9112.00	17.55	481.00	1015.00	21.11	5224.00	9398.00	17.99	810.00	1430.00	17.65
	2016–17	6641.00	9422.00	14.00	563.00	700.00	12.00	4403.00	6929.00	16.00	1011.00	1445.00	14.00

चावल :– विगत चार सालों के दौरान चावल की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल, उत्पादन के साथ–साथ उत्पादकता के आंकड़ों में गिरावट देखी गयी। जहाँ एक ओर क्षेत्रफल में कमी होती है वहीं वर्ष 2016–17 के बाद उत्पादकता के क्षेत्र में वृद्धि होती है।

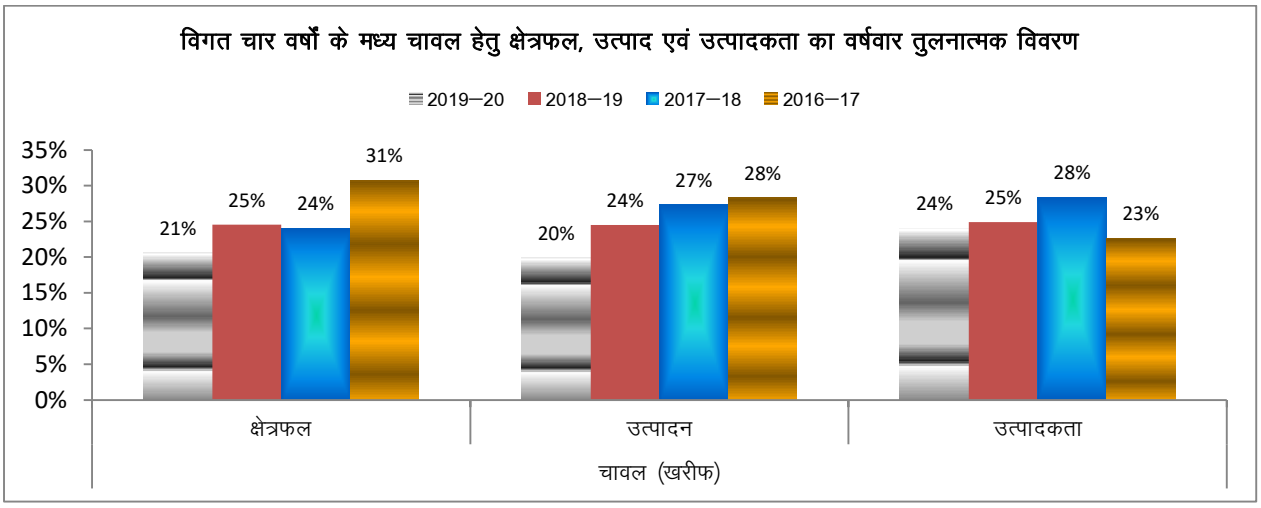

मक्का :– मक्का की फसल के लिए विगत चार सालों के दौरान आच्छादित क्षेत्रफल, के आंकड़ों में 07% कमी आई जबकि उत्पादकता के क्षेत्र में 14% वृद्धि के साथ–साथ उत्पादन के क्षेत्र में भी 06% की वृद्धि देखी जा सकती है।

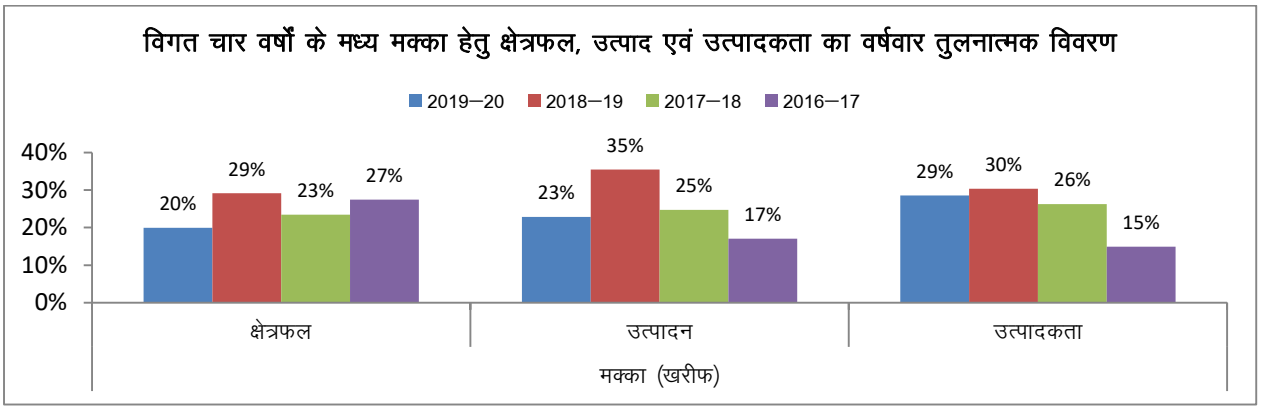

मण्डुवा :– मक्का की फसल के लिए विगत चार सालों के दौरान वर्ष 2017–18 के उपरान्त आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 09%, उत्पादकता के क्षेत्र में 03% तथा उत्पादन के क्षेत्र में भी 13% की गिरावट हुई हैं

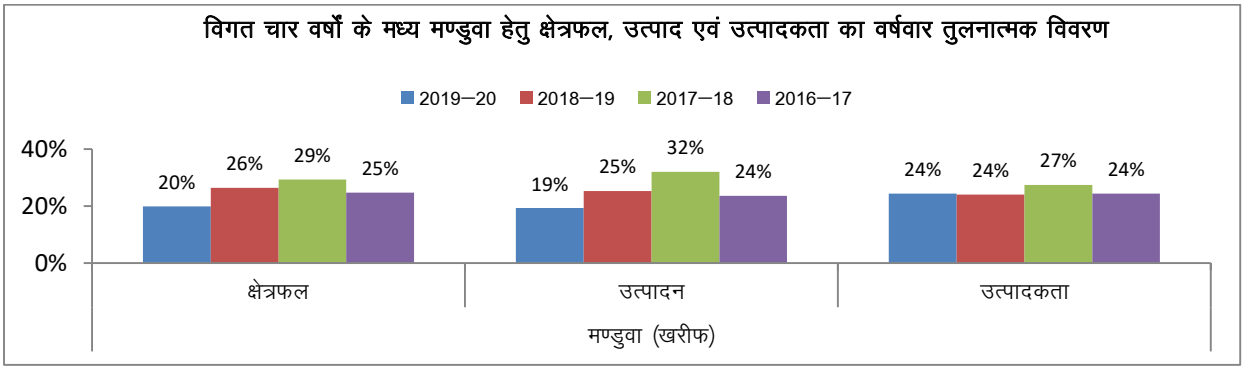

सांवा :– विगत चार सालों के दौरान वर्ष 2016–17 के बाद सांवा की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 15%, उत्पादकता के क्षेत्र में 01% तथा उत्पादन के क्षेत्र में भी 13% की कमी आई हैं

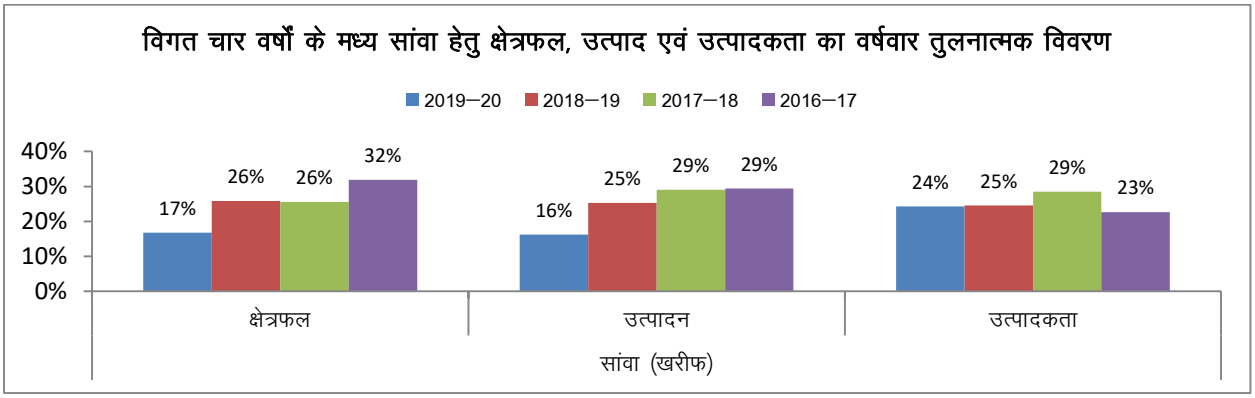

जनपद	वर्ष	रामदाना			अन्य धान्य			कुल धान्य (खरीफ)			उर्द (खरीफ)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
बलरामपुर	2019–20	31.00	35.00	11.29	0.00	0.00	0.00	8958.00	14041.00	15.67	291.00	303.00	10.41
	2018–19	9.00	5.00	5.79	0.00	0.00	0.00	11425.00	18285.00	16.00	369.00	331.00	8.97
	2017–18	5.00	3.00	6.00	0.00	0.00	0.00	11712.00	20958.00	17.89	385.00	428.00	11.11
	2016–17	40.00	23.00	6.00	0.00	0.00	0.00	12658.00	18519.00	15.00	266.00	287.00	11.00

रामदाना :– विगत चार सालों के दौरान वर्ष 2016–17 से वर्ष 2018–19 के मध्य रामदाना की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 36%, उत्पादन के क्षेत्र में भी 27% तथा उत्पादकता के क्षेत्र में 01% की कमी देखी गई, जबकि वर्ष 2019–20 के लिए उक्त सभी आंकड़ों में क्रमशः 25%, 45% एवं 19% की वृद्धि भी देखी जा सकती है।

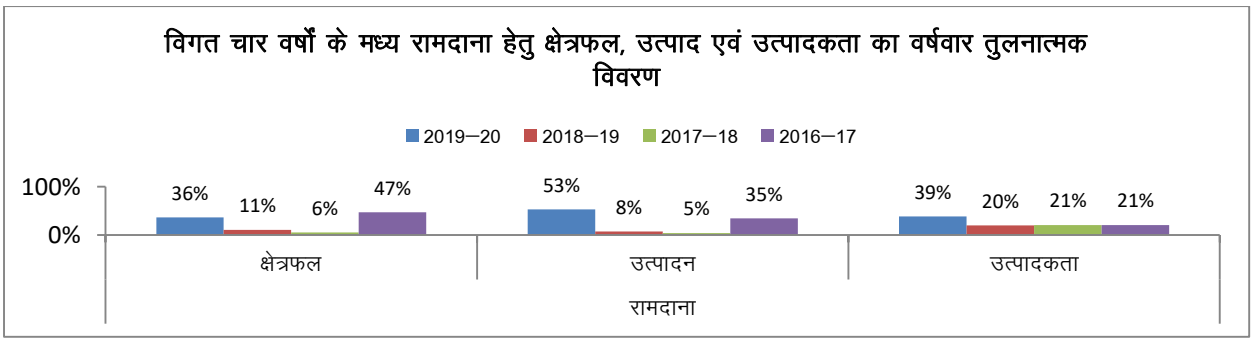

उर्द :– वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य उर्द की फसल के लिए विगत चार सालों के दौरान आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 07%, उत्पादन के क्षेत्र में भी 10% तथा उत्पादकता के क्षेत्र में 02% देखी गई।

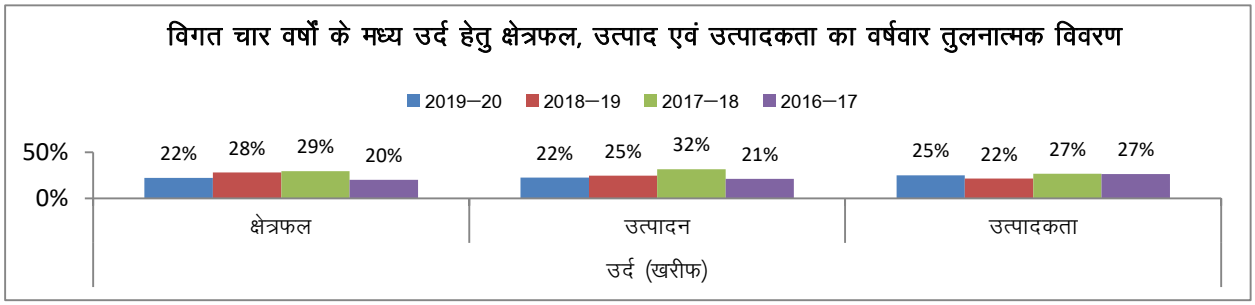

जनपद	वर्ष	गहत/ कुल्थी			तोर/ अरहर			राजमा			भट्ट		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
चम्पावत	2019–20	746.00	738.00	9.89	5.00	3.00	6.00	85.00	91.00	10.71	334.00	423.00	12.66
	2018–19	854.00	807.00	9.45	24.00	13.00	5.56	99.00	116.00	11.76	673.00	870.00	12.93
	2017–18	1194.00	1290.00	10.80	28.00	14.00	5.00	17.00	20.00	11.73	662.00	794.00	12.00
	2016–17	715.00	671.00	9.00	11.00	6.00	5.00	66.00	79.00	12.00	261.00	236.00	9.00

गहत :– विगत चार सालों के दौरान वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य गहत की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 13%, उत्पादन के क्षेत्र में भी 16% तथा उत्पादकता के क्षेत्र में 03% गिरावट हुई है। वर्ष 2016–17 में क्षेत्रफल के सापेक्ष उत्पादन में 01% की कमी जबकि उत्पादकता में 03% की वृद्धि देखी जा सकती है।

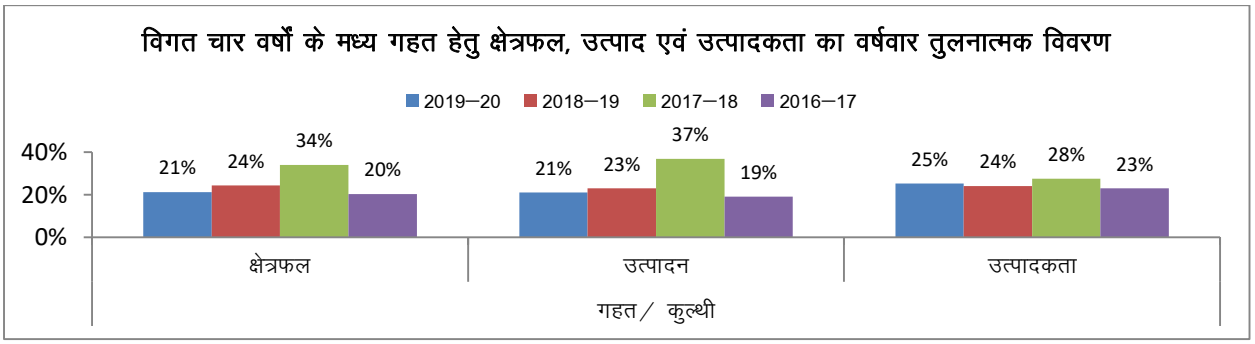

तोर :– वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य विगत चार सालों के दौरान तोर की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 34%, उत्पादन के क्षेत्र में भी 31% कमी देखी जाती है, किन्तु उत्पादकता में 5% की वृद्धि देखी जा सकती है। वर्ष 2016–17 में क्षेत्रफल के सापेक्ष उत्पादन में 01%तथा उत्पादकता में 07% की वृद्धि दर्ज होती है।

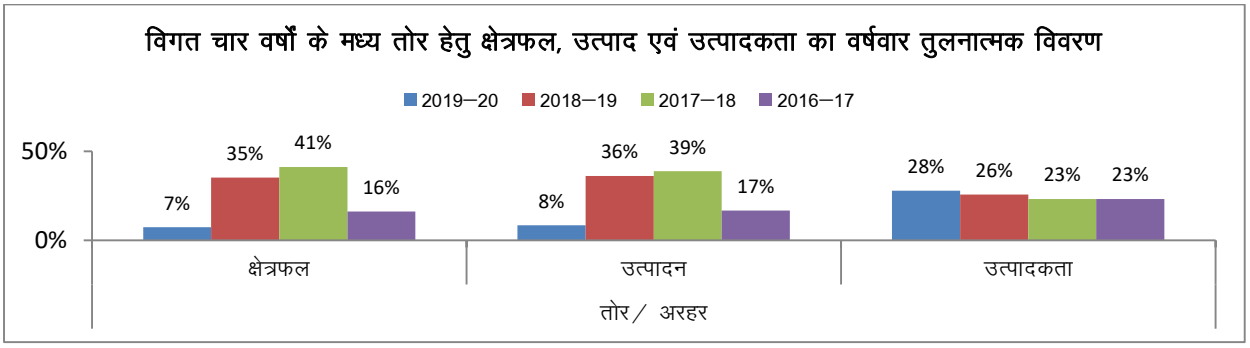

राजमा :– विगत चार सालों के दौरान वर्ष 2018–19 से वर्ष 2019–20 के लिए राजमा की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 05%, उत्पादन के क्षेत्र में भी 08%, उत्पादकता में 02% की कमी देखी जा सकती है। वर्ष 2017–18 हेतु क्षेत्रफल और उत्पादन का आंकड़ा भले बहुत न्यूनतम रहता हो परन्तु उत्पादकता का आंकड़ा 25% रहता है।

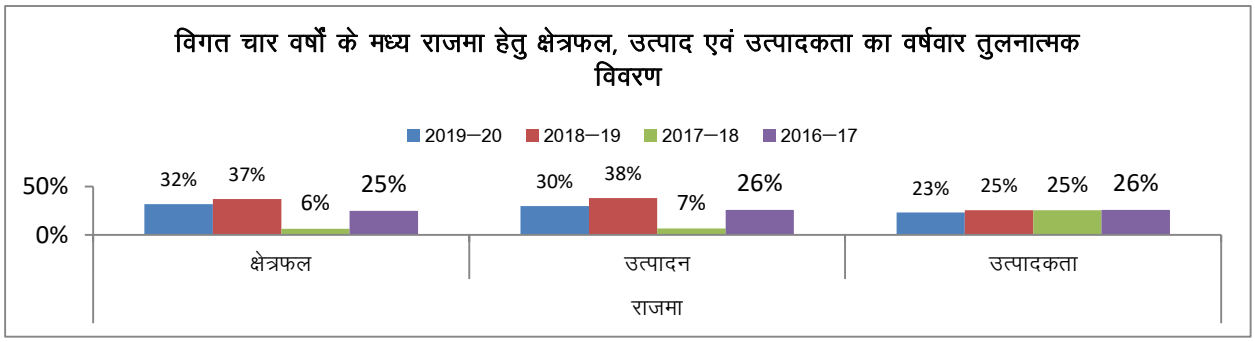

भट्ट :– वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य भट्ट की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 17% तथा उत्पादन के क्षेत्र में भी 16%, कमी देखी जा सकती है, जबकि उत्पादकता में 1% की वृद्धि हुई। वर्ष 2016–17 हेतु क्षेत्रफल के सापेक्ष उत्पादन में 10% की कमी तथा उत्पादकता में 5% की वृद्धि दर्ज हुई।

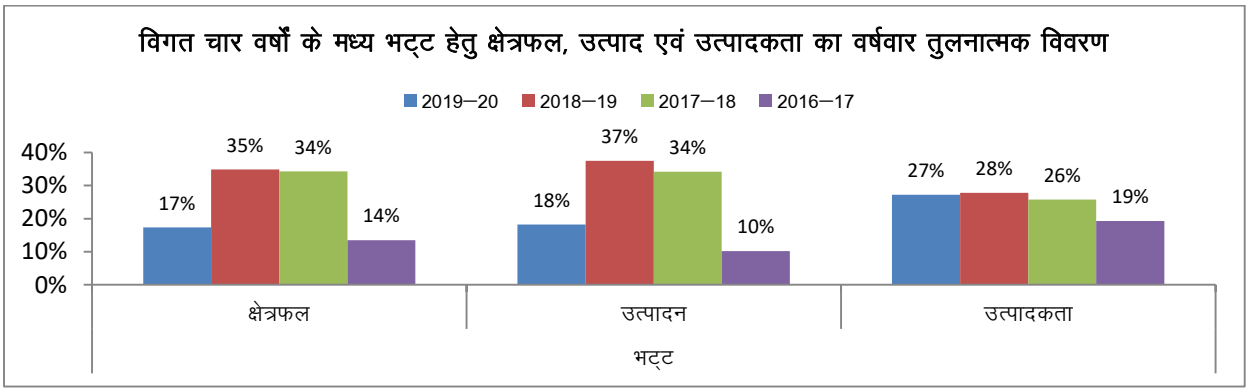

जनपद	वर्ष	अन्य दालें (खरीफ)			कुल दालें (खरीफ)			कुल खाद्यान (खरीफ)			मूंगफली		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
रुद्रप्रयाग	2019–20	25.00	20.00	8.00	1486.00	1578.00	10.62	10444.00	15619.00	14.95	0.00	0.00	0.00
	2018–19	0.00	0.00	0.00	2019.00	2137.00	10.58	13444.00	20422.00	15.19	25.00	26.00	10.30
	2017–18	0.00	0.00	0.00	2286.00	2546.00	11.14	13998.00	23504.00	16.79	23.00	32.00	13.80
	2016–17	0.00	0.00	0.00	1319.00	1279.00	10.00	13977.00	19798.00	14.00	0.00	0.00	0.00

मूँगफली :– मूँगफली की फसल के आंकड़ों को देखें तो ज्ञात होता है कि वर्ष 2017–18 हेतु क्षेत्रफल की सापेक्ष उत्पादन में 07% तथा उत्पादकता में 09% की वृद्धि हुई जबकि इसके विपरित वर्ष 2018–19 में क्षेत्रफल के अपेक्षा उत्पादन में 07% एवं उत्पादकता में 09% की कमी हुई जो आंकड़ें वर्ष 2019–20 के लिए शून्य तक पहुँचना ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए उचित नहीं है।

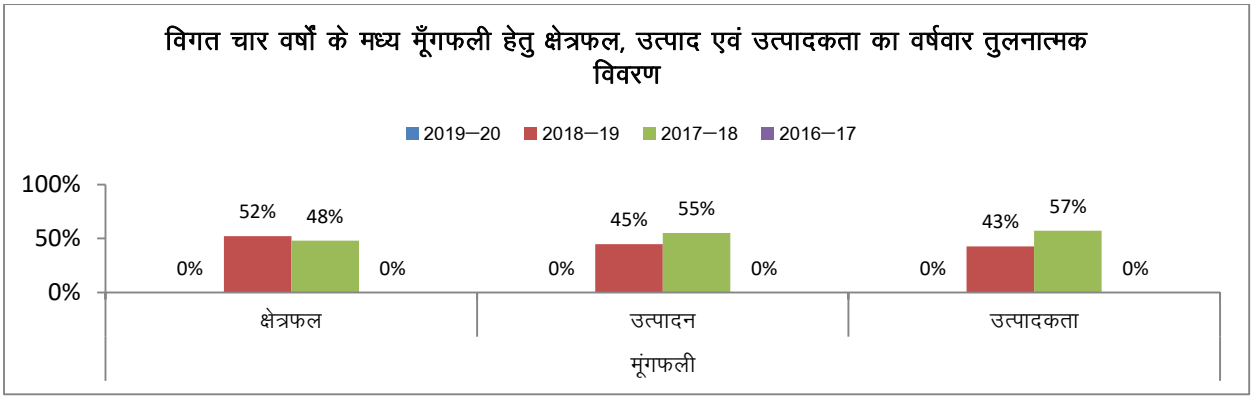

दालें :– वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य दालों की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 11% तथा उत्पादन के क्षेत्र में भी 13%, कमी देखी जा सकती है, जबकि उत्पादकता में 15% की वृद्धि दर्ज हुई। वर्ष 2016–17 हेतु क्षेत्रफल के सापेक्ष उत्पादन में 01% की कमी तथा उत्पादकता में 2% की वृद्धि के आंकड़ें प्रलक्षित होते है।

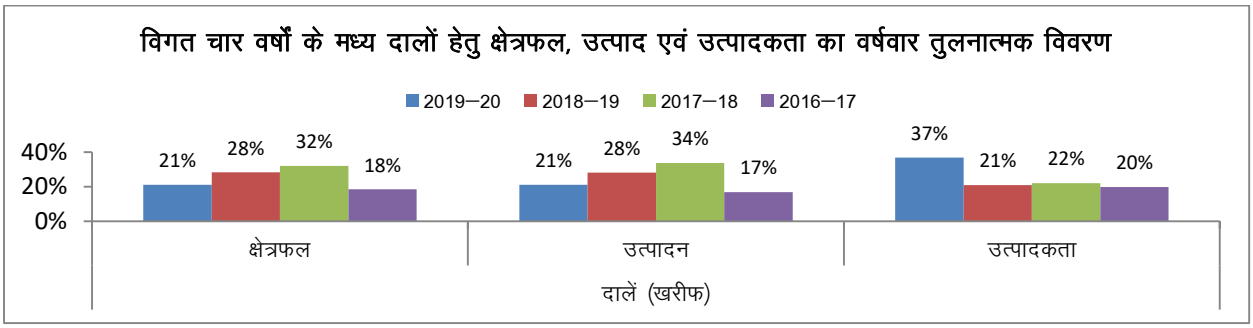

जनपद	वर्ष	तिल			सोयाबीन			अन्य तिलहन (खरीफ)			कुल तिलहन (खरीफ)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
प्रयागराज	2019–20	37.00	7.00	1.89	520.00	589.00	11.33	74.00	48.00	6.49	631.00	644.00	10.21
	2018–19	50.00	9.00	1.85	556.00	765.00	13.75	0.00	0.00	0.00	631.00	800.00	12.68
	2017–18	14.00	3.00	1.82	1003.00	992.00	9.89	0.00	0.00	0.00	1040.00	1027.00	9.88
	2016–17	23.00	5.00	2.00	697.00	704.00	10.00	4.00	4.00	10.00	724.00	713.00	10.00

तिल :– विगत चार वर्षों के दौरान तिल की फसल के लिए क्षेत्रफल के आंकड़ें यथावत रहते हुए उत्पादकता के आंकड़ों में मामूली बदलाव हुआ है जबकि उत्पादन के आंकड़ों में काफी विचलन देखने को मिलता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफ से भी समझा जा सकता है।

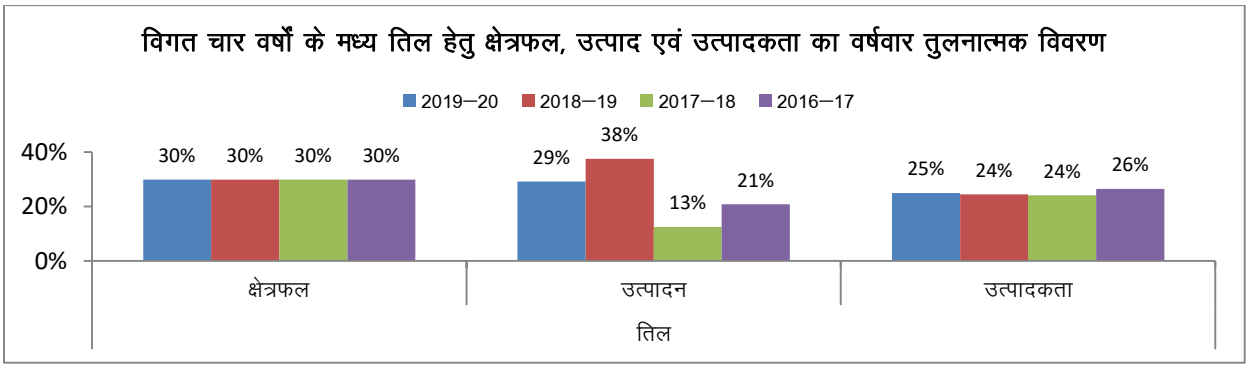

सोयाबीन :– विगत चार वर्षों के मध्य वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के दौरान सोयाबीन की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 17% तथा उत्पादन के क्षेत्र में भी 14%, कमी देखी जा सकती है, जबकि उत्पादकता में 03% की वृद्धि दर्ज हुई। वर्ष 2016–17 हेतु आंकड़ों में क्षेत्रफल के सापेक्ष उत्पादन में 02% तथा उत्पादकता में 3%की कमी देखी गयी।

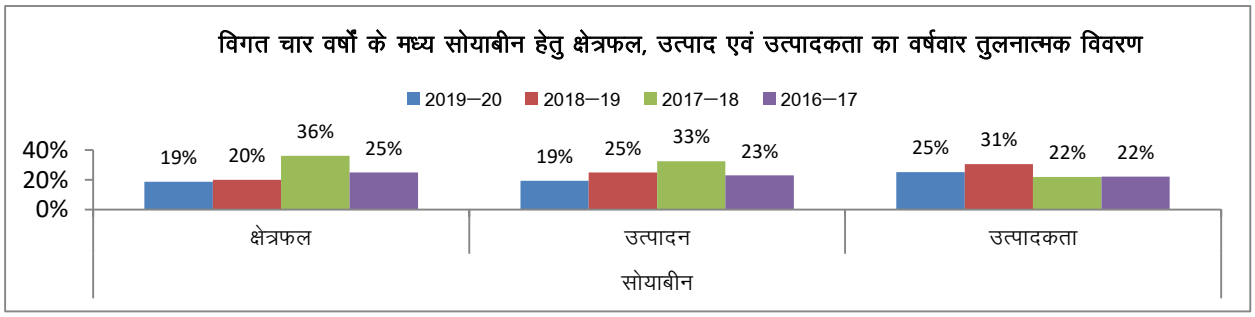

रबी फसल

मुख्य फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता के आंकड़े

क्षेत्रफल– हेक्टेयर में, उत्पादन–मीट्रिक टन में, उत्पादकता– कुन्तल प्रति हेक्टेयर में

जनपद	वर्ष	गेहूँ			जौ			अन्य धान्य (रबी)			कुल धान्य (रबी)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
बलरामपुर	2019–20	4897.00	13961.00	28.51	847.00	1614.00	19.06	0.00	0.00	0.00	5744.00	15575.00	27.12
	2018–19	6152.00	13684.00	22.24	720.00	1223.00	16.99	157.00	118.00	7.50	7029.00	15025.00	21.38
	2017–18	6239.00	12769.00	20.47	788.00	1362.00	17.28	112.00	84.00	7.52	7139.00	14215.00	19.91
	2016–17	7535.00	13781.00	18.29	772.00	1148.00	14.87	0.00	0.00	0.00	8307.00	14929.00	17.97

गेहूँ :– वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान गेहूँ की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 10% कमी देखी जाती है, किन्तु उत्पादकता के आंकड़ों में 12% की वृद्धि होती है, वहीं उत्पादन के आंकड़ों में मामूली बदलाव होते हैं। अर्थात क्षेत्रफल के आंकड़ों में 10% गिरावट होने के बाद भी उत्पादकता एवं उत्पादन के आंकड़ों में वृद्धि का होना कृषि विभाग की उन्नत बीज कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है।

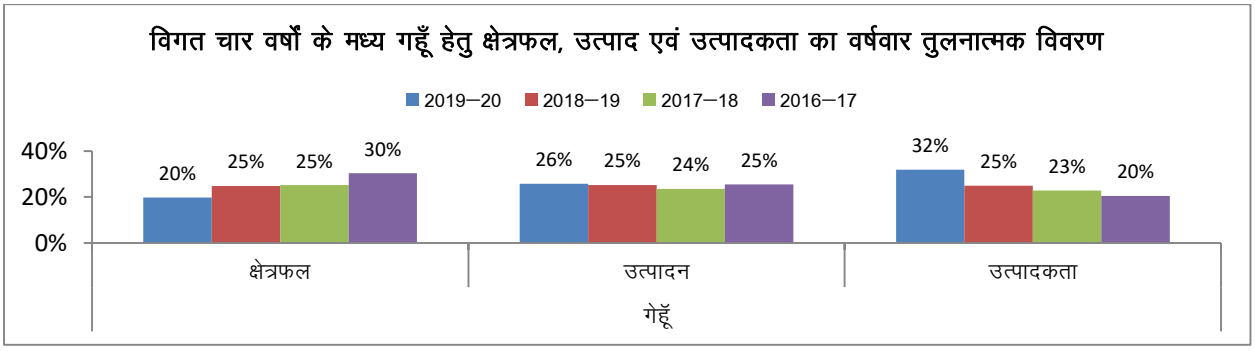

जौ :– विगत चार वर्षों के मध्य 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान जौ की फसल के लिए आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों में 02%, उत्पादन में 09% तथा उत्पादकता में 06% की मामूली वृद्धि होती है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

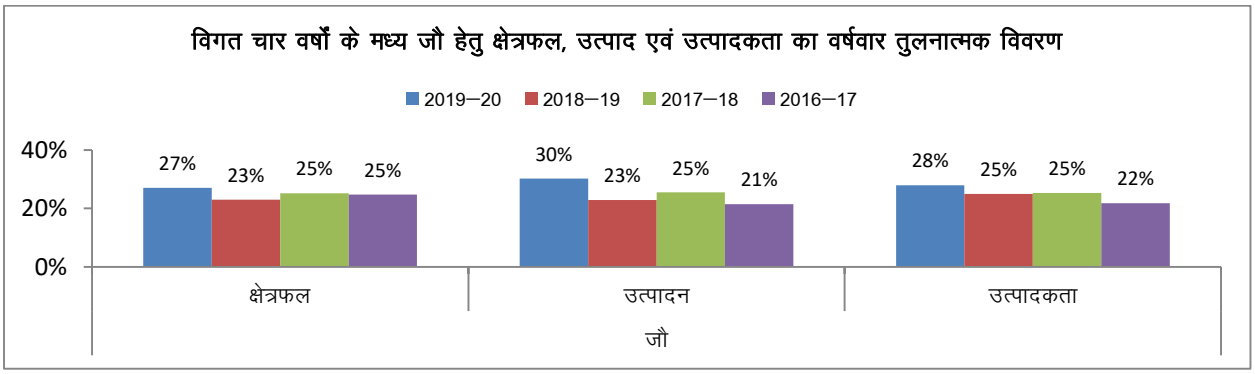

जनपद	वर्ष	चना			मटर			मसूर			अन्य दालें (रबी)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
बलरामपुर	2019–20	25.00	15.00	6.00	132.00	81.00	6.14	643.00	786.00	12.22	0.00	0.00	0.00
	2018–19	22.00	14.00	6.40	42.00	36.00	8.54	569.00	617.00	10.84	0.00	0.00	0.00
	2017–18	12.00	8.00	6.36	39.00	33.00	8.40	560.00	557.00	9.94	0.00	0.00	0.00
	2016–17	31.00	19.00	6.13	47.00	39.00	8.30	596.00	559.00	9.38	0.00	0.00	0.00

चना :– वर्ष 2016–17 हेतु चना की फसल का आच्छादित क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता क्रमशः 34%, 34%, व 25% था जो वर्ष 2017–18 में लुढक कर क्रमशः 13%, 14%, तथा 26% पर सिमट जाता है परन्तु यह आंकड़ें पुनः वर्ष 2019–20 के लिए क्रमशः 28%, 27%, व 24% पर पहुँचना विभाग की कार्य कुशलता एवं ग्रामीणों की रूचि को दर्शाता है।

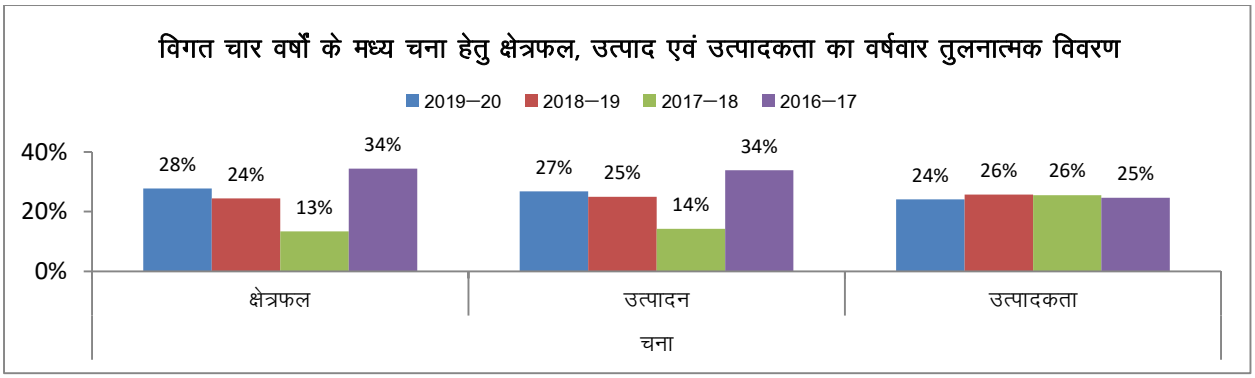

मटर :– विगत चार वर्षों के लिए मटर की फसल के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2016–17 से वर्ष 2018–19 के मध्य फसल का आच्छादित क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता के आंकड़ें बहुत न्यूनतम रहते हैं किन्तु यह आंकड़ें वर्ष 2019–20 के क्षेत्रफल एवं उत्पादन हेतु क्रमशः 35% तथा 24% वृद्धि के साथ उछाल लेते हैं वहीं उत्पादकता के आंकड़ों में 07% के आंकड़ें से ग्राफ गिर जाता है।

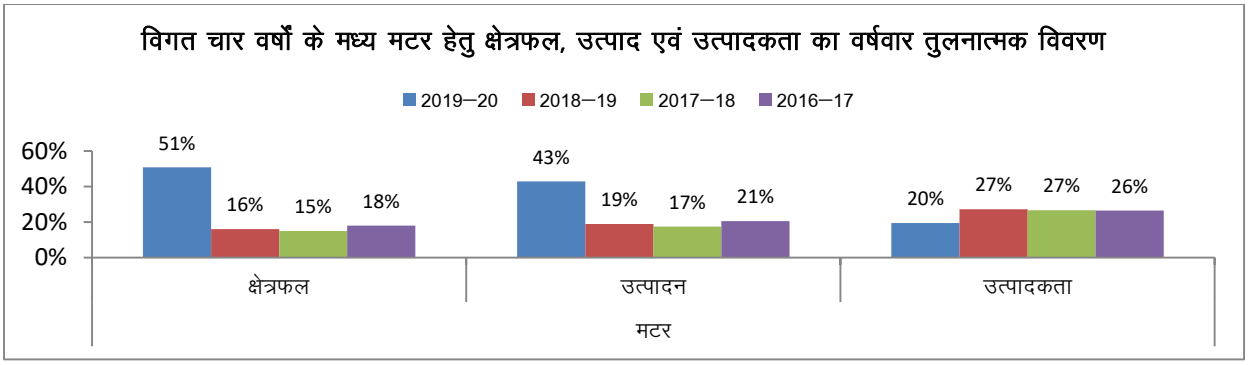

मसूर :– वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य मसूर की फसल के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि फसल के आच्छादित क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता के आंकड़ों में क्रमशः 02%, 09% तथा 07% की मामूली वृद्धि होती है। आंकड़ों को बढ़ाया जा सकता है।

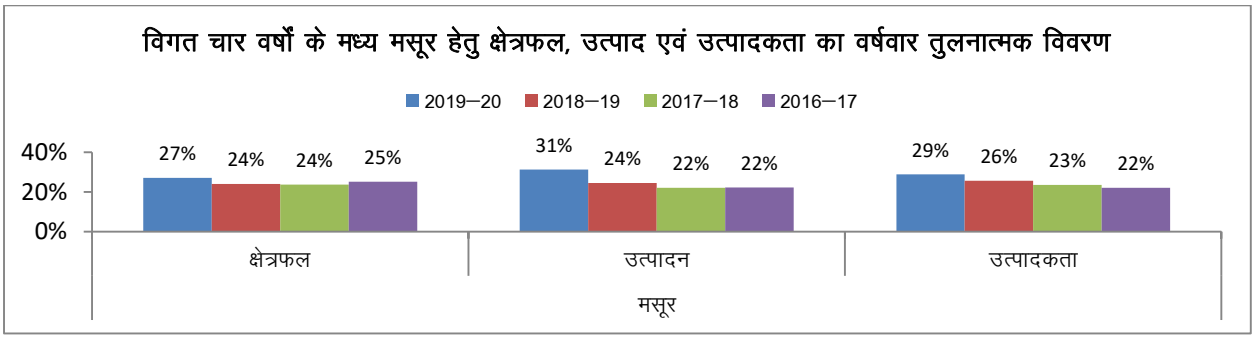

जनपद	वर्ष	कुल दालें (खी)			कुल खाद्यान (खी)			लाही/ सरसों/ तोरिया			अलसी		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
बलरामपुर	2019–20	800.00	882.00	11.03	6544.00	16457.00	25.15	888.00	972.00	10.95	0.00	0.00	0.00
	2018–19	633.00	667.00	10.54	7662.00	15692.00	20.48	689.00	723.00	10.50	0.00	0.00	0.00
	2017–18	611.00	598.00	9.79	7750.00	14813.00	19.11	623.00	652.00	10.47	0.00	0.00	0.00
	2016–17	674.00	617.00	9.15	8981.00	15546.00	17.31	516.00	531.00	10.29	0.00	0.00	0.00

सरसों :– पिछले चार वर्षों के दौरान वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य सरसों की फसल के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि फसल के आच्छादित क्षेत्रफल तथा उत्पादन के आंकड़ों में क्रमशः 13% एवं 16% वृद्धि होती है, किन्तु उत्पादकता में मात्र 02% की वृद्धि के आंकड़ें ही प्रलक्षित होते हैं। आंकड़ों को निम्नवत ग्राफ एवं उपरोक्त तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

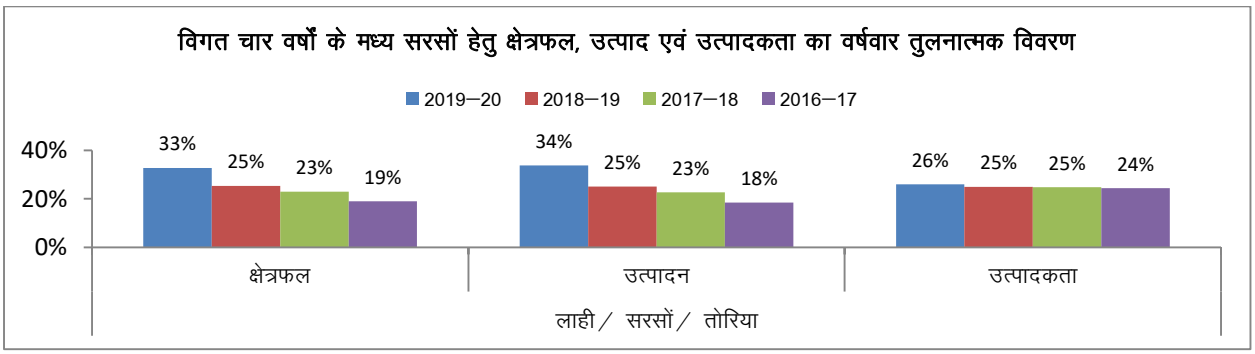

जनपद	वर्ष	अन्य रबी तिलहन			रबी तिलहन योग			चावल (जायद)			मक्का (जायद)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
रुद्रप्रयाग	2019–20	0.00	0.00	0.00	888.00	972.00	10.95	0.00	0.00	0.00	7.00	8.00	12.00
	2018–19	0.00	0.00	0.00	689.00	723.00	10.49	0.00	0.00	0.00	8.00	10.00	12.00
	2017–18	0.00	0.00	0.00	623.00	652.00	10.47	0.00	0.00	0.00	7.00	8.00	12.00
	2016–17	0.00	0.00	0.00	516.00	531.00	10.29	0.00	0.00	0.00	7.00	8.00	12.00

तिलहन :– वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य तिलहन की फसल के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि रबी तिलहन की फसल के आच्छादित क्षेत्रफल तथा उत्पादन के आंकड़ों में क्रमशः 14% एवं 16% वृद्धि होती है, किन्तु उत्पादकता में मात्र 02% की वृद्धि हुई।

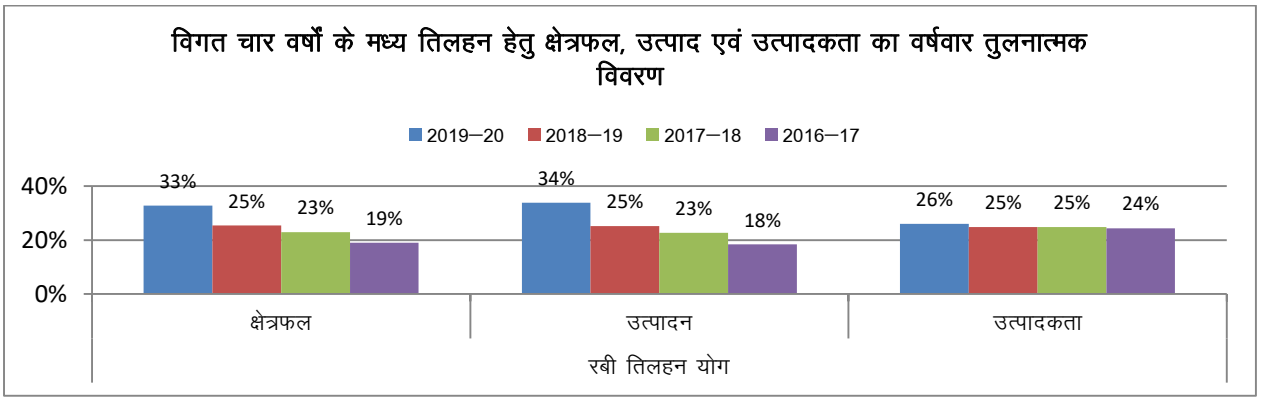

जायद फसल

मुख्य फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता के आंकडे

क्षेत्रफल– हेक्टेयर में, उत्पादन–मीट्रिक टन में, उत्पादकता– कुन्तल प्रति हेक्टेयर में

जनपद	वर्ष	अन्य धान्य (जायद)			कुल धान्य (जायद)			उर्द (जायद)			मूंग (जायद)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
रुद्रप्रयाग	2019–20	0.00	0.00	0.00	7.00	8.00	11.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	2018–19	0.00	0.00	0.00	8.00	10.00	12.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	2017–18	0.00	0.00	0.00	7.00	8.00	11.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	2016–17	0.00	0.00	0.00	7.00	8.00	11.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

जनपद	वर्ष	अन्य दालें (जायद)			कुल दालें (जायद)			कुल खाद्यान (जायद)			गन्ना		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
बलरामपुर	2019–20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.00	8.00	11.43	5.00	379.00	758.00
	2018–19	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.00	10.00	12.50	5.00	368.00	735.00
	2017–18	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.00	8.00	11.43	5.00	345.00	690.00
	2016–17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.00	9.00	11.25	19.00	1255.00	661.00

गन्ना :– वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य गन्ना की फसल हेतु आच्छादित क्षेत्रफल तथा उत्पादन के आंकड़ों में क्रमशः 41% एवं 37% गिरावट की अपेक्षा उत्पादकता के आंकड़ों में 04% की वृद्धि देखी जा सकती है।

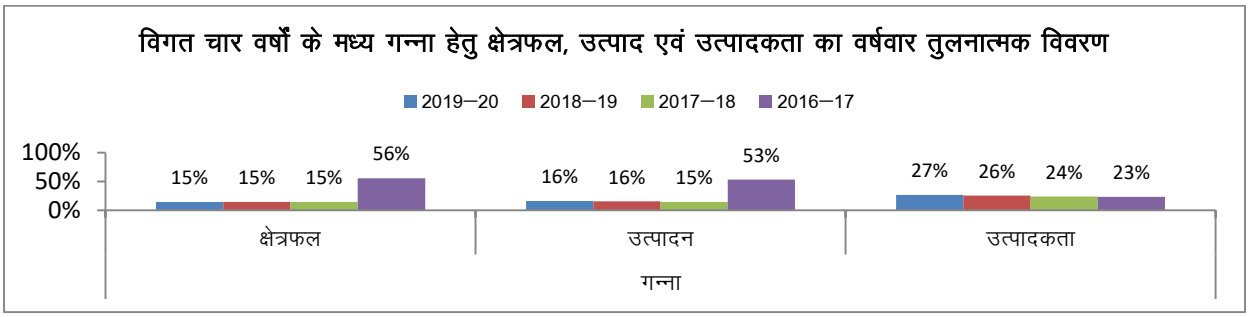

जनपद	वर्ष	आलू (खरीफ)			आलू (रबी)			कुल आलू			प्याज		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
बलरामपुर	2019–20	30.00	273.00	91.00	180.00	1927.00	107.06	210.00	2200.00	104.76	254.00	6609.00	260.20
	2018–19	0.00	0.00	0.00	219.00	2480.00	113.22	219.00	2480.00	113.24	279.00	7260.00	260.21
	2017–18	0.00	0.00	0.00	253.00	4233.00	167.31	253.00	4233.00	167.31	259.00	7144.00	275.82
	2016–17	10.00	92.00	92.00	83.00	826.00	99.52	93.00	918.00	96.26	287.00	1320.00	45.99

आलू :– पिछले चार वर्षों के दौरान वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य आलू की फसल हेतु आच्छादित क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता के आंकड़ों में क्रमशः 06%, 21% एवं 13% गिरावट देखी जा सकती है।

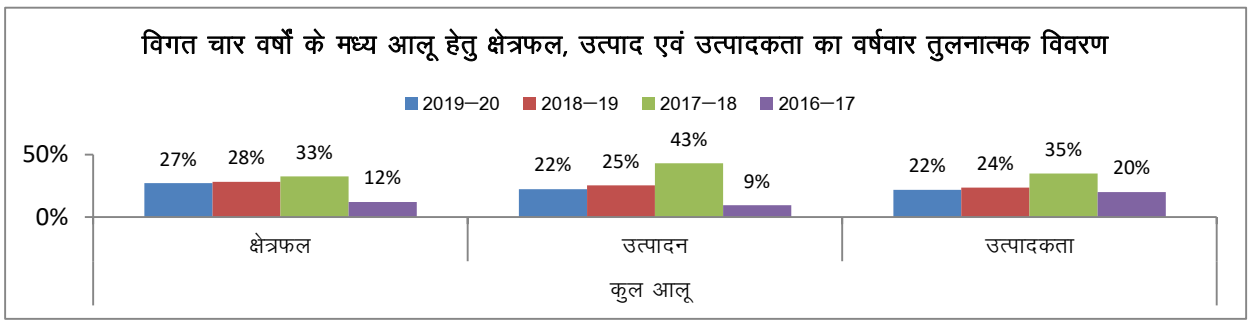

प्याज :– प्याज की फसल के पिछले चार वर्षों के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में वर्ष 2016–17 हेतु क्षेत्रफल के 27% आंकड़ों की अपेक्षा उत्पादन एवं उत्पादकता में क्रमश 21% और 22% का अधिकतम अन्तर रहता है। किन्तु वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य प्याज की फसल हेतु आच्छादित

क्षेत्रफल में 03% गिरावट के बाद भी उत्पादन तथा उत्पादकता के आंकड़ों में क्रमशः 24% व 26% की वृद्धि के आंकड़ें प्राप्त होतें हैं

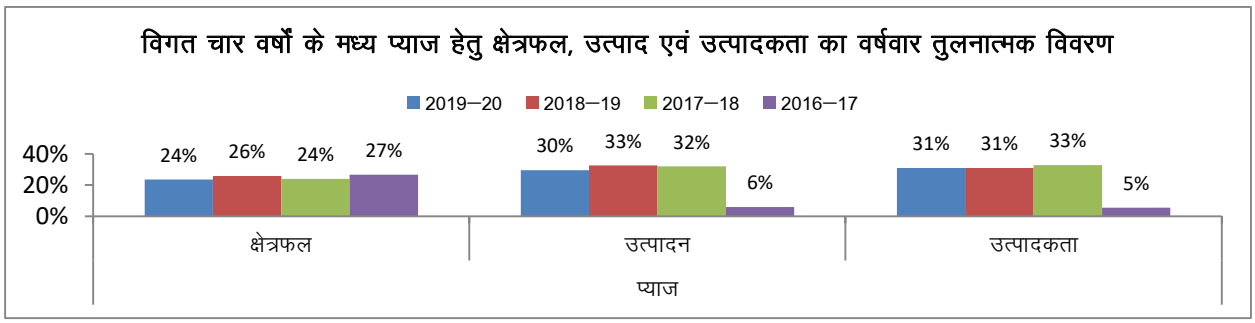

जनपद	वर्ष	अदरक			कुल चावल			कुल मक्का			सूरजमुखी		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
रूद्रप्रयाग	2019–20	452.00	6870.00	151.99	4446.00	6613.00	14.87	416.00	946.00	17.47	0.00	0.00	0.00
	2018–19	404.00	5082.00	125.80	5297.00	8154.00	15.39	605.00	1467.00	18.21	0.00	0.00	0.00
	2017–18	335.00	3607.00	107.68	5192.00	9112.00	17.55	488.00	1023.00	16.56	0.00	0.00	0.00
	2016–17	373.00	3510.00	94.00	6641.00	9422.00	14.00	563.00	700.00	12.00	0.00	0.00	0.00

अदरक :– पिछले चार वर्षों के दौरान अदरक की फसल के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य अदरक की फसल हेतु आच्छादित क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता के आंकड़ों में क्रमशः 05%, 18% एवं 12% बढ़ोत्तरी हई, जो विभाग द्वारा मिशन मोड में संचालित कार्यक्रम के तहत सम्भव हुआ है।

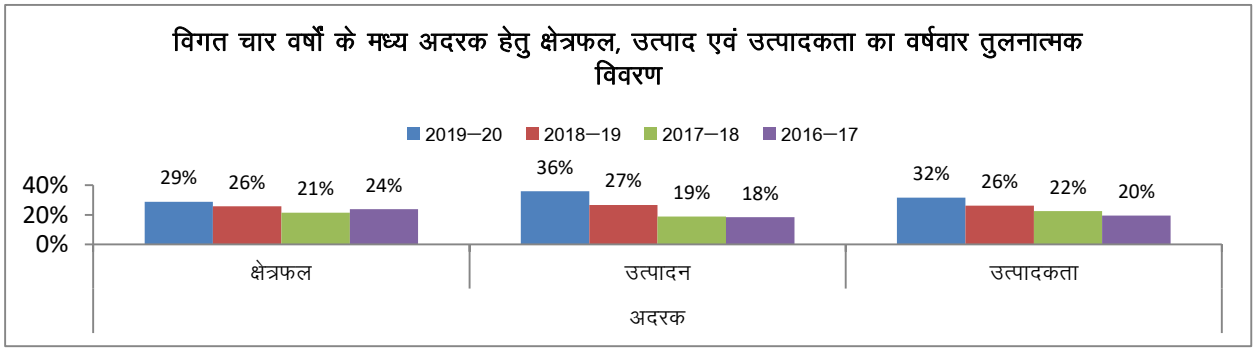

चावल :–चावल की फसल हेतु पिछले चार वर्षों के दौरान के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य सम्बन्धित फसल हेतु आच्छादित क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता के आंकड़ों में लगातार गिरावट का होना, कृषि क्षेत्र में ग्रामीणों का मोह भंग होना है। विभाग को इस ओर ध्यान देते हुए कार्ययोजना तैयार करनी की आवश्यकता है।

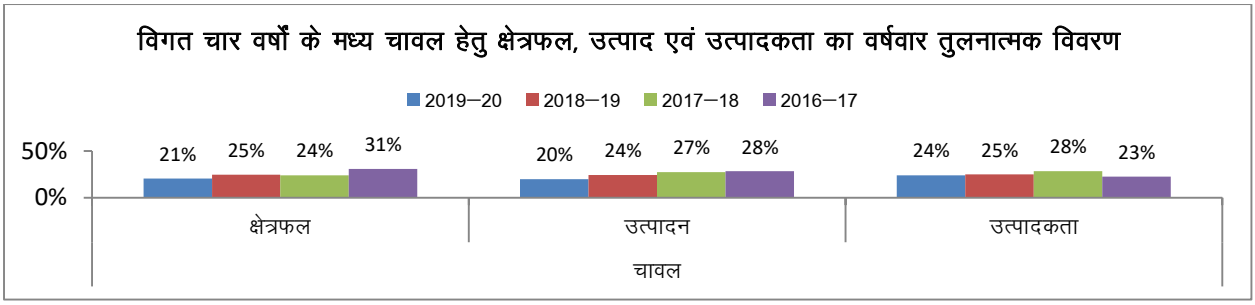

जनपद	वर्ष	कुल धान्य			कुल दालें			कुल खाद्यान्न			कुल तिलहन		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
चम्पावत	2019–20	14709.00	29624.00	18.07	2286.00	2460.00	10.76	16995.00	32084.00	18.88	1519.00	1616.00	10.64
	2018–19	18462.00	33320.00	18.05	2652.00	2804.00	10.57	21114.00	36124.00	17.11	1320.00	1523.00	11.54
	2017–18	18858.00	35181.00	18.66	2897.00	3144.00	10.85	21755.00	38325.00	17.62	1663.00	1679.00	10.10
	2016–17	20965.00	33448.00	16.49	1993.00	1896.00	9.58	22958.00	35344.00	15.66	1240.00	1244.00	10.15

कृषि विभाग से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि जनपद चम्पावत के अन्तर्गत खरीफ की फसल हेतु आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों के सापेक्ष रबी और जायद की फसलों के आंकड़ें क्रमशः 25. 26% व 62.57% नीचे हैं, इसी तरह उत्पादन के क्षेत्र में भी क्रमशः 11.86% व 55.90% नीचे होने की पुष्ठि होती है। जबकि इसके विपरीत उत्पादकता के लिए जायद की फसल हेतु प्राप्त आंकड़ों की अपेक्षा खरीफ और रबी की फसलों के आंकड़ों में 63.10% व 66.31% की गिरावट देखी जा सकती है।

	खरीफ की फसल			रबी की फसल			जायद की फसल			महायोग		
वर्ष	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
2019–20	10444	15619	13.06	6544	16457	10.57	7	8	79.33	16995	32084	102.96
2018–19	13444	20422	12.85	7662	15692	9.87	8	10	73.17	21114	36124	95.89
2017–18	13998	23504	13.26	7750	14813	9.48	7	8	76.12	21755	38325	98.86
2016–17	13977	19798	11.19	8981	15546	8.37	8	9	59.47	22966	35353	79.03
जनपद योग	51863	79343	12.59	30937	62508	9.57	30	35	72.02	82830	141886	97.185
जनपद प्रतिशत	**62.61%**	**55.92%**	**12.95%**	**37.35%**	**44.06%**	**9.85%**	**0.04%**	**0.02%**	**74.11%**	**NA**	**NA**	**NA**

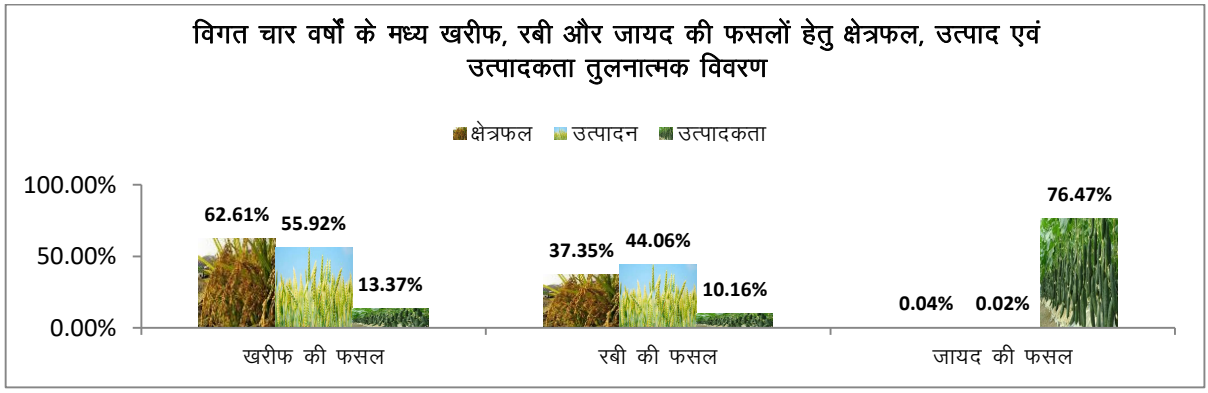

मत्स्य विकास

विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष संघटक योजनान्तर्गत मत्स्य तालाब निर्माण, ब्लू रिवोल्यूशन योजना, पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण, पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाब निर्माण, अनुसूचित जाति योजनान्तर्गत मत्स्य तालाब निर्माण, पर्वतीय तालाब सुधार (एस0सी0पी0),

रनिंग वाटर कच्चा तालाब निर्माण (सामान्य) तथा समन्वित मत्स्य पालन (एस0सी0पी0) की योजनाओं के तहत तालाब निर्माण करवाया जा रहा है।

जनपद के ठण्डे इलाकों में सिल्वर, ग्रास और कॉमन कार्प एवं गर्म इलाकों में सिल्वर, ग्रास, कॉमन रौहू, कतला के साथ–साथ मिर्गल प्रजाति की मछलियों का पालन करते हुए, प्रतिवर्ष कुल 20 कुन्तल का उत्पादन कर लोकल बाजार में न्यूनतम रूपये 250 प्रति किग्रा के दर पर आपूर्ति की जाती है।

विभाग के विगत चार वर्षों के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि रूपये 76.66 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 1.069 हैक्टेयर क्षेत्र को आच्छादित कर 120 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। मत्स्यपालन हेतु तालाब निर्माण में विकासखण्ड पाटी और चम्पावत का सबसे अधिक तथा विकासखण्ड लोहाघाट और बाराकोट का सबसे कम योगदान रहा।

विभाग को विकासखण्ड चम्पावत और पाटी के अलावा विकासखण्ड लोहाघाट एवं बाराकोट में क्षेत्र विशेष का सर्वेक्षण कर अधिक से अधिक परिवारों को रोजगार से जोड़ने हेतु कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, क्योंकि ये विकासखण्ड मत्स्य विभाग की कई योजनाओं से वंचित चल रहे हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

मत्स्य विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत लाभार्थियों एवं अनुदानित धनराशि का विकासखण्डवार विवरण			
विकासखण्ड	**लाभार्थियों की संख्या**	**अनुदानित धनराशि**	**क्षेत्रफल (है0 में)**
चम्पावत	51	27.20	0.467
लोहाघाट	3	0.92	0.020
पाटी	59	44.95	0.530
बाराकोट	7	3.59	0.052
योग	**120**	**76.66**	**1.069**

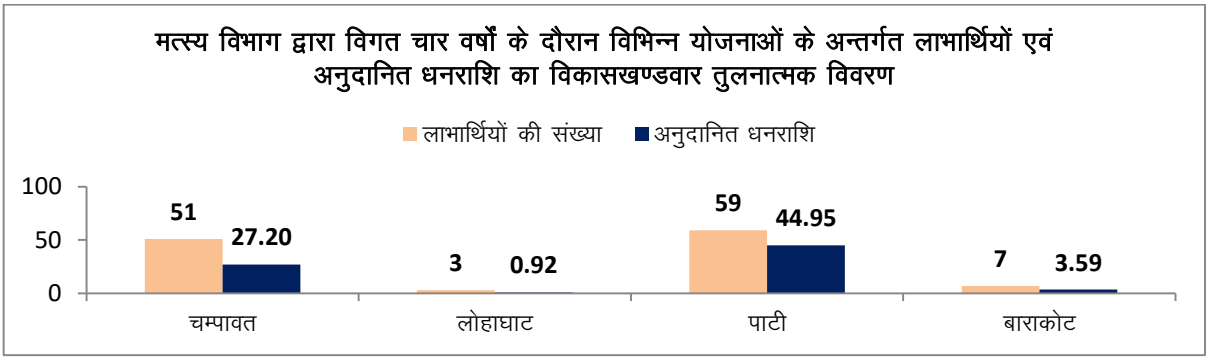

मत्स्य विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान विषेष संघटक योजनान्तर्गत मत्स्य तालाब निर्माण के अन्तर्गत लाभार्थियों एवं अनुदानित धनराशि का विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण			
विकासखण्ड	लाभार्थियों की संख्या	अनुदानित धनराशि	क्षेत्रफल (है0 में)
चम्पावत	17	9.36	0.18
लोहाघाट	1	0.42	0.010
पाटी	11	6.42	0.110

बाराकोट	1	0.42	0.010
योग	**30**	**16.62**	**0.31**

मत्स्य विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान ब्लू रिवोल्यूषन योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों एवं अनुदानित धनराशि का विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण			
विकासखण्ड	लाभार्थियों की संख्या	अनुदानित धनराशि	क्षेत्रफल (है0 में)
चम्पावत	3	1.82	0.04
लोहाघाट	0	0	0
पाटी	4	16.20	0.045
बाराकोट	0	0	0
योग	**7**	**18.02**	**0.085**

मत्स्य विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण के अन्तर्गत लाभार्थियों एवं अनुदानित धनराशि का विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण			
विकासखण्ड	लाभार्थियों की संख्या	अनुदानित धनराशि	क्षेत्रफल (है0 में)
चम्पावत	13	3.75	0.075
लोहाघाट	2	0.5	0.01
पाटी	19	5.75	0.115
बाराकोट	0	0	0
योग	**34**	**10**	**0.2**

मत्स्य विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान **पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्ष मत्स्य तालाब निर्माण** के अन्तर्गत लाभार्थियों एवं अनुदानित धनराशि का विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण			
विकासखण्ड	लाभार्थियों की संख्या	अनुदानित धनराशि	क्षेत्रफल (है0 में)
चम्पावत	9	6	0.09
लोहाघाट	0	0	0
पाटी	13	8.00	0.120
बाराकोट	2	0.5	0.01
योग	**24**	**14.5**	**0.22**

मत्स्य विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान **पर्वतीय क्षेत्रों में अनुसूचित जाति योजनान्तर्गत मत्स्य तालाब निर्माण** के अन्तर्गत लाभार्थियों एवं अनुदानित धनराशि का विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण			
विकासखण्ड	लाभार्थियों की संख्या	अनुदानित धनराशि	क्षेत्रफल (है0 में)
चम्पावत	7	5.04	0.07
लोहाघाट	0	0	0
पाटी	7	5.04	0.070
बाराकोट	2	1.44	0.02
योग	**16**	**11.52**	**0.16**

मत्स्य विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान **मत्स्य पालन विविधीकरण योजनान्तर्गत बत्तख बाडा निर्माण,पर्वतीय तालाब सुधार (एस0सी0पी0), रनिंग वाटर कच्चा तालाब निर्माण (सामान्य)** योजनाओं के अन्तर्गत लाभार्थियों एवं अनुदानित धनराशि का विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण			
विकासखण्ड	लाभार्थियों की संख्या	अनुदानित धनराशि	क्षेत्रफल (है0 में)
चम्पावत	2	1.23	0.012
लोहाघाट	0	0	0
पाटी	5	2.04	0.050
बाराकोट	2	1.23	0.012
योग	**9**	**4.5**	**0.074**

जिला भेषज इकाई (उद्यान)

जिला भेषज इकाई द्वारा मुख्यमंत्री जड़ी–बूटी विकास योजना के अन्तर्गत जड़ी–बूटी पौध वितरण का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। आंकड़ों के अध्ययन से पुष्ठि होती है कि विकासखण्ड चम्पावत में योजना वर्ष 2016–17, विकासखण्ड लोहाघाट में वर्ष 2017–18 एवं विकासखण्ड बाराकोट में वर्ष 2018–19 में शुरूवात करवाई गयी किन्तु अभी तक विकासखण्ड पाटी उक्त योजना से वंचित है।

जनपद में भेषज इकाई द्वारा चम्पावत विकासखण्ड के अतिरिक्त अन्य विकासखण्डों में भी मुख्यमंत्री जड़ी–बूटी योजना की कोई अच्छी उपलब्धि देखी जाती जबकि उक्त क्षेत्र में भी लम्बे समय अर्थात पेंशन रूपी रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं, भेषज इकाई को जनपद का सर्वेक्षण करवाकर स्थल चिहिन्त करते हुए ग्रामीणों को इस क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने के लिए कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं एवं ग्राफों में प्रदर्शित किया गया है।

जनपद चम्पावत में मुख्यमंत्री जड़ी–बूटी विकास योजना अन्तर्गत जड़ी–बूटी वृक्षारोपण कार्य की प्रगति का वर्षवार विवरण							
क्र0 सं0	**वर्ष**	**कलस्टर का नाम**	**विकासखण्ड**	**प्रजाति का नाम**	**कृषक संख्या**	**रोपित पौध संख्या**	**आच्छादित क्षेत्रफल नाली में**
1	2016–17	टनकपुर	चम्पावत	ग्राफटेड आंवला	116	1110	111
2		वनवसा			261	2010	201

3		मनिहास गौठ, सैलानी गोठ			139	880	80
योग					**516**	**4000**	**392**
1	2017–18	वनवसा	चम्पावत	ग्राफटेड आंवला	127	1250	125
2		जौल			150	750	75
3		सुखीढांग		तेजपात	250	3500	350
4		दुबड़ जैनल			118	1875	187.50
5		पुल्ला	लोहाघाट	तेजपात	99	1625	162.50
योग					**744**	**9000**	**900**
1	2018–19	सिप्टी सनिया	चम्पावत	ग्राफटेड आंवला	83	2860	286
2		दूबड़ जैनल			856	2980	298
3		बापरू	बाराकोट	ग्राफटेड आंवला	102	2670	267
4				तेजपात	94	1660	272
योग					**1135**	**10170**	**1123**
1	2019–20	चौमेल	लोहाघाट	तेजपात	50	2500	250
2		दुबड़ जैनल	चम्पावत	तेजपात	85	2500	250
3		सिप्टी	चम्पावत	तेजपात	104	5000	500
4				ग्राफटेड आंवला	26	360	60
5		ग्वीनाड़ा	बाराकोट	ग्राफटेड आंवला	40	900	150
योग					**305**	**11260**	**1210**
योग जनपद					**2700**	**34430**	**3625**

जनपद में विगत चार वर्षों के दौरान जड़ी–बूटी पौध वितरण का प्रजातिवार आंकड़ों का विवरण

विकासखण्ड	कलस्टर का नाम	प्रजाति का नाम	कृषक संख्या	रोपित पौध संख्या	आच्छादित क्षेत्रफल नाली में
चम्पावत	9	आंवला	1758	12200	1236
	4	तेजपात	557	12875	1287.5
लोहाघाट	0	आंवला	0	0	0
	2	तेजपात	149	4125	412.5
बाराकोट	2	आंवला	142	3570	417

	1	तेजपात	94	1660	272
पाटी	0	आंवला	0	0	0
	0	तेजपात	0	0	0
4	**18**	**2**	**2700**	**34430**	**3625**

विगत चारों वर्षों के मध्य जड़ी–बूटी पौध वितरण का विवरण				
विकासखण्ड	कलस्टर संख्या	कृषक संख्या	रोपित पौध संख्या	आच्छादित क्षेत्रफल नाली में
चम्पावत	13	2315	25075	2523.5
लोहाघाट	2	149	4125	412.5
बाराकोट	3	236	5230	689
पाटी	0	0	0	0
योग	**18**	**2700**	**34430**	**3625**

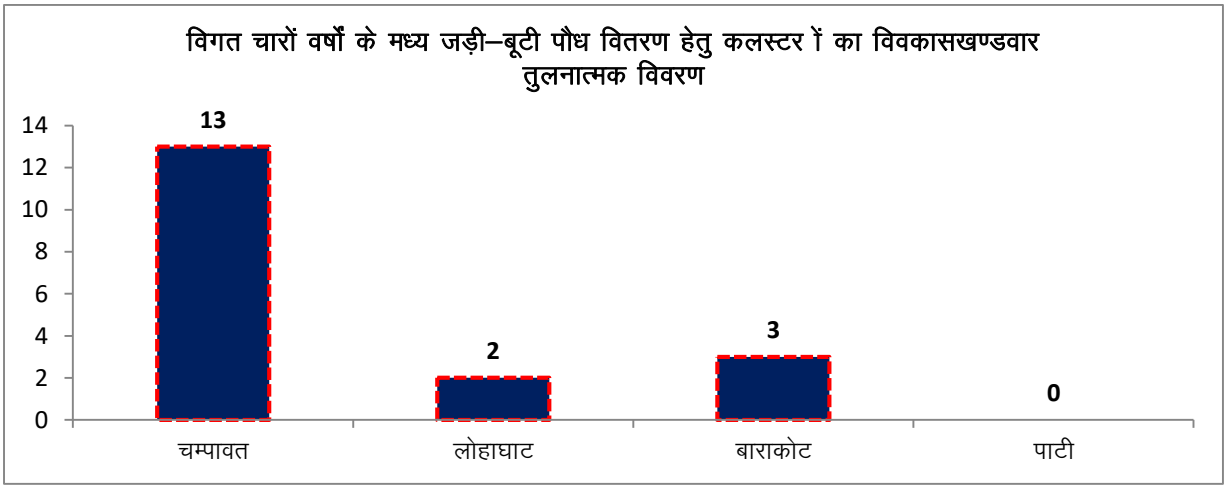

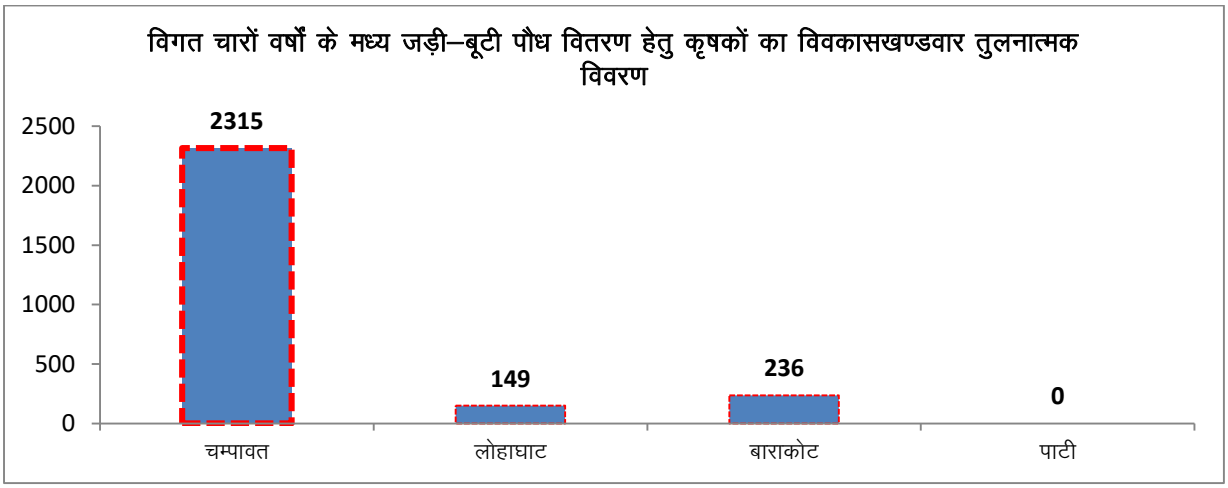

उद्योग विकास

उद्योग विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के द्वारा बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत लघु उद्यमों की स्थापना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, एम0एस0एम0ई0, हथकरघा/हस्तशिल्प/लघु उद्योग श्रेणी में जिला स्तरीय पुरस्कार योजना, उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा एस0सी0एस0टी हब योजना का जनपद में संचालन करवाया जा रहा है।

विभाग द्वारा उल्लेखित सभी योजनाओं के अन्तर्गत कुल रूपये 5305.028 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए जनपद में कुल 936 सूक्ष्म एवं लघु उद्यम स्थापित करवाये गये हैं। जिसमें विकासखण्ड चम्पावत में सबसे अधिक 435 उद्यम तथा सबसे कम विकासखण्ड बाराकोट में 121 उद्यमों के माध्यम से जनपद में योगदान किया गया है।

विभाग द्वारा पिछले वर्षों में सबसे अधिक वर्ष 2019–20 में 270 उद्यम तथा सबसे कम वर्ष 2016–17 में 201 उद्यम स्थापित करवाये गये जबकि इसके सापेक्ष परिव्यय वर्ष 2016–17 में सबसे अधिक रूपये 1975 लाख व सबसे कम वर्ष 2019–20 में रूपये 893 लाख की धनराशि रही जो कि उद्यम स्थापित के ठीक विपरीत है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं और ग्राफों में प्रदर्शित किये गये हैं।

जनपद चम्पावत के अर्न्तगत विगत चार वर्षों के मध्य सम्पादित सभी योजनाओं हेतु भौतिक एवं वित्तीय आंकड़ों का वर्षवार/विकासखण्डवार विवरण

क्र0सं0	वर्ष	विकासखण्ड	लक्ष्य पूर्ति	पूंजी निवेश (लाख रू0 में)
1	2016–17	चम्पावत	92	1666.69
		लोहाघाट	56	228.82
		बाराकोट	24	51.04
		पाटी	29	27.96
2	2017–18	चम्पावत	104	666.81
		लोहाघाट	57	325.276
		बाराकोट	28	73.176
		पाटी	41	77.656
3	2018–19	चम्पावत	107	1060.03
		लोहाघाट	56	103.85
		बाराकोट	37	60.734
		पाटी	35	70.026
4	2019–20	चम्पावत	132	567.41
		लोहाघाट	77	230.52
		बाराकोट	32	27.58
		पाटी	29	67.45
योग			**936**	**5305.028**

विगत चार वर्षों के मध्य सम्पादित सभी योजनाओं हेतु भौतिक एवं वित्तीय आंकड़ों का विकासखण्डवार विवरण		
विकासखण्ड	वार्षिक प्रगति	पूंजी निवेश (लाख रू0 में)
चम्पावत	435	3960.94
लोहाघाट	246	888.466
बाराकोट	121	212.53
पाटी	134	243.092
योग	**936**	**5305.03**

लक्ष्य पूर्ति का वर्षवार एवं विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण					
	चम्पावत	लोहाघाट	बाराकोट	पाटी	योग
2016–17	92	56	24	29	201
2017–18	104	57	28	41	230
2018–19	107	56	37	35	235
2019–20	132	77	32	29	270
योग	435	246	121	134	936

पूंजीविनेश का वर्षवार एवं विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण					
वर्ष / विकासखण्ड	चम्पावत	लोहाघाट	बाराकोट	पाटी	योग
2016–17	1666.69	228.82	51.04	27.96	1975
2017–18	666.81	325.276	73.176	77.656	1143
2018–19	1060.03	103.85	60.734	70.026	1295
2019–20	567.41	230.52	27.58	67.45	893
योग	**3960.94**	**888.466**	**212.53**	**243.092**	**5305**

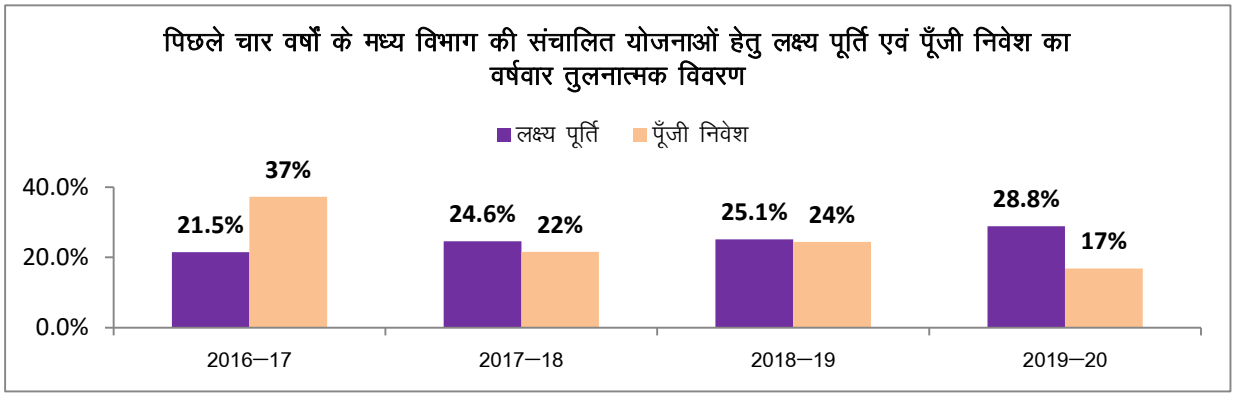

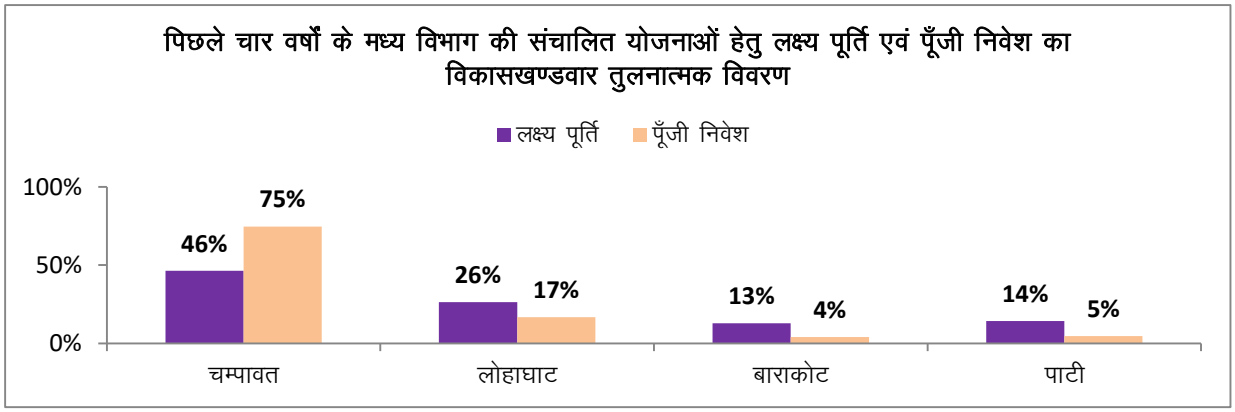

जनपद चम्पावत के अर्न्तगत संपादित की जा रही योजनाओं का वर्षवार/ विकासखण्डवार विवरण

क्र0सं0	वर्ष	विकासखण्ड	बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अर्न्तगत लघु उद्यमों की स्थापना		प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना		एम0एस0एम0ई0	
			लक्ष्य पूर्ति	पूंजी निवेश (लाख रू0 में)	लक्ष्य पूर्ति	पूंजी निवेश (लाख रू0 में)	लक्ष्य पूर्ति	पूंजी निवेश (लाख रू0 में)
1	2016–17	चम्पावत	60	833.00	21	38.94	10	794.00
		लोहाघाट	32	213.00	21	14.95	0	0.00
		बाराकोट	11	29.00	10	7.25	1	14.00
		पाटी	12	15.00	13	12.07	0	0.00
2	2017–18	चम्पावत	66	387.00	32	78.67	3	201.00
		लोहाघाट	29	228.00	20	40.00	2	57.00
		बाराकोट	10	46.00	14	27.00	0	0
		पाटी	20	48.00	16	29.42	0	0
3	2018–19	चम्पावत	80	1019.00	20	38.67	2	0.10
		लोहाघाट	32	83.00	10	20.17	3	0.14
		बाराकोट	12	48.00	6	12.13	0	0.00
		पाटी	16	53.00	10	16.00	1	0.06
4	2019–20	चम्पावत	92	493.00	34	71.6	1	0.06
		लोहाघाट	40	171.00	24	58.01	2	0.08

		बाराकोट	7	15.00	6	10.98	0	0
		पाटी	13	58.00	5	8.00	3	0.16
योग			**532**	**3739**	**262**	**483.86**	**28**	**1066.6**

जनपद चम्पावत के अर्न्तगत संपादित की जा रही योजनाओं का वर्षवार/ विकासखण्डवार विवरण

क्र0 सं0	वर्ष	विकासखण्ड	हथकरघा/हस्तशिल्प/लघु उद्योग श्रेणी में जिला स्तरीय पुरष्कार योजना		उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम		एस0सी0एस0टी हब योजना	
			लक्ष्य पूर्ति	पूंजी निवेश (लाख रू0 में)	लक्ष्य पूर्ति	पूंजी निवेश (लाख रू0 में)	लक्ष्य पूर्ति	पूंजी निवेश (लाख रू0 में)
1	2016–17	चम्पावत	0	0	1	0.75	0	0
		लोहाघाट	2	0.12	1	0.75	0	0
		बाराकोट	1	0.04	1	0.75	0	0
		पाटी	3	0.14	1	0.75	0	0
2	2017–18	चम्पावत	3	0.14	0	0	0	0
		लोहाघाट	2	0.10	4	0.176	0	0
		बाराकोट	0	0	4	0.176	0	0
		पाटी	1	0.06	4	0.176	0	0
3	2018–19	चम्पावत	0	0	2	1.5	3	0.76
		लोहाघाट	10	0.24	0	0	1	0.30
		बाराकोट	18	0.304	0	0	1	0.30
		पाटी	7	0.216	1	0.75	0	0
4	2019–20	चम्पावत	0	0	3	2.25	2	0.5
		लोहाघाट	9	0.43	1	0.75	1	0.25
		बाराकोट	18	0.85	1	0.75	0	0
		पाटी	6	0.29	1	0.75	1	0.25
योग			**80**	**2.93**	**25**	**10.278**	**9**	**2.36**

जनपद में बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अर्न्तगत लघु उद्यमों की स्थापना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में ही प्रगति अन्य सभी योजनाओं की अपेक्षा संतोषजनक रहती है। विभाग द्वारा इन योजनाओं के साथ–साथ अन्य योजनाओं के आंकड़ों में भी वृद्धि हेतु ठोस रणनीति तैयार करनी चाहिए। आंकड़ें निम्नवत ग्राफ में दर्शाये गये हैं।

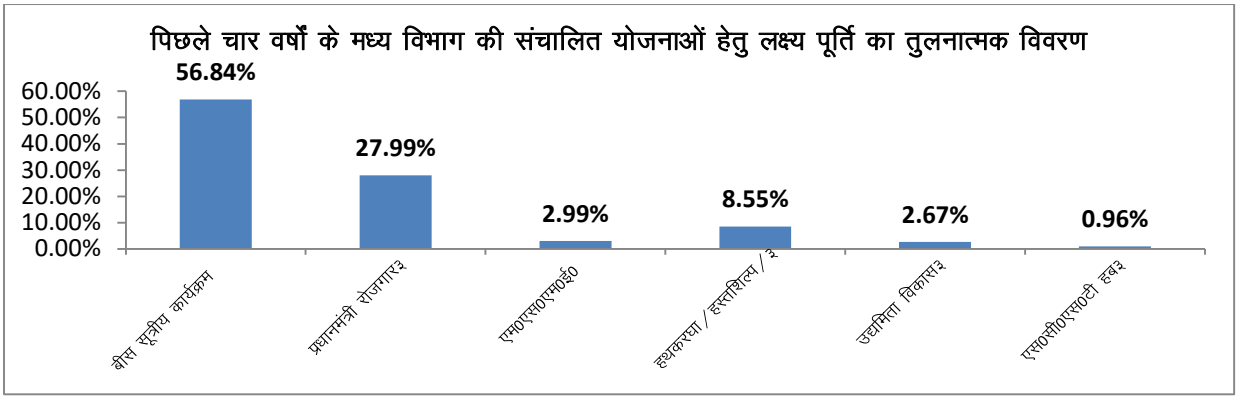

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम

देश के बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की 15 अगस्त 2008 को शुरूवात की गयी है। इस योजना के अन्तर्गत देश के बेरोजगार युवाओं द्वारा अपना खुद का रोजगार शुरू करने के लिए रूपये 10 से 25 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान किया गया है। योजना का लाभ देश के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवा ले सकते हैं। PMEGP स्कीम 2021 के तहत अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को लाभ देने का केन्द्र सरकार का लक्ष्य है।

जनपद चम्पावत में इस योजना के तहत विगत चार सालों के मध्य लाभान्वित बेरोजगारों का विकासखण्डवार विवरण निम्नवत तालिकाओं में दर्शाया गया है।

विकासखण्ड	वर्ष 2016–17 **(धनराशि लाख में)**			वर्ष 2017–18 **(धनराशि लाख में)**		
	लाभार्थी	ऋण धनराशि	मा0मनी	लाभार्थी	ऋण धनराशि	मा0मनी
चम्पावत	15	73.00	25.55	26	144.50	50.58
लोहाघाट	10	43.00	15.05	15	92.75	32.46
बाराकोट	3	9.00	3.15	9	37.50	13.13
पाटी	5	16.00	5.60	11	44.50	15.58
योग	33	141.00	49.35	61	319.25	111.74

विकासखण्ड	वर्ष 2018–19**(धनराशि लाख में)**			वर्ष 2019–20**(धनराशि लाख में)**		
	लाभार्थी	ऋण धनराशि	मा0मनी	लाभार्थी	ऋण धनराशि	मा0मनी
चम्पावत	12	71.00	24.85	19	130.50	45.68
लोहाघाट	17	80.00	28.00	19	102.16	35.76
बाराकोट	6	27.00	9.45	6	43.00	15.05
पाटी	1	5.00	1.75	1	1.50	0.53
योग	36	183.00	64.05	45	277.16	97.01

विकासखण्ड	विगत चार वर्षों का योग

	लाभार्थी	ऋण धनराशि	मा0मनी	व्यवसायित धनराशि
चम्पावत	72	419.00	146.65	565.65
लोहाघाट	61	317.91	111.27	429.18
बाराकोट	24	116.50	40.78	157.28
पाटी	18	67.00	23.45	90.45
योग जनपद	175	920.41	322.14	1242.55

खादी एवं ग्रामोद्योग द्वारा वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत कुल 175 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। जिसमें बाराकोट एवं पाटी विकासखण्ड की स्थिति अन्य विकासखण्ड़ों के सापेक्ष सन्तोष जनक नहीं है। विभाग को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

विकासखण्ड लोहाघाट द्वारा रूपये 429.18 लाख का परिव्यय करते हुए 61 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया जबकि विकासखण्ड चम्पावत द्वारा रूपये 136.47 लाख का और अधिक परिव्यय करते हुए मात्र 11 लाभार्थियों को ही रोजगार दिया गया अर्थात विकासखण्ड चम्पावत में लाभार्थियों द्वारा ऋण की धनराशि व्यवसाय की व्यापकता को देखते हुए अधिक उपभोग की गयी। इसी तर्ज पर विकासखण्ड बाराकोट और पाटी के लाभार्थियों द्वारा भी किया गया। जनपद में ऋण की अधिकतम धनराशि रूपये 10.00 लाख की रही है। जनपद में PMEGP स्कीम के लाभांश का विकासखण्डवार विवरण निम्नवत ग्राफों से भी समझा जा सकता है।

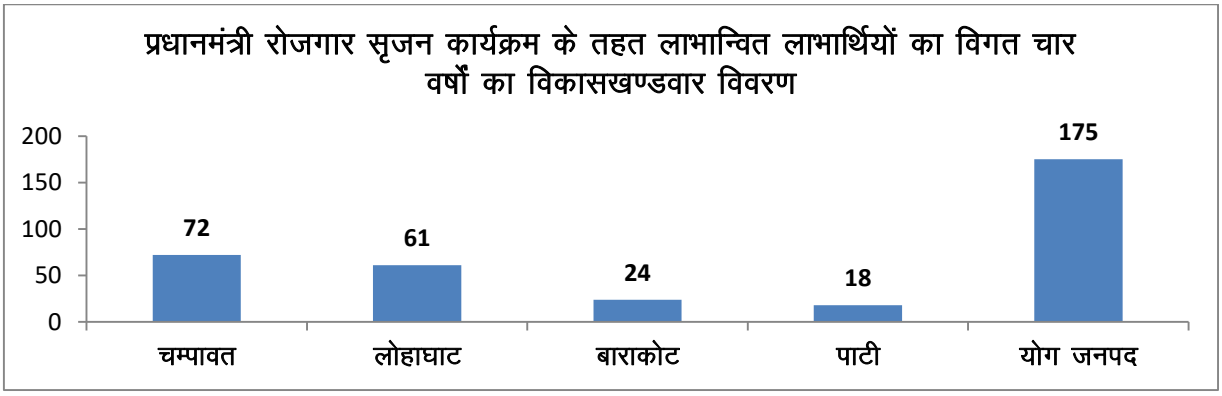

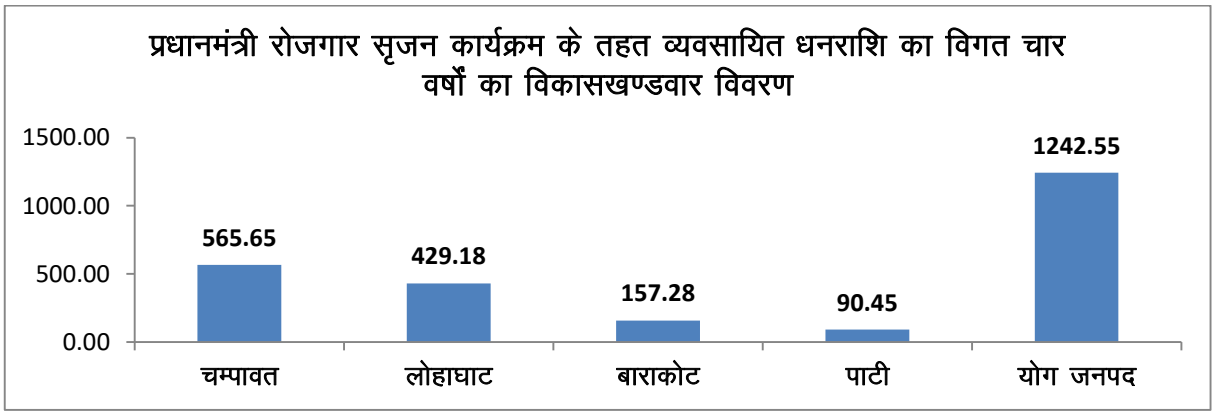

❖ **व्यक्तिगत ब्याज उपादान योजना :–** राज्य सरकार द्वारा जिला योजना के अन्तर्गत व्यक्तिगत ब्याज उपादान योजना ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध कच्चे माल के आधार पर उद्योग स्थापित करने के उद्देश्य से रूपये 5.00 लाख तक का उद्योग स्थापित किया जाता है। योजनान्तर्गत उद्यमी को परियोजना के बैंक वित्त पर ब्याज का 4 प्रतिशत भुगतान वहन करना होता है एवं अन्तर बैंक वित्त ब्याज की अधिकतम 10 प्रतिशत तक धनराशि विभाग द्वारा वहन किया जाता है। योजना के वर्ष 2016–17 के आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं। जो वर्तमान में संचालित नहीं है।

विकासखण्ड	वर्ष 2016–17(**धनराशि लाख में**)		
	लाभार्थी	ऋण धनराशि	अनुमन्य मा0मनी
चम्पावत	6	15.50	4%
लोहाघाट	7	23.00	4%
बाराकोट	3	5.50	4%
पाटी	6	6.50	4%
योग	22	50.50	4%

योजना को पुनः शुरू करने की आवश्यकता है क्योंकि कम लागत में अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा सकता है इससे ग्रामीण क्षेत्र की सामाजिक–आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

❖ **मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना :–** इस योजना के तहत उत्तराखण्ड के बेरोजगार युवाओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने हेतु सरकार द्वारा सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें युवाओं का हुनर हो। जनपद में इस योजना के अन्तर्गत कुल 856 अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन किया गया जिसमें विभाग द्वारा 71% आवेदन बैंको को प्रेषित किये गये। जिसमें से बैंकों द्वारा 47% आवेदकों को ही वित्तपोषित किया गया है। अर्थात 53 आवेदनों पर बैंक और 29 आवेदनों पर विभाग द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गयी है।

❖ विभाग की इस योजना का विकासखण्डवार आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि सबसे अधिक आवेदन विकासखण्ड चम्पावत और पाटी के बैंकों में हैं जिन पर अभी भी बैंकों द्वारा कोई भी कार्यवाही अमल में नहीं लाई गयी है।

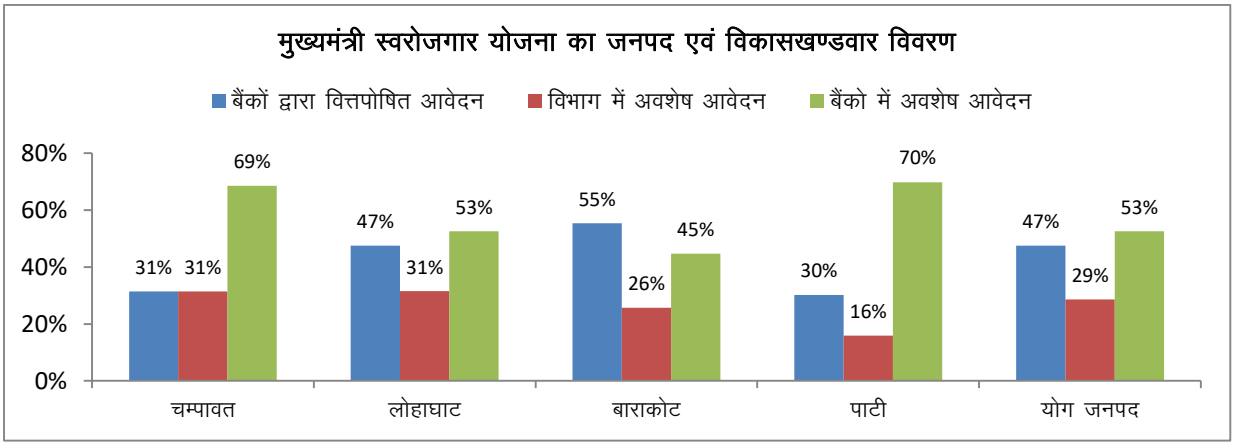

❖ विभाग को शीघ्रातिशीघ्र ठोस कार्यवाही करते हुए सभी विकासखण्ड़ों में एम0एस0वाई0 का प्रचार प्रसार करते हुए अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को रोजगार की धारा से जोड़ने का प्रस्ताव तैयार करना चाहिए एवं बैंकों के साथ सम्पर्क करते हुए वित्तपोषण की कार्यवाही करवानी चाहिए।

वर्ष 2020–21 हेतु मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का विवरण						
क्र0 स0	विकासखण्ड	प्राप्त आवेदन	बैंको को प्रेषित आवेदन	बैंकों द्वारा वित्तपोषित आवेदन	विभाग में अवशेष आवेदन	बैंको में अवशेष आवेदन
1	चम्पावत	51	35	11	16	24
2	लोहाघाट	489	335	159	154	176
3	बाराकोट	253	188	104	65	84
4	पाटी	63	53	16	10	37
योग		**856**	**611**	**290**	**245**	**321**

चाय विकास बोर्ड

उत्तराखण्ड राज्य के पर्वतीय/ग्रामीण क्षेत्रों में चाय विकास की अपार सम्भावनाओं के साथ–साथ रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण क्षेत्र से हो रहे पलायन को रोकने हेतु उत्तराखण्ड चाय विकास बोर्ड द्वारा जनपद चम्पावत के पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं (उप परियोजना, स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान, मनरेगा) के अन्तर्गत चाय विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। बोर्ड द्वारा वर्तमान में कुल 220.48 हैक्टेयर क्षेत्रफल में चाय बागान स्थापित किये जा चुके हैं।

बोर्ड द्वारा दार्जिलिंग के पर्वतीय क्षेत्रों में स्थापित चाय बागानों की तर्ज पर उत्तराखण्ड राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में भी चाय बागान स्थापित किये गये हैं, तथा दार्जिलिंग में तैयार की जा रही आर्थोडॉक्स चाय की तर्ज पर बोर्ड द्वारा भी आर्थोडॉक्स चाय चम्पावत जनपद में निर्मित की जा रही है।

बोर्ड द्वारा चम्पावत की कुल 313 ग्राम पंचायतों में से विगत चार सालों के मध्य मात्र 22 ग्राम पंचायतों में ही चाय उत्पादन का कार्य करवाया जा रहा है, जो कि बहुत न्यूनतम आंकड़ा है। बोर्ड द्वारा इन ग्राम पंचायतों के 422 परिवारों को लाभान्वित करते हुए 11% पुरूषों तथा 89% महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया गया। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि चाय कार्यक्रम में पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं का योगदान अधिक है, इस तरह के आंकड़ें भी जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन की भी पुष्ठि करते हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दशाये गये हैं।

चाय विकास कार्यक्रम का वर्षवार एवं विकासखण्डवार रोजगार उपलब्धता का विवरण						
वर्ष	विकासखण्ड	आच्छादित क्षेत्रफल (है0)	लाभान्वित ग्राम सभायें	लाभान्वित परिवारों की संख्या	लाभान्वित श्रमिक	
					पुरूष	महिला
2016–17	चम्पावत	167.97	13	260	29	308
	लोहाघाट	22.14	06	29	11	47
	पाटी	10.10	01	14	0	19
	बाराकोट	0.00	–	0	0	0
योग		**200.21**	20	**303**	**40**	**374**
2017–18	चम्पावत	167.92	13	284	44	243
	लोहाघाट	25.38	06	34	8	99
	पाटी	10.10	01	14	0	17
	बाराकोट	0.00	–	0	0	0
योग		**203.40**	20	**332**	**52**	**359**
2018–19	चम्पावत	173.45	13	281	33	289
	लोहाघाट	28.90	06	47	6	41
	पाटी	10.10	01	14	0	15
	बाराकोट	0.00	–	0	0	0
योग		**212.45**	20	**342**	**39**	**345**
2019–20	चम्पावत	177.34	14	361	44	338
	लोहाघाट	33.04	07	47	4	43
	पाटी	10.10	01	14	0	13
	बाराकोट	0.00	–	0	0	0
योग		**220.48**	**22**	**422**	**48**	**394**

बोर्ड द्वारा चम्पावत की कुल 22 ग्राम पंचायतों में 30 चाय बागानों को स्थापित किया गया। इन बागानों से विगत चार सालों के दौरान कुल 172.958 कु0 चाय की हरी पत्ती उत्पादित एवं प्रसंस्करण करते हुए 40.275 कु0 चाय का उत्पादन किया गया जिसमें से 39.616 कु0 चाय का विक्रय भी सम्पादित किया जाता है। इस क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं, बोर्ड को अपने कार्यक्रम को और विस्तृत करने की आवश्यकता है।

बोर्ड द्वारा बागानों से प्राप्त हरी पत्तियों को बोर्ड की स्वयं की चाय फैक्ट्रियों (चम्पावत) में प्रोसेसिंग कर आर्थोडॉक्स चाय/ग्रीन टी तैयार की जा रही है, जिसे ''उत्तराखण्ड टी'' के नाम से स्थानीय बाजार एवं आक्शन हाउस, कोलकाता के माध्यम से विक्रय कर आय अर्जित की जा रही है। बोर्ड द्वारा विगत 05 वर्षों में बागानों से प्राप्त हरी पत्ती, तैयार की जा रही आर्थोडॉक्स चाय एवं उसकी बिक्री का विवरण निम्नानुसार है :–

चाय विकास बोर्ड द्वारा चाय फैक्ट्री चम्पावत हेतु चाय उत्पादन का विवरण									
वर्ष	विकासखण्ड	चाय प्रजाति की नामावली	चाय नर्सरियों की संख्या	चाय हेतु कलस्टरों की संख्या	स्थापित चाय बागानों की संख्या	चाय बागानों से उत्पादित चाय की हरी पत्ती (कुन्तल में)	चाय प्रसंस्करण इकाईयों में प्राप्त हरी पत्ती (कुन्तल में)	चाय प्रसंस्करण इकाईयों में उत्पादित चाय की मात्रा (कुन्तल में)	चाय प्रसंस्करण इकाईयों से बिकी चाय की मात्रा (कुन्तल में)
2016–17	चम्पावत	आर्थोडॉक्स चाय	1	15	15	36.373	36.373	8.577	8.478
	लोहाघाट	,,	0	5	5	0	0		
	पाटी	,,	0	1	1	0.232	0.232		
	बाराकोट	,,	0	0	0	0	0	0	0
योग			**1**	**21**	**21**	**36.605**	**36.605**	**8.577**	**8.478**
2017–18	चम्पावत	आर्थोडॉक्स चाय	1	15	15	44.771	44.771	10.559	10.413
	लोहाघाट	,,	0	5	5	0.389	0.389		
	पाटी	,,	0	1	1	0.623	0.623		
	बाराकोट	,,	0	0	0	0	0	0	0
योग			**1**	**21**	**21**	**45.783**	**45.783**	**10.559**	**10.413**
2018–19	चम्पावत	आर्थोडॉक्स चाय	1	15	15	41.458	41.458	10.169	9.968
	लोहाघाट	,,	0	5	5	0.724	0.724		
	पाटी	,,	0	1	1	0.592	0.592		
	बाराकोट	,,	0	0	0	0	0	0	0
योग			**1**	**21**	**21**	**42.774**	**42.774**	**10.169**	**9.968**
2019–20	चम्पावत	आर्थोडॉक्स चाय	1	16	16	45.968	45.968	10.970	10.757
	लोहाघाट	,,	0	6	6	1.185	1.185		
	पाटी	,,	0	1	1	0.643	0.643		
	बाराकोट	,,	0	0	0	0	0	0	0
योग			**1**	**23**	**23**	**47.796**	**47.796**	**10.970**	**10.757**
महायोग			**1**	**30**	**30**	**172.958**	**172.958**	**40.275**	**39.616**

सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम (Border Area Development Programme)

सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम शत प्रतिशत केन्द्रीय वित्त पोषित कार्यक्रम है। जो भारत देश की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के शून्य से 10 किमी के भीतर स्थित ग्रामों को आच्छादित करते हुए 381 विकासखण्डों में संचालित हो रही है। जिसमें जनपद चम्पावत के दो विकासखण्ड चम्पावत और लोहाघाट सम्मिलित हैं। विगत चार वर्षों के मध्य इन विकासखण्डों में सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत करवाये गये कार्यों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम का प्रभाव									
वर्ष	विकासखण्ड का नाम (जहाँ बी.ए.डी.पी. संचालित हो रही हो)	बी0ए0डी0पी0 के अन्तर्गत निर्मित योजनाओं का विवरण (कुल संख्या)							
		कृषि/पशुपालन क्षेत्र में	शिक्षा क्षेत्र में	स्वास्थ्य क्षेत्र में	खेल गतिविधि के क्षेत्र में	अवसंरचना के क्षेत्र में	सामाजिक क्षेत्र में	कुल निर्मित योजनाएं	कुल व्यय धनराशि (लाख में)
2016–17	चम्पावत	5	6	8	4	33	17	73	443.68
	लोहाघाट	1	3	3	3	22	11	43	213.52
योग		**6**	**9**	**11**	**7**	**55**	**28**	116	**657.20**
2017–18	चम्पावत	4	4	2	9	29	21	69	455.68
	लोहाघाट	1	2	2	6	20	11	42	222.38
योग		**5**	**6**	**4**	**15**	**49**	**32**	111	**678.06**
2018–19	चम्पावत	5	5	6	4	4	12	36	332.86
	लोहाघाट	3	3	3	3	8	5	25	174.69
योग		**8**	**8**	**9**	**7**	**12**	**17**	61	**507.55**
2019–20	चम्पावत	1	5	3	2	12	15	38	414.68
	लोहाघाट	3	3	0	3	12	3	24	205.07
योग		**4**	**8**	**3**	**5**	**24**	**18**	62	**619.75**
विगत वर्षों का योग		**23**	**31**	**27**	**34**	**140**	**95**	350	**2462.56**

आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड चम्पावत द्वारा विगत चार सालों में कुल परिव्यय का 67% तथा विकासखण्ड लोहाघाट द्वारा 33% की धनराशि का व्यय किया गया। स्वीकृत धनराशि को सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत चिह्नित क्षेत्रों में से अवसंरचना के क्षेत्र में 40% सबसे अधिक तथा सबसे कम कृषि/पशुपालन में 6.6% की धनराशि का परिव्यय विगत चार सालों में किया गया, जिसका जनपद में विवरण निम्नवत ग्राफ से स्पष्ट हो जाता है।

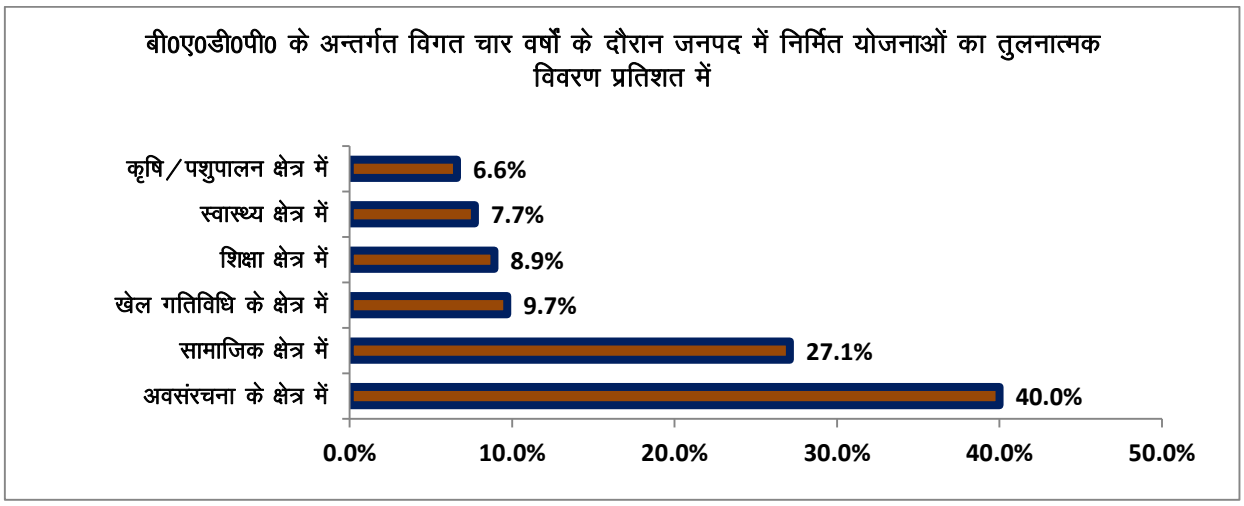

विकासखण्डों के लिए सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत चिह्नित क्षेत्रों में कार्य करवाने हेतु आंकड़ें देखे तो ज्ञात होता है कि विकासखण्डों द्वारा अति आवश्यक क्षेत्रों में निम्न दर पर योजनायें निर्मित की जा रही है, जिससे स्पष्ट होता है कि जनपद के इन विकासखण्डों में अवसंरचना एवं सामाजिक क्षेत्र में अधिक मांग की जा रही है अथवा ग्रामीणों में इस कार्यक्रम के तहत स्वीकृत मदों की जानकारी का अभाव है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक मांग कृषि, पशुपालन, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा खेल सम्बन्धी होती हैं। जिसकी स्थिति निम्नवत ग्राफों से स्पष्ट होती है।

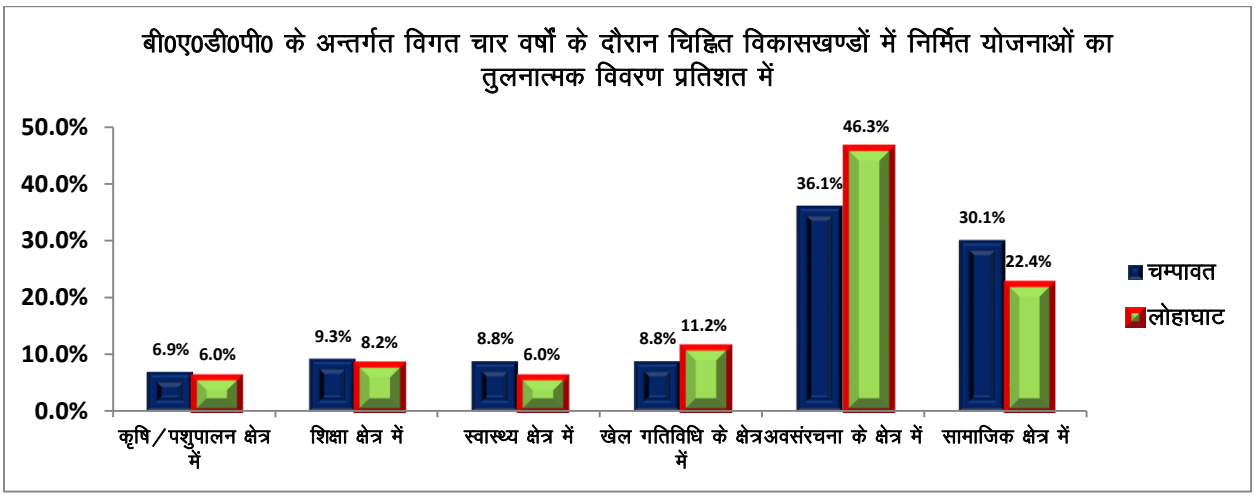

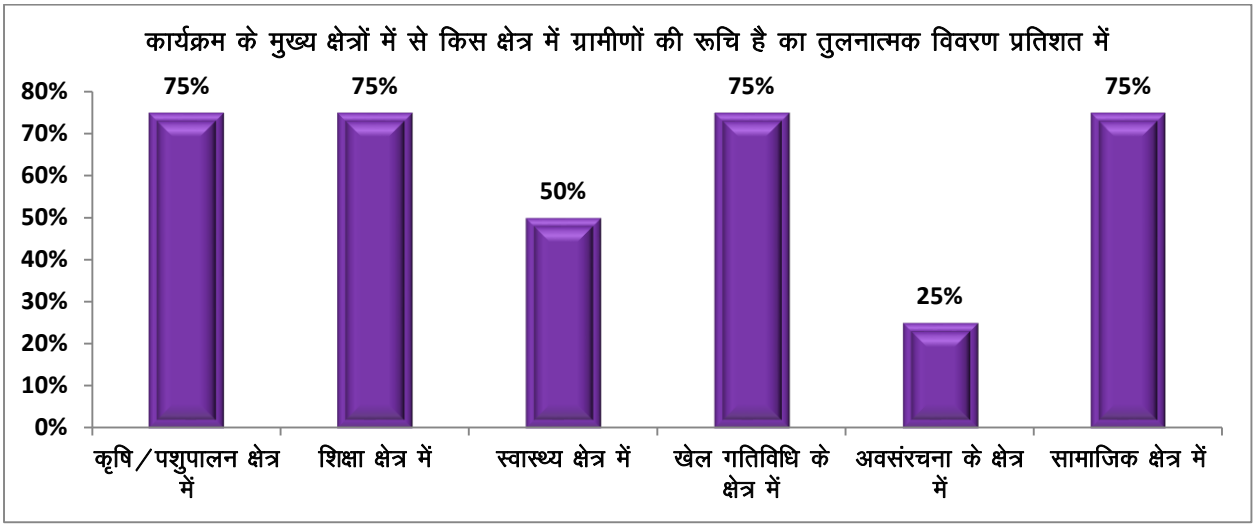

सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम के आंकड़ों से यह भी स्पष्ट होता है कि इस कार्यक्रम से ग्रामीणों की आय में वृद्धि तो दिखायी जाती है, परन्तु गांवों की जनसंख्या में कोई भी परिवर्तन नहीं दिखाया जाता जो कि कार्यक्रमो के उचित संचालन की ओर इशारा करता हैं। कार्यदायी संस्था को आगामी समय में सम्बन्धित ग्रामों का सघन सर्वेक्षण करवाकर कार्य योजना बनवाने की कार्यवाही अमल में लानी होगी तभी ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ करते हुए पलायन पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

ग्रोथ सेन्टर

उत्तराखण्ड राज्य प्राकृतिक संसाधनों एवं जैव विविधता से परिपूर्ण है। राज्य में प्राकृतिक रूप से अनेक विशिष्ट उत्पाद उपलब्ध हैं। इन्हीं के विपणन हेतु ग्रोथ सेन्टर की परिकल्पना की गयी है। वर्तमान में ग्रोथ सेन्टरों द्वारा राज्य के विशिष्ट एवं प्राकृतिक उत्पादों को देश–विदेश तक पहुँचाने के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन को कम करने हेतु स्थानीय स्तर पर ही ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य में अभी तक कुल 106 ग्रोथ सेन्टर स्थापित किये गये हैं जिससे लगभग 29,499 उद्यमियों को लाभान्वित करते हुए कुल 2,422 स्वयं सहायता समूहों को इस कार्यक्रम से जोड़ा गया है। जनपद चम्पावत में दो ग्रोथ सेन्टर स्वीकृत किये गये हैं जिसमें लोहा उत्पादन एवं कृषि उपकरण हेतु विकासखण्ड लोहाघाट में प्रगति ग्राम संगठन रायकोट, बूंगा के द्वारा सक्रिय रूप से संचालित किया जा रहा है, जबकि दूसरा विकासखण्ड चम्पावत के श्यामलाताल में शहद और मसाले के प्रसंस्करण हेतु अभी निमार्णाधीन है। ग्रोथ सेन्टरों का विवरण निम्नवत है।

जनपद चम्पावत में ग्रोथ सेन्टरों का विवरण

क्र0स0	ग्रोथ सेन्टर का नाम	विकासखण्ड	स्थापना वर्ष	ग्रोथ सेन्टर स्थापित करने में व्यय धनराशि (रू0लाख में)	संचालित गतिविधि	मासिक उत्पादन लगभग (कुन्तल में)	मासिक विपणन	ग्रोथ सेन्टर की कुल मासिक आय	ग्रोथ सेन्टर से लाभान्वित SHG's (संख्या में)		रोजगार प्राप्त उद्यमी (संख्या में)		ग्रोथ सेन्टर से उद्यमियों की आय में परिवर्तन (रूपये में)		अभ्युक्ति
									प्रारम्भ में	वर्तमान में	प्रारम्भ में	वर्तमान में	प्रारम्भ में	वर्तमान में	
1	लोह उत्पाद एवं कृषि उपकरण	लोहाघाट	जुलाई 2020	41.04	लोह उत्पाद एवं कृषि उपकरण	30	25	रूपये 30000 से रूपये 35000 तक	6	8	40	32	4000	10000	प्रगति ग्राम संगठन रायकोट बूंगा द्वारा संचालित
2	शहद एवं मसाला	चम्पावत	2021	50.85	शहद एवं मसाला	–	–	–	30	–	150	–	–	–	उगता सूरज ग्राम संगठन बामन जौल द्वारा संचालित किये जाने का प्रस्ताव

(01) **लोह उत्पाद एवं कृषि उपकरण :–** विकासखण्ड लोहाघाट में लोह उत्पाद एवं कृषि उपकरण हेतु ग्रोथ सेन्टर को स्थापित करने लिए उद्योग विभाग द्वारा रू0 21.95 लाख, उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से रू0 9.59 लाख, विधायक निधि से रू0 5.00 लाख तथा युगपतीकरण से रू0 4.50 लाख का व्यय करते हुए कुल रू0 41.04 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया। वर्तमान में 8 स्वयं सहायता समूहों को ग्रोथ सेन्टर से जोड़ते हुए 32 उद्यमियों को रोजगार उपलब्ध कराते हुए आय में 40% की वृद्धि करवायी गयी है।

(02) **शहद एवं मसाला :–** विकासखण्ड चम्पावत में शहद एवं मसाला प्रसंस्करण हेतु ग्रोथ सेन्टर को स्थापित करने लिए उद्योग विभाग द्वारा रू0 21.03 लाख, उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से रू0 14.47 लाख, मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत रू0 10.35 लाख तथा विधायक निधि से रू0 5.00 लाख मद में स्वीकृत कर कुल रू0 50.85 लाख की धनराशि का परिव्यय किये जाने का प्राविधान किया गया है। जिससे भविष्य में 30 स्वयं सहायता समूहों के उद्यमियों को लाभान्वित करने का ग्राम्य विकास विभाग द्वारा कार्ययोजना तैयार की गई है।

अध्याय 5

विश्लेषण एवं सिफारिशें

चम्पावत उत्तराखण्ड राज्य के पूर्वी क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख जनपद है। चम्पावत कुमाऊँ मण्डल के दक्षिण पूर्व में पड़ोसी देश नेपाल की सीमा से लगा हुआ जनपद है। जनपद चम्पावत की सीमा उत्तर में पिथौरागढ़, पश्चिम में अल्मोड़ा तथा नैनीताल और दक्षिण में उधमसिंहनगर जनपद की सीमाओं से मिलती हैं। जनपद का क्षेत्रफल करीब 1766 वर्ग किमी है। जनपद का अधिकांश भू–भाग पहाड़ी है जिसमें उच्च ऊंचाई वाली पहाड़ी, पहाड़ी और पठार और फ्लैट हैं। पत्थर और बजरी की मात्रा अधिक होने के कारण फसलों का उत्पादन बहुत कम है। 2001 की जनगणना तक, यहां केवल एक तहसील चम्पावत थी, हालांकि चम्पावत से तीन नई तहसीलों के साथ, 2011 की जनगणना में तहसीलों की संख्या चार हो गयी है जो इस प्रकार से है – चम्पावत, पाटी, लोहाघाट और पूर्णागिरी। विकास के दृष्टकोण से जनपद को पाटी, बाराकोट, चम्पावत और लोहाघाट जैसे चार विकास खण्डों में विभाजित किया गया है।

Demographic Data

जनपद के विकासखण्ड पाटी एवं लोहाघाट में आगामी समय में आबाद ग्रामों की संख्या में गिरावट तथा विकासखण्ड बाराकोट, चम्पावत तथा वन क्षेत्रों में आबाद ग्रामों की संख्या में वृद्धि होने की सम्भावना निम्नवत तालिका के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पलायन एक समस्या है। आंकडें निम्नवत तालिकाओं में प्रदर्शित किये गये हैं।

वर्ष/ विकासखण्ड	पाटी में ग्रामों की संख्या			बाराकोट में ग्रामों की संख्या			लोहाघाट में ग्रामों की संख्या			चम्पावत में ग्रामों की संख्या			वन क्षेत्र में ग्रामों की संख्या		
	आबाद	गैर आबाद	योग	आबाद	गैर आबाद	योग	आबाद	गैर आबाद	योग	आबाद	गैर आबाद	योग	आबाद	गैर आबाद	योग
1991	159	10	169	98	5	103	146	8	154	240	21	261	8	1	9
2001	154	10	164	98	5	103	146	8	154	245	21	266	8	1	9
2011	156	8	164	100	3	103	144	10	154	244	22	266	18	12	30

वर्ष	निर्माण युक्त भूमि	कृषि भूमि	जंगली भमि	चारागाह वाली भूमि	बंजर भूमि	नदी नाले वाली भूमि	स्थायी बर्फ वाली भूमि
1990	0.5	108.0	1480.9	751.0	30.9	62.9	0.0
1999	0.6	132.8	1484.3	41.6	35.5	63.7	0.0
2009	1.1	197.5	1463.7	26.8	5.1	64.3	0.0
2014	1.7	287.7	1385.8	11.8	7.0	64.8	0.0
2020	1.8	301.5	1395.9	-271.3	-2.1	65.2	0.0

जनपद में तहसीलवार वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य तहसीलों की जनसंख्या का विवरण दिया गया है जिसमें सबसे कम 6.81% जनसंख्या वृद्धि पूर्णागिरि तहसील में हुई है जबकि सबसे अधिक 41.46% चम्पावत तहसील में हुई है। उक्त आंकड़े पलायन की ओर संकेत करते हैं।

जनपद चम्पावत में वर्षवार एवं तहसीलवार जनसंख्या का विवरण					
वर्ष / विकासखण्ड	**चम्पावत**	**पूर्णागिरी**	**लोहाघाट**	**पाटी**	**जनपद**
2001	38545	68479	77616	39902	224542
2011	54524	73143	86477	45504	259648
2021	70503	77807	95338	51106	294754
2001 से 2011 के मध्य बदलाव	15979	4664	8861	5602	35106
2001 से 2011 के मध्य बदलाव प्रतिशत	***41.46%***	***6.81%***	***11.42%***	***14.04%***	***15.63%***

जनपद चम्पावत की जनसंख्या वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार कुल 224542 है, जो वर्ष 2011 की जनगणना में बढ़कर 259648 हुई, इनमें 131125 पुरूष तथा 128523 महिलाएं हैं। जनपद चम्पावत का जनसंख्या घनत्व 147 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो वर्ष 2001 में 127 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था, जिसमें 16% की वृद्धि हुई है। जिसके आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं।

वर्ष	**कुल जनसंख्या**			**जनसंख्या घनत्व**
	पुरूष	**महिला**	**योग**	
2001	111084	113458	224542	127
2011	131125	128523	259648	147
दशकीय परिवर्तन ±	20041	15065	35106	20
	18.04%	**13.28%**	**15.63%**	**16%**

जनपद चम्पावत में विकासखण्डवार जनसंख्या में वर्ष 2011 के लिए दशकीय परिवर्तन देखें तो आंकड़ों से ज्ञात होता है कि विकासखण्ड चम्पावत में सबसे अधिक 22.60% व विकासखण्ड बाराकोट में सबसे कम 8.78% दशकीय परिवर्तन देखा जा सकता है। जबकि इसके विपरीत वन बस्ती जनसंख्या में 133. 33% व नगरीय जनसंख्या में 13.51% दशकीय परिवर्तन दर देखी जा सकती है। जिसके आंकड़े निम्नवत तालिका में दर्शाये गये हैं।

दशकीय परिवर्तन प्रतिशत का तुलनात्मक विवरण					
क्र0स0	**विकासखण्ड का नाम**	**जनसंख्या**		**दशकीय परिवर्तन**	
		2001	**2011**	**संख्या**	**प्रतिशत**
1	चम्पावत	78845	96667	17822	22.60%
2	लोहाघाट	40755	45333	4578	11.23%
3	बाराकोट	24523	26676	2153	8.78%
4	पाटी	46359	51971	5612	12.11%
विकासखण्ड योग		***190482***	***220647***	***30165***	***15.84%***
वन बस्तियों की जनसंख्या		282	658	376	133.33%
नगरीय जनसंख्या		33778	38343	4565	13.51%
महायोग		***224542***	***259648***	***35106***	***15.63%***

जनपद चम्पावत में वर्ष 1901 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या में हुए दशकीय बदलाव को निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है, जिसमें वर्ष 1931 से वर्ष 1971 के मध्य जनसंख्या में वृद्वि दर देखी गयी है जो वर्ष 1971 में बढ़कर 45.07% हो गयी थी परन्तु वर्ष 1981 से जनसंख्या में हर दशक में गिरावट होते हुए वर्ष 2011 तक जनसंख्या में 15.63% की वृद्धि दर रह चुकी है, जिससे जनपद में पलायन की पुष्टि होती है। जिसके आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रस्तुत किये गये हैं।

वर्ष 1901 की स्थिति से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या में दशकीय बदलाव						
जनपद	जनगणना वर्ष	जनसंख्या	पूर्ववर्ती जनगणना के बाद से बदलाव		पुरूष	महिला
			शुद्व बदलाव	प्रतिशत		
चम्पावत	1901	39,902	----	----	20,524	19,378
	1911	45,196	+5,294	+13.27	23,314	21,882
	1921	44,606	-590	-1.31	22,759	21,847
	1931	48,514	+3,908	+8.76	24,759	23,755
	1941	56,462	+7,948	+16.38	28,616	27,846
	1951	63,640	+7,178	+12.71	32,553	31,087
	1961	83,080	+19,440	+30.55	42,882	40,198
	1971	120,525	+37,445	+45.07	61,636	58,889
	1981	151,072	+30,547	+25.34	77,580	73,492
	1991	190,929	+39,857	+26.38	98,173	92,756
	2001	224,542	+33,613	+17.60	111,084	113,458
	2011	259,648	+35,106	+15.63	131,125	128,523

आर्थिक आंकड़े

अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय के आंकड़ों के अनुसार चम्पावत जनपद की सकल जिला घरेलू उत्पाद वर्ष 2008–09 के लिए रूपये 80100 लाख था जो राज्य की कुल GDDP में 1.99 प्रतिशत का योगदान था। वर्ष 2008–09 के लिए जिले की प्रति व्यक्ति आय रूपये 27374 है जो कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय रूपये 36520 से बहुत कम था।

जनपद में जनसंख्या के आर्थिक वर्गीकरण के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में कृषकों और पारिवारिक उद्योग में निरन्तर कमी हो रही है जो पहाड़ों में आय के प्रमुख स्रोत के रूप में माने जाते हैं। आंकड़े वर्षवार एवं विकासखण्डवार निम्नवत तालिकाओं में दर्शाये गये हैं जिसके लिए पारिवारिक उद्योगों को बढ़ावा दिये जाने के साथ–साथ कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण किया जाना उचित होगा।

जनपद में वर्षवार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण							
वर्ष	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1991	47128	355	383	17049	64915	16387	81302
2001	34378	520	1084	20183	56165	34043	90208
2011	31971	1980	911	27836	62698	36868	99566
2021 के लिए अनुमानित	22669	2577	1321	32476	59042	49580	108623
वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य बदलाव	-2407	1460	-173	7653	6533	2825	9358

वर्ष 2001 का विकास खण्डवार कर्मकरों का विवरण							
विकासखण्ड	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
पाटी	8362	36	124	2117	10639	9873	20512
बाराकोट	5708	7	136	1257	7108	4475	11583
लोहाघाट	7842	40	150	2452	10484	6380	16864
चम्पावत	12006	378	517	6209	19110	12039	31149
समस्त विकास खण्ड	33918	461	927	12035	47341	32767	80108
वन	0	0	0	93	93	53	146
ग्रामीण क्षेत्र	33918	461	927	12128	47434	32820	80254
नगरीय	460	59	157	8055	8731	1223	9954
योग जनपद	**34378**	**520**	**1084**	**20183**	**56165**	**34043**	**90208**

पलायन **के आंकड़े**

पिछले 10 वर्षों में 304 ग्राम पंचायतों से कुल 20332 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर ग्रामों में अपने घर आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है। पिछले 10 वर्षों में 208 ग्राम पंचायतां से 7886 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिंता का विषय है। आंकड़े दर्शाते हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

पिछले 10 वर्षों में ग्राम पंचायतों से हुए पलायन का विकासखण्ड़वार विवरण				
विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
बाराकोट	48	2,605	40	1,479
चम्पावत	107	8,014	52	2,508
लोहाघाट	65	3,636	51	1,383
पाटी	84	6,077	65	2,516

पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार, की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओ में कमी है। विस्तृत आंकड़े नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत हैं।

ग्राम पंचायतों से पलायन के मुख्य कारण का विकासखण्डवार विवरण										
ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)										
जनपद	विकासखण्ड का नाम	आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता/पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	योग
चम्पावत	बाराकोट	33.04	12.19	14.60	6.35	10.10	11.69	6.60	5.42	100.00
चम्पावत	चम्पावत	54.12	5.33	10.29	6.29	4.19	2.59	8.80	8.39	100.00
चम्पावत	लोहाघाट	66.56	4.73	8.30	3.14	6.84	1.98	4.39	4.05	100.00
चम्पावत	पाटी	59.46	6.40	9.16	5.85	6.00	3.67	6.07	3.38	100.00

आंकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि लगभग 40 प्रतिशत पलायन 26 से 35 आयु वर्ग द्वारा किया गया है। विभिन्न विकासखण्ड़ों और जनपद की विस्तृत जानकारी निम्न तालिका में दी गई है।

ग्राम पंचायतों से आयु वर्गवार पलायन का जनपद और विकासखण्ड़वार विवरण					
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	योग
चम्पावत	बाराकोट	22.17	42.34	35.49	100.00
चम्पावत	चम्पावत	22.82	45.27	31.91	100.00
चम्पावत	लोहाघाट	27.79	44.78	27.43	100.00
चम्पावत	पाटी	27.43	48.11	24.46	100.00

ग्राम पंचायतों से आयु वर्गवार पलायन का जनपद विवरण				
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
	25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	योग
चम्पावत	25.23	45.49	29.29	100.00

ग्राम पंचायतों से हो रहे पलायन के गंतव्य के विश्लेषण कर सामने आये आंकड़ों को इस खण्ड़ में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से लगभग 40 प्रतिशत पलायन राज्य के अन्य जनपदों में है जबकि 28 प्रतिशत पलायन राज्य के बाहर हुआ है।

ग्राम पंचायत से हुए पलायन के गन्तव्यों का विकासखण्ड़वार विवरण							
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
		नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	योग
चम्पावत	बाराकोट	27.59	12.41	33.52	26.48	0.00	100.00
चम्पावत	चम्पावत	10.83	19.87	34.52	34.01	0.77	100.00
चम्पावत	लोहाघाट	15.76	16.90	25.98	41.23	0.13	100.00
चम्पावत	पाटी	7.30	16.33	48.46	27.77	0.13	100.00

ग्राम पंचायत पर 2011 के बाद राज्य, जनपद व विकासखण्ड वार निर्जन हुए ग्रामों/तोकों की संख्या		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	3
चम्पावत	चम्पावत	35
चम्पावत	लोहाघाट	15
चम्पावत	पाटी	11
जनपद योग		64

2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई वाले राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
चम्पावत	बाराकोट	0
चम्पावत	चम्पावत	16
चम्पावत	लोहाघाट	4
चम्पावत	पाटी	24
जनपद योग		44

जनपद के विकासखण्ड चम्पावत में 200 से कम जनसंख्या वाले ग्रामों में 12, 200 से 499 तक की जनसंख्या वाले ग्रामों में 13 तथा 1500 से 1999 तक जनसंख्या वाले ग्रामों में 02 की संख्या से सबसे अधिक गिरावट का होना पलायन की पुष्टि करता है।

Uttarakhand Human Development report 2019 salient data on Champawat district

1- District growth rate 2016-17 5.8%, state average 7.0%

2- District poverty rate 35.2%, state average 15.6 %

3- District average per capita income (2016-17) Rs 91000 / State Per capita income Rs 1,61,000

4- District % of rural households receiving remittances from migrants 70%

सामान्य सिफारिशें

1. ग्राम स्तर पर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ठ रणनीतियों को तैयार करने और कार्यान्वित करने की आवश्यकता है, इससे स्थानीय निवासियों के लिए अतिरिक्त आय उत्पन्न होगी, जिससे पलायन में कमी आयेगी तथा प्रवासियों में अपने गांव की तरफ लौटने का उत्साह रहेगा।

2. कृषि एवं गैर–कृषि आय को बढ़ावा देने की आवश्यकता है क्योंकि पांरपरिक कृषि आय एवं गैर–परंपरागत कृषि आय की अपेक्षा सेवा क्षेत्र से आय बढ़ी है। आंकड़े बताते हैं कि जिले की अर्थव्यवस्था में निर्माण क्षेत्र और सेवा क्षेत्र का योगदान पिछले वर्षों में लगातार बढ़ रहा है।

3. वे ग्राम जिनकी भौगोलिक स्थिति, वातावरण की परिस्थितियां, भूमि उपयोगिता, सिचाई एवं पेयजल की उपलब्धता, पलायन का स्तर आदि समान हो उनकी क्लस्टर बनाकर विशेषज्ञों, रेखीय विभाग तथा स्थानीय लोगो की सलाह पर कार्य योजना तैयार की जाय। स्थानीय नागरिक जो आर्थिक गतिविधियों में रूचि लें, उनकी पहचान कर विभागीय योजनाओं से सहायता प्रदान की जाये, ताकि वे अपनी आय को बढ़ा सकें।

4. जलवायु परिवर्तन चिंता का एक प्रमुख कारक है। जलवायु परिवर्तन से कृषि अर्थव्यवस्था सबसे ज्यादा प्रभावित होती है जलवायु परिवर्तन पर उत्तराखण्ड राज्य कार्य योजना द्वारा प्रस्तावित उपायों को लागू करना होगा, जिसकी अनदेखी करने पर जिले के ग्रामीण इलाकों से अधिक पलायन हो सकता है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था अधिक खराब हो सकती है।

5. स्थानीय अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार कौशल विकास कार्यक्रमों को तैयार करना चाहिए जैंसे कि कृषि सम्बन्धी प्रौद्योगिकी में सुधार, गैर मौसमी खेती, खाद्य, फल प्रसंस्करण दुग्ध उद्योग आदि। उद्यमिता विकास कार्यक्रम को भी ग्राम/ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता है।

6. इस तथ्य को देखते हुए कि गांवो में महिलाओं की संख्या पुरूषों की तुलना मे अधिक है, खासकर 30–49 वर्ष के आयु वर्ग की महिलायें ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को बढावा देने में प्रमुख भूमिका निभा सकती हैं। सामाजिक–आर्थिक विकास में महिलाओं की भागीदारी पर ध्यान केन्द्रित करना होगा जिनसे उनकी कठिनाइयों में कमी आये।

क्षेत्र वार सिफारिशें

कृषि

1. जनपद में वर्ष 2010 से वर्ष 2017–18 के मध्य कृषि के अन्तर्गत शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल में 2.31 हे0, एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल में 3.07 हे0, शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल में 0.16 हे0 तथा सकल सिंचित क्षेत्रफल में 0.12 हे0 की गिरावट का होना सिंचाई के संसाधनों का अभाव एवं पहाड़ी क्षेत्रों में कृषि का वर्षा पर आधारित होना है। जिसके लिए सिंचाई के संसाधनों के साथ उन उन्नत फसलों एवं तकनीकी को बढ़ावा दिये जाने की जरूरत है जिनके लिए सिंचाई की कम आवश्यकता हो।

2. कृषि कर्मकरों की संख्या में लगभग 2.46 प्रतिशत, कृषकों की संख्या में 10.22 प्रतिशत तथा पारिवारिक उद्योगों में 0.48 प्रतिशत की कमी से ग्राफ का गिरना युवा वर्ग का इन क्षेत्रों से दूर होना है। युवाओं को उल्लेखित क्षेत्रों में रोजगार के साथ–साथ आय उत्पन्न होने का विश्वास दिलवाना होगा, के लिए विभागीय कार्ययोजना तैयार किये जाने की आवश्यकता है।

3. जनपद के प्रतिवेदित क्षेत्रफल में शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल एवं फसल सघनता में वर्ष 2010–11 से वर्ष 2015–16 के मध्य गिरावट होने से प्रतिव्यक्ति उत्पादन में भी 21.3 किग्रा की कमी आई है। विभाग को इस ओर ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत है।

4. वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य मुख्य कर्मकरों की संख्या के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड बाराकोट के अन्तर्गत मुख्य कर्मकरों की संख्या में 10.89 प्रतिशत की सबसे अधिक गिरावट देखी जा सकती है, साथ ही पारिवारिक उद्योग में लगे कर्मकरों की संख्या में 1.19 प्रतिशत एवं कृषि कर्मकरों की संख्या में 7.28 प्रतिशत से सबसे अधिक कमी विकासखण्ड चम्पावत में आना जनपद के ग्रामीण विकास हेतु सार्थक नहीं है। सभी विभागों को इस ओर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

5. जनपद चम्पावत में जहाँ एक ओर सभी विकासखण्ड़ों में वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य उद्यानीकरण एवं एकबार से अधिक बोये गये क्षेत्र में गिरावट के आंकड़े प्रदर्शित होते हैं वहीं दूसरी ओर रबी, खरीफ तथा जायद की फसलों के सकल बोये गये क्षेत्रफल में भी कमी देखी जा सकती है।

6. जनपद के अन्तर्गत पैदा होने वाली तिलहन सिंचित, खाद्यान्न, सरसों सिंचित, धान, मक्का, जौ, झंगोरा, गेहूँ तथा चावल आदि फसलों के उत्पादन क्षेत्रफल में वर्ष 2010–11 से वर्ष 2017–18 के मध्य गिरावट के आंकड़े सभी विकासखण्ड़ों में प्रदर्शित हुए हैं। यह चिन्ता का विषय है।

7. कृषि विभाग से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि जनपद चम्पावत के अन्तर्गत खरीफ की फसल हेतु आच्छादित क्षेत्रफल के आंकड़ों की सापेक्ष रबी और जायद की फसलों के आंकड़ें क्रमशः 25.26% व 62.57% नीचे हैं, इसी तरह उत्पादन के क्षेत्र में भी क्रमशः 11.86% व 55.90% नीचे होने की पुष्ठि होती है। जबकि इसके विपरीत उत्पादकता के लिए जायद की फसल हेतु प्राप्त

आंकड़ों की अपेक्षा खरीफ और रबी की फसलों के आंकड़ों में 63.10% व 66.31% की गिरावट देखी जा सकती है। इस कमी को दूर करना होगा।

उद्यान

1. जनपद में विभिन्न फलों का उत्पादन हो रहा है, जैसे कि नाशपाती, अमरूद, आम, अखरोट इत्यादि। विभिन्न विकास खण्ड़ों में गैर मौसमी सब्जियों का भी उत्पादन किया जा रहा है जिनकी खपत राज्य के भीतर शहरों में हो रही है। हाल ही में कुछ विकास खण्ड़ों में फूलों का उत्पादन भी शुरू हुआ है परन्तु इस पर और ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि फलों की खपत आस–पास के जनपद जैसे कि नैनीताल आदि में और बढ़ेगी।

2. वर्तमान समय में बेमौसमी सब्जियों, फूलों और फलों का प्रचलन अधिक हो चुका है, जिसमें रोजगार के अधिक ज्यादा पायदान मौजूद हैं। विभाग को इस मद में सर्वेक्षण कर ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण उद्यमियों को लाभान्वित कर रोजगार उपलब्ध करवाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

3. जनपद में आलू बीज वितरण के वर्षवार आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2018–19 में कुल परिव्यय में से 48% व्यय करते हुए कुल बीज वितरित में 40% बीज वितरण किया गया इसी तरह वर्ष 2016–17 में भी बीज वितरण की अपेक्षा परिव्यय कम मात्रा में किया गया है, जबकि वर्ष 2017–18 एवं वर्ष 2019–20 के अन्तर्गत कम प्रतिशत में परिव्यय करते हुए अधिक मात्रा में आलू बीज वितरण किया गया। विभाग को इस तरह के बदलाव का अनुश्रवण करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार कर ग्रामीण उद्यमियों का चयन करते हुए आलू उत्पादन के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता को बढ़ाना चाहिए।

4. जनपद में वर्मी कम्पोस्ट का वर्षवार आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016–17 में ही विभाग द्वारा कुछेक प्रतिशत अच्छा कार्य किया गया परन्तु समय के साथ–साथ कार्य की प्रगति में निरन्तर विचलन देखने को मिला है, जो संतोषजनक नहीं माना जा सकता, क्योंकि समय के अनुरूप कार्य की मांग बढ़ती है अथवा घटती है, यह सम्भावनायें तभी सम्भव हो सकती हैं, जब विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को पूर्ण रूप से आच्छादित किया गया हो या वंचित रखा गया हो। अर्थात विभाग को अपने कार्यक्षेत्र को पुनः सर्वेक्षण कर कार्ययोजना सम्बन्धित क्षेत्र की तैयार करने का प्राविधान करने की आवश्यकता है।

5. नर्सरी/पौधशाला के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को उत्पन्न किये जाने की अधिक सम्भावनायें हैं। विभाग को चाहिए कि रूचिकर उद्यमियों को चिहिन्त कर प्रशिक्षित किया जाय तत्पश्चात उन्नत किस्म के बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध करवा कर नर्सरियों का विभागीय अधिकारी / कर्मचारी के माध्यम से अनुश्रवण किये जाने का प्राविधान का होना उचित होगा।

6. उपरोक्त सभी आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड चम्पावत के अलावा मिशन योजना, जिला योजना तथा राज्य योजना का परिणाम संतोषजनक नहीं दिखाई देता है जो कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य हेतु उचित नहीं है। विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों का सघन सर्वेक्षण कर शिक्षित, आयु वर्गवार, रूचिकर

उद्यमियों को चिहिन्त कर एवं प्रशिक्षित करते हुए उद्यानीकरण को आय के मुख्य स्रोत के रूप में ग्रामीणों के समुख उदाहरण प्रस्तुत करने हेतु कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

चाय

जनपद में अभी चाय बागानों का क्षेत्रफल लगभग 233 है0 है जिसे और बढ़ाये जाने की आवश्यकता है।

डेरी एवं पशुपालन

1. जनपद में पशुधन के आंकड़ों को देखें तो वर्ष 2007 से वर्ष 2012 के मध्य पशुधन की संख्या में 46687 के आंकड़ों से गिरावट का होना पशुपालन के प्रति लोगों में रूचि की कमी प्रतीत होती है। इसको व्यवसायिक रूप में बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है।

2. डेरी विकास विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं के अन्तर्गत शासन से प्राप्त लक्ष्यों की प्रतिपूर्ति प्रत्येक वर्ष की जा रही है। विभाग की ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढ़ीकरण योजना, डेरी विकास योजना, महिला डेरी विकास परियोजना, दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना के लक्ष्यों में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है मात्र गंगा गाय महिला डेरी योजना के लक्ष्यों में ही कमी के आंकड़ें प्रदर्शित होते हैं।

3. विभाग द्वारा उपलब्ध होने वाले दूध और दूध के अन्य उत्पाद, जनपद की मांग को भी पूरा नहीं कर पा रहा है जिस कारण जनपद के अन्तर्गत बाहरी प्रदेशों एवं जनपदों से दूध की पूर्ति हो रही है, जो जनपद की सामाजिक–आर्थिक विकास को सेंध लगाना है, जबकि उक्त दुग्ध व्यवसाय में रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं।

4. विभाग को डेरी विकास में महिलाओं के साथ–साथ युवाओं की भागीदारी को भी प्राथमिकता देते हुए कार्ययोजना तैयार करना, गाय भैंस के दूध के साथ–साथ बकरी के दूध को बढ़ावा देना तथा दूध एवं दूध से सम्बन्धित उत्पादों को बीमारी में उपयोगिता पर परीक्षण किया जाना चाहिए। इससे लोगों में दुग्ध व्यवसाय करने में रूचि बढ़ेगी, जिससे जनपद की सामाजिक–आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

5. पर्वतीय क्षेत्रों में पशुपालन बहुत कम मात्रा में व्यवसायिक रूप में किया जाता है। ग्रामीणों द्वारा ज्यादातर अपने स्वयं के उपयोग के लिए पशुपालन किया जा रहा है। जबकि जनपद के हर इलाके में दूध एवं दूध के उत्पादों तथा पर्वतीय क्षेत्रों के मांस की बहुत अधिक मात्रा में मांग हेतु बाजार उपलब्ध है।

6. विभाग पशुपालकों को व्यवसायिक एवं सामूहिक रूप में पशुपालन करवाने के लिए ग्रामीणों हेतु मेलों का आयोजन करने की कार्ययोजना तैयार करे, साथ ही पशुपालन से उत्पादित सामग्री का न्यूनतम सर्मथन मूल्य निर्धारित करने की योजना तैयार करे, ताकि पशुपालकों में एक अतिरिक्त न्यूनतम आय प्राप्ति का विश्वास जागृत हो सके।

मत्स्य पालन

1. जनपद में वर्ष 2018–19 के लिए मत्स्य पालन हेतु मात्र 19 व्यक्तिगत तालाब विकासखण्ड चम्पावत और पाटी के अन्तर्गत ही निर्मित किये गये जबकि किसी भी विकासखण्ड में विभागीय जलाशय का निर्माण नहीं करवाया गया है। विभाग जनपद के अन्तर्गत विभागीय जलाशय का निर्माण कर ग्रामीणों के मध्य मॉडल रूप प्रस्तुत कर मत्स्य पालन का प्रशिक्षण एवं प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। मत्स्य पालन के व्यवसाय को सभी विकासखण्ड़ों में विकसित करने की कार्ययोजना विभाग को सर्वेक्षण कर तैयार करने की आवश्यकता है।

2. विभाग को विकासखण्ड चम्पावत और पाटी के अलावा विकासखण्ड लोहाघाट एवं बाराकोट में क्षेत्र विशेष का सर्वेक्षण कर अधिक से अधिक परिवारों को रोजगार से जोड़ने हेतु कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, क्योंकि ये विकासखण्ड मत्स्य विभाग की कई योजनाओं से वंचित चल रहे हैं।

ग्रामीण विकास

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)

1. **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना :–**जनपद चम्पावत के 4 विकासखण्डों एवं 313 ग्राम पंचायतों में विभाग द्वारा कुल 40068 जॉबकार्ड वितरित किये गये हैं, जिनमें से अभी भी लगभग 22% जॉबकार्ड निष्क्रीय हैं, जबकि पंजीकृत कुल 62759 श्रमिकों में से वर्ष 2019–20 तक लगभग 28% श्रमिकों ने रोजगार नहीं लिया। इसके लिए विभाग को ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाते हुए सभी जॉबकार्ड धारकों एवं श्रमिकों को आच्छादित करने की सभी विकासखण्डों में कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

2. **सृजित कार्य–दिवस :–**जनपद के विकासखण्डों के आंकड़ों को देखे तो ज्ञात होता है जनपद के हर विकासखण्ड में मानव दिवस में गिरावट होने की वजह से जनपद के सृजित कार्य–दिवस के आंकड़ों में भी वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य 02.48 लाख मानव दिवस की कमी हुई है। जबकि वर्ष 2019–20 में लेबर बजट अन्य वर्षों की अपेक्षा रूपये 8.17 लाख था।

3. **100 मानव दिवस पूर्ण करने वाले परिवार :–**वर्ष 2019–20 हेतु मनरेगा में मजदूरी के 100 दिन पूरे करने वाले परिवारों की संख्या के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में अभी तक पंजीकृत कुल 40068 परिवारों में से मात्र लगभग 3% परिवारों को ही 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया गया है, जिसमें सबसे कम विकासखण्ड बाराकोट द्वारा 152 मानव दिवस के माध्यम से योगदान किया गया है जिसको बढ़ाने के लिए विभाग को ठोस रणनीति तैयार करनी की आवश्यकता है। ताकि ज्यादा से ज्यादा परिवारों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया जा सके।

4. **कुल (%) में से महिला कार्य दिवस :–**जनपद में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान कुल (%) में से महिला कार्य दिवस की संख्या में 4.55% की वृद्धि हुई है। जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बाराकोट द्वारा 45.9% व सबसे कम विकासखण्ड लोहाघाट द्वारा 43.8% के माध्यम से किया गया है।

5. **प्रति घर प्रदान किये गये रोजगार के औसत दिन :–** जनपद में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2018–19 के दौरान प्रति घर प्रदान किये गये रोजगार के औसत दिन में 4.54 की वृद्धि एवं वर्ष 2019–20 तक 6.26 की कमी होती है जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बाराकोट द्वारा 50.8% व सबसे कम विकासखण्ड लोहाघाट द्वारा 44.5% के माध्यम से किया गया है।

6. **कुल परिवारों ने काम किया :–** जनपद में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान कुल परिवारों ने काम करने में 4824(12%) परिवारों की दर से गिरावट हुई है जिसमें सबसे अधिक योगदान औसतन विकासखण्ड चम्पावत द्वारा 34% व सबसे कम विकासखण्ड लोहाघाट और बाराकोट द्वारा 20%-20% के माध्यम से किया गया है।

7. **पूरा किए गए कार्यो की संख्या** :– जनपद में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के दौरान चालू कार्यों की संख्या में 1888 (23%) कार्यों की गिरावट हुई है। पूरा किये गये कार्यों की संख्या हेतु विकासखण्ड चम्पावत एवं पाटी में क्रमशः 08% व 09% की दर से कमी आती है जबकि विकासखण्ड लोहाघाट और बाराकोट में क्रमशः 06% व 010% की दर से वृद्धि के आंकड़ें देखें जा सकते हैं, किन्तु विगत चारों वर्षों में चालू कार्यों की संख्या में सबसे अधिक 33% चम्पावत विकासखण्ड में तथा सबसे कम 21% विकासखण्ड बाराकोट में चालू स्थिति में रहने के आंकड़ें प्राप्त होते हैं।

दीन दयाल अन्त्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डी.ए.वाय.–एन.आर.एल.एम.)

1. जनपदान्तर्गत वर्ष 2019–20 तक आजीविका मिशन के तहत कुल 1150 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड चम्पावत द्वारा 529 स्वयं सहायता समूह (SHG's) तथा सबसे कम 141 स्वयं सहायता समूह (SHG's) विकासखण्ड पाटी के माध्यम से किया जाता है। आजीविका मिशन के माध्यम से जनपद में कुल 8044 सदस्यों/परिवारों की आय में बढ़ोत्तरी का कार्य करवाया जा रहा है। विकासखण्ड बाराकोट एवं पाटी में विभाग को अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

2. वर्ष 2020–21 के मध्य विभाग द्वारा आजीविका मिशन के तहत कलु 120 स्वयं सहायता समूह गठित करवाये गये जिसमें विकासखण्ड पाटी द्वारा सबसे अधिक 45 SHG एवं सबसे कम विकासखण्ड चम्पावत द्वारा 17 SHG गठित कर जनपद के आंकड़ों में योगदान किया गया जबकि विकासखण्ड चम्पावत जनपद का सबसे बड़ा विकासखण्ड है। आजीविका हेतु प्राप्त इस तरह के आंकड़ें, जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु उचित नहीं है।

3. आजीविका मिशन के अन्तर्गत जनपद के अन्य विकासखण्ड़ों को वंचित रखते हुए मात्र विकासखण्ड चम्पावत में ही दो PIA'S के द्वारा सिर्फ वर्ष 2020–21 में ही 175 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया, जो कि बहुत न्यून आंकड़ा है। विभाग को उक्त आंकड़ें को बढ़ाने एवं सभी विकासखण्ड़ों को लाभान्वित करने हेतु कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI)

आरसेटी के द्वारा विगत तीन वर्षों के मध्य विभिन्न प्रकार के ट्रेड़ों में 1607 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें विकासखण्ड चम्पावत के अलावा अन्य सभी विकासखण्ड का योगदान न्यूनतम रहता है अर्थात अन्य विकासखण्ड़ों में आरसेटी को अधिक काम करनी की आवश्यकता है, तभी जनपद का समानान्तर सामाजिक–आर्थिक विकास हो पायेगा।

लघु उद्योग

1. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग हजारों की संख्या में जनपद के नागरिकों को रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र से हो रहा पलायन कम होगा। जनपद की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु एवं आजीविका के स्रोत बढ़ाने के लिए सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों का विकास आवश्यक है।

2. जनपद में बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अर्न्तगत लघु उद्यमों की स्थापना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में ही प्रगति अन्य सभी योजनाओं की अपेक्षा संतोषजनक रहती है। विभाग द्वारा इन योजनाओं के साथ–साथ अन्य योजनाओं के आंकड़ों में भी वृद्धि हेतु ठोस रणनीति तैयार करनी चाहिए।

3. विभाग की इस योजना का विकासखण्डवार आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि सबसे अधिक आवेदन विकासखण्ड चम्पावत और पाटी के बैंकों में हैं जिन पर अभी भी बैंकों द्वारा कोई भी कार्यवाही अमल में नहीं लाई गयी है।

पर्यटन

विगत पाँच वर्षों में 684731 पर्यटक जनपद में पर्यटन हेतु पहुँचे, जिसमें 683848 देशी पर्यटक एवं 883 विदेशी पर्यटक सहित कुल 684731 पर्यटकों द्वारा जनपद का भ्रमण किया गया। विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हेतु जनपद स्तरीय पर्यटन नीति विकसित करने हेतु विभाग को योजना बनाने की आवश्यकता है जिससे की अधिक से अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। आंकड़े निम्नवत तालिका में दर्शाये गये हैं।

वर्षवार पर्यटक सांख्यिकी माह जनवरी से माह दिसम्बर तक

क्र0 सं0	वर्ष	देषी	विदेषी	कुल
1.	2016	88,552	169	88,721
2.	2017	1,48,812	259	1,49,071
3.	2018	1,88,703	213	1,88,916
4.	2019	2,10,522	191	2,10,713
5.	2020	47,259	51	47,310
	योग	**683848**	**883**	**684731**

1. जनपद चम्पावत में इस योजना के तहत मात्र चार व्यवसाय में रूपये 577.77 लाख का परिव्यय करते हुए 45 इकाईयों को स्थापित कर स्वरोजगार प्रदान किया गया है, जिसमें सबसे अधिक योगदान वाहन मद का रहा। फूड कॉर्नर, होटल, वर्कशॉप आदि व्यवसाय तथा वाहन व्यवसाय में आय प्राप्त होने के समय में काफी अन्तर है। जबकि वाहन व्यवसाय की उम्र अन्य व्यवसाय से बहुत कम है। विभाग द्वारा युवाओं हेतु चर्चा–विमर्श गोष्ठी का आयोजन कर हुनर को पहचानते हुए योजना से लाभार्थियों का चयन करना चाहिए।

2. जनपद में इस योजना के तहत अभी तक कुल 101 होम–स्टे संचालित हो रहे हैं। लोहाघाट विकासखण्ड में 02 एवं विकासखण्ड चम्पावत में 04 होम–स्टे, दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास (होम–स्टे) विकास योजना के अर्न्तगत वर्ष 2018–19 से वर्ष 2019–20 के मध्य निर्मित हुए हैं। योजना के अन्तर्गत रूपये 134.24 लाख की धनराशि से लार्थियों को वित्तपोषित करवाया गया जिसमें अनुदान के रूप में लााभार्थियों को अधिकतम रूपये 10 लाख या न्यूनतम 33% के साथ–साथ देय ब्याज में न्यूनतम 50% या अधिकतम रूपये 1.50 लाख आगामी पांच सालों तक विभाग द्वारा वहन किये जाने का प्राविधान है जिससे होम–स्टे योजना को भविष्य में बढ़ावा मिलेगा।